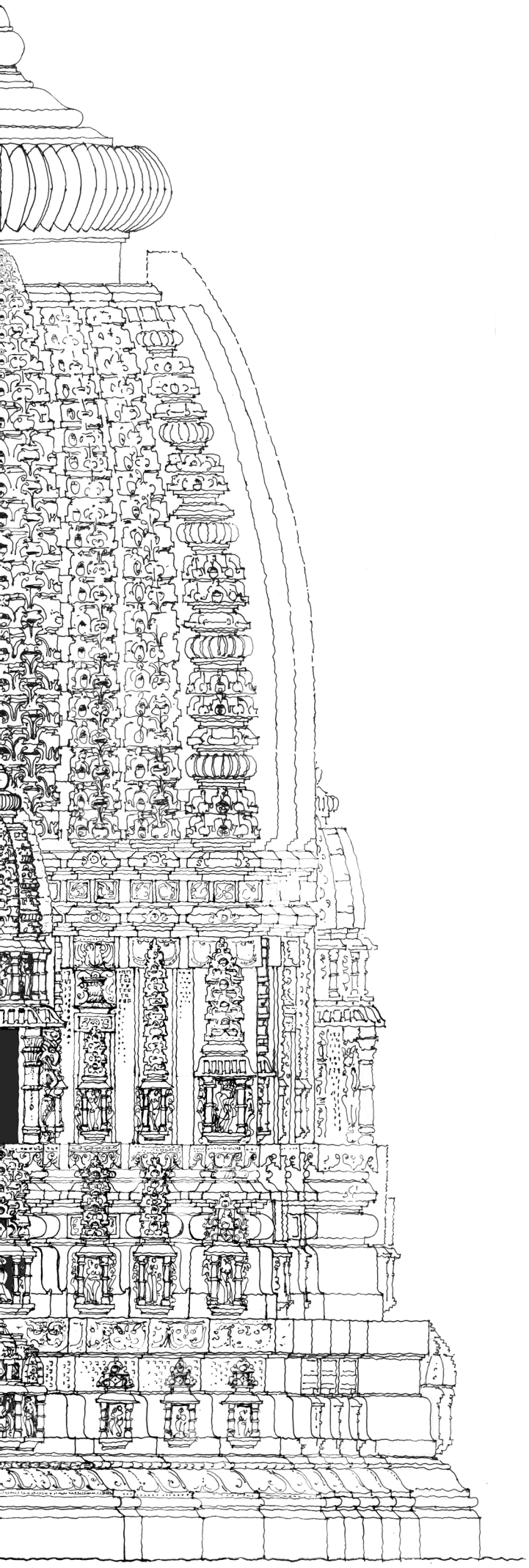

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report
2016-17

वार्षिक प्रतिवेदन

2016-17

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल

(राष्ट्रीय महत्व का संस्थान, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार)

प्रांगण नीलबड़ मार्ग, भौंरी, भोपाल ४६२ ०३०

वेबसाइट www.spabhopal.ac.in **दूरभाष** +91 755 252 6800

अनुक्रमाणिका

क्र.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	निदेशक की कलम से	01
2	संगठन	02
3	शासी मण्डल	03
4	वित्त समिति	04
5	अभिषद	05
6	भवन एवं निर्माण समिति	06
7	संस्थान के पदाधिकारी	07
8	संकाय (योजना एवं वास्तुकला विभाग)	08
9	प्रशासनिक पदाधिकारी	11
10	शैक्षणिक कार्यक्रम	13
11	केंद्रीय सुविधायें	15
	पुस्तकालय	15
	ग्राफिक्स प्रयोगशाला	16
	कंप्यूटर सेंटर	17
	जी.आई.एस. प्रयोगशाला	17
	वास्तुकला कार्यशाला	19
12	केन्द्र	20
	मानव केंद्रित अनुसंधान केन्द्र (सी.एच.सी.आर.)	20
	सांस्कृतिक ज्ञान प्रणाली केंद्र (सी.सी.के.एस.)	22
13	एस.पी.ए. प्रेस	23
14	अनुसंधान एवं परामर्श परियोजनाएं	24
15	संस्थान की गतिविधियाँ	28
16	जी.आई.ए.एन. / कार्यशालाएं / विशेष व्याख्यान	32
17	प्रशिक्षण एवं रोजगार प्रकोष्ठ	37
18	छात्र गतिविधियाँ	38
19	छात्र पुरस्कार एवं उपलब्धियाँ	40
20	शिल्पशाला का संक्षिप्त विवरण (स्टूडियो ब्रीफ)	41
21	संकाय सदस्यों का योगदान	51
	प्रकाशन	51
	शैक्षणिक गतिविधियों में सहभागिता	56
	आमंत्रित व्याख्यान	61
	शैक्षणिक पैनल	62
	पेशेवर पैनल	64
	न्यायपीठ / मौखिक / परीक्षा	65
	उपलब्धि एवं घोषणा	67

निदेशक की कलम से

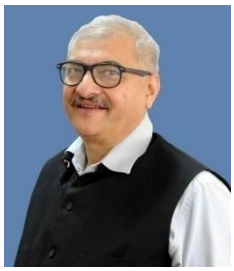

मैं अत्यंत हर्ष के साथ योजना एवं वास्तुकला विद्यालय का 8 वां वार्षिक प्रतिवेदन (वर्ष 2016–17) प्रस्तुत करने जा रहा हूँ। भारत सरकार ने गज़ट अधिसूचना के माध्यम से दिनांक 18 दिसम्बर 2014 को योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल को एक ''**राष्ट्रीय महत्व का संस्थान**'' घोषित किया है एवं विद्यालय उक्त अधिनियम के तहत संचालित है।

संस्थान में योजना एवं वास्तुकला के क्षेत्र में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध पाठ्यक्रम स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है। वर्तमान में संस्थान में कुल 643 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत् हैं।

वार्षिक प्रतिवेदन में योजना एवं वास्तुकला विद्यालय के संकायगणों की सभी गतिविधियों, उपलब्धियों को समाहित किया गया है जो कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं सामाजिक सशक्तिकरण की भावना को दर्शाता है। साथ ही वार्षिक प्रतिवेदन में भारत शासन द्वारा निर्देशित इस वर्ष के दौरान संस्थान में हुई सभी गतिविधियों को समाहित किया गया है। विषय आधारित विशेष केंद्र जैसे मानव केंद्रित अनुसंधान केंद्र (CHCR) एवं सांस्कृतिक ज्ञान केंद्र (CCKS), सामाजिक विकास के संबंध में एसपीए चार्टर की लोकनीति के साथ तालमेल बनाकर कार्य कर रहे हैं। विद्यालय, भारत सरकार एवं देश के अन्य संस्थानों के माध्यम से अनुसंधान परियोजनाओं पर भी कार्य कर रहा है। इन तमाम परियोजनाओं में से अभिकल्पन अनुसंधान केन्द्र (DIC) एवं शैक्षणिक श्रृंखला के लिये वैश्विक पहल (GIAN) दो परियोजनाएं प्रमुख रूप से विद्यालय में संचालित हैं।

यह गौरवपूर्ण विषय है कि विद्यालय भौरी स्थित हमारे नए परिसर में स्थापित हो चुका है। विद्यालय परिसर में तीन हॉस्टल बिल्डिंग, खेल मैदान, पार्किंग क्षेत्र, सड़क संचार क्यूआईपी सेंटर, गेट परिसर एवं कर्मचारियों के आवास का निर्माण हो चुका है।

जैसा कि हमारे चार्टर में उल्लेखित है, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल की भारत में योजना एवं वास्तुकला की शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व भूमिका रही है। विद्यालय देश में शैक्षिक वातावरण को प्रोत्साहित करने हेतु बहुत से राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों का आयोजन करता रहा है। मैं अत्यंत प्रसन्नता से इस बात को साझा कर रहा हूँ कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्बद्ध तकनीकी पत्रिका स्पैन्ड्रल वास्तुकला एवं योजना के क्षेत्र में अपनी एक स्वीकृत पहचान स्थापित कर चुकी है। संस्थान द्वारा अभी हाल ही में स्पैन्ड्रल का 12 वां अंक ''योजना एवं विकास की भूस्थानिक पहल'' की थीम पर प्रकाशित किया गया है एवं संस्थान की हिन्दी पत्रिका **''स्पन्दन''** के द्वितीय अंक का भी प्रकाशन किया गया है।

मैं पूर्ण निष्ठा से हमारे अध्यक्ष महोदय, प्रो. बिमल पटेल, प्रथम अध्यक्ष अधिशासी मण्डल, (एसपीए अधिनियम 2014 के पश्चात्) को धन्यवाद देता हूँ एवं साथ ही मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा भारत सरकार के सभी अधिकारीगणों को भी धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने संस्थान के विकास की स्थापना एवं संस्थान के उद्देश्यों को पूर्ण करने के लिए निरंतर सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया है।

प्रो. चेतन वैद्य
निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)

संगठन

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय वर्ष 2008 में भारत शासन द्वारा स्थापित किया गया था एवं संसद के एक अधिनियम के तहत संस्थान को दिसम्बर 2014 में ''राष्ट्रीय महत्व के संस्थान'' के रूप में घोषित किया गया है।

संस्थान देश को ऐसे योजनाकार एवं वास्तुकार देने के लिए प्रतिबद्ध है जो वैश्विक मानकों के अनुरूप भौतिक एवं सामाजिक पर्यावरण के विकास की चुनौतियों का सामना कर सके। यह संस्थान 'सृजनात्मकता के संस्थान' के रूप में विकसित होगा, जहॉ विद्यार्थियों, अनुसंधानकर्ताओं, प्राध्यापकों एवं समाज में सर्वेक्षण की चेतना व्यापक होगी। योजना एवं वास्तुकला विद्यालय सामाजिक जीविका के लिये अंतर्राष्ट्रीय अभिकल्पना के माध्यम से, सांस्कृतिक जीविका के लिये संरक्षण के माध्यम से एवं पर्यावरण जीविका के लिये वास्तुकला, योजना एवं अभिकल्पना के अनुशासन के माध्यम से प्रयास करेगा।

संस्थान के प्रयास

- योजना एवं वास्तुकला विद्यालय भोपाल एक उत्कृष्ट केन्द्र पर स्नातक, स्नातकोत्तर, डॉक्टोरल एवं पोस्ट डॉक्टोरल स्तर पर योजना एवं वास्तुकला के विषयों पर उत्तम शिक्षा प्रदान कर रहा है।
- योजना एवं वास्तुकला के क्षेत्र में अनुसंधान एवं परामर्श के लिए स्वयं को राष्ट्रीय स्तर के क्षेत्र में अनुसंधान एवं परामर्श कार्य पर विशेष बल दे रहा है।
- राष्ट्रीय स्तर पर तैयारी एवं कार्यान्वयन का बंदोबस्त एवं सरकार के लिये वास विकास कार्यक्रम हेतु अनुसंधान एवं डेटाबेस केन्द्र तथा निर्णय समर्थन केन्द्र का निर्माण।
- वास्तुकला के अलावा एवं स्थानीय नियोजन संस्था के परामर्श हेतु मुख्य केन्द्र का निर्माण।
- उच्च क्षमता के संकाय सदस्यों का संवर्ग जो शिक्षण के लिये समर्पित किया जायेगा। योजना एवं वास्तुकला के साथ अनुसंधान एवं परामर्श सभी अनुशासित ढंग से होंगे।
- सामाजिक रूप से जिम्मेदार बनने के लिए संस्था मानव आवास के भौतिक विकास हेतु सरकार को अनुसंधान व फीडबैक प्रदान करेगी।

शासी मण्डल

डॉ. बिमल एच. पटेल
अध्यक्ष

प्रो. चेतन वैद्य
निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)

एस. पी. गोयल
संयुक्त सचिव (एनआईटी एवं डीएल)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार

दर्शना एम. डबराल
संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार
उच्च शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार

नीरज मंडलोई
संयुक्त सचिव
शहरी विकास मंत्रालय,
भारत सरकार

कल्पना श्रीवास्तव
अतिरिक्त मुख्य सचिव (तकनीकी शिक्षा),
मध्यप्रदेश शासन

प्रो. नज़मुद्दीन
प्रधान सचिव
इंन्स्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स, इंडिया

विजय गर्ग
उपाध्यक्ष
वास्तुकला परिषद

आशुतोष अग्रवाल
वास्तुकार
नई दिल्ली

प्रो. (श्रीमती) पुष्पलता
प्राध्यापक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की

प्रो. अजय खरे
वास्तुकला विभाग

प्रो. बिनायक चौधुरी
योजना विभाग

राजेश मोज़ा
सचिव एवं कुलसचिव

वित्त समिति

डॉ. बिमल एच. पटेल
अध्यक्ष

प्रो. चेतन वैद्य
निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)

डॉ. डी.एस. मेश्राम
अध्यक्ष
इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स, इंडिया
नई दिल्ली

एस. पी. गोयल
संयुक्त सचिव (एनआईटी एवं डीएल)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार

दर्शना एम. डबराल
संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार
उच्च शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार

शाजु वर्गिस
उप कुलसचिव

राजेश मोज़ा
सचिव एवं कुलसचिव

अभिषद

प्रो. चेतन वैद्य
निदेशक (अतिरिक्त प्रभार),
अध्यक्ष

प्रमोद बालाकृष्णन
वास्तुकार एवं इंटीरियर डिजाइनर, चैन्नई

डॉ. ए. श्रीवथसन
शैक्षणिक निदेशक
सेप्ट विश्वविद्यालय, अहमदाबाद

संजय प्रकाश
वास्तुकार
नई दिल्ली

चम्पका राजगोपाल
योजनाकार
बैंगलोर

शालिनी सिन्हा
सह प्राध्यापक
सेप्ट विश्वविद्यालय, अहमदाबाद

प्रो. अशोक कुमार
प्राध्यापक
भौतिक योजना विभाग
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, नई दिल्ली

सतीश कुमार सिंगला
वास्तुकार
हिसार, हरयाणा

प्रो. राजीव मिश्रा
प्राधानाचार्य
सर जे. जे. कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, मुम्बई

प्रो. अजय खरे
संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक क्रियाकलाप)

प्रो. संजीव सिंह
संकायाध्यक्ष (योजना एवं विकास)

प्रो. बिनायक चौधुरी
संकायाध्यक्ष (अनुसंधान एवं विकास)

डॉ. तापस मित्रा
विभाग प्रमुख (वास्तुकला)

प्रो. एन. आर. मण्डल
विभाग प्रमुख (योजना)

प्रो. रचना खरे
प्राध्यापक (वास्तुकला)

डॉ. अजय कुमार विनोदिया
सह प्राध्यापक (वास्तुकला)

डॉ. संदीप संकट
सह प्राध्यापक (वास्तुकला)

डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर
सहायक प्राध्यापक (योजना)

डॉ. विशाखा कवाठेकर
सहायक प्राध्यापक (वास्तुकला)

राजेश मोज़ा
सचिव एवं कुलसचिव

भवन एवं निर्माण समिति

प्रो. चेतन वैद्य
निदेशक (अतिरिक्त प्रभार),
अध्यक्ष

प्रो. नज़मुद्दीन
प्रधान सचिव
इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स, इंडिया

डॉ. बी.के. भद्री
सहायक शिक्षा सलाहकार (डी.एल.)
उच्च शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार

प्रो. संजीव सिंह
संकायाध्यक्ष (योजना एवं विकास)

रमेश कुमार
अधिक्षण अभियंता (सिविल)
सी.पी.डब्ल्यू.डी., भोपाल क्षेत्र

कैलाश नायक
अधिक्षण अभियंता (इलेक्ट्रिकल)
सी.पी.डब्ल्यू.डी., भोपाल क्षेत्र

राजेश मोज़ा
सचिव एवं कुलसचिव

संस्थान के पदाधिकारी

निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)	प्रो. चेतन वैद्य
संकायाध्यक्ष – शैक्षणिक क्रियाकलाप	प्रो. अजय खरे
संकायाध्यक्ष – योजना एवं विकास	प्रो. संजीव सिंह
संकायाध्यक्ष – अनुसंधान एवं विकास	प्रो. बिनायक चौधुरी
विभागाध्यक्ष – योजना विभाग	प्रो. निखिल रंजन मण्डल
विभागाध्यक्ष – वास्तुकला विभाग	डॉ. तापस मित्रा
परीक्षा नियंत्रक	गौरव सिंह
सह संकायाध्यक्ष (योजना एवं विकास)	डॉ. अजय कुमार विनोदिया
सह संकायाध्यक्ष (संकाय कल्याण)	पियूष हजेला
सह संकायाध्यक्ष (छात्र क्रियाकलाप)	डॉ. संदीप संकट
संकाय प्रभारी (पुस्तकालय)	सन्मार्ग मित्रा
संकाय प्रभारी (प्रशिक्षण एवं रोजगार)	संदीप अरोड़ा
वार्डन (बालक छात्रावास)	डॉ. देवर्षि चौरसिया
वार्डन (बालिका छात्रावास)	डॉ. रमा उमेश पाण्डे
सहायक वार्डन (बालक छात्रावास)	कर्णसेन गुप्ता
	प्रेमजीत दास गुप्ता
सहायक वार्डन (बालिका छात्रावास)	गायत्री नंदा
	डॉ. काकोली साहा
सांस्कृतिक समन्वयक	डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर
	वृषभानलली रघुवंशी
एल्युमिनी समन्वयक	डॉ. देवर्षि चौरसिया
	डॉ. अमित चटर्जी
	नयना आर. सिंह
खेल समन्वयक	अरविंद कुमार मील
	सुशील कुमार सोलंकी
	अपूर्व श्रीवास्तव
	वृषभानलली रघुवंशी

संकाय

योजना विभाग

नाम	विशेषज्ञता
डॉ. बिनायक चौधुरी प्राध्यापक	नगरीय एवं क्षेत्रीय अर्थशास्त्र, क्षेत्रीय विश्लेषण, नगरीय प्रशासन एवं वित्त, परिमाणात्मक पद्धतियां
डॉ. निखिल रंजन मंडल प्राध्यापक	शहरी नियोजन, वास्तुकला
डॉ. शिउलि मित्रा सह प्राध्यापक	शहरी अवसंरचना एवं यातायात सुविधाओं की योजना, संपदा प्रबंधन
डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर सहायक प्राध्यापक	शहर नियोजन, भूमि प्रयोग एवं परिवहन व्यवहार, जैव विविधता एवं शहर नियोजन
अशफाक आलम सहायक प्राध्यापक	शहरी एवं क्षेत्रीय नियोजन, नगरीय प्रशासन, शहरी विकास
डॉ. रमा उमेश पाण्डे सहायक प्राध्यापक	पर्यावरण नियोजन, जलवायु परिवर्तन एवं परिस्थितिक तंत्र सेवा
डॉ. आरती जायसवाल सहायक प्राध्यापक	गृह एवं संपदा नियोजन, अपशिष्ट प्रबंधन
गोविन्द एम.पी. सहायक प्राध्यापक	पर्यावरण नियोजन, शहरी अधोसंरचना नियोजन
डॉ. अमित चटर्जी सहायक प्राध्यापक	शहरी एवं क्षेत्रीय नियोजन, महानगरीय नियोजन एवं विकास
गरिमा श्रीवास्तव सहायक प्राध्यापक	प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, ग्रामीण नियोजन एवं पर्यावरण नियोजन
पौलोस एन. के. सहायक प्राध्यापक	यातायात नियोजन, क्षेत्रीय नियोजन, शहरी अवसंरचना एवं प्रबंधन, जी. आई.एस.
बड़े शोमित दिलीप सहायक प्राध्यापक	पर्यावरण नियोजन, सतत् विकास एवं वास्तुकला
प्रेमजीत दासगुप्ता सहायक प्राध्यापक	परिवहन नियोजन, शहरी प्रशासन
गौरव वैद्य सहायक प्राध्यापक	शहरी अवसरंचना नियोजन
डॉ. काकोली साहा सहायक प्राध्यापक	स्थानिक योजना में जीआईएस एवं रिमोट सेंसिंग का आवेदन

वास्तुकला विभाग

नाम	विशेषज्ञता
डॉ. अजय खरे प्राध्यापक	वास्तुकला का इतिहास, शहरी अभिकल्पना एवं संरक्षण
डॉ. संजीव सिंह प्राध्यापक	वास्तुकला एवं पर्यावरण नियोजन
डॉ. रचना खरे प्राध्यापक	वास्तुकला, सार्वभौमिक अभिकल्पना एवं वास्तुकला में मानव केंद्रित अध्ययन
प्रो. सविता सुबरवाल राजे प्राध्यापक (प्रतिनियुक्ति– 18/07/2016 तक)	वास्तुकला एवं भूदृश्य वास्तुकला
डॉ. तापस मित्रा सह प्राध्यापक	अभिकल्पना सिद्धांत एवं शहर अध्ययन
पियूष हजेला सह प्राध्यापक	वास्तुकला एवं शहरी अभिकल्पना
डॉ. अजय कुमार विनोदिया सह प्राध्यापक	वास्तुकला एवं बुनियादी ढांचे के विकास की योजना
डॉ. संदीप संकट सह प्राध्यापक	वास्तुकला एवं इकिस्टीक्स, सार्वभौमिक डिज़ाइन एवं मानव केंद्रित डिज़ाइन
सौरभ पोपली सह प्राध्यापक	भूदृश्य वास्तुकला
डॉ. विशाखा कवाठेकर सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला संरक्षण
डॉ. आनन्द वाडवेकर सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं शहरी अभिकल्पना
गौरव सिंह सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं नगर नियोजन
डॉ. देवर्षि चौरसिया सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं शहर नियोजन, परिवहन पर विशेष
रमेश पी. भोले सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला संरक्षण
डॉ. सुकान्ता मजूमदार सहायक प्राध्यापक	उत्पाद डिज़ाइन एवं उत्पाद सेवा प्रणाली डिज़ाइनिंग
मंजुषा मिश्रा सहायक प्राध्यापक (05/07/2016 तक)	शहरी अभिकल्पना, वास्तुकला
संदीप अरोड़ा सहायक प्राध्यापक	संधारणीय वास्तुकला
सन्मार्ग मित्रा सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं शहरी नियोजन
परमा मित्रा सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं शहरी नियोजन
नयना आर. सिंह सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं निर्माण प्रबंधन
श्वेता सक्सेना सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला, ऊर्जा एवं पर्यावरण अभिकल्पना

सोनल तिवारी सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं भूदृश्य वास्तुकला
अरविंद कुमार मील सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं भवन अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन
गायत्री नंदा सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं शहरी अभिकल्पना
बृषभाननली रघुवंशी सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला, स्थानीय वास्तुकला एवं पारंपरिक ज्ञान प्रणाली
कर्णसेन गुप्ता सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं शहरी अभिकल्पना
सौरभ तिवारी सहायक प्राध्यापक	मूलभूत अभिकल्पना, दृश्य संचार अभिकल्पना, अभिकल्पना एवं वास्तुकला का इतिहास
अपूर्व श्रीवास्तव सहायक प्राध्यापक	आधुनिक निर्माण प्रबंधन
श्वेता वर्दिया सहायक प्राध्यापक	संरक्षण अभ्यास एवं परंपरागत सामग्री, इतिहास एवं व्यवस्थापन अध्ययन
सुशील कुमार सोलंकी सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला, अभिकल्पना एवं निर्माण प्रबंधन
आशिष पाटिल सहायक प्राध्यापक	दृश्य कला
पूनम खान सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला अध्यापनशास्त्र

प्रशासनिक पदाधिकारी

नाम	पद
प्रो. चेतन वैद्य	निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)
राजेश मोज़ा	कुलसचिव
शाजु वर्गिस	उपकुलसचिव (वित्त एवं लेखा)
राजेन्द्र कुमार जेना	सहायक पुस्तकाध्यक्ष
मनीष विनायक झोकरकर	सहायक कुलसचिव (क्रय एवं भंण्डार)
अमित खरे	सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
दीपाली बागची	सहायक कुलसचिव (प्रशासन)
आनंद किशोर सिंह	अनुभाग अधिकारी (प्रशासन)
राम प्रकाश यादव	अनुभाग अधिकारी (वित्त एवं लेखा)
प्रवीण जायसवाल	अनुभाग अधिकारी (वित्त एवं लेखा)
सरिता पंवार	अनुभाग अधिकारी (शैक्षणिक)
मकसूद आलम अंसारी	सहायक अभियंता सह परियोजना अधिकारी
वैशाली हेड़ाऊ	निजी सचिव
प्रतिभा सिंह	बहुप्रवीणता सहायक
अभिनव श्रीवास्तव	कनिष्ठ अधीक्षक
डॉ. प्रमोद दुबे	कनिष्ठ अधीक्षक
आलिया अली	निजी सहायक
विवेकानंद सिंह	बहुप्रवीणता सहायक
प्रेरणा जैन	लेखापाल
कुश श्रीवास्तव	लेखापाल
धन बहादुर पून	कनिष्ठ अधीक्षक
योगेन्द्र जोशी	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)
चंद्र शेखर गुप्ता	कनिष्ठ अभियंता (विद्युत)
प्रदीप हेड़ाऊ	बहुप्रवीणता सहायक
रामेन्द्र सिंह सिसोदिया	बहुप्रवीणता सहायक
नवीन कुमार बिडारे	बहुप्रवीणता सहायक
सिस्ता श्रीनिवास राव	निजी सहायक
दिलीप रंगारे	कनिष्ठ अधीक्षक
निशा नायर	लेखापाल
ममता सोलंकी	नर्सिंग सहायक
प्रिया जैन	नर्सिंग सहायक
मुकेश कुमार उपाध्याय	सहायक क्रीड़ा अधिकारी
सुनील कुमार जायसवाल	हिंदी सहायक

अंकित चौरसिया	कार्यशाला / प्रसारण कक्ष सहायक
तारक नाथ साहा	कनिष्ठ सहायक
स्वाति बिलैया	कनिष्ठ सहायक
स्वपनिल लोवंशी	कनिष्ठ सहायक
सुजीत कुमार बैरागी	कनिष्ठ सहायक
राम सिंह यादव	तकनीकी सहायक
नेहा तिवारी	तकनीकी सहायक
अमित कुमार बंसल	तकनीकी सहायक
गिरीश प्रसाद सती	कनिष्ठ सहायक
बिन्दु सुरेश	कनिष्ठ सहायक
कमलेश चौरे	तकनीकी सहायक
जितेन्द्र कुमार	तकनीकी सहायक
अशोक कुमार मिश्रा	पुस्तकालय सहायक
सुभाष शर्मा	पुस्तकालय सहायक
डॉ. रिपन रंजन विश्वास	पुस्तकालय सहायक
रेनू पाठक	पुस्तकालय सहायक
जितेन्द्र बिल्लोरे	कनिष्ठ सहायक
गोपाल दिगम्बर साली	कनिष्ठ सहायक
पुष्पेन्द्र सिंह	कनिष्ठ सहायक
घनश्याम राय	कनिष्ठ सहायक
सुजीत कुमार सिंह	छात्रावास सहायक / कार्यवाहक
मनीषा	छात्रावास सहायक / कार्यवाहक
मनीष नामदेव	प्रयोगशाला परिचर

शैक्षणिक कार्यक्रम

शैक्षणिक वर्षः ऑड सेमेस्टरः जुलाई – दिसम्बर, ईवन सेमेस्टरः जनवरी – मई
परीक्षा की प्रणालीः सेमेस्टर प्रणाली
अध्ययन पाठ्यक्रमः स्नातक कार्यक्रम

स्नातक कार्यक्रमः
वास्तुकला में स्नातकः वास्तुकला के स्नातक कार्यक्रम में दाखिले की प्रक्रिया अप्रैल माह में (जेईई मेन) संयुक्त प्रवेश परीक्षा सीबीएसई द्वारा आयोजित की जाती है।
पात्रताः सीबीएसई/राज्य बोर्ड से हायर सेकेण्डरी स्कूल 12 वीं कक्षा का प्रमाणपत्र या समकक्ष 50 प्रतिशत अंक गणित विषय सहित।
कोर्स अवधि : 5 वर्ष रिक्त स्थानः 75

योजना में स्नातकः योजना के स्नातक कार्यक्रम में दाखिले की प्रक्रिया अप्रैल माह में (जेईई मेन) संयुक्त प्रवेश परीक्षा सीबीएसई द्वारा आयोजित की जाती है।
पात्रताः सीबीएसई/राज्य बोर्ड से हायर सेकेण्डरी स्कूल 12 वीं कक्षा का प्रमाणपत्र या समकक्ष 50 प्रतिशत अंक गणित विषय सहित।
कोर्स अवधि : 4 वर्ष रिक्त स्थानः 30

परास्नातक कार्यक्रमः
वास्तुकला में परास्नातकः वास्तुकला में परास्नातक की प्रवेश प्रक्रिया का माध्यम संस्थान द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार है।
मौजूदा पाठ्यक्रमः
वास्तुकला में परास्नातक (संरक्षण) रिक्त स्थानः 20
वास्तुकला में परास्नातक (परिदृश्य) रिक्त स्थानः 20
वास्तुकला में परास्नातक (शहरी अभिकल्पना) रिक्त स्थानः 20

पात्रताः बी. आर्क 55 प्रतिशत एग्रीगेट/कुल अंकों सहित या बी. प्लान 1 वर्ष के अनुभव एवं 55 प्रतिशत एग्रीगेट/ कुल अंकों सहित।
कोर्स अवधिः 2 वर्ष

योजना में परास्नातकः योजना में परास्नातक की प्रवेश प्रक्रिया का माध्यम संस्थान द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार है।
मौजूदा पाठ्यक्रमः
योजना में परास्नातक (पर्यावरणीय योजना) रिक्त स्थानः 20
योजना में परास्नातक (शहरी एवं क्षेत्रीय योजना) रिक्त स्थानः 20

पात्रताः
बी. आर्क./बी. प्लान/बी.ई./बी. टेक. सिविल इंजीनियरिंग/एम.एस.सी./भूगोलशास्त्र से एम.ए. /अर्थशास्त्र/समाजशास्त्र 55 प्रतिशत कुल अंकों के साथ।
कोर्स अवधिः 2 वर्ष

डॉक्टोरेट डिग्री रिक्त स्थानः 10 प्रति वर्ष

संस्थान योजना एवं वास्तुकला के क्षेत्र में शोध उपाधि प्रदान करता है।

पात्रताः परास्नातक उपाधि आर्किटेक्चर/प्लानिंग/टेक्नोलॉजी/डिज़ाइन डिसीप्लीन या समकक्ष डिग्री 60 प्रतिशत अंकों के साथ (55 प्रतिशत अंक अजा/अजजा/विकलांग हेतु) या बी. आर्क/बी.प्लान 60 प्रतिशत अंकों के साथ (55 प्रतिशत अंक अजा/अजजा/विकलांग हेतु) कम से कम 5 वर्षों का पेशेवर अनुभव एवं जर्नल/सम्मेलन की कार्यवाही में कम से कम एक प्रकाशन।

आरक्षित पद (अधिसंख्या स्थान):

- DASA योजना (विदेशी छात्रों का सीधे प्रवेश) के तहत संस्थान यूजी एवं पीजी कार्यक्रमों में प्रवेश मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित DASA योजना के माध्यम से लेता है।
- कश्मीरी प्रवासियों हेतु ।
- पाठ्यक्रम में अधिमान्य आवंटन के लिए युद्ध या शांतिकाल आपरेशन (डीएस श्रेणी) में कार्यवाही के दौरान मारे गये या स्थायी रूप से अक्षम रक्षा/अर्धसैनिक बलों के आश्रित/वार्ड्स ।

शैक्षणिक कार्यक्रम

स्नातक कार्यक्रम	वार्षिक प्रवेश
वास्तुकला में स्नातक डिग्री कोर्स (पाँच वर्ष)	75
योजना में स्नातक डिग्री कोर्स (चार वर्ष)	30
परास्नातक कार्यक्रम (द्विवर्षीय)	
वास्तुकला में परास्नातक (संरक्षण)	20
वास्तुकला में परास्नातक (परिदृश्य)	20
वास्तुकला में परास्नातक (शहरी अभिकल्पना)	20
योजना में परास्नातक (पर्यावरणीय योजना)	20
योजना में परास्नातक (शहरी एवं क्षेत्रीय योजना)	20
वास्तुकला एवं योजना में वाचस्पति की मानद उपाधि	
सत्र 2016–17 में कुल नामांकित छात्र	35
31.03.2017 को योजना एवं वास्तुकला विद्यालय के छात्रों की कुल संख्या	643

केन्द्रीय सुविधाएं

पुस्तकालय

संस्थान का पुस्तकालय, रचनात्मक संस्थान की पठन–पाठन एवं अनुसंधान गतिविधियों के सहयोग में रचनात्मक एवं प्रगतिशील भागीदारी के लिये कार्य करता है। इसका मुख्य उद्देश्य छात्र समुदाय की बढ़ती अपेक्षाओं को पूरा करने के लिये अग्रिम रूप से सुविधा प्रदान कर ज्ञान अर्जित कराना है। यह संस्थान अकादमिक उत्कृष्टता के लक्ष्य को पाने के लिए महत्वपूर्ण अंगों में से एक है। संस्थान के संकाय, छात्र एवं कर्मचारियों के साथ साझेदारी में अभिनव एवं गतिशील शैक्षिक परिवर्तन लाने हेतु पुस्तकालय एक अनिवार्य इकाई है।

पुस्तकालय में वास्तुकला एवं योजना से संबंधित पुस्तकें एवं पाठ्य सामग्री प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक दोनों ही रूपों में मौजूद हैं। पुस्तकों की शीघ्र एवं सरल प्राप्ति हेतु उन्हें विषयवार एवं डेसिमल पद्धति के आधार पर वर्गीकृत किया गया है। ओपन एक्सेस सिस्टम उपयोगकर्ता के लिये अधिक स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने और उपयोगकर्ता एवं संग्रहकर्ता के बीच अंतर को कम करने के लिये बनाया गया है। प्रलेखों को सुनियोजित ढंग से व्यवस्थित करने एवं साधनों के महत्तम उपयोग हेतु अनुभवी एवं व्यवसायिक प्रशिक्षण प्राप्त कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है। पुस्तकालय के प्रयोगकर्ता छात्र, रिसर्च स्कालर, संकाय सदस्य एवं स्टाफ को मिलाकर कुल 850 की संख्या में है।

पुस्तकालय संग्रह : पुस्तकालय में योजना एवं वास्तुकला के विषयों का एक समृद्ध संग्रह है जिसमें पुस्तकें (पाठ्यपुस्तक, संदर्भ पुस्तक, रिपोर्ट, सम्मेलन की कार्यवाही, सीडी रोम आदि), पत्रिकाएं, लघु शोध, ऑनलाइन डाटाबेस आदि शामिल हैं।

पुस्तकें एवं सूक्ष्म दस्तावेज : कुल 10454 पुस्तकों का संग्रह पुस्तकालय में है (7956 शीर्षक) जो कि वास्तुकला (5644 पुस्तकें) एवं योजना (3154 पुस्तकें) के विभिन्न उपक्षेत्रों को कवर करती है। जैसे वास्तुकला संरचना, वास्तुकला का इतिहास, लोक संरचना, धार्मिक एवं आवासीय भवन, भवन निर्माण, संरचना प्रौद्योगिकी, भूदृश्य वास्तुकला, आंतरिक अभिकल्पना एवं सजावट, सजावटी कला, शहरी एवं क्षेत्रीय योजना, निर्माण प्रबंधन, अर्थशास्त्र, सतत् विकास, आहरण, चित्रकला, कलात्मकता आदि। इसके अलावा पुस्तकालय में लगभग 400 पुस्तकें शोध पद्धतियों से संबंधित हैं।

पत्रिकाएं : पुस्तकालय में 98 पत्रिकाएं (37 राष्ट्रीय एवं 61 अंतर्राष्ट्रीय) सब्सक्राईब की गई हैं। जिसमें से 50 पत्रिकाएं आनलाइन एक्सेस की जा सकती हैं। वर्तमान पत्रिकाओं के अतिरिक्त लगभग 1165 जिल्द पत्रिकाएं भी पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। सभी पत्रिकाओं के पूर्व प्रकाशित खण्डों को उपलब्ध करवाने का भी प्रयास किया जा रहा है।

थीसिस एवं लघु शोध : पुस्तकालय में 649 लघु शोध एवं थीसिस उपलब्ध है जिनमें बी. आर्क. (268), बी. प्लान. (149), एम. आर्क. (96), एम.प्लान. (128), एवं पी. एचडी. (4) सम्मिलित हैं। संस्थान परिसर में कम्प्यूटर नेटवर्क के माध्यम से डीआरएस (डिजिटल भण्डार सेवा) संपूर्ण पाठ्य सभी के लिये उपलब्ध है।

डाटाबेस : दो अंतर्राष्ट्रीय ग्रंथ सूची के डाटाबेस (Avery Index to Architectural Periodicals and Pro Quest's Theses and Dissertations) एवं दो सामाजिक अर्थव्यवस्था के डाटाबेस (indiastat.com & Districtsofindia.com) पुस्तकालय द्वारा सब्सक्राइब किए जा रहे हैं।

एंटी प्लेगियरिज्म साफ्टवेयर : पुस्तकालय ने एंटी साहित्यिक चोरी साफ्टवेयर URKUND की सदस्यता भी थीसिस एवं लघु शोध की गुणवत्ता गृह अनुसंधान में बनाये रखने के लिये ली है।

पुस्तकालय स्वचालन एवं प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग : पुस्तकालय प्रबंध सॉफ्टवेयर की सहायता से पुस्तकालय सेवा एवं गृह व्यवस्था संचालन स्वतः संचालित होते हैं। पुस्तकालय संग्रह एवं सेवाओं की अधिक जानकारी वेबसाईट (http://www.spabhopal.ac.in/#Library) पर उपलब्ध है एवं प्रतिदिन अद्यतन की जाती है। पुस्तकालय सूची संपूर्ण

शैक्षणिक परिसर में ऑनलाइन उपलब्ध है। नवीन अधिग्रहीत पुस्तकों एवं पत्रिकाओं को तत्काल डेटाबेस में जोड़ा जा रहा है। पुस्तकालय नवीन, प्रभावी और कुशल इकाई के रूप में स्वयं को साबित करने के लिये निरंतर सुधार के सिद्धांत का पालन करता है। इसके साथ ही पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ता समुदाय की सेवा कुशल एवं अभिनव तरीके से करने के लिये सतत् प्रयास करता है।

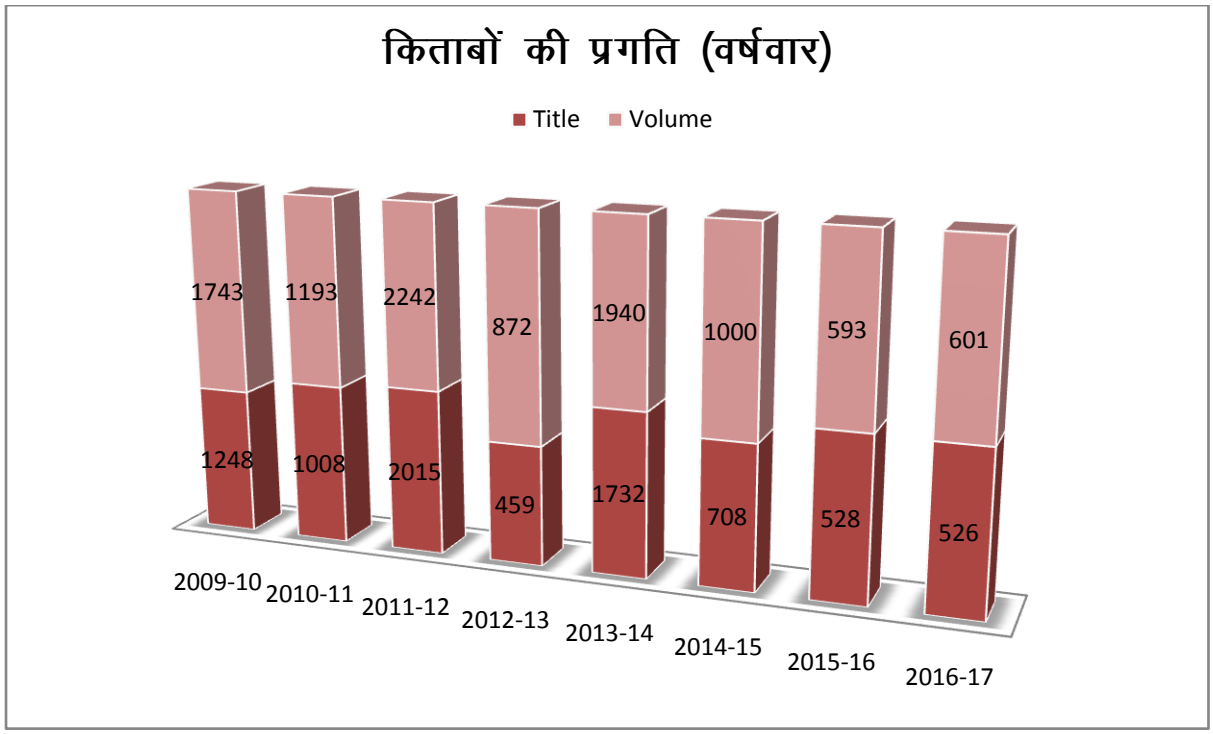

ग्राफिक्स प्रयोगशाला

आज, योजना एवं वास्तुकला जैसे बहुमुखी प्रोफेशन के लिये विभिन्न प्रकार के सॉफ्टवेयर सहायता कर रहे हैं। संस्थान में 75 से अधिक कम्प्यूटरों से सुसज्जित दो प्रयोगशालाएं हैं। प्रत्येक प्रयोगशाला का उद्देश्य प्रासंगिक एवं नवीनतम सॉफ्टवेयर का ज्ञान और अभ्यास से छात्रों को अपडेट कराना है ताकि वे डिज़ाइन, विकास और कार्यान्वयन से संबंधित चित्र और दस्तावेजों की दिशा में इन उपकरणों का प्रयोग कर सकें। ग्राफिक्स प्रयोगशाला नियमित कक्षाओं के लिए अत्यधिक सुविधाजनक है जैसे कि स्टाफ एवं संकायगण के सहयोग से सीएडी क्लासेस, स्केचअप क्लासेस एवं कम्प्यूटर एप्लीकेशन क्लासेस संचालित हैं। इसके अलावा प्रयोगशाला छात्र की संगोष्ठी, प्रस्तुतियों और कैड लैब जो छात्र शिक्षाविदों का हिस्सा है की परीक्षा लेने हेतु प्रयोग किया जाता है।

कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर की एक विस्तृत श्रृंखला की स्थापना योजना एवं वास्तुकला जैसे विशेष प्रोफेशन के लिये बहुत से आवश्यक साफ्टवेयर के साथ की गई है। जैसे ऑटोडेस्क (3 डीएस मेक्स, ऑटो कैड, इनवेंटर) ग्राफिक सॉफ्टवेयर, कोरल ड्रॉ, एडोब फोटोशॉप, क्रिएटिव क्लोड एवं अन्य 2डी–3डी इमेज सॉफ्टवेयर। प्रयोगशाला में सभी कम्प्यूटरों में इंटरनेट ब्रॉडबैण्ड और वायरलेस कनेक्शन की सुविधा सतत् उपलब्ध है।

हमारे उच्च शिक्षित कम्प्यूटर स्टाफ के कारण तकनीकी सपोर्ट संकाय, स्टाफ एवं छात्रों के लिये प्रायः उपलब्ध है। निर्बाध उच्च गति (1 जीबीपीएस) इंटरनेट वाईफाई/केबल का उपयोग संस्थान में उपलब्ध है। वेब साईट, वेब डोमेन, ईआरपी एवं वेब आधारित अनुप्रयोग और सॉफ्टवेयर का प्रबंधन प्रयोगशाला के कर्मचारी करते हैं। संस्थान में देश के अन्य संस्थानों के साथ शैक्षिक सामग्री, शोध सेवाओं एवं पुस्तकालय की सेवाओं को साझा करने की सुविधा के लिये एनकेएन उच्च प्रदर्शन कम्प्यूटिंग सुविधाओं, ई–पुस्तकालय, आभासी कक्षाओं और बड़े डाटाबेस का एक संग्रह प्रदान करता है।

एनकेएन महत्वपूर्ण और उभरते क्षेत्रों में मानव विकास को आगे बढ़ाने के लिये, मिलकर काम करने के लिये अलग–अलग पृष्ठभूमि और विविध भौगोलिक स्थानों से वैज्ञानिक शोधकर्ताओं और छात्रों को सक्षम बनायेगा।

कम्प्यूटर सेंटर

नेटवर्क: एसपीए भोपाल का कम्प्यूटर सेंटर/डाटा सेंटर संस्थान की ग्राफिक लैब, जीआईएस लैब, पुस्तकालय, स्टूडियो, छात्रावास में तथा संकाय, स्टाफ एवं छात्रों को इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध कराता है। कम्प्यूटर सेंटर संस्थान में 1000 से अधिक प्रयोगकर्ताओं को हाईस्पीड (1जीबीपीएस) इंटरनेट वाईफाई/केबल की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। हमें यह सुविधा नेशनल नॉलेज नेटवर्क (एनएनके) – नेशनल इन्फारमेशन सेंटर (एनआईसी) भोपाल द्वारा दी गई है एवं 100 एमबीपीएस इंटरनेट स्पीड की सुचारू व्यवस्था रेलटेल कार्पोरेशन से प्राप्त हुई है।

नेशनल नॉलेज नेटवर्क हमें अन्य संस्थानों की शैक्षणिक सामग्री, अनुसंधान, सेवाएं एवं पुस्तकालय की सुविधाएं उपलब्ध कराता है। नेशनल नॉलेज नेटवर्क हमें उच्च गुणवत्ता की कम्यूटर सुविधा, इंटरनेट लायब्रेरी, आभासी कक्षायें, वृहद डाटाबेस के संग्रह एवं वह सभी शैक्षणिक सामग्री जो कि कौशल के लिये आवश्यक है एसपीए भोपाल में उपलब्ध कराता है। संस्थान के संकाय, स्टाफ एवं छात्रों को अतिरिक्त तकनीकी सुविधा उपब्लब्ध कराने हेतु कम्प्यूटर सेंटर स्टॉफ, वेब बेस्ड ईमेल एक्सेस, वेब साईट मेन्टेनेंस एवं नेटवर्क से संबंधित मुद्दे जिसमें हार्डवेयर एवं सॉफटवेयर के तकनीकी सहयोग के प्रावधान निहित हैं, का प्रबंध करता है।

सुरक्षा: संस्थान नेटवर्क उपयोगकर्ताओं की अनैतिक गतिविधियों को नियंत्रित करने हेतु विस्तृत नीति के तहत फायर वॉल की सुविधा उपलब्ध कराता है। वायरलेस नेटवर्क छात्रावास, शैक्षणिक भवन एवं कार्यालयों में नवीनतम तकनीकी की सहायता से हाई स्पीड कनेक्टिविटी उपलब्ध कराता है। ग्राफिक लैब एवं जीआईएस लैब में भी हाई स्पीड कनेक्टिविटी उपलब्ध कराता है।

सर्वर: डाटा एवं एप्लीकेशन की तीव्र प्रोसेसिंग के लिये हाई एवं ब्लेड सर्वर का प्रयोग किया गया है। लिब्सिस सॉफ्टवेयर का प्रयोग संस्थान पुस्तकालय में ऑनलाइन सूची एवं सहज खोज हेतु किया जाता है इस हेतु एक अलग सर्वर की सुविधा दी गई है। संस्थान का लेखा विभाग पे रोल साफ्टवेयर का प्रयोग सर्वर के माध्यम से करता है जिसमें सरल एवं टेली सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया जाता है।

जी.आई.एस. प्रयोगशाला

शैक्षणिक आवश्यकता: रिमोट सेंसिंग एवं जी.आई.एस. दोनों प्लानिंग एवं आर्किट्रेक्चर के छात्रों के पाठ्यक्रम का हिस्सा हैं। यह पाठ्यक्रम सामग्री का एक भाग है जो कि छात्रों को विषय से संबंधित विभिन्न पहलुओं को समझने हेतु सहायता करता है। सॉफ्टवेयर का प्रारंभिक अभ्यास शैक्षणिक परियोजनाओं को प्रारंभ करने हेतु करते हैं।

जी.आई.एस. प्रयोगशाला का विकास: वर्ष 2010 में, अत्याधुनिक जी.आई.एस. प्रयोगशाला की स्थापना योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल में छात्रों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए कि गई। जी.आई.एस. प्रयोगशाला के लिये 23.0 वर्ग मीटर की जगह मैनिट कैम्पस के संस्थान बिल्डिंग के प्रथम तल में आवंटित की गई थी।

वर्ष 2013 में, एक नवीन जी.आई.एस. प्रयोगशाला का विकास एसपीए भोपाल भौरी स्थित नये कैंपस में नवीनतम संगणक आर्क. जी.आई.एस. डेस्कटॉप का नवीन संस्करण एवं ई.आर.डी.ए.एस. इमेजिन एवं डीजिटल जी.आई.एस. सर्वेक्षण उपकरण क्रय किये गये। वर्ष 2015–16 में प्रयोगशाला के विकास के बाद से परास्नातक एवं स्नातक के छात्र–छात्राओं से नवीन स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का परिचय कराने के उद्देश्य से प्रयोग शाला के विस्तार के लिए एक प्रस्ताव तीन चरणों में अनुमोदित किया गया था। प्रथम चरण का क्रय निश्चित रूप से कर लिया गया है।

प्रयोगशाला का उद्देश्य: यह प्रयोगशाला छात्रों को नक्शे तैयार करने, विश्लेषण और स्थानिक/भौगोलिक डेटा क्वेरी के लिये रिमोट सेंसिंग, जीआईएस एवं 3 डी मॉडलिंग संसाधन उपलब्ध कराती है। प्रयोगशाला उच्च अंत हार्डवेयर, नवीनतम सॉफ्टवेयर, उच्च संकल्प उपग्रह डेटा एवं वेक्टर डेटा से लेस है। प्रयोगशाला परामर्श परियोजनाओं के लिये तकनीकी सहयोग प्रदान करती है एवं संदर्भ के लिये एक डाटा बैंक और संसाधन केन्द्र का विकास करती है।

जी.आई.एस. प्रयोगशाला के संसाधन: वर्ष 2010 में जब प्रयोगशाला स्थापित हुई, तब से इसे लगातार उन्नत किया गया है। निम्न तालिका में उपलब्ध विवरण/उन्नत संसाधन (हार्डवेयर/सॉफ्टवेयर एवं डेटा) दिये गए हैं:–

	मद	संख्या
हार्डवेयर	वर्कशॉप (एचपी Z800, DELL PRECISION17600)	18
	मॉनीटर	21
	कलर ए 3 प्रिंटर एवं स्कैनर	01
	टोपो माउस (16 बटन)	01
	3 डी गूगल (NVIDIA)	02
	ग्राफिक कार्ड (FX 1800 NVIDA)	02
	हेण्डी केम (Sony)	02
	जीपीएस (Trimble)	05
	डीजीपीएस (Trimble,Leica)	02
सॉफ्टवेयर	आर्क जीआईएस -10.4	20 User Licenses
	आर्क जीआईएस सर्वर -10.4	1 Licenses
	ERDAS Imagine -2015	10 User Licenses
	IRDISI TAIGA-16.5	15 User Licenses
	लइका फोटोग्रामेटिक सूट्स (LPS)-2015	05 User Licenses
	माइक्रो स्टेशन	05 User Licenses
	क्यूब -5.1	01User Licenses
उपग्रह डेटा	LISS-III&IV MX,CARTOSAT-I,&II, STEREO CARTOSAT-I WORLD VIEW-2	07 शहर (भोपाल,इंदौर,उज्जैन,देवास,जबलपुर,ग्वालियर, थिम्पू) भोपाल, आशापुरी सांची

मानव संसाधनः

डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर, जी.आई.एस. प्रयोगशाला प्रभारी
डॉ. प्रमोद दुबे, कनिष्ठ अधीक्षक (जी.आई.एस.)
श्री अमित कुमार बंसल, तकनीकी सहायक (जी.आई.एस.)
श्री जितेन्द्र कुमार, तकनीकी सहायक (जी.आई.एस.)

प्रशिक्षण कार्यक्रमः ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क (जी.आई.ए.एन), 25–26 जुलाई 2016 को योजनाकारों एवं नीति निर्माताओं के लिए परिदृश्य विश्लेषण।

पूर्ण परामर्श परियोजनाएँः भोपाल शहर के लिए सुरक्षित समुदाय का मानचित्रिकरण।
जी.आई.एस. संचालित परियोजनाएँः

- श्यामा प्रसाद मुखर्जी शहरी मिशन के सात संकुल, म.प्र.।
- मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं अंतर्देशीय महाराष्ट्र राज्यों के भू–जलवायु क्षेत्रों को कवर करते हुए उपयुक्त आवास डिज़ाइन विकल्प के विकास पर एक अध्ययन।
- मध्य प्रदेश के स्मार्ट शहरों के लिए जलवायु सूचित पर्यावरण योजना।
- डीजीपीएस का इस्तेमाल करते हुए सैमारन रिसोर्स सेंटर भोपाल के लिए भौगोलिक सर्वेक्षण।
- मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित विरासत के लिए यूनिवर्सल डिज़ाइन इनोवेशन।

कार्य क्षेत्रः

- कुंभ उज्जैन, सांस्कृतिक विरासत का जीआईएस मानचित्रीकरण।
- सांची, मध्यप्रदेश जैसे विश्व विरासत स्थल पर पहुँच का जीआईएस मानचित्रीकरण।

जीआईएस में शैक्षणिक परियोजनाएँः स्टूडियो अभ्यास जिसके सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में जीआईएस प्रयोगशाला शामिल है।

		योजना में स्नातक		योजना में परास्नातक (शहरी एवं क्षेत्रीय योजना)		योजना में परास्नातक (पर्यावरण योजना)		वास्तुकला में परास्नातक (शहरी अभिकल्पना, भूदृश्य वास्तुकला, संरक्षण)		
क्र.	वर्ष	क्षेत्रीय योजना बनाना	विकास योजना बनाना	क्षेत्रीय योजना बनाना	विकास योजना बनाना	क्षेत्रीय योजना बनाना	विकास योजना बनाना	एमयूडी	एमएलए	एमसीओ
1.	2016	बैंगलोर	सागर	अल्लेप्पी	शिमला	कच्छ	शिलांग	स्टूडियो अभ्यास	स्टूडियो अभ्यास	स्टूडियो अभ्यास

वास्तुकला कार्यशाला

एसपीए भोपाल की कार्यशाला ''करके सीखने'' का स्थान है। यह एक ऐसी जगह है जहाँ भौतिक रूप से गहन जाँच, सतत् बातचीत, मूलरूप एवं मॉडल का प्रयोग कर निष्कर्ष निकाले जाते हैं। छात्र यहाँ अपने विचारों को मजबूत कर कार्य की समझ बेहतर करते हैं। ऐसे कार्य को पहचानना जो अपने विशिष्ट उद्देश्य एवं एक खास स्थान एवं समय के लिये किया जा रहा है। वे अपने मॉडल–बनाने एवं डिज़ाइन प्रोजेक्ट के मॉडल निर्माण के कौशल को उन्नत करने के लिये अपने विचारों और संवाद का सृजन करते हैं। गंभीरतापूवर्क, अंर्तदृष्टिकोण एवं कलात्मकता से महान गहराई एवं महत्वकांक्षा के साथ डिज़ाइन में लगे रहना इस अभ्यास के लिए छात्रों को प्रेरित करता है। यह एक ढाँचे की तरह हर संदर्भ की अनूठी स्थिति और प्रत्येक कार्य के व्यक्तित्व के जवाब में उनके कार्य को गाइड करता है। इस पद्धति के माध्यम से वे अपनी टीम के साथ रणनीति, स्पष्टता एवं आपसी समझ की धारणा अपनाते हैं या विशेषज्ञों के सहयोग से प्रत्येक परियोजना का उच्च स्तर पर समाधान निकालते हैं।

एसपीए भोपाल की वास्तुकला कार्यशाला का क्षेत्र 280 स्क्वेयर मीटर का है। वास्तुकला के छात्रों के लिये प्रकाशित, हवादार एवं वातानुकूलित जगह कार्य करने हेतु तीन आयामी दृश्य धारणा विकसित करने, कार्यशाला मशीन और प्रौद्योगिकी सहित उपकरण और सामग्री की एक विस्तृत श्रंखला के साथ कार्य करने हेतु विशिष्ट स्थान है। छात्र साधनों के समुचित प्रयोग जैसे, उपकरण एवं मशीन, विभिन्न मॉडल बनाने में इस्तेमाल तकनीक, सामग्री के चयन के समुचित उपयोग जानने के लिए एवं विभिन्न सामग्री का उपयोग जैसे लकड़ी, एमडीएफ, पॉलीस्ट्रेन, फॉरेक्स, एक्रिलिक, मिट्टी, प्लास्टर ऑफ पेरिस का उपयोग, कागज एवं धातु आदि साधनों से सीख हासिल कर रहे हैं। वास्तुकला कार्यशाला में अभ्यास पाठ्यक्रम नियमित रूप से संचालन की श्रंखला को दर्शाता है। इस संचालन व्यवस्था में डिजिटल प्रोटोटाइपिंग, रंग प्रसंस्करण एवं परिष्करण, प्लास्टर एवं धातु का कार्य शामिल है।

कार्यशाला का उपयोग का क्रम छात्रों द्वारा एक प्रेरण सत्र एवं कार्यशाला में पाठ्यक्रम अभ्यास से होगा। प्रेरण से स्पष्ट है क्या आप एक कार्यशाला में स्वास्थ्य और सुरक्षा की उम्मीद कर सकते हैं और उपकरणों के बुनियादी कार्यों के बारे में पता कर सकते हैं एवं उन्हें उपकरणों एवं उपलब्ध साधनों के आधारभूत तरीकों से जागरूक करा सकते हैं। कार्यशाला का प्रयास परियोजनाओं के निर्माण हेतु आधारभूत कार्यशील ज्ञान देना है। परियोजना के अनुसार ये कार्य अलग–अलग उपकरणों और मशीनों के उपयोग, कच्चे माल एवं चयनित माल पर विभिन्न आपरेशनों में तकनीकी का प्रयोग के विषय में बताते है। इनसे कौशल को मापने, अंकन, छिद्रण, काटने, देखने में छात्रों को मदद मिलती है। ड्रिलिंग, फिटिंग, लेजर कटिंग एवं आदि सामान्य सुरक्षा सावधानियों का छात्रों को कार्यशाला के अंदर पालन करना चाहिए। इसके अलावा कार्यशाला सभी स्नातकीय एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए मॉडल बनाने की सुविधा प्रदान करती है। मशीनरी उपकरण, लेजर, उकेरक, प्लॉटर, हॉटवायर कटर, विद्युत उपकरण, परिशुद्धता उपकरण, सर्कक्युलर सा, डबल व्हील ग्राइंडर, मेटल कट ऑफ, वाइड रेंज हेंड टूॅल्स, नक्काशी के लिए लिनो उपकरण, क्रॉफ्टिंग उपकरण, फिक्सचर एवं सुरक्षा गार्ड इत्यादि उपकरण कार्यशाला में उपलब्ध हैं।

केन्द्र

मानव केंद्रित अनुसंधान केन्द्र (सी.एच.सी.आर.)

केंद्र नियमित रूप से राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संबंधित क्षेत्रों में विशेष व्याख्यान, कार्यशालाएं, सार्वजनिक प्रदर्शनियाँ, छात्र प्रतियोगिताएं एवं जागरूकता अभियान आयोजित करता है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2012 एवं 2013 में दो बार एनसीपीईडीपी–सार्वभौमिक डिज़ाइन पुरस्कार केंद्र को प्रदान किया गया है। इसके बाद, वर्ष 2016 में उक्त पुरस्कार विकलांगता और सार्वभौमिक डिज़ाइन के क्षेत्र में योगदान के लिए डॉ. संदीप संकट को श्री प्रकाश सिंह गुर्जर (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, मंत्रालय, भारत सरकार के उप मंत्री) द्वारा प्रदान किया गया है।

वर्ष 2016–17 में आयोजित कार्यक्रमों में से कुछ इस प्रकार हैं:

अभिगम्यता कार्यशाला: योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल में भविष्य में पेशेवरों के लिए पहुंच विषय पर जागरूकता कार्यशाला 9 से 12 दिसम्बर 2016 तक विकलांग सशक्तीकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के सहयोग से आयोजित की गई। इस 4 दिवसीय कार्यशाला का उद्देश्य विकलांगों के लिये बाधा मुक्त वातावरण बनाने और उन्हें सक्षम बनाना था। इस कार्यशाला में वास्तुकला, योजना, डिज़ाइन और इंजीनियरिंग के विषयों से देश के विभिन्न हिस्सों के 50 छात्रों ने भाग लिया एवं ''अभिगम्यता'' पर ध्यान केंद्रित किया गया, कार्यशाला में पहुंच और सार्वभौमिक डिज़ाइन की अवधारणा के साथ छात्रों को परिचित कराने के लिए विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल किया गया। यह कार्यशाला रचना खरे, संदीप संकट, श्वेता वार्दिया, सुशील कुमार सोलंकी, पूनम खान, प्रशांति राव, अंकित कुमार के सक्रिय सहयोग से आयोजित की गई।

आंकेक्षण: एस.पी.ए. भोपाल में एक अंतः विषय छात्र प्रतियोगिता अक्टूबर–दिसंबर 2016 में एमएचआरडी के डीआईसी परियोजना के तहत आयोजित की गई। प्रतियोगिता हितधारकों के लिए अभिगम ऑडिट उपकरण किट के उपयोग की सुविधा के लिए एक प्रौद्योगिकी इंटरफेस विकसित करने के विषयों पर केंद्रित थी। प्रतियोगिता का विषय, शहरी पैमाने, इमारतें और विरासत स्थलों के लिए सर्वश्रेष्ठ सार्वभौमिक एक्सेस ऑडिट टूलकिट पर केंद्रित था। रचना खरे, संदीप संकट, परमा मित्रा, सुशील सोलंकी, अंकित कुमार के सहयोग से प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

इंजीनियर्स के लिए एक दिवसीय कार्यशाला: एस.पी.ए. भोपाल परिसर में कार्य कर रहे पीडब्ल्यूडी इंजीनियरों के साथ संस्थान के आई.डब्ल्यू.डी. विभाग के इंजीनियरों को शिक्षित करने के उद्देश्य से एक कार्यशाला का आयोजन 7 मार्च 2017 को किया गया। यह कार्यशाला अभिगम्यता की अवधारणा के साथ इंजीनियरों को शिक्षित करने और भवन निर्माण के लिए पहुंच के पहलुओं के व्यावहारिक अनुप्रयोग और सार्वभौमिक डिज़ाइन के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। कार्यशाला डॉ. संदीप संकट, सुशील कुमार सोलंकी, अंकित कुमार और प्रशांति राव के समन्वयन में संचालित की गई।
अतिथि संपादक: अप्रैल, 2017 में संदीप संकट को अतिथि संपादक के रूप में भारत के सभी डिज़ाइन संस्थानों द्वारा पत्रिका ''डिज़ाइन फॉर ऑल'' अंक 12, संख्या 04 के लिए नियुक्त किया गया है। यह मसला सार्वभौमिक डिज़ाइन और पहुंच पर केंद्रित था। सी.एच.सी.आर. के संकाय रचना खरे, संदीप संकट, सुशील कुमार सोलंकी एवं अंकित कुमार ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 7 प्रपत्रों पर कार्य किया।

एसपीए भोपाल का प्रवेश आंकेक्षण: बी.आर्क. प्रथम वर्ष के छात्रों ने एसपीए भोपाल में प्रवेश आंकेक्षण प्रतियोगिता एसपीए परिसर के विभिन्न बेरियर्स को चिन्हित करने हेतु आयोजित की। इस प्रतियोगिता में सार्वभौमिक डिज़ाइन एवं अभिगम्यता से संबंधित विषयों को जानने एवं समझने का प्रयास किया गया था। इस अभ्यास को संदीप संकट और सुशील कुमार सोलंकी द्वारा समन्वित किया गया था।

डीआईसी स्टूडियोज़ (थीम–II): सीएचसीआर की संकाय टीम अजय खरे, रचना खरे, निखिल रंजन मण्डल, संदीप संकट, देवर्षि चौरसिया, सन्मार्ग मित्रा, परमा मित्रा, श्वेता वर्दीया, सोनल तिवारी, सुशील कुमार सोलंकी, पूनम खान एवं काकोली

साहा मिलकर मानव संसाधन विकास मंत्रालय के प्रतिष्ठित डिज़ाइन नवाचार केंद्र, डीआईसी परियोजना के लिए कार्य कर रहे हैं। परियोजना का शीर्षक ''सार्वभौमिक डिज़ाइन इनोवेशन फॉर हेरिटेज'' है जो कि एक ऐप और एक वेब आधारित अनुप्रयोग है जो विरासत स्थलों पर पहुँच और सुरक्षा पर जानकारी प्रदान करता है। 2016–17 सत्र की नियमित सेमेस्टर की अकादमिक गतिविधियों में शोध और उत्पाद विकास के सम्पूर्ण डीआईसी के उद्देश्य को एकीकृत किया गया है।

शैक्षणिक गतिविधियों में डीआईसी परियोजना के विषयों का एकीकरणः

	शैक्षणिक गतिविधियाँ –डीआईसी परियोजना–सार्वभौमिक डिज़ाइन	विवरण	समय
1	बी.आर्क. डिज़ाइन 5, बी.आर्क. 0501	भोपाल के ऐतिहासिक संदर्भ (पाठ्यक्रम के अनुसार) में समावेशी सार्वजनिक भवन	जुलाई–नवम्बर 2016
2	वैकल्पिक, द्वितीय, बी.आर्क. 0906	बी. आर्क. पंचवर्षीय वैकल्पिक बैरियर मुक्त पर्यावरणः सार्वभौमिक डिज़ाइन मानक अभिनव	जुलाई–नवम्बर 2016
3	सीएचसीआर 101 सभी स्नातकोत्तर (वास्तुकला एवं योजना के छात्र)	वैकल्पिक सक्षम वातावरण	जुलाई–नवम्बर 2016
4	संरक्षण स्टूडियो	डीआईसी थीम को जंतर, मंतर जयपुर में मौजूदा स्टूडियो में शामिल किया गया है।	जुलाई–नवम्बर 2016
5	एमयूआरपी स्टूडियो, तृतीय सेमेस्टर	डीआईसी थीम शिमला में मौजूद स्टूडियो शहरी योजना स्टूडियो में शामिल किया गया है।	जुलाई–नवम्बर 2016

आमंत्रित व्याख्यानः यूनिवर्सल डिज़ाइन एवं सार्वभौमिक पहुंच के ज्ञान को प्रसारित करने के लिए डॉ. संदीप संकट को 22 और 23 फरवरी, 2017 को एसडीपीएस महिला कॉलेज इंदौर में दो दिनों के द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रमुख वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया भाषण का मुख्य विषय ''सार्वभौमिक पहुँच–में चुनौतियाँ विकलांगता के लिए डिजाइनिंग'' था।

अमिटी स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, ग्वालियर ने डॉ. संदीप संकट को ''स्थायी शहरी विकास में उभरते रुझानों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी'' के लिए मुख्य अतिथि के रूप में ''सतत् शहरी विकास, बाह्य एवं आंतरिक निर्मित पर्यावरण में सार्वभौमिक पहुँच'' विषय पर एक प्रस्तुति देने के लिए 28 फरवरी, 2017 को आमंत्रित किया।
माधव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड साइंस, ग्वालियर में आयोजित 15 वर्षीय एआईसीटीई के प्रायोजित गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम में ''इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एंड यूनिवर्सल एक्सेस इन बिल्ट एनवायरमेंट'' विषय पर सीएचसीआर से आमंत्रित विशेषज्ञ के रूप में डॉ. संदीप संकट ने एक प्रस्तुति भी दी।

अन्य आमंत्रित वार्ता में शामिल हैंः

3 अप्रैल 2017 को आत्मकेंद्रित लोगों के लिए समर्थित और स्वतंत्र रहने हेतु विज्ञान भवन, दिल्ली, राष्ट्रीय न्यास, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित व्याख्यान में शामिल।

विरासत स्थलों में सार्वभौमिक पहुँच 3–4 मार्च, 2017 को रचना खरे द्वारा विरासत स्मारकों और स्थलों में सार्वभौमिक पहुँच पर एक्सप्लोरेशन के उदाहरण, यूडी सेंटर–बीएनसीए पुणे एवं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा आयोजित।

इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, देहरादून में 10 जनवरी 2017 को सार्वभौमिक डिज़ाइन अनुसंधान।

30 नवम्बर 2017 को एनआईएएसए–क्यूआईपी में सार्वभौमिक डिज़ाइन अध्यापन, वास्तुशिक्षा में संबद्ध विषयों का एकीकरण,
भारतीय विद्यापीठ कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, नवी मुम्बई द्वारा आयोजित।

सांस्कृतिक ज्ञान प्रणाली केन्द्र (सी.सी.के.एस.)

सेंटर फॉर कल्चरल नॉलेज सिस्टम (सी.सी.के.एस.) विरासत संरक्षण और डाटाबेस केंद्र के साथ संरक्षण के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए उत्कृष्टता का एक केंद्र है एवं सामाजिक रूप से जिम्मेदार संस्था के रूप में कार्य करने हेतु प्रयासरत् है। सांस्कृतिक निर्वाह संकल्पनात्मक और दार्शनिक ढांचे के सैद्धांतिक समझ एवं विभिन्न स्तरों पर हस्तक्षेप और इसके निहितार्थों सहित संरक्षण के अभ्यास पर सी.सी.के.एस. ने भारत में सांस्कृतिक संसाधनों के बहु अनुशासनिक क्षेत्र में संरक्षण देने हेतु अभिनव पद्धतियों को प्रोत्साहित किया है एवं तकनीकी मार्गदर्शन और नेतृत्व भी प्रदान किया है। इसमें निम्नलिखित गतिविधियाँ शामिल हैं।

कार्यशाला

मार्ग इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन एण्ड आर्किटेक्चर (मिदास), चेन्नई, 21–23 अक्टूबर, 2017।

एक कार्यशाला ''दस्तावेजीकरण एवं एतिहासिक संरचना की सूची'' शीर्षक पर मार्ग इन्स्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन एण्ड आर्किटेक्चर स्वर्णभूमि (मिदास) जो कि पांडुचेरी के नज़दीक स्थित है, में आयोजित की गई। तीन दिवसीय कार्यशाला देश से आये विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा आयोजित की गई। कार्यशाला का समन्वयन वास्तुकार विशाखा कवाठेकर, प्रमुख सांस्कृतिक ज्ञान प्रणाली केन्द्र, एसपीए भोपाल ने किया। कार्यशाला में विभिन्न बैंचों के 35 छात्रों एवं संकाय सदस्यों ने भाग लिया। कार्यशाला में विद्यार्थियों को भारत में विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से अवधारणा या संरक्षण कि प्रक्रिया को समझने में सक्षम किया गया।

छात्रों ने बंगाल की खाड़ी के तट पर ''हमारा लेडी एंगल्स चर्च'' का दस्तावेजीकरण किया। चर्च विशेष रूप से दस्तावेज के लिए चुना गया था, क्योंकि यह छात्रों को एक भवन की स्पष्ट ज्यामिति और संरचना के स्थापत्य तत्वों को समझने में मदद करता है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम 2016 (4 जून 2016 से 23 जुलाई 2016)

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम 4 जून 2016 से 23 जुलाई 2016 तक आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में आठ छात्रों ने भाग लिया। मास्टर्स ऑफ कन्जर्वेशन प्रोग्राम (संदीप पाठे, शिवानी शर्मा, अत्री मिश्रा) से तीन एवं बी. आर्क से पांच (ऋषिका शाह, प्रकाल सरदाना, पुलकित सूडान, कीरथाना मुरली, तरुण)।

प्रशिक्षण में तीन अलग–अलग स्थलों के दस्तावेज शामिल थे जैसे भोपाल में ताजमहल पैलेस, रीवा में गोविंदगढ़ का किला, सतना में माधवगढ़ पैलेस। प्रशिक्षण कार्य में फोटो दस्तावेज, माप चित्र, स्थिति मूल्यांकन, मूल्य, महत्व एवं इमारतों का निर्माण विवरण शामिल है।

प्रशिक्षण का अंतिम परिणाम तीन संरचनाओं पर एक रिपोर्ट तैयार करना था जिसमें संरचनाओं पर सुझावों के स्तर के संदर्भ में प्रस्ताव शामिल थे।

परियोजनाएँ:

मध्य प्रदेश में ऐतिहासिक संरचनाओं के वास्तुशिल्प दस्तावेजीकरण: मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड द्वारा एसपीए भोपाल को मध्यप्रदेश में पांच ऐतिहासिक संरचनाओं (भोपाल में ताजमहल पैलेस, रीवा में गोविंदगढ़ का किला, सतना में माधवगढ़ पैलेस, भोपाल में बेनजीर पैलेस और दतिया के राजगढ़ पैलेस) का दस्तावेजीकरण करने के लिए परियोजना को संचालित किया गया।
एसपीए भोपाल ने एक रिपोर्ट तैयार की जिसमें संरचना का इतिहास, संरचना पर हस्तक्षेप के सुझाव पर लेख साथ ही चित्रण, स्थिति मूल्यांकन, मूल्य, महत्व, निर्माण विवरण और प्रस्तावों को मापा गया।

विरासती प्रभाव का आकलन: श्री मुकेश दत्ता एवं श्री विनोद गौतम के लिए राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण की सिफारिश पर श्री हनुमान के कोलोसस संरचना के निकट प्रस्तावित व्यावसायिक निर्माण के लिए खजुराहो में विरासत प्रभाव आकलन तैयार किया गया था।

इस परियोजना में एसपीए भोपाल ने एक एचआईए रिपोर्ट तैयार की है जिसमें वाणिज्यिक परिसर सहित 40 कमरों का एक होटल प्रस्तावित किया गया है। होटल एवं दुकानों के आस पास हनुमान मंदिर एवं संरक्षित विश्व प्रसिद्ध खजुराहों के मंदिरों का एक भाग हैं।

एस.पी.ए. प्रेस

संस्थान द्वारा प्रकाशित पत्रिका ''स्पैन्ड्रल'' अंक 12

संपादकः क्षमा पुणताम्बेकर, काकोली साहा

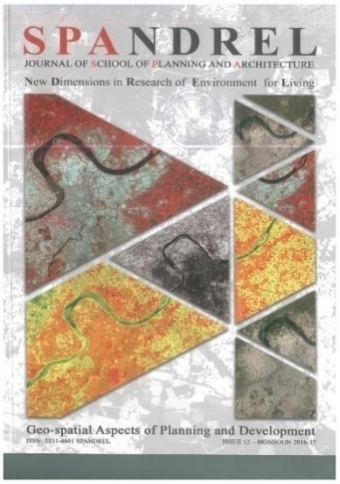

संस्थान द्वारा प्रकाशित वार्षिक हिन्दी पत्रिका ''स्पन्दन'' अंक 2

संपादकः अशफाक आलम, राजेन्द्र जेना अमित खरे, आशिष पाटिल

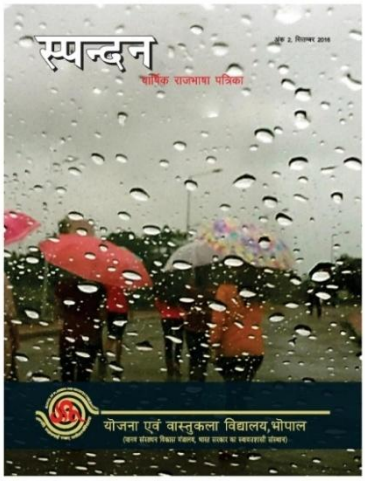

वर्षिक प्रतिवेदन 2016–17
कवर पेज/बैक पेज डिजाइनः
आशापुरी मंदिर
आशापुरी मंदिर परियोजना
आशापुरी मंदिर परियोजना, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल एवं वेल्स स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, कार्डिफ यूनिवर्सिटी, यूके द्वारा संचालित की गई गई है। इस परियोजना में भोपाल के समीप आशापुरी मंदिरों के अवशेषों के अध्ययन हेतु दोनों संस्थानों ने संयुक्त रूप से कार्य किया है एवं 3 मंदिरों का मूल डिजाइन तैयार किया है।

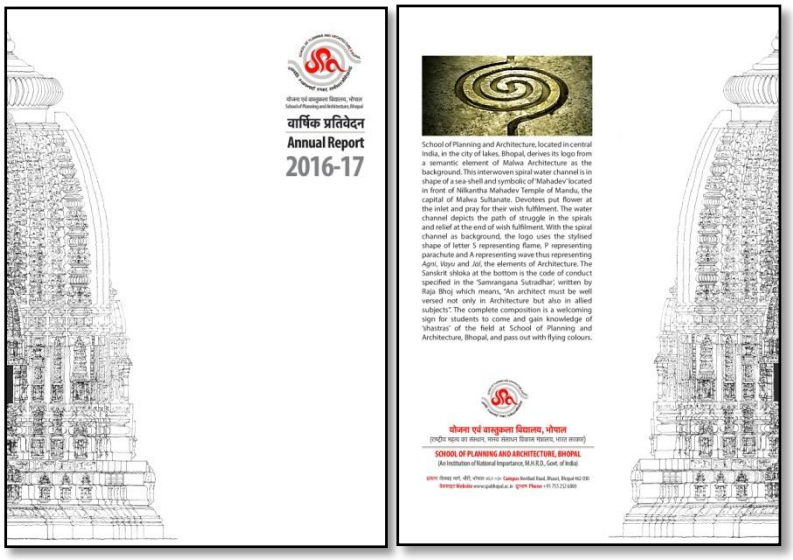

अनुसंधान एवं परामर्श परियोजनाएँ

उत्तरी भारतीय मंदिरों का रूपः लुप्त स्रोतों का पुनःनिर्माण
प्रायोजकः ब्रिटिश अकादमी (अनुसंधान सहयोगी / कार्डिफ विश्वविद्यालय)।
मुख्य जाँचकर्ताः प्रो. एडम हार्डी, कार्डिफ यूनिवर्सिटी।
टीम के सदस्यः प्रो. एडम हार्डी कार्डिफ यूनिवर्सिटी, प्रो. अजय खरे एवं विशाखा कवाठेकर।
अवधि व स्थितिः अप्रैल 2014 से संचालित।

वास्तुकला मंदिरों की नागरा परंपराएँः निरंतरता, परिवर्तन, नवीकरण।
प्रायोजकः लीवरहुल्म ट्रस्ट, यू.के. (अनुसंधान सहयोगीःकार्डिफ यूनिवर्सिटी)।
मुख्य जाँचकर्ताः प्रो. एडम हार्डी, कार्डिफ यूनिवर्सिटी।
टीम के सदस्यः प्रो.एडम हार्डी, कार्डिफ यूनिवर्सिटी एवं विशाखा कवाठेकर।
अवधि व स्थितिः जुलाई 2014 से संचालित।

सिटी पैलेस परिसर, उदयपुरः एक अनुसंधान एवं डिज़ाइन विकास परियोजना में सार्वभौमिक प्रवेश।
प्रायोजकः महाराणा मेवार चेरीटेबल फाउण्डेशन।
मुख्य जाँचकर्ताः डॉ. रचना खरे।
टीम के सदस्यः डॉ. संदीप संकट, सन्मार्ग मित्रा, परमा मित्रा, श्वेता वार्दिया, पूनम खान, सुशील कुमार सोलंकी।
अवधि व स्थितिः जुलाई 2014 से संचालित।

डिज़ाइन अभिनव केन्द्र।
थीम 1ः सभी के लिए आश्रय।
प्रायोजकः एसपीए दिल्ली एमएचआरडी द्वारा वित्त पोषित।
मुख्य जाँचकर्ताः डॉ. शिऊलि मित्रा।
टीम के सदस्यः प्रो. बिनायक चौधुरी, डॉ. तापस मित्रा, डॉ. अजय कुमार विनोदिया, डॉ. रमा पाण्डे, डॉ. आनन्द वाडवेकर, डॉ. सुकान्ता मजूमदार, डॉ. अमित चटर्जी, कर्णसेन गुप्ता।

थीम 2ः विरासत के लिए सार्वभौतिक डिजाइन अनुसंधान
प्रायोजकः एसपीए दिल्ली एमएचआरडी द्वारा वित्त पोषित।
मुख्य जाँचकर्ताः डॉ. रचना खरे।
टीम के सदस्यः प्रो. अजय खरे, डॉ. एन.आर. मण्डल, डॉ. संदीप संकट, डॉ. देवर्षि चौरसिया, सन्मार्ग मित्रा, परमा मित्रा, सोनल तिवारी, श्वेता वार्दिया, सुशील सोलंकी, पूनम खान, काकोली साहा।
अवधि व स्थितिः जुलाई 2015 से संचालित।

विरासत के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन अभिनव।
प्रायोजकः एसपीए दिल्ली, एमएचआरडी द्वारा वित्त पोषित।
मुख्य जाँचकर्ताः डॉ. रचना खरे।
टीम के सदस्यः प्रो. अजय खरे, डॉ. एन.आर. मण्डल, डॉ. संदीप संकट, डॉ. देवर्षि चौरसिया, सन्मार्ग मित्रा, परमा मित्रा, सोनल तिवारी, श्वेता वार्दिया, सुशील कुमार सोलंकी, पूनम खान, काकोली साहा।
अवधि व स्थितिः जुलाई 2015 से संचालित।

हैदराबाद गोल्फ ऐसोसिएशन के लिए गोलकुण्डा किले के विरासत मूल्य पर हैदराबाद गोल्फ कोर्स के प्रस्तावित विस्तार हेतु विरासत प्रभाव का आकलन।
प्रायोजकः हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन।
मुख्य जाँचकर्ताः डॉ. विशाखा कवाठेकर।
टीम के सदस्यः प्रो. अजय खरे, रमेश पी. भोले, डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर, बालाजी।
अवधि व स्थितिः जनवरी 2016 से पूर्ण।

ऐतिहासिक इमारतों के वास्तुशिल्प दस्तावेज।
प्रायोजकः म.प्र. राज्य पर्यटन विकास प्राधिकरण।
मुख्य जाँचकर्ताः डॉ. विशाखा कवाठेकर।
टीम के सदस्यः प्रो. अजय खरे, रमेश पी. भोले, श्वेता वार्दिया।
अवधि व स्थितिः मार्च 2016 से संचालित।

समर्पण स्रोत केन्द्र।
प्रायोजकः स्वास्थ्य मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय।
मुख्य जाँचकर्ताः डॉ. रचना खरे।
टीम के सदस्यः डॉ. संदीप संकट, सुशील कुमार सोलंकी।
अवधि व स्थितिः जुलाई 2016 से संचालित।

राष्ट्रीय र्बन मिशन (एनआरयूएम)।
प्रायोजकः ग्रामीण विकास मंत्रालय, म.प्र. शासन।
मुख्य जाँचकर्ताः प्रो. एन. आर. मण्डल, प्रो. बिनायक चौधुरी, डॉ. अजय विनोदिया, डॉ अमित चटर्जी, श्री गौरव वैद्य।
अवधि व स्थितिः जुलाई 2016 से संचालित।

पीएमएवाय के हाउसिंग टेक्नोलॉजी उप मिशन के तहत, भू जलवायु क्षेत्र के लिए वैकल्पिक आवास डिज़ाइन का विकास करने के लिए एक अध्ययन।
प्रायोजकः आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय।
मुख्य जाँचकर्ताः डॉ. शिऊलि मित्रा।
टीम के सदस्यः डॉ. तापस मित्रा, डॉ. अजय विनोदिया, डॉ. देवर्षि चौरसिया, डॉ. रमा पाण्डे, डॉ. आनन्द वाडवेकर, डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर, कर्णसेन गुप्ता।
अवधि व स्थितिः अगस्त 2016 से संचालित।

पीडीयूआईपीएच–सुगम्य भारत अभियान, सुगम्य जागरूकता कार्यशाला।
प्रायोजकः सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय।
मुख्य जाँचकर्ताः डॉ. रचना खरे।
अवधि व स्थितिः दिसमबर 2016 से संचालित।

आशापुरी मंदिर परियोजना।
प्रायोजकः कार्डिफ यूनिवर्सिटी, विश्व स्मारक फण्ड द्वारा वित्त पोषित।
मुख्य जाँचकर्ताः डॉ. विशाखा कवाठेकर।
टीम के सदस्यः प्रो. अजय खरे, रमेश पी. भोले, डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर, सौरभ पोपली।
अवधि व स्थितिः जून 2013 – अक्टूबर 2015 पूर्ण।

म.प्र. के स्मार्ट शहरों के लिए जलवायु की सूचना पर्यावरण योजना।
प्रायोजकः एमपीसीडीएमए।
मुख्य जाँचकर्ताः डॉ. रमा पाण्डे।
टीम के सदस्यः प्रो. बिनायक चौधुरी, डॉ. शिऊलि मित्रा, डॉ. तापस मित्रा, गोविंद एम.पी., प्रमोद दुबे।
अवधि व स्थितिः दिसम्बर 2016 संचालित।

बुनकरों की रूचि और सामर्थ्य का आकलन करने के लिए व्यवहार्यता रिपोर्ट पर तैयारी, महेश्वरी में प्रस्तावित आवास समूह, म.प्र.।
प्रायोजकः म.प्र. हस्तशिल्प निगम।
मुख्य जाँचकर्ताः प्रो. संजीव सिंह।

टीम के सदस्यः प्रो. बिनायक चौधुरी, डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर, पूनम खान, डॉ. अजय विनोदिया, अदिति साहू (अनुसंधान सहायक)।
अवधि व स्थितिः नवम्बर 2016 से संचालित।

महेश्वर में बुनकरों के संकुलों के लिए आवास डिज़ाइन।
प्रायोजकः म.प्र. हस्तशिल्प निगम।
मुख्य जाँचकर्ताः प्रो. संजीव सिंह।
अवधि व स्थितिः पाइपलाइन।

चंदेरी में बुनकरों के संकुलों के लिए आवास डिज़ाइन।
प्रायोजकः म.प्र. हस्तशिल्प निगम एवं म.प्र. हाउसिंग बोर्ड।
मुख्य जाँचकर्ताः प्रो. संजीव सिंह।
अवधि व स्थितिः एमओयू हस्ताक्षरित, संचालित।

म.प्र. राज्य एवं महाराष्ट्र के नागपुर को कवर करने के लिए स्वनिर्धारित भवन योजना अनुमोदन प्रणाली का मूल्यांकन।
प्रायोजकः एचयूडीसीओ।
मुख्य जाँचकर्ताः डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर।
अवधि व स्थितिः फरवरी 2017 से, पाइपलाइन।

राज्य पुस्तकालय।
प्रायोजकः आयुक्त, म.प्र. सरकार के सार्वजनिक निर्देश के साथ समझौता ज्ञापन।
मुख्य जाँचकर्ताः प्रो. संजीव सिंह।
अवधि व स्थितिः पाइपलाइन।

सागर केन्टोनमेंट बोर्ड का मास्टर प्लान।
प्रायोजकः सागर केन्टोनमेंट बोर्ड।
अवधि व स्थितिः पाइपलाइन।

ताज साइट प्रबंधन योजना।
प्रायोजकः सचिव, सांस्कृतिक विभाग, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण।
मुख्य जाँचकर्ताः प्रो. अजय खरे।
समझौता ज्ञापन का परीक्षण।

मास्टर प्लान एवं डेवलपमेंट प्लान की तैयारी।
प्रायोजकः झांसी केन्ट बोर्ड डॉ. अमित चटर्जी।
अवधि व स्थितिः पाइपलाइन।

सिहोर में लघु शहरी हाट का विकास।
प्रायोजकः संत रविदास, म.प्र. हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम लिमिटेड।
मुख्य जाँचकर्ताः डॉ. आनन्द वाडवेकर।
अवधि व स्थितिः पाइपलाइन।

एमपीएससीडीएफ परिसर के अंदर संग्रहालय/वाक्वे /कार्यालय भवन का डिज़ाइन।
प्रायोजकः म.प्र. राज्य सहकारी डेयरी फेडरेशन (एमपीएससीडीएफ)।
मुख्य जाँचकर्ताः डॉ. सुकान्ता मजूमदार।
अवधि व स्थितिः पाइपलाइन।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल के लिए सुरक्षा लेखा परीक्षा।

प्रायोजकः अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल।
मुख्य जाँचकर्ताः डॉ. अजय कुमार विनोदिया।
अवधि व स्थितिः फरवरी 2017 से संचालित।

क्यूडासिया महल (गौहर महल परिसर) का संरक्षण।
प्रायोजकः संत रविदास, म.प्र. हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम लिमिटेड।
मुख्य जाँचकर्ताः रमेश पी. भोले।
अवधि व स्थितिः मार्च 2017 से संचालित।

शैक्षणिक हब एवं भोपाल के आसपास के क्षेत्र की बस्तियों में इसके प्रभाव।
प्रायोजकः भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद।
मुख्य जाँचकर्ताः डॉ. अमित चटर्जी।
टीम के सदस्यः प्रेमजीत दास गुप्ता, कर्णसेन गुप्ता ।
अवधि व स्थितिः 8 माह, पाइपलाइन।

संस्थान की गतिविधियाँ

तृतीय दीक्षांत समारोह

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय (एस.पी.ए), भोपाल का तृतीय दीक्षांत समारोह 15 अक्टूबर 2016 को आयोजित हुआ। दीक्षांत समारोह का आरम्भ संस्थान गान से हुआ। कार्यक्रम के शुभारम्भ की घोषणा संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. चेतन वैद्य ने स्वागत ज्ञापन व प्रतिवेदन से की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विख्यात वास्तुकार व शिक्षाविद् प्रो. क्रिस्टोफर बेनिंगर ने दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। एस.पी.ए. बोर्ड ऑफ गवर्नर के चेयरमैन प्रो. बिमल पटेल भी समारोह में उपथित थे। दीक्षांत समारोह में प्रथम बार पीएच. डी. की 2 उपाधि सहित, मास्टर ऑफ आर्किटेक्चर (अर्बन डिज़ाइन), मास्टर ऑफ आर्किटेक्चर (कन्जर्वेशन), मास्टर ऑफ आर्किटेक्चर (लेंड्स्केप) मास्टर ऑफ प्लानिंग (अर्बन रीजनल प्लानिंग), मास्टर ऑफ प्लानिंग (इनवायरमेंटल प्लानिंग) बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर, बैचलर ऑफ प्लानिंग की कुल 162 उपाधि संस्थान द्वारा दी गई। दीक्षांत समारोह में सात छात्रों को प्रवीणता स्वर्ण पदक व एक छात्र मधुर कुकरेजा को चेयरपर्सन मेडल प्रदान किया गया।

स्वतंत्रता दिवस

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी संस्थान में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। प्रो. अजय खरे, संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक क्रियाकलाप) द्वारा झंडावंदन कर उपस्थित सभी जनसमुदाय ने राष्ट्रगान गाया। प्रो. खरे ने एक प्रेरणादायक भाषण से सभी को सम्बोधित किया और संस्थान के लिए नव निर्वाचित परिषद की घोषणा की। छात्र–छात्राओं ने देश भक्ति से ओत– प्रोत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति दी। समारोह में संस्थान के सभी छात्र–छात्रा, शिक्षक, अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दौड़: आयोजित स्वतंत्रता सप्ताह में दिनांक 12 अगस्त 2016 को संस्थान में स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के समस्त छात्र–छात्राएं एवं कर्मचारीगण–अधिकारीगणों ने भाग लिया।

बास्केटबॉल मैच: दिनांक 15 अगस्त 2016 को बास्केटबाल मैच संकाय समूह एवं कर्मचारियों के मध्य नवीन बास्केटबॉल कोर्ट के उद्घाटन अवसर पर खेला गया जिसमें रोमांचक मुकाबले में कर्मचारी टीम ने संकाय टीम को नजदीकी अंतर से हराया एवं जीत हासिल की। संकाय समूह के श्री सुशील कुमार सोलंकी को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब मिला।

गणतंत्र दिवस

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्थान में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में संस्थान के संकायगण सदस्य, प्रशासनिक स्टॉफ व छात्र–छात्राएँ सम्मिलित हुए। प्रो. अजय खरे, संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक क्रियाकलाप) ने ध्वजारोहण किया व संस्थान के सुरक्षा गार्ड ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। प्रो. अजय खरे ने संस्थान की आगामी कार्ययोजनाओं के बारे में सभा को जानकारी दी। अध्यक्ष छात्र परिषद ने अपने उद्‌बोधन में वर्ष के दौरान छात्रों की उपलब्धियों के विषय में बताया। वर्ष के दौरान हुई क्रीड़ा प्रतियोगिता में छात्रों एवं कर्मचारियों को मेडल वितरित किये गए।

क्रिकेट मैच: गणतंत्र दिवस के अवसर पर, एस.पी.ए. भोपाल के कर्मचारियों एवं अधिकारियों की क्रिकेट टीम का मैच आई.आई.ए. भोपाल की टीम के बीच खेला गया। इस मैच में एस.पी.ए. भोपाल ने जीत हासिल की। एस.पी.ए. भोपाल के मुकेश उपाध्याय को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब प्राप्त हुआ। एस.पी.ए. भोपाल में फिलिप्स लाइटिंग एकेडमी के सहयोग से 20–21 अक्टूबर, 2016 को कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के आयोजक एस.पी.ए. दिल्ली के प्रोफेसर वी. के. पॉल, फिलिप्स लाइटिंग एकेडमी के श्री आशीष सिन्हा और श्री आशीष बहल थे। कार्यशाला में बी.आर्क. चतुर्थ वर्ष के छात्रों को प्रकाश के प्राकृतिक एवं कृत्रिम दोनों रूपों के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 21–23 जून 2016 के मध्य तीन दिवसीय योग शिविर का आयोजन संस्थान के प्रांगण में किया गया। इस शिविर में संस्थान के छात्र, संकाय व कर्मचारीगण उपस्थित हुए। उपस्थित जनसमूह की सुविधा एवं सुरूचिपूर्ण ढंग से योग कराने के लिए मंच तैयार किया गया था जिस पर बैठ कर योग प्रशिक्षकों (विवेकानंद केन्द्र, भोपाल) द्वारा विभिन्न यौगिक मुद्राओं का प्रदर्शन किया गया, जिनको देखकर समस्त जनसमूह ने उन क्रियाओं को दोहराया। कार्यक्रम का आरंभ प्रो. अजय खरे, संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक क्रियाकलाप) एवं श्री राजेश मौज़ा, कुलसचिव की विशेष उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में योगासनों की क्रियायें हुई जैसे ग्रीवा संचालन, घुटनों की क्रियायें, ताड़ासन, पादहस्तासन, अर्धचक्रासन, त्रिकोणासन, भद्रसनासन, शषांकासन, वक्रासन, मकरासन, भुजंगासन, शलभासन, सेतुबंधासन, पवनमुक्तासन, शवासन, कपालभाती, अनुलोम विलोम, भ्रामरी, ध्यान का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम में योग क्रियाओं के साथ–साथ प्रतिभागियों की पोस्टर एवं स्लोगन निर्माण की प्रतियोगिता भी सम्पन्न हुई। प्रतिभागियों ने मानव जीवन में योग के महत्व को समझा, योग करना सीखा व प्रतिदिन योगाभ्यास करने हेतु प्रेरित भी हुए।

हिन्दी पखवाड़ा

संस्थान परिसर में 15 दिवसीय हिन्दी पखवाड़ा 1 से 15 सितम्बर 2016 के मध्य बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। संस्थान के राजभाषा विभाग के इस आयोजन में हिन्दी भाषा के ज्ञान के संवर्धन व व्यापक प्रचार – प्रसार हेतु छात्रों व छात्राओं, शिक्षकों, अधिकारियों व

कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताऐं जैसे ''निबंध लेखन, सुलेख लेखन, हिन्दी टंकण, अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद, प्रशासनिक/ तकनीकी शब्दावली, कार्यालय टिप्पण/हिन्दी प्रारूपण, तात्कालिक बोल इत्यादि आयोजित की गई व इसमें संस्थान के कर्मचारियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि कवि कथाकार ''श्री ध्रुव शुक्ल जी'', प्रो. अजय खरे (संकायाध्यक्ष, शैक्षणिक क्रियाकलाप), श्री राजेश मौज़ा (कुलसचिव) द्वारा संस्थान की हिन्दी पत्रिका ''स्पन्दन'' अंक – 2 का विमोचन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि ''श्री ध्रुव शुक्ल जी'' प्रो. अजय खरे एवं श्री राजेश मोज़ा ने पुरस्कार प्रदान किए।

स्वच्छ भारत पखवाड़ा

स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत हमारे संस्थान ने युवकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने हेतु विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगितायें आयोजित की। पखवाड़े का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता के विचार को बढ़ावा देने में संकाय, छात्र और कर्मचारियों की भागीदारी को प्रोत्साहित करना था। अपशिष्ट निपटान प्रबंधन समिति ने 8 सितम्बर को एक स्वच्छ परिसर अभियान का आयोजन किया जिसमें बड़ी संख्या में भागीदारी देखी गई और यह बहुत बड़ी सफलता थी। स्वच्छता की शुरूआत कैन्टीन एवं बालक छात्रावास से की गई। समिति ने अपशिष्ट पेपर एकत्रित किए जो रिसाइक्लिंग के लिये दे दिया गया। उसी दिन एसपीए भोपाल की ड्रामा सोसायटी ने एक नुक्कड़ नाटक आयोजित किया जिसका शीर्षक था *''मेरा शहर साफ़ हो जिसमें मेरा भी हाथ हो''*, यह 14 लोगों की टीम थी और इस एक्ट की अवधि 11 मिनिट थी। पखवाड़े के अगले दिवस परिसर में अपशिष्ट संग्रह अभियान कराया गया। इसके बाद पोस्टर प्रतियागिता एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस अभियान के तहत 100 किग्रा. अपशिष्ट कचरा संग्रह किया गया। अंतिम दिन, महत्वपूर्ण समारोह आयोजित हुआ जिसमें सभी उपरोक्त प्रतियोगियों के लिये पुरस्कार वितरण शामिल था। अंत में, संगीत समिति एवं नृत्य समिति ने एक – एक अभिनय कर स्वच्छ भारत पखवाड़े का समापन किया। संस्थान के बागवानी क्लब ने पौधारोपण अभियान 10–11 सितम्बर 2016 को संस्थान कार्य विभाग के सहयोग से आयोजित किया। उनके द्वारा 89 पेड़ परिसर में विभिन्न स्थानों पर रोपित किये गए। संस्थान के संकायसदस्य, स्टॉफ एवं छात्रों ने इस अवसर पर स्वच्छता शपथ ली इसके बाद नागपुर से आमंत्रित श्री आरिफ खान ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर व्याख्यान दिये।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

संस्थान में 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' दिनांक 26–31 अक्टूबर 2016 के मध्य मनाया गया। इस कार्यक्रम पर संस्थान ने सामान्य जागरूकता के लिऐ छात्रों की भागीदारी के साथ सुशासन के माध्यम से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए बहुत सी गतिवधियाँ की। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का प्रारंभ छात्रों, शिक्षकों, अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण द्वारा शपथ लेने के साथ किया गया। श्री आर. परशुराम, राज्य चुनाव आयुक्त म.प्र. एवं पूर्व मुख्य सचिव म.प्र. शासन को संस्थान के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को सतर्कता के विषय में उद्बोधन देने हेतु संस्थान द्वारा आमंत्रित किया गया। श्री परशुराम ने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया और युवा वर्ग को सभी स्तर पर भ्रष्टाचार के उन्मूलन हेतु आगे आने के लिए अपील की।

स्पिक मैके

सुप्रसिद्ध कथक नृत्यांगना सितारा देवी के नाती विशाल कृष्ण ने योजना एवं वास्तुकला विद्यालय परिसर में स्पिक मैके की ओर से आयोजित कार्यक्रम में विशेष नृत्य प्रस्तुति दी। विशाल ने छात्रों के साथ क्लासिकल डांस पर चर्चा की। भगवान श्रीराम की बाललीला पर केंद्रित गीत 'ठुमक चलत रामचंद्र बाजत पैंजनियां ... पर विशाल की प्रस्तुति ने आकर्षित किया। अगले क्रम में उन्होंने शिव के अलग–अलग रूपों को विभिन्न प्रकार की भाव भंगिमाओं के

साथ प्रस्तुत किया। प्रस्तुति के दौरान विशाल ने स्टूडेंट्स से कथक में अपने रूझान और नानी सितारा देवी से मिली प्रेरणा के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर काफी संख्या में स्टूडेंट्स उपस्थित रहे। भारतीय परम्पराओं के मूल्यों को समझने एवं आज के युवाओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से 15 फरवरी 2017 को संस्थान परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम स्पिक मैके का आयोजन किया गया। नृत्य का संचालन श्री सुसमय महतो 15 सदस्यों सहित कर रहे थे। कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, छात्रों एवं स्टाफ को छाऊ डांस, छाऊ डांस मंडली द्वारा देखने का अवसर मिला। मंडली ने सुंदर वेशभूषा और अभिव्यक्तियों के साथ पूरे दर्शकगणों को रोमांचित कर दिया एवं बहुत शानदार एवं आकर्षक प्रदर्शन किया।

मातृभाषा दिवस

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल में दिनांक 3 मार्च 2017 को मातृभाषा दिवस मनाया गया। उक्त दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रनिर्माण में मातृभाषा की भूमिका के संदर्भ में विभिन्न कार्यक्रमों (वाद विवाद, गायन एवं पोस्टर प्रदर्शन) का आयोजन किया गया। वाद विवाद कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने आधुनिक जीवन में राष्ट्रभाषा का योगदान, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, वैश्विक प्रभाव पर मातृभाषा की भूमिका, देश की संस्कृति का उद्भव, निर्माण एवं विकास पर चर्चा की। संस्थान द्वारा नामित निर्णायक मण्डल ने सभी प्रतियोगिताओं का आंकलन किया। संस्थान के सभी कर्मचारी व अधिकारीगण व छात्र–छात्राओं ने उक्त कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक अपनी सहभागिता दर्ज की।

एकता दौड़

दिनांक 04–06 नवंबर 2016 को एकता सप्ताह के अंतर्गत खेल प्रतियोगिता एवं मिनी मैराथन ''एकता दौड़'' का आयोजन किया गया जिसमें समस्त छात्र–छात्राएँ, कर्मचारी एवं अधिकारियों ने भाग लिया। एकता सप्ताह के अंतर्गत बास्केटबॉल, बॉलीबाल, टेबल टेनिस एवं बैडमिंटन की प्रतियोगिता आयोजित की गई।

इन्सपायर्ड शिक्षकों का कार्यक्रम, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली

दिनाँक 23–29 अप्रैल 2016 को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में देशभर से चयनित प्रेरित शिक्षकों का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम में देशभर से 13 शिक्षकों को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत शिक्षकों को एक सप्ताह तक राष्ट्रपति व विभिन्न केन्द्रीय मंत्रियों और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ विभिन्न विषयों पर मंत्रणा, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अन्तर्गत शैक्षिक संस्थानों का भ्रमण कार्यक्रम तथा राष्ट्रपति भवन के विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मिलित होना आदि शामिल था। इस गौरवान्वित प्रेरित शिक्षकों के कार्यक्रम में योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल से डॉ. रचना खरे, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, वास्तुकला विभाग को आमंत्रित किया गया।

जी.आई.ए.एन. / कार्यशालाएं / विशेष व्याख्यान

जी.आई.ए.एन. (ज्ञान)

शैक्षणिक नेटवर्क की वैश्विक पहल (GIAN-1)

शैक्षणिक नेटवर्क की वैश्विक पहल (ज्ञान) के तहत प्रथम कोर्स 16–20 मई, 2016 को एस.पी.ए. भोपाल में भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित किया गया। प्रोफेसर एडम हार्डी, प्राध्यापक, कार्डिफ विश्वविद्यालय, ग्रेट ब्रिटेन द्वारा इसे संचालित किया गया। यह कोर्स ''इंडियन टेम्पल आर्किटेक्चरः ड्राइंग फ्रॉम हिस्ट्री'' विषय पर था। बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया जिसमें एस.पी.ए., भोपाल के शिक्षकों और छात्रों के अलावा मैनिट भोपाल के स्नातकोत्तर छात्रों ने भाग लिया। डॉ. अजय खरे तथा डॉ. विशाखा कवाठेकर, वास्तुकला विभाग, एस.पी.ए. भोपाल द्वारा इसका समन्वयन किया गया।

शैक्षणिक नेटवर्क की वैश्विक पहल (GIAN-2)

प्रो. अर्नब चौधरी, शहरी एवं क्षेत्रीय योजना विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनियोस एट अर्बन चैम्पियन, यूएसए द्वारा दिनांक 25 से 29 जुलाई, 2016 को ज्ञान के द्वितीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त प्रशिक्षण ''योजनाकारों और नीति निर्माताओं के लिए परिदृश्य विश्लेषण'' विषय पर था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मैनिट भोपाल, मैनिट जयपुर, जवाहर लाल विश्वविद्यालय, दिल्ली एवं एसपीए भोपाल के 49 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भविष्य में शहरों की स्थिरता हेतु योजना तैयार करना एवं आवश्यक सिद्धांतों को समझना था। शहरों के भविष्य की आवश्यकता को देखते हुए व्यक्तियों और संगठनों की संज्ञानात्मक और कम्प्यूटेशनल क्षमता को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम में जीआईएस के माध्यम से संसाधित सामाजिक–जनसांख्यिकीय और स्थानिक आर्थिक आंकड़ों के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण करके शहरों के लिए वैकल्पिक परिदृश्यों का निर्माण करने हेतु सक्षम बनाया। जीआईएस सॉफ्टवेयर के द्वारा छात्रों एवं संकाय सदस्यों को एक नई शिक्षा के माध्मय से योजना सहयोग प्रणाली के जरिये सिटी डेवलेपमेंट प्लान के विश्लेषण का लाभ हुआ।

शैक्षणिक नेटवर्क की वैश्विक पहल (GIAN-3)

एस.पी.ए. भोपाल परिसर में शेफील्ड विश्वविद्यालय के प्रसिद्ध प्रोफेसर हेलेन वूली के सहयोग से गिआन–3 कार्यशाला का आयोजन 8 से 12 दिसंबर 2016 के मध्य किया गया। कार्यक्रम का संचालन सोनल तिवारी (सहायक प्राध्यापक) द्वारा किया गया। गिआन (GIAN) कार्यशाला में ओपन स्पेस की परिभाषा, प्रकार, लाभ, मूल्यांकन के लिए मानदंड व मूल्यांकन के प्रकार की जानकारी दी गई। बच्चों व वृद्धों के लिए डिज़ाइन, समावेशी ओपन स्पेस, शहरों में ओपन स्पेस के नेटवर्क का महत्व, आपदा के बाद पुनर्वास के संदर्भ में अभिकल्पन जैसे विषयों एवं चीन, जर्मनी, अमेरिका और ब्रिटेन की केस स्टडी को कार्यशाला में समाहित किया गया। प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लेने पर संतोष व्यक्त किया। कार्यक्रम में सभी वरिष्ठ संकाय प्रोफेसर (अध्यक्ष, निदेशक, शैक्षणिक डीन, जीआईएएन संस्थान समन्वयक, कोर्स कंडक्टर, प्रतिभागी और कार्यक्रम के स्वयं सेवक) उपस्थित थे।

शैक्षणिक नेटवर्क की वैश्विक पहल (GIAN-4)

प्रो. मीनू तिवारी, यूएसए, नार्थ कैरोलिना यूनिवर्सिटी के सहयोग से 14–18 दिसंबर 2016 तक एसपीए भोपाल में ''आर्थिक विकास और औद्योगिक उन्नयनः उत्पादन की सीमाओं को समझना'' विषय पर जीआईएन चतुर्थ पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। पाठ्यक्रम में संस्थागत परिवर्तन, आर्थिक विकास

एवं स्थानिक संदर्भ की अवधारणाओं और मौलिक बिल्डिंग ब्लाकों पर ध्यान केंद्रित किया गया। संक्षेप में, यह उत्पादन की स्थानिकता को जांचा गया। व्याख्यान का अनुपालन कर अभ्यास किया गया। प्रो. तिवारी ने पावरपॉइंट, साइट विजिट और विभिन्न इंटरैक्शन सहित कई प्रस्तुतियों का इस्तेमाल किया। पाठ्यक्रम के सफल समापन के लिए सभी ने हर्ष व्यक्त किया। ''आर्थिक विकास और औद्योगिक उन्नयनः उत्पादन की सीमाओं को समझना'' विषय पर जी.आई.ए.एन.(GIAN) पाठ्यक्रम 14 दिसंबर 2016 से आयोजित किया गया। इस पाठ्यक्रम को प्रो. मीनु तिवारी (पीएच.डी. एम.आ.ई.टी.) नार्थ कैरोलिना यूनिवर्सिटी, अमेरिका द्वारा आयोजित किया गया।

कार्यशालाएं

इलुमिनेशन कार्यशाला

दो दिवसीय कार्यशाला के सत्र में प्रकाश का परिचय, दृष्टि एवं प्रकाश के सिद्धांत, प्रकाश डिज़ाइन के नियम एवं प्रकाश मापन, प्रोजेक्टर मैनेजर से निर्मित डिज़ाइन और प्रकाश डिज़ाइन के विभिन्न पहुलुओं में डेलाइट को शामिल किया गया। छात्रों को बाजार में उपलब्ध विभिन्न प्रकार के प्रकाश के स्रोतों के फायदे/नुकसान, हल्के स्पेक्ट्रम का दायरा, लागत और अनुप्रयोगों की सीमा से अवगत कराया गया। सेल फोन एप्स के साथ नियंत्रित नेटवर्क कनेक्शन के माध्यम से राज्य के अत्याधुनिक रंग चयन एल.ई.डी. को जोड़ने की भविष्य की संभावनाओं को जोड़ते हुए प्रकाश की एक नई अवधारणा शुरू की गई। श्री आशिष बहल ने आंतरिक और बाहरी रूपों के विभिन्न प्रकाश डिज़ाइनों पर चर्चा की। दूसरे दिन छात्रों ने प्रकाश डिज़ाइन पर अभ्यास किया व उनकी अवधारणा व कार्य की गुणत्ता देखी गई।

हैण्ड्स ऑन वर्कशॉप

बी. आर्क प्रथम वर्ष के छात्रों को भवन सामग्री एवं निर्माण की जानकारी देने हेतु एक प्रायोगिक कार्यशाला 11 से 18 नवम्बर 2016 को संस्थान परिसर में आयोजित की गई। प्राध्यापक, नयना आर. सिंह एवं प्रियंका सिंह उक्त कार्यशाला की समन्वयक थीं। कार्यशाला का उद्देश्य भवन निर्माण की तकनीक एवं प्रयोग होने वाली सामग्री (ईंट, स्टोन, सीमेंट, रेत और मोटार्र) की जानकारी देना था।

सुगम्य प्रशिक्षण कार्यशाला

सुगम्य भारत अभियान शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों की वैश्विक पहुंच को बढ़ावा देने हेतु एक राष्ट्रीय अभियान के रूप में आरंभ किया गया है, यह अभियान सभी के लिये समान प्रवेश उपलब्ध कराता है चाहे वह वृद्ध हों या शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति, इनके लिये समावेशी शहरों की स्थापना करना अभियान का उद्देश्य है। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि पेशेवर संबंधित मुद्दों का सामाधान करने के लिये कौशल का विकास करें एवं सामाजिक रूप से जागरूक बनें। इसी उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए योजना एवं वास्तुकला विद्यालय ने दिनांक 09–12 दिसम्बर 2016 को संस्थान परिसर में एक कार्यशाला *''भविष्य के पेशेवरों के लिये सुगम्य प्रशिक्षण कार्यशाला''* का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य भारतीय शहरों में वैश्विक पहुंच की चुनौतियों एवं अवसरों को समझना है। कार्यशाला में वास्तुकला, योजना, डिज़ाइन, इंजीनियरिंग एवं अन्य संबंधित विषयों के छात्र भी शामिल हुए एवं निर्माण पर्यावास, रिक्त स्थान, इमारतों, संरचना तथा इंटरफेस के प्रयोज्य पर क्षमता और विकलांगता के प्रभाव एवं सार्वभौमिक पहुंच की जानकारी छात्रों को दी गई।

रेयर बुक्स कंजर्वेशन

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, (S.P.A.) भोपाल द्वारा दिनांक 24–25 मार्च 2017 को ''पुस्तकालय में रेयर बुक्स का कंजर्वेशन'' विषय पर कार्यशाला का आयोजन संस्थान परिसर में किया गया। कार्यक्रम में श्री इलियास अहमद, (सीनियर कंजर्वेटर, नेशनल रिसर्च लेबोरेटरी फॉर कंजर्वेशन ऑफ कल्चरल प्रॉपर्टी, लखनऊ) विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किये गए एवं विभिन्न संगठनों के पुस्तकालय विशेषज्ञ जैसे आईआईएसईआर, आरआईई, आई.जी.आर.एम.एस., निफ्ट, ए.एस.आई, सांची यूनिवर्सिटी, सम्राट अशोक टेक्नॉलाजी इंस्टीटयूट, आई.आई.टी. कानपुर, जीवाजी यूनिवर्सिटी, ग्वालियर एवं एसपीए भोपाल के एम. आर्क. (कंजर्वेशन) के छात्र भी इस कार्यशाला में उपस्थित हुए। कार्यशाला का प्रांरभ कार्यशाला समन्वयक श्री आशिष पाटिल द्वारा किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में पुस्तकालय सामग्री के परिरक्षण व उनके उपचारात्मक संरक्षण के बारे में अभिव्यक्ति दी। कार्यशाला में आमंत्रित विशेषज्ञ श्री इलियास अहमद ने प्रशिक्षण प्रारंभ करते हुए अभिलेखीय सामग्री का संरक्षण, पुस्तकों में आने वाली समस्या जैसे बाइंडिंग, पेज फटना, रंग बदलना, पुस्तकों का आकार परिवर्तन होना जैसी समस्याओं एवं उनके कारणों की जानकारी दी।

इंटीग्रल स्टूडियो

स्मार्ट शहरों के लिए स्मार्ट रेलवे स्टेशनः भोपाल जंक्शन रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास

पृष्ठभूमिः वर्तमान में लगभग 02 करोड़ किमी प्रतिदिन औसत रफ्तार के साथ भारतीय रेलवे दुनिया में परिवहन के सबसे व्यस्त साधनों में से एक है। यात्री सुविधाओं की दृष्टि से किसी भी रेलवे प्रणाली का दिल अपने स्टेशनों में रहता है। भारत में स्टेशनों की स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है। रेलवे स्टेशनों को पुनः विकसित करने की आवश्यकता है ताकि उन्हें अंतर्राष्ट्रीय मानकों तक पहुंचाया जा सके और यात्रियों के आराम और सुविधा के वांछित स्तर उपलब्ध हो सकें। इसके अलावा स्टेशन डी–फैक्टो बहु–मोडल केंद्र हैं लेकिन भारतीय संदर्भ में स्टेशन प्रभाव क्षेत्र में मॉडल और स्थानिक एकीकरण की कमी है। तत्काल आधार पर इस समस्या का समाधान करने के लिए भारत सरकार ने जुलाई 2015 में महानगरों और प्रमुख शहरों में लगभग 400 रेलवे स्टेशनों का (तीर्थयात्री केंद्रों और पर्यटन स्थलों के अलावा) पुनर्विकास करने का प्रस्ताव रखा है।

तदानुसार, आर्थिक नियोजन और डिज़ाइन पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए संस्थान ने भोपाल जंक्शन रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास हेतु इंटीग्रल स्टूडियो 2016 आयोजित करने का प्रस्ताव रखा।

प्रसंगः जैसा कि रेल बजट 2015–16 में घोषित किया गया है, रेल मंत्रालय ने स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए रुचिकर पार्टियों से उनके डिज़ाइनों और व्यवसायिक विचारों के साथ रेलवे की आवश्यकताएं और अन्य सुविधाओं की पूर्ति हेतु खुली बोलियां आमंत्रित करने का प्रस्ताव रखा है। रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास में मुख्य रूप से नए निर्माण/नवीकरण द्वारा यात्री सुविधाओं के स्तर को उन्नत करने और स्टेशन की इमारतों, प्लेटफॉर्म सतहें, परिसंचारी क्षेत्र आदि पुनर्विकास में शामिल होंगे ताकि यात्रियों की आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से पूरा किया जा सके।

भोपाल शहर में भोपाल जंक्शन तीन रेलवे स्टेशनों में से एक है। यह पश्चिम मध्य रेलवे के प्रमुख रेलवे स्टेशनों में से एक है। यह 1910 में बनाया गया था और वर्तमान में लगभग 200 एक्सप्रेस और 13 यात्री ट्रेन रोजाना इसके माध्यम से गुजरती हैं। भोपाल के समीप सांची के स्तूप, जो कि एक महत्वपूर्ण बौद्ध स्तूप हैं जो इस स्टेशन से लगभग 40 किमी दूर है, की यात्रा करने के लिए नेपाल, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, जापान और म्यांमार के विभिन्न तीर्थयात्रियों के लिए एक कनेक्टिंग बिंदु के रूप में कार्य करता है। स्टेशन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 6 प्लेटफार्म, हॉल, रिफ्रेशमेंट सेंटर, यात्री टिकट काउंटर और टिकट वेंडिंग मशीन, वाहन पार्किंग, संचार सुविधा, सैनिटरी सुविधा एवं रेलवे पुलिस बल शामिल हैं।

स्टेशन के चारों ओर जटिल भूमि के उपयोग, वितरण और प्रसार के स्वरूप को देखते हुए एवं शहर में बस परिवहन के एकीकरण की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, भोपाल स्टेशन पुनर्विकास की दृष्टि से एक अत्यंत रोचक अध्ययन है। रेलवे स्टेशन केवल यात्री और माल ढुलाई की गतिविधियों का केंद्र नहीं है। यह शहर के लिए एक प्रवेश द्वार है और शहर की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करने के योग्य है। इस केस में, भोपाल जंक्शन, भोपाल शहर का सबसे बड़ा रेलवे केंद्र है, जिसने भारत सरकार के दृष्टिकोण के तहत अगले कुछ वर्षों में भारत में विकसित होने वाले स्मार्ट शहरों की सूची में एक स्थान अर्जित किया है। रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास को ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) के सिद्धांतों को भी ध्यान में रखना चाहिए, इस समझ के आधार पर कि रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास को ट्रांजिट ओरियंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) सिद्धांतों को भी ध्यान में रखना चाहिए, स्टूडियो अभ्यास के लिये अध्ययन क्षेत्र स्टेशन के चारों ओर लगभग

वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को कवर करने के लिये लिया जाता है, स्टेशन की सर्किल में इसकी दूरी लगभग 800 मीटर होती है।

उद्देश्यः एसपीए भोपाल में इंटीग्रल स्टूडियो का आयोजन छात्रों को प्रोत्साहित करने हेतु किया जाता है ताकि वे कार्यक्रमों में एवं संस्थान द्वारा कराये गए अन्य कार्यक्रमों में सभी चीजों से परिचित हो सकें। छात्रों ने एक परियोजना पर काम करने के लिए अपने ही कक्षा से बहु–अनुशासनात्मक टीमों को बनाया है। भारत सरकार के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए, सात दिवसीय इंटीग्रल स्टूडियो (17 जुलाई से 23 जुलाई) रेलवे स्टेशन पुनर्विकास पर फोकस करने हेतु आयोजित किया गया। उद्देश्य में निम्नलिखित को शामिल किया गयाः–

- स्टेशन पुनर्विकास की योजना, डिज़ाइन चुनौतियों और बहु–आयामी समस्या सुलझाने के लिए आवश्यक समझ विकसित करना।
- ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट सिद्धांतों और ट्रांजिट आर्किटेक्चर की समझ विकसित करना।
- संबंधित सरकारी नीति और बाजार की वास्तविकताओं के लिए छात्रों को संवेदनशील बनाना।

विषय क्षेत्रः स्टूडियो की समस्या को दो स्तरों पर प्रस्तावित किया गया हैः ए) टीडी प्रभाव क्षेत्र, और बी) स्टेशन परिधि टोड प्रभाव क्षेत्र के भीतर, स्टूडियो के दायरे में निम्नलिखित शामिल होंगे।

- सार्वजनिक/निजी परिवहन व्यवस्था के अन्य तरीकों के साथ एकीकरण उदाहरण बस, मेट्रो आदि।
- पार्किंग और पार्क एवं सवारी सुविधाओं की व्यवस्था।
- वाणिज्यिक और कार्यालय का स्थान, अन्य सेवाएं व सुविधाओं हेतु स्थान का आवंटन।
- स्टेशन से बाहर लेकिन टीओडी प्रभाव क्षेत्र के अंतर्गत पुनर्नवीनीकरण की संभावना।

स्टेशन की सीमा के भीतर, स्टूडियो में निम्नलिखित शामिल होंगेः

- अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ एक प्रतिष्ठित ग्रीन बिल्डिंग में स्टेशन का पुनर्विकास।
- प्लेटफार्मों के भविष्य के विस्तार के लिए योजना।
- यात्रियों का प्रस्थान/आगमन अलग–अलग सुनिश्चित करना एवं परिसर में भीड़ मुक्त, गैर परस्पर विरोधी प्रवेश/निकास की व्यवस्था सुनिश्चित करना।
- स्टेशन में सभी अनिवार्य सुविधाओं के लिये पर्याप्त स्थान सुनिश्चित करना जैसे फूड कोर्ड, शॉपिंग प्लॉजा, चिकित्सा सुविधा, विश्रामगृह आदि।
- सार्वभौमिक डिज़ाइन दिशानिर्देशों के अनुसार उपयोगकर्ता के अनुकूल सेवाओं का प्रावधान।
- आधुनिक उपयोगिता एवं सेवाओं का नियोजन।

इस स्टूडियो में, बी.आर्क. एवं बी. प्लान के 2,3 एवं 4 वर्ष के छात्रों ने सहभागिता ली व टीम के द्वारा 17 से 22 जुलाई 2016 के मध्य कार्य किया गया व एक भव्य जूरी 23 जुलाई 2016 को हुई।

विशेष व्याख्यान

डॉ. संजीव सिंह, बी.आर्क. थीसिस की प्रक्रिया, 16 फरवरी 2017, सभा कक्ष, एसपीए, भोपाल।

डॉ. हरमोहन पिल्लई, आर्कि. ई. स्टूडियो, त्रिशूर, ह्यूमन फॉर्म एण्ड इंटरेक्टिव स्पेस, 22 वीं कार्यशाला, 23 फरवरी 2017, एस.पी.ए. भोपाल के बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर द्वितीय व चतुर्थ सेमस्टर के छात्रों के लिए आयोजित किया गया।

डॉ. हरमोहन पिल्लई, आर्कि. ई. स्टूडियो, त्रिशूर, क्राफ्ट – द वेनिसिंग लिंकेज, एक व्याख्यान, एस.पी.ए. भोपाल के वास्तुकला और योजना विभागों के सभी छात्रों और संकायों के लिए आयोजित, 23 फरवरी, 2017।

डॉ. हरमोहन पिल्लई, आर्कि. ई. स्टूडियो, त्रिशूर, आर्किटेक्चर में लिंकेजेजः परंपरागत से लेकर आधुनिक व्याख्यान पारम्परिक टू मॉडर्न, सभी छात्रों और आर्किटेक्चर और प्लानिंग विभागों के लिए आयोजित, 23 फरवरी, 2017।

डॉ. जॉयदीप दत्ता, व्याख्यान आयोजित, ह्यूमन फार्म एण्ड इंटरएक्टिव स्पेस, प्रोफेसर एवं अकादमिक समन्वयक, पिल्लई एचओसी कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, मुंबई विश्वविद्यालय, 22–23 फरवरी, 2017।

डॉ. दीपेंद्र प्रसाद, व्याख्यान आयोजित, भवनों में स्थायी और ग्रीन रणनीति, भारत और विदेशों में बड़े पैमाने पर व्याख्यान, संस्थापक सदस्य एवं समन्वयक INTBAU भारत और इसके पूर्व अध्यक्ष भी थे, 23 मार्च, 2017।

प्रो. सविता एस. राजे, एसोसिएट प्रोफेसर, वास्तुकला और योजना विभाग, मैनिट, भोपाल, एम. आर्क. (संरक्षण) के छात्रों के लिए व्याख्यान आयोजित किया। संरक्षण स्टूडियो द्वितीय सेमेस्टर, ऐतिहासिक शहर भोपाल के लिए स्टूडियो परियोजना पर काम कर रहे हैं।

डॉ. जॉयदीप दत्ता, एसपीए भोपाल के डिज़ाइन विकास के लिए व्याख्यान का आयोजन, वास्तुकला और योजना विभागों के सभी छात्र और संकाय सदस्य उपस्थित, 17 फरवरी, 2017।

डॉ. जॉयदीप दत्ता, विशेष व्याख्यान, विषयः ''वास्तुकला में अनदेखी को देखते हुएः अंतर्निहित अंतर्दृष्टि का विचार'' एसपीए भोपाल, दिनांकः 17 फरवरी, 2017।

डॉ. जॉयदीप दत्ता, विशेष व्याख्यान, विषयः ''वास्तुकला में लिंकेजियां'' पारंपरिक से आधुनिक'' दिनांक 23 फरवरी, 2017, सभा कक्ष, एसपीए, भोपाल।

डॉ. जॉयदीप दत्ता, विशेष व्याख्यान, विषयः ''इमारतों में सतत् और ग्रीन रणनीतियाँ'' 23 मार्च, 2017, सभा कक्ष, एसपीए, भोपाल।

डॉ. शेखर चटर्जी, आईआईआईटीडीएम, जबलपुर, व्याख्यान ''प्रकृति, फार्म और सौंदर्यशास्त्र'' के विषय पर ध्यान केंद्रित किया, 31 मार्च, 2017।

बैचलर ऑफ आर्क के लिए ''डिज़ाइन डिवेलपमेंट'' बी. आर्क थीसिस के अंतिम वर्ष के छात्रों, दिनांकः 17–18 फरवरी, 2017, सभा कक्ष, एसपीए, भोपाल।

श्री प्रशांत खिरवाड़कर, शहरी सलाहकार और पर्यावरण नियोजन विशेषज्ञ भोपाल, विषय–'भोपाल शहर का अवलोकन', अगस्त 02, 2016।

श्री बी. के. पांडा, पूर्व निदेशक, डायरेक्टोरेट ऑफ अर्बन अफेयर, मेघालय सरकार, शिलांग, विषय–पहाडी क्षेत्रों के लिए योजना (एम.प्लान इंटीग्रेटेड सेमेस्टर और एमईपी तृतीय सेमेस्टर),10 नवंबर, 2016।

श्री दिनेश कुमार शर्मा, सेवानिवृत टाउन प्लानर, भोपाल, विषय–स्मार्ट सिटी संकल्पना के तहत टीटी नगर का पुनर्विकास, 16 नवंबर, 2016।

प्रो मनमोहन कापसे, वास्तुकला एवं योजना विभाग, मैनिट भोपाल, विषय–पर्यावरण नियोजन के लिए अनुसंधान विधियाँ और दृष्टिकोण (एमईपी चतुर्थ सेमेस्टर),जनवरी 24, 2017।

श्री कमल पांडे, वैज्ञानिक, आईआईआरएस (इसरो), देहरादून, विषय–मेले के संसाधनों के लिए भू–स्थानिक डेटा संग्रह और विश्लेषण, एम.प्लान (प्रथम वर्ष) और बी. प्लान (तृतीय वर्ष) जनवरी 30, 2017।

श्री प्रवीण भागवत, पूर्व यूएडीडी आधिकारी, म.प्र. सरकार, भोपाल, विषय–नीतियाँ एवं विकास योजनाओं की तैयारी, इनकी अवधारणा और कार्यान्वयन, बी प्लान (द्वितीय एवं चतुर्थ वर्ष), 28 फरवरी, 2017।

श्री संजीव कुमार, सलाहकार, एसआईडीएच एवं स्टेलर कैपिटल भोपाल, विषय– ग्राउण्ड स्तर पर परियोजनाओं के विवरण के माध्यम से प्रस्तावित सरकारी योजनाओं का कार्यान्वयन–बी. प्लान (द्वितीय एवं चतुर्थ वर्ष), 28 फरवरी, 2017।

श्री विवेक अग्रवाल (आईएएस), आयुक्त, शहरी विकास और पर्यावरण एवं प्रबंध निदेशक, मध्य प्रदेश मेट्रो रेल परियोजना, शहरी प्रशासन और विकास निदेशालय, शिवाजी नगर, भोपाल, विषय–मध्य प्रदेश में शहरी विकास की चुनौतियाँ और शहरी प्रशासन की पहल (सभी छात्र), मार्च 23, 2017।

डॉ. पार्थ चक्रवर्ती, परिवहन इंजीनियर, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आई.आई.टी. कानपुर, विषय– इष्टतम् शहरी सड़क नेटवर्क विन्यास समस्या, स्थायी शहरी परिवहन को प्राप्त करने में स्मार्ट परिवहन प्रणालियों की भूमिका (सभी छात्र), 24 मार्च, 2017।

प्रशिक्षण एवं रोजगार प्रकोष्ठ

एस.पी.ए, भोपाल में प्रशिक्षण एवं रोजगार प्रकोष्ठ स्नातक छात्रों को रोज़गार की सुविधा देता है और पेशेवर प्रशिक्षण लेने के लिए उपयुक्त संगठनों का चयन करने के लिए विभिन्न स्नातकोत्तर और स्नातक कार्यक्रमों में वर्तमान छात्रों की सहायता करता है। यह कक्ष सभी कार्यक्रमों से छात्रों के व्यावसायिक प्रशिक्षण की समग्र प्रक्रिया का समन्वय करता है, जो कि संबंधित पाठ्यक्रम द्वारा आवश्यक है। पाठ्यक्रम के बाहर एक औद्योगिक सेटअप में काम करने वाले छात्रों के मूल्यांकन की प्रणाली को सरल बनाने के लिए सभी पाठ्यक्रमों के छात्रों द्वारा अनुपालन के लिए सेल द्वारा ट्रेनिंग मैनुअल डिज़ाइन किया गया है। हमारे छात्रों ने सरकारी और निजी क्षेत्र में विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। ऐसे संगठनों की सूची में सलाहकार, डेवलपर्स, अनुसंधान संगठनों और गैर सरकारी संगठनों की एक विस्तृत श्रृंखला है। इस वर्ष भी छात्र लंदन, फ्रांस, जर्मनी, श्रीलंका, वियतनाम, और कुवैत में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में प्रशिक्षण के लिए गए हैं।

प्रशिक्षण एवं रोजगार प्रकोष्ठ सभी यूजी और पीजी कार्यक्रमों के लिए प्लेसमेंट ब्रोशर प्रकाशित करता है जो बड़े पैमाने पर पेशेवरों और उद्योगों में छात्रों को स्नातक होने के प्रोफाइल को प्रसारित करने में मदद करता है। स्नातक छात्रों का चयन कैंपस और ऑफ–कैंपस साक्षात्कारों के माध्यम से कई प्रतिष्ठित फर्मों और सलाहकारों द्वारा किया जाता है। हमारे पूर्व छात्रों का प्रतिष्ठित संगठनों में शामिल होकर उनके उत्कृष्ट कार्य की स्वीकृति से उद्योग एवं अकादमिक संबंधों को तेजी से मजबूत किया जा रहा है।

मानव संसाधन विकास, संस्थान का प्रमुख उद्देश्य है और प्रशिक्षण एवं रोजगार प्रकोष्ठ एक कुशल उद्योग–अकादमिक इंटरफ़ेस को सुविधाजनक बनाने के लिये वास्तुकला और योजना व्यवसायों की मांगों को पूरा करने का प्रयास करता है। इस वर्ष भी, प्रकोष्ठ 2016–2017 के लिए सफल प्लेसमेंट सीजन को चलाने में सक्षम था। प्रकोष्ठ के कैरियर विकास कार्यक्रम के तहत 'भारत एवं विदेश में उच्च शिक्षा' पर इंटरैक्टिव सत्र के बाद एक विशेषज्ञ व्याख्यान भी आयोजित किया गया। हर साल अकादमिक संस्थानों और अग्रणी कंपनियों की बढ़ती संख्या से कैंपस प्लेसमेंट के साथ–साथ स्नातक छात्रों के लिए ऑनलाइन साक्षात्कार के लिए उनकी रुचि देखी गई।

वर्ष 2017 में, यूजी और पीजी कार्यक्रमों के 28 छात्रों को कोलकाता से जेएएलएल, नई दिल्ली के एसके एसोसिएट्स, क्रिएटिव ग्रुप और पुणे से सॉफ्टटेक इंजीनियरिंग (पी) लिमिटेड, लक्ष्मणगढ़ के मोदी विश्वविद्यालय, वडोदरा से आईटीएम यूनिवर्स, जयपुर से पूर्णिमा विश्वविद्यालय, भोपाल से बागुलमुखी कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर और प्लानिंग एवं ग्रामीण विकास विभाग म.प्र. सरकार द्वारा, एसपीए, भोपाल में आयोजित प्लेसमेंट गतिविधियों के माध्यम से चयन किया गया है ।

प्रशिक्षण एवं रोजगार प्रकोष्ठ – सदस्य;

निदेशक, एसपीए भोपाल – अध्यक्ष

डॉ संदीप संकट – सह संकायाध्यक्ष (छात्र क्रियाकलाप)

संदीप अरोड़ा, सहायक प्राध्यापक (वास्तुकला) संकाय प्रभारी

अशफाक आलम, सहायक प्राध्यापक (योजना)

सोनल तिवारी, सहायक प्राध्यापक (वास्तुकला)

गायत्री नंदा, सहायक प्राध्यापक (वास्तुकला)

सुशील कुमार सोलंकी, सहायक प्राध्यापक (वास्तुकला)

गौरव वैद्य, सहायक प्राध्यापक (योजना)

बिन्दु सुरेश, कनिष्ठ सहायक

छात्र गतिविधियाँ

फ्लाई हाई एण्ड स्पीड इन्ट्रोडक्शनः एस.पी.ए., भोपाल की साहित्य समिति ने अपने पायलेट इवेंट का आयोजन किया। इस इवेंट में बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित हुए, यह एक अच्छी शुरूआत थी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के परिचय के अलावा प्रतिभागियों के मध्य लेखन का एक सामान्य विचार पैदा करना था।

जन्माष्टमीः जन्माष्टमी महोत्सव एस.पी.ए. परिसर के बालक छात्रावास में मनाया गया, छात्रावास में भगवान श्री कृष्ण की मूर्ति को बड़ी खूबसूरती के साथ सजाया गया एवं एक छोटा सा मंदिर प्रांगण में बनाया गया जहां पूजन कार्यक्रम रखा गया था। शाम को पूजा के बाद सभी बैच के छात्रों ने गीत गाया, नृत्य किया व कार्यक्रम का आनंद लिया।

फोटोग्राफीः एस.पी.ए. भोपाल के फोटोग्राफी क्लब ने 28 अगस्त को मानव संग्रहालय में इंस्टाग्राम के भोपाल आई.जी. द्वारा आयोजित फोटो वॉच में हिस्सा लिया। एसपीए भोपाल के युवा फोटोग्राफरों की इच्छा रखने वाले भोपाल से लगभग चारों ओर पेशेवर और अनुलग्नक फोटोग्राफरों से दूर क्लिक किया। उक्त कार्यक्रम में हमारी भागीदारी की सराहना की गई और इसका उल्लेख हिंदुस्तान टाइम्स समाचार पत्र में भी किया गया।

डस्क अनप्लग्डः एस.पी.ए. भोपाल की छात्र संगीत समिति ने कैंटीन के पास एक खुले स्थान में डस्क अनप्लग्ड का आयोजन किया। उक्त स्थान विशेष रूप से लाइटिंग के साथ सजाया गया था। इस कार्यक्रम में नक्षत्र बैंड के जशोजीत चक्रवर्ती के साथ विभिन्न प्रकार के सोलो एवं ग्रुप परफॉरमेंस को देखा गया। उक्त कार्यक्रम को रिकार्ड कर समिति ने यूटयूब पर शो जारी किया।

शिक्षक दिवसः शिक्षक दिवस एस.पी.ए., परिसर के बालक छात्रावास में आयोजित किया गया था। सभी शिक्षकों को स्थल में गुलाब के फूल से सम्मानित किया गया। छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया एवं सभी छात्रों ने संकाय सदस्यों को अपना–अपना परिचय दिया। संकाय द्वारा उक्त अवसर पर गायन कर कार्यक्रम में रस भर दिया। कार्यक्रम के दौरान शाम को बालक छात्रावास के प्रांगण में गणेश आरती भी की गई। उक्त कार्यक्रम में कैनवास पर हस्ताक्षर करना मुख्य आकर्षण था।

स्वच्छ परिसर अभियानः कचरा प्रबंधन समिति ने एक स्वच्छ परिसर अभियान का आयोजन किया जिसमें बड़ी संख्या में भागीदारी देखी गई, यह बहुत बड़ी सफलता थी, समिति ने कॉलेज से अपशिष्ट पेपर एकत्रित किया, जो रिसाइक्लिंग के लिये दिया गया था।

तूर्यनादः एसपीए भोपाल के छात्रों ने मेनिट भोपाल के सांस्कृतिक हिन्दी महोत्सव तूर्यनाद में अपनी सहभागिता दर्ज की। हमारे संस्थान के छात्रों ने नुक्कड़नाटक एवं डांस में भाग लिया एवं डांस प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार भी प्राप्त किया। डांस टीम में शामिल छात्र अनविका अग्रवाल, निखियाला रामनाथन, रीति अग्रवाल, प्रियंका काकोटी, सुकन्या देशमुख थे। छात्रों ने नगद पुरस्कार 6000 रूपये प्राप्त किये यह कॉलेज के लिये वास्तव में गर्व का क्षण था।

ध्वनि उत्पादन कार्यशालाः ग्रेपवाइन के सदस्यों ने सेमीनार हॉल में ध्वनि उत्पादन कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में प्रयाग मेहता एवं ऋषभ जोशी, डीजे के प्रसिद्ध संगीतकार उपस्थित हुए। उन्होंने विभिन्न संगीत सॉफ्टवेयर के विषय में चर्चा की और छात्रों को इसकी बुनियादी बातों को सिखाया। उन्होंने कार्यशाला के दौरान छोटे मजेदार इंटरेक्टिव पलों को अनुभव किया।

सिनर्जीः सिनर्जी 2के6 – एसपीए भोपाल का 3 दिवसीय उत्सव था। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को चार भागों में विभाजित किया गया जिनके नाम थे (कुकडू कू, देशी डकैत, रैपिक गणराज्य, बुलेट वाल) जो एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा करते थे। पहले दिन कार्यक्रम में लगभग 65 छात्रों के मध्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा आयोजित की गई। जिसमें बैचलर एवं मास्टर के छात्रों उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज की।

स्पेस 2.0: संस्थान का संगीत महोत्सव स्पेस 2.0 दिनांक 12 नवम्बर 16 को संगीत समिति द्वारा बालिका छात्रावास के प्रांगण में आयोजित किया गया। इस समारोह में संस्थान के छात्रों द्वारा बॉलिवुड से लेकर रोक से पॉप तक कुल 30 प्रदर्शन हुए। इस हेतु कार्यक्रम स्थल बड़ी खूबसूरती से सजाया गया था।

लाइव स्केचिंगः कला एवं हस्तशिल्प क्लब ने एक लाइव स्केचिंग सत्र का आयोजन किया जिसमें छात्रों को वन विहार ले जाया गया। इस इवेंट में लगभग 50 छात्रों ने हिस्सा लिया। लाइव स्केचिंग मुख्य फोकस होने के कारण बहुत से छात्रों ने रेखा चित्र करना सीख लिया जबकि अन्य परिदृश्य में शामिल थे।

शालोम विद्यालय की यात्राः प्रिशा, हमारे कॉलेज के रोट्रेक्ट क्लब ने स्कूल के छात्रों से मिलने के लिये शालोम विद्यालय (विकलांगों का विद्यालय) का दौरा किया। इस दौरे में, हमारे संस्थान के छात्रों ने शालोम विद्यालय के छात्रों को शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक विभिन्न विषयों को सिखाया जिसमें कला और शिल्प, पेंटिंग, मिट्टी की मॉडलिंग, अंग्रेजी मठ आदि शामिल थे।

साहित्यिक एवं प्रश्नोत्तरी उत्सवः साहित्य एवं अभिनय समिति के द्वारा 20 एंव 21 नवम्बर 2016 को एनएलआईयू सहित्य और प्रश्नोत्तरी महोत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया गया। ड्रामा क्लब ने उक्त प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता, एवं तृतीय पुरस्कार साहित्य समिति को संस्थान से प्राप्त हुआ। संस्थान के कार्यक्रमों में हिस्सा लेना साहित्य समिति के सदस्यों के लिये एक महान प्रदर्शन था।

काशी यात्राः संस्थान की सांस्कृतिक समिति ने काशी यात्रा 2017 (आईआईटी–बीएचयू वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव) में भाग लिया। संस्थान से कुल 52 छात्रों ने उक्त महोत्सव में अपनी सहभागिता दर्ज की। प्रथम पुरस्कार पनिष्ठि जिंदल एवं रिद्धित पौल, द्वितीय पुरस्कार अनन्या वाकर एवं पारूल गुप्ता तथा तृतीय पुरस्कार अलेमचिल्ला (सोलो सिंगिंग) ने प्राप्त किया।

कलरवः 2016 बैच के नये छात्रों का स्वागत महोत्सव कलरव आयोजित किया गया। कार्यक्रम का सफलता पूर्वक संचालन बॉलीवुड डीजे नाइट के द्वारा हुआ।

क्यूजर्कः साहित्य समिति ने एक अनौपचारिक वास्तुकला प्रश्नोत्तरी –क्यूजर्क का आयोजन सेमीनार हॉल में किया। उक्त प्रतियोगिता में प्रश्न प्रोजेक्टर स्क्रीन पर दर्शाये गए एवं सभी को उत्तर शीट दी गई। यह सभी के लिये एक रोमांचित गतिविधि थी।

अनुभूतिः एस.पी.ए. भोपाल के फोटोग्राफी क्लब के द्वारा भारत भवन में फोटोग्राफी प्रतियोगिता और प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह एक बहुत ही सफल इवेंट था। क्लब को पूरे देश से प्रविष्टियां मिली व विशाल सहभागिता देखी गई।

राहगिरी दिवसः प्रिशा–संस्थान के रोट्रेक्ट क्लब ने 26 मार्च 2017 को बोट क्लब रोड, अपर लेक में राहगिरी –2017 का आयोजन किया।

स्पेडियोज़ः स्नातक के तृतीय वर्ष के छात्रों एवं स्नातकोत्तर के प्रथम वर्ष के छात्रों ने मिलकर स्नातक एवं स्नातकोत्तर के लिये विदाई समारोह आयोजित किया। अंतिम बैच के सभी छात्रों को एक शीर्षक एवं एक मूमेंटो दिया गया जो कि उनके व्यक्तित्व पर झलकता था। कार्यक्रम का मनोजरंन बॉलीवुड डीजे द्वारा किया गया।

सिमबायोसिसः योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, (S.P.A.) भोपाल द्वारा शहरी योजनाकार संस्थान (I.T.P.I.) के सहयोग से सिमबायोसिस (Symbiosis) कार्यशाला एवं प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 24–27 मार्च 2017 को संस्थान परिसर में किया गया। कार्यशाला एवं प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल के सभी छात्रों ने पंजीयन कर सहभागिता ली। कार्यशाला में कोलकाता से लीवार्डडेस्ट के सदस्य श्री निलंजन मण्डल, आई.टी.पी.आई. सदस्य, एस.पी.ए. भोपाल के निदेशक, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापकगण सम्मिलित हुए एवं इनके सहयोग से स्टूडियो कार्यक्रम, डिबेट, प्रश्नोत्तरी, पेंटिंग फोटोग्राफी, पोर्ट्रेट, ऑरिगैमी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

त्वरण प्रतियोगिताः एस.पी.ए. भोपाल की स्टूडेंट स्पोर्ट टीम ने आई.आई.आई.टी.डी.एम., ग्वालियर द्वारा 31 मार्च से आयोजित राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिता ''त्वरण'' में भाग लिया। खेल प्रतियोगिताओं में बैडमिंटन, टेबल टेनिस, वॉलीबाल, क्रिकेट, मैराथन, दौड़ आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिसमें से संयोगिता राना, बी.आर्क. प्रथम वर्ष ने 200 मी, दौड़ एवं मैराथन (छात्रा) में एवं शुभम संत, बी.आर्क. तृतीय वर्ष ने मैराथन (छात्र) में जीत हासिल कर, मेडल एवं पुरस्कार प्राप्त किये।

छात्र पुरस्कार एवं उपलब्धियाँ

तमयौज़ इंटरनेशनल आवार्ड: तमयौज़ इंटरनेशनल आवार्ड प्रतियोगिता में संस्थान के छात्र निपुण प्रभाकर ने अपनी थीसिस पर तृतीय स्थान प्राप्त किया। उक्त प्रतियोगिता में अंतराष्ट्रीय स्तर पर 30 देशों के 88 विश्वविद्यालयों से 420 छात्रों ने भाग लिया था।

नियासा: बी.आर्क, अंतिम वर्ष के छात्र निपुण प्रभाकर, अहमदाबाद में आयोजित जोनल नियासा जूरी में विजयी घोषित हुए। उक्त प्रतियोगिता में हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, मध्य प्रदेश एवं गुजरात राज्य के 67 महाविद्यालय शामिल थे।

प्रतियोगिता 'मेक युअर सिटी स्मार्ट': भोपाल स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा 'मेक युअर सिटी स्मार्ट' विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर के मार्गदर्शन में संस्थान के छात्र गौरबदास महापात्र (एमयूआरपी, द्वितीय वर्ष), पुल्कित सिंगल (बी. प्लान, तृतीय वर्ष), उदित सरकार (एमयूआरपी, प्रथम वर्ष), जिन्निया साहा (एमयूआरपी, प्रथम वर्ष) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आई.टी.पी.आई.अवार्ड: संस्थान के एम.प्लान एवं बी. प्लान के छात्र परिक्षित मेहता, गौरबदास महापात्र, आकाश चौहान, जगन्नाथ दास, अमन सिंह राजपूत ने आई.टी.पी.आई. एमपी चेप्टर अवार्ड जीतकर संस्थान को गौरवान्वित किया।

वर्ल्ड आर्किटेक्चर फेस्टिवल: वर्ल्ड आर्किटेक्चर फेस्टिवल 16–18 नवम्बर 2016 को बर्लिन, जर्मनी में आयोजित किया गया। समारोह में दुनिया भर से 2000 से अधिक वास्तुकारों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की एवं व्याख्यान और प्रस्तुतिकरण के माध्यम से समारोह को सफल बनाया। योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल की ओर से छात्रों की एक टीम डॉ. संजीव सिंह के समन्वयन में समारोह में सम्मिलित हुई। ''विरासत में मिली चंदेरी की बुनाई को सिल्क के माध्यम से पुनः तैयार करने के विषय पर योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल के प्रस्ताव को छात्र चैरिट श्रेणी के लिये विश्व विजेता घोषित किया गया एवं इस हेतु 3 दिवस का लक्ष्य कार्यक्रम छात्रों को दिया गया।

नोस्प्लान सम्मेलन: नेशनल नोस्प्लान काउंसिल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित नेशनल नोस्प्लान ऑनलाइन सम्मेलन 2016 में एस.पी.ए., भोपाल के छात्रों ने लगातार तीसरी बार अपनी रैंक को बरकरार रखा। हमारे छात्रों ने इवेंट के दौरान प्रत्येक तकनीकी प्रतियोगिता में अपनी उल्लेखनीय छाप प्राप्त की। सम्मेलन में प्रतियोगिता के विषय एवं संस्थान के विजयी छात्रों के नाम निम्नलिखित हैं। डेवलेपमेंट प्लान में प्रथम पुरस्कार – अमन सिंह राजपूत, आयुष गर्ग, महक दावरा, सौरभ जोशी और धरना डांग एवं द्वितीय पुरस्कार – अमन सिंह, ज्योति, आस्था सेठी, जिन्निया साहा और दीक्षा विश्वास ने प्राप्त किया। स्मार्टनिंग युअर फ्यूचर स्केप्स में प्रथम पुरस्कार –रोहन मिश्र और तान्या कौर बेदी एवं तृतीय पुरस्कार– हरिदास और दामिनी राठौर ने प्राप्त किया। एस ड्रेस्टिक एस डेमोनेटिसेशन में द्वितीय पुरस्कार–शिवम मित्तल ने प्राप्त किया। डायरेक्टर कट में द्वितीय पुरस्कार–एल. महेश दत्त, भार्तग्व चारी, कुलदीप वम्सी काडा ने प्राप्त किया। बेटरिंग प्रेक्टिस में तृतीय पुरस्कार– सीलम जोशी ब्लेज, सैली मोस्बी, रवि पांडे और रिधिमा कंवल ने प्राप्त किया। वर्तमान एस.पी.ए. भोपाल की नोस्प्लान यूनिट काउंसिल के अनुसार हमने राष्ट्रीय नोस्प्लान ऑन लाइन कन्वेंशन 2016 में प्रथम रैंक हासिल की है। सभी प्रतिभागियों को पुरस्कारों के साथ सहभागिता प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

वास्तुकला छात्र राष्ट्रीय संघ (नासा): 59 वां नासा कार्यक्रम पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जयपुर में दिनांक 15–20 जनवरी 2017 को आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में एस.पी.ए. भोपाल के छात्रों ने सहभागिता ली। कार्यक्रम में कुल 9 प्रतियोगिताओं में संस्थान के छात्रों ने भाग लिया जिसमें से जी सेन ट्राफी, एएनडीसी लूईस खान एवं रूबेन्स ट्राफी, यूओडब्ल्यू ट्राफी में छात्र पुरस्कृत हुए।

शिल्पशाला का संक्षिप्त विवरण (स्टूडियो ब्रीफ)

योजना विभाग

बी. प्लान, प्रथम वर्ष, प्रथम सेमेस्टर (जुलाई –दिसम्बर 2016)
बी. प्लान–0101: योजना स्टूडियो (ग्राफिक्स और प्रस्तुति तकनीक)
स्टूडियो समन्वयक: *डॉ. आरती जायसवाल, प्रशांति राव, रितिका मध्यान*

स्टूडियो का उद्देश्य: अवधारणा एवं विचारों से संवाद स्थापित करने की दिशा में छात्रों के दिशा निर्देश एवं छात्रों को स्वयं के विचार प्रस्तुत करने के लिए ग्राफिक्स, स्केल, हस्त चित्र, स्केच्स, मैप्स और कम्पोस्ड शीट आदि माध्यमों का प्रयोग कर कौशल को बढ़ाना।
अनुमानित परिणाम: छात्रों से ग्राफिकल प्रस्तुति के विभिन्न माध्यमों से जैसे ड्राइंग उपकरण, प्रस्तुति चित्रों में रंगों का प्रयोग एवं 2 डी से 3 डी ग्राफिकल मॉडल का निरूपण।
असाइनमेंट और अभ्यास: संपूर्ण पाठ्यक्रम को विभिन्न उद्देश्यों के साथ पांच इकाइयों में बांटा गया है। विभिन्न उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अलग–अलग अभ्यास अलग–अलग कार्यक्रम के लिए तैयार किए गए थे।
अभ्यास 1: (स्वाभाविक रूप से कौशल के स्तर को समझना) पहली शीट में छात्रों को सभी प्रकार की ऊर्ध्वाधर क्षैतिज झुकाव आदि के फ्रीहेंड सीधी रेखाएं बनानी थी ताकि उनके हाथों पर फ्री स्केचिंग और आरेखण बनाया जा सके।
अभ्यास 2: (विभिन्न आधारों पर छात्रों को पेंसिल के उपयोग को समझने के साथ अपने कौशल का उन्नयन) छात्रों को अलग–अलग थिच्क्नेस के साथ बुनियादी रेखाएं, ऊर्ध्वाधर क्षैतिज और घुमावदार रेखाएं खींचने की आवश्यकता होती है, जिससे वें लाइन के एक साधारण तत्व को मोटाई देने के महत्व को समझ सकें।
अभ्यास 3 और 4: (2 डी में बहुभुजों के बुनियादी रूप को प्रस्तुत करके ड्राइंग उपकरणों का उपयोग करने के लिए कौशल विकसित करना) शीट में तीन छात्रों को त्रिभुज ट्रेपोजाइडल आदि जैसे विभिन्न बहुभुजों को उपयोग करने की जरूरत होती है। छात्रों द्वारा शीट पर कार्य प्रारंभ करने से पहले 2 डी एवं 3 डी आकृतियों के प्रकारों एवं तत्वों का परिचय और एक डिज़ाइन तत्व के रूप में संरचना को आकर्षित करने में इन आकृतियों का उपयोग कैसे किया जाये पर दिशा निर्देश।
अभ्यास 5 और 6: (लेखन कौशल विकसित करना, ग्राफिकल स्केल का उपयोग, ड्राइंग 2 डी फार्म को विकसित करना) इस अभ्यास में छात्रों को अंग्रेजी में वर्णमाला लेखन कराया गया ताकि वे सीख सकें कि अच्छे अनुपातों में लेखन कैसे किया जा सके। इसके अलावा विद्यार्थियों को अलग–अलग संख्यात्मक पैमाने पर दिए गए ऑब्जेक्ट को आकर्षित करना था।
अभ्यास 7: (3 डी के रूपों में 2 डी के स्थान को देखना) ऑर्थोग्राफिक अनुमानों, परिप्रेक्ष्य विचारों और तिरछी अनुमानों के आधार पर असाइनमेंट।
अभ्यास 8: (मॉडल बनाने का कौशल) विद्यार्थियों को शीट में 2 डी संरचना तैयार करने एवं 3 डी के मॉडल फॉर्म में उसी संरचना का अनुवाद करना।
अभ्यास 9: (रंग सिद्धांत को समझना) छात्रों को अलग–अलग रंग सिद्धांत में 2 डी संरचना बनाने को कहा गया था ताकि वे समझ सकें कि ड्राइंग की समग्र संरचना में रंग कैसे उपयोग करें।
अभ्यास 10: (ग्राफिकल कौशल और बैलेंस का उपयोग करके तकनीकी योजना का मूल्यांकन कैसे करें) मेसेर्ड ड्राइंग आधारित अंतिम अभ्यास छात्रों को दिया गया था।
सभी दिए गए अभ्यास पूरे पाठ्यक्रम को कवर करते हैं और स्टूडियो के व्यापक उद्देश्य को प्राप्त करने में मदद करते हैं। प्रत्येक अभ्यास से पहले दिए गए कार्य पर कक्षा में निर्धारित औपचारिक व्याख्यान है। स्टूडियो छात्रों के अंत में उनके 3 डी रचना से छोटा मॉडल बनाया गया।

बी. प्लान, प्रथम वर्ष, द्वितीय सेमेस्टर (जनवरी–मई 2017)
योजना लैब–2 (क्षेत्र प्रशंसा) (बी. प्लान 0211)
अध्ययन क्षेत्र: भोपाल
स्टूडियो समन्वयक: डॉ. काकोली साहा, प्रो. एन. आर. मंडल, डॉ. आरती जयसवाल
बी. प्लान द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों के लिए क्षेत्र विश्लेषण स्टूडियो अध्ययन (योजना लैब–2) भोपाल में किया गया। स्टूडियो के प्रयोजन के लिए, तीन साइटों का चुनाव किया गया, प्रथम: कॉम्परेट्स हाइट्स आवासीय परिसर, द्वितीय: एक संस्थागत कैंपस (भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान) और तृतीय: एक वाणिज्यिक क्षेत्र जैसे न्यू मार्केट। तीनों साइटों के लिए छात्रों को समान रूप से तीन समूहों में विभाजित किया गया एवं प्रशासनिक सीमा, भौगोलिक मानचित्र

एवं खसरा मानचित्र के बारे में समझने के लिए अध्ययन किया गया। छात्रों को सांख्यिकीय डेटा का प्रतिनिधित्व करने के लिए कार्टोग्राफिक प्रोटोकॉल के बारे में भी पढ़ाया गया। प्रोफेसर आशिष पाटिल, एसपीए आर्किटेक्चर विभाग द्वारा, छात्रों के लिए एक फोटोग्राफी कार्यशाला भी आयोजित की गई। इसके पश्चात छात्रों के चुनाव किये गए एवं क्षेत्रों की व्यवहारिक जानकारी एकत्रित करने के लिए भेजा गया। छात्रों को उनकी साइट का विश्लेषण करने के लिए निम्नलिखित विषय दिए गए:–

- प्रसंग
- जोनिंग, कनेक्शन और पारगम्यता
- समावेशिता
- बिल्डिंग लेआउट, डिज़ाइन और विविधता
- उपयोगिता/सेवाएं लेआउट और दक्षता
- खुली जगह, पार्क, खेल का मैदान और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र और सुरक्षा
- सुविधाओं की उपलब्धता
- पार्किंग
- स्थिरता
- सामाजिक–आर्थिक रूपरेखा और विविधता

व्यक्तिगत समूह के प्रत्येक छात्र ने एक या कई विषयों को उठाया और विजुअल सर्वे और प्रश्नावली सर्वेक्षण जैसे उपायों के जरिए उन विषयों/विषयों के अंतर्गत क्षेत्र का विश्लेषण किया । क्षेत्रों ने विश्लेषण के आधार पर भूमि का नक्शा, भौतिक और कार्यात्मक जोनिंग नक्शे, सांख्यिकीय आरेख और रिपोर्ट तैयार की।

बी. प्लान, द्वितीय वर्ष, चतुर्थ सेमेस्टर (जनवरी–मई 2017)

(परिवहन योजना स्टूडियो)

अध्ययन क्षेत्र : कोलार रोड, भोपाल

स्टूडियो समन्वयकः गौरव वैद्य, डॉ. अनिल मिनहांस

इस वर्ष बी. प्लानिंग चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा यातायात एवं परिवहन विषय पर स्टूडियो अध्ययन में भोपाल नगर निगम के कोलार रोड एवं उससे लगे क्षेत्र विस्तार का विस्तृत अध्ययन किया गया। विद्यार्थियों ने कोलर–सब सिटी मोबिलिटी प्लान की संकल्पना की परिधि में आनेवाले मुख्य चार बिन्दुओं पर ध्यान केन्द्रित किया, जैसे कि जन परिवहन के तमाम माध्यमों का एकीकरण, यातायात को सुचारू रूप से चलाने के लिये कम खर्चे वाले सुझाव, गेर–मोटर चालित आवागमन साधनों को प्रोत्साहन तथा रोड डिजाईन एवं पार्किंग प्रबंधन संबंधित सुझाव। पूरी प्रक्रिया में विद्यार्थियों ने तमाम सरकारी कार्यालयों एवं संबंधित संस्थानो में वरिष्ठ अधिकारियों से मिलकर विषय की समझ विकसित की तथा लगभग 10 दिनों तक कोलार क्षेत्र में विविध प्रकार के ट्रैफिक सर्वे का संपादन किया अंततः कोलार क्षेत्र की जरूरतों को समझकर "आईडिया ऑफ कनेक्टेड सिटी" की दिशा में बढ़ते हुए, विविध अभिनव प्रस्तावों को सुझाया तथा उनके व्यावहारिक निष्पादन पर अपने विचारों को रखते हुए इस स्टूडियो अध्ययन को पूर्ण किया।

बी. प्लान, तृतीय वर्ष, पांचवा सेमेस्टर

स्टूडियो 5 के लिये स्थानीय क्षेत्र की योजना जुलाई–दिसम्बर 2016

अध्ययन क्षेत्रः भोपाल नगर निगम के वार्ड क्र. 25,28,31 एवं 32 (स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के लिए एरिया चिन्हांकित)

संकाय सदस्यः डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर, गौरव वैद्य एवं रितिका मध्यान

स्थानीय क्षेत्र की योजना तैयार करने से छात्रों को 74 वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम के संदर्भ में वार्ड स्तर पर स्थानीय क्षेत्र योजना तैयार करने की प्रक्रिया और शहरी प्रशासन संरचनाओं में बाद के बदलावों को समझने में मदद करता है। इस प्रयोजन के लिए अध्ययन क्षेत्र भोपाल को मुख्य क्षेत्र में विभिन्न शहरी चुनौतियों के साथ चुना गया था। अध्ययन क्षेत्र की पहचान भोपाल नगर निगम (स्मार्ट सिटी विकास के लिए निर्दिष्ट क्षेत्र) के वार्ड संख्या 25,28,31 और 32 के रूप में की गई थी।

साइट पर मौजूदा परिस्थितियों (सर्वेक्षण क्षेत्र) के लिए 8 अगस्त से 14 अगस्त 2016 तक साइट की यात्रा (सर्वेक्षण क्षेत्र) आयोजित की गई। यात्रा के दौरान छात्रों ने शारीरिक अवसंरचना, सामाजिक बुनियादी ढांचे, सड़क नेटवर्क, भूमि उपयोग, भूमि मूल्य, शहरों के लिए प्राथमिक और द्वितीयक सर्वेक्षण किया एवं संरचना, पर्यावरण समुदाय और विरासत स्थलों और आर्थिक गतिविधियों के बारे में जानकारी हासिल की। अध्ययन के अंत में छात्रों ने सर्वेक्षण डेटा विश्लेषण प्रस्तुत किया और अध्ययन क्षेत्र के शहरी मुद्दों पर प्रकाश डाला।

बी. प्लान, तृतीय वर्ष, छठवा सेमेस्टर

अध्ययन क्षेत्रः सागर, म.प्र.

स्टूडियो समन्वयकः प्रेमजीत दास गुप्ता, पौलोस एन.के.

बैचलर ऑफ प्लानिंग के छठवे सेमेस्टर के छात्र एवं अध्यापक प्रेमजीत दास गुप्ता एवं पौलोस एन. के पर्यवेक्षण के तहत, शहरी विकास योजना स्टूडियो के लिए 4 से 11 फरवरी, 2017 तक मध्य प्रदेश के सागर शहर में शैक्षणिक अध्ययन करने गये। उन्होंने योजना क्षेत्र में शहरी विकास में भिन्नता का अध्ययन किया, ट्रैफिक और परिवहन की स्थिति को देखा, सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण किया और संचालित कार्यक्रमों और परियोजनाओं से संबंधित डेटा एकत्र करने के लिए अधिकारियों से मुलाकात की। शहरी क्षेत्र के साथ नियोजन क्षेत्र में भी गांवों के स्थानिक विकास की गति को समझकर एक तुलनात्मक दृष्टिकोण स्टूडियो में अपनाया गया और छात्रों से भी शहर से बाहर निकलने वाले रास्तों पर स्थित छः गांवों की विस्तृत भूमि उपयोग का और सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण किया। छात्रों की टीम में सागर नगर निगम के मेयर से भी मुलाकात की तथा स्मार्ट सिटी टैग के लिए सागर के विवाद के बारे में वर्तमान परिदृश्य पर चर्चा की। मेयर ने बुनियादी सुविधाओं से संबंधित डेटा उपलब्ध कराने के मामले में छात्रों को समर्थन देने का आश्वासन दिया। सागर में टाउन प्लानिंग विभाग के अधिकारियों के साथ छात्रों के लिए एक आधे दिन का इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किया गया। यह जानना अत्यंत दिलचस्प था कि सागर योजना क्षेत्र के भूतपूर्व और वर्तमान वैधानिक विकास योजनाओं में भूमि उपयोग नियोजन प्रक्रिया का पालन कैसे किया गया था।

बी. प्लान, चतुर्थ वर्ष, सातवां सेमेस्टर

अध्ययन क्षेत्रः बैंगलोर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र

स्टूडियो समन्वयकः डॉ. अमित चटर्जी, गौरव वैद्य, प्रेमजीत दास गुप्ता

बैंगलोर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र (बीएमआर) के लिए क्षेत्रीय विकास रणनीति तैयार करने के लिए एक शैक्षणिक अभ्यास करने के लिए 16–26 अगस्त, 2016 के दौरान बैचलर ऑफ प्लानिंग के सातवे सेमेस्टर के तीस छात्रों के एक समूह ने बैंगलोर महानगर क्षेत्र का दौरा किया। छात्रों के समूह के साथ तीन अध्यापकगण डॉ. अमित चटर्जी, प्रेमजीत दासगुप्ता और श्री गौरव वैद्य थे। छात्रों ने आयुक्त, बैंगलोर मेट्रोपॉलिटन रीजनल डेवलपमेंट अथॉरिटी (बीएमआरडीए), संयुक्त निदेशक (शहर नियोजन), बैंगलोर विकास प्राधिकरण (बीडीए) और बीएमआर में मौजूद विभिन्न क्षेत्रीय नियोजन प्राधिकरणों के अधिकारियों के साथ मुलाकात की तथा क्षेत्र की जानकारिया साझा की। आईआईएम–बैंगलोर, आईआईएससी–बैंगलोर और आईआईएचएस–बैंगलोर के संकाय सदस्यों से भी छात्रों को मिलने का अवसर मिला। आईआईएससी, बैंगलोर के डॉ. आशीष वर्मा ने बंगलौर के क्षेत्रीय परिवहन के मुद्दों पर छात्रों के साथ अपने अनुभवों को साझा किया है और दो संचालित प्रायोजित प्रोजेक्ट (क्लीमैट्रान और कुंभ मेला प्रयोग) का भी विवरण दिया। चूंकि बीएमआर क्षेत्र हमारे देश के सबसे गतिशील क्षेत्रों में से एक के रूप में उभर रहा है, इसलिए शहर के क्षेत्र में भी कुछ बहुत महत्वपूर्ण दिलचस्प परिवर्तन हमारे छात्रों को देखने को मिला और समग्र रूप से क्षेत्र का अध्ययन इस दौरे पर किया गया।

एम. प्लान (एकीकृत सेमेस्टर) प्रथम वर्ष, प्रथम सेमेस्टर

अध्ययन क्षेत्रः झांसी, उत्तर प्रदेश

स्टूडियो समन्वयकः अशफाक आलम, पौलोज एन.के. एवं प्रशांती राव

37 विद्यार्थियों के एक समूह ने योजना के क्षेत्र में अपने स्टूडियो अध्ययन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 27 अगस्त और 3 सितंबर, 2016 के मध्य रानी लक्ष्मी बाई–झांसी के ऐतिहासिक शहर का दौरा किया। एकीकृत योजना स्टूडियो तीन अभ्यास में था। छात्रों के साथ स्टूडियो समन्वयक – अशफाक आलम, पॉलोज एन.के. एवं प्रशांती राव ने यात्रा की।

37 छात्रों को तीन अलग–अलग उपयोग क्षेत्र के क्षेत्रों में समूहीकृत किया गया।

1. आवासीय क्षेत्र (झांसी नगर निगम (जेएमसी) के 5 वार्ड,
2. संस्थागत क्षेत्र (जेएमसी के 2 वार्ड और झांसी छावनी क्षेत्र का एक वार्ड), और
3. मिश्रित उपयोग क्षेत्र (जेएमसी के 6 वार्ड)

स्थानीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए हमारे छात्रों ने निम्नलिखित अभ्यास किएः मुख्य रूप से, ए) भूमि उपयोग और इमारत की ऊंचाई सर्वेक्षण, बी) घरेलू सर्वेक्षण, सी) आवागमन संख्या की गणना व सर्वेक्षण, डी) पार्किंग संचय सर्वेक्षण, ई) पैदल चलने वालों की संख्या सर्वेक्षण और एफ) दफ्तर से डेटा संग्रह। इस यात्रा के दौरान दो विशेष व्याख्यान आयोजित किए गए, एक झांसी नगर निगम के आयुक्त के कार्यालय में एवं दूसरा शहर और ग्रामीण नियोजन कार्यालय में। छात्रों ने झांसी शहर के नियोजन के मुद्दों का ज्ञान प्राप्त किया। झांसी कैंटोनमेंट बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ भी चर्चा हुई।

एम.प्लान, (यूआरपी), प्रथम वर्ष, द्वितीय सेमेस्टर

मास्टर ऑफ अर्बन रीजनल प्लानिंग, द्वितीय सेमेस्टर बैच (2016–2018) के लिये क्षेत्रीय योजना अभ्यास

अध्ययन क्षेत्रः आंध्र प्रदेश राजधानी क्षेत्र

स्टूडियो समन्वयकः डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर, *डॉ. रमा यू. पाण्डे, प्रशांति राव*

5 फरवरी से 14 फरवरी 2017 तक क्षेत्रीय योजना स्टूडियो के लिए एमपीयूआर द्वितीय सेमेस्टर के 20 छात्रों के लिये आंध्र प्रदेश के केन्द्रीय क्षेत्र में अध्ययन दौरा आयोजित किया गया। अध्ययन क्षेत्र में दो जिलों कृष्णा एवं गुंटुर को शामिल किया गया। इसमें 56 मंडल हैं जिनमें 63 गांव, 2 नगरपालिका और 12 नगर निगम शामिल हैं। यह 8000 वर्गमीटर से अधिक का एक बड़ा क्षेत्र था।

प्रारंभ में आंध प्रदेश सेंट्रल रीजन विकास प्राधिकरण के अधिकारियों और ए.आर.व्ही.ई.ई. के सलाहकारों द्वारा क्षेत्र के अवलोकन, चित्रण मानदंड और अमरावती कैपिटल कॉम्प्लेक्स डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑन डिवेलपमेंट कंट्रोल नियमों और कैपिटल कॉम्प्लेक्स के विकास के लिए अपनाए गए जमीन पूलिंग विधियों पर व्याख्यान दिए। छात्रों और संकाय सदस्यों की टीम ने एसपीए विजयवाड़ा का दौरा किया, जहां उन्होंने संबंधित छात्रों और संबंधित प्रोफेसर के साथ आंध्र प्रदेश सेंटर रीजन पर चर्चा की। निदेशक एसपीए विजयवाड़ा प्रोफेसर मीनाक्षी जैन ने भी छात्र सभा को संबोधित किया।

गुंटूर, मचलीपट्टनम और विजयवाड़ा में विभिन्न विभागों के छात्रों द्वारा डेटा संग्रह के लिए अगले तीन दिन समर्पित किए गए थे। द्वितीयक आंकड़ों को एकत्र करना चुनौतीपूर्ण था क्योंकि अध्ययन क्षेत्र दो जिलों में विभाजित किया गया था। आंध्र प्रदेश सेंट्रल रीजन विकास प्राधिकरण के अधिकारीगण इस क्षेत्र को समझने में सहायक थे। अध्ययन क्षेत्र का सप्ताह के अंत में दौरा किया गया।

एम. प्लान (यूआरपी) द्वितीय वर्ष, तृतीय सेमेस्टर

योजना स्टूडियो 2 का अध्ययन प्रतिवेदन (शहरी एवं क्षेत्रीय योजना)

अध्ययन क्षेत्रः शिमला, हिमांचल प्रदेश

स्टूडियो समन्वयकः प्रोफेसर निखिल रंजन मंडल, प्रो गोविंद एम.पी. और प्रो बड़े शोमित दिलीप

शहरी और क्षेत्रीय योजना बैच के तीसरे सेमेस्टर के 15 छात्रों की स्टूडियो यात्रा शिमला शहर, हिमांचल प्रदेश में 18 से 26 अगस्त 2016 तक आयोजित की गई। इस स्टूडियो को प्रोफेसर निखिल रंजन मंडल इन–चार्ज, प्रो गोविंद एम.पी. और प्रो शोमित डी बडे द्वारा समन्वयित किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य पूरे शहरी क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए शिमला शहर के लिए विकास योजना तैयार करना था। स्टूडियो ने शहरी लचीलेपन एवं सार्वजनिक स्थानों में बेहतर पहुंच पर ध्यान आकृष्ट किया। 15 विद्वानों द्वारा समय और संसाधन बाधाओं की कमी के कारण, केवल ग्यारह क्षेत्रों/शहर के विकास के पहलुओं पर विचार किया गया, अर्थात्य क्षेत्रीय स्थापना, आर्थिक आधार, जनसांख्यिकी और सामाजिक संरचना, मौजूदा भूमि उपयोग, परिवहन, भौतिक मूलढ़ांचा, सामाजिक बुनियादी ढांचा, पर्यटन और विरासत, सार्वजनिक स्थानों में पहुंच, आवास और झोपड़ियां और पर्यावरण और आपदा।

जमीन की स्थिति को समझने के लिए, विभिन्न डेटा संग्रह विधियों की योजना बनाई गई और कार्यान्वित की गई, जैसे मॉल रोड पर अभिगम्यता सर्वेक्षण, सार्वजनिक और निजी परिवहन मोड के यात्रियों की मूल–गंतव्य सर्वेक्षण, शिमला नगर निगम क्षेत्र के भू–उपयोग सर्वेक्षण, महत्वपूर्ण पर्यटक स्थलों पर पर्यटक सर्वेक्षण और विभिन्न कार्यालयों से माध्यमिक डेटा संग्रह। स्टूडियो अभ्यास से भविष्य में शहरी लचीलेपन को प्राप्त करने के लिए एक स्थायी और समग्र शहर के विकास तंत्र को प्राप्त करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के लिए रणनीतियाँ बनाई गई।

एम.प्लान (ई.पी.) प्रथम वर्ष, द्वितीय सेमेस्टर

पर्यावरण नियोजन द्वितीय सेमेस्टर बैच का स्टूडियो दौरा

अध्ययन क्षेत्रः जबलपुर, मध्यप्रदेश

स्टूडियो समन्वयकः गोविंद एम.पी., श्री शोमित दिलीप बड़े

पर्यावरण नियोजन द्वितीय सेमेस्टर बैच के स्टूडियो टूर, जबलपुर जिलों में (17 छात्रों) 6–13 फरवरी 2017 के मध्य आयोजित किया गया। स्टूडियो का विषय जबलपुर जिले के लिए 2030 तक एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन की योजना था।

इस अभ्यास का उद्देश्य कुशल जल संसाधनों की योजना बनाने और जल संसाधनों और पर्यावरण की रक्षा के लिए रणनीतियाँ तैयार करना था। त्वरित डेटा संग्रह के उद्देश्य के लिए छात्रों को विभिन्न समूहों में विभाजित किया गया था। उन्होंने संकाय सदस्यों (श्री गोविंद एम. पी और श्री शोमित दिलीप बड़े) के साथ–साथ जिला कलेक्टोरेट (खनन, आपदा

प्रबंधन और जनसांख्यिकी से संबंधित आंकड़ों की खरीद), नगर निगम (पानी की आपूर्ति और वितरण, अपशिष्ट जल प्रबंधन और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित डेटा की खरीद) सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग विभाग (पानी की आपूर्ति और वितरण, अपशिष्ट जल प्रबंधन, पानी की गुणवत्ता और जल संरक्षण से जुड़े डेटा की खरीद, सभी ग्रामीण बस्ती के लिए), सिंचाई विभाग (छोटे और मध्यम सिंचाई परियोजनाओं से संबंधित आंकड़ों की खरीद) जनपद और जिला पंचायत (ग्राम पंचायत विकास योजनाओं की खरीद के लिए), आईएमडी (पिछले 30 वर्षों के लिए तापमान और वर्षा डेटा की खरीद), भारत का सर्वेक्षण (जबलपुर जिले के लिए टॉपोशीट खरीदना), टीएंडपी (जबलपुर विकास योजना की खरीद), रानी अवंती बाई लोदी सागर परियोजना कार्यालय (बर्गी बांध, सिंचाई नहर नेटवर्क और जल वितरण से संबंधित डेटा एकत्र करने के लिए) डीआईसी (जबलपुर जिले में उद्योगों से संबंधित आंकड़े – मौजूदा और प्रस्तावित), एमपीपीसीबी (पारियात और हिरन नदियों से एकत्र पानी के नमूनों की गुणवत्ता निगरानी और विश्लेषण) आदि। छात्रों ने पानी की उपलब्धता को समझने के लिए ग्रामीण बस्तियों में घरों के सर्वेक्षण किए।

संकाय सदस्यों के साथ छात्रों ने कई वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की और जबलपुर जिले के जल प्रबंधन परिदृश्य पर अच्छी जानकारी प्राप्त की।

एम. प्लान (ई.पी.) द्वितीय वर्ष, तृतीय सेमेस्टर

स्टूडियो और टूर रिपोर्ट मास्टर ऑफ प्लानिंग (पर्यावरण योजना) द्वितीय वर्षीय पर्यावरण योजना 2015–17 बैच

अध्ययन क्षेत्रः शिल्लांग सिटी, मेघालय

स्टूडियो समन्वयकः डॉ रमा पांडे और श्री शोमित दिलीप बड़े

शिल्लांग सिटी के लिए लो कार्बन और क्लाइमेट रेजिलेंट डेवलपमेंट प्लान का एक शैक्षणिक अभ्यास

शहर के विकासीकरण योजनाओं में जलवायु परिवर्तन का एकीकरण इन दिनों दुनिया भर में ध्यान आकर्षित कर रहा है। शहरों और जलवायु परिवर्तन का दोहरा संबंध है। शहर ग्रीन हाउस गैसों के प्रमुख उत्सर्जक के रूप में, जलवायु परिवर्तन में योगदान करते हैं। बदलती जलवायु भी शहरों की घनी आबादी और उत्पादक कार्यकलापों पर गंभीर प्रभाव डालते हैं। इसलिए स्टूडियो के कार्य का उद्देश्य शहरी परिवेश को व्यापक रूप से समझना और योजना विकास का प्रस्ताव देना है ताकि विश्व स्तर पर सहमत जलवायु परिवर्तन के उद्देश्यों के साथ शहर के स्तर के विकास की प्राथमिकताओं को एकीकृत कर सकें जिससे कम कार्बन उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल विकास कार्य हो सके।

शिल्लांग शहर और उसके आसपास का क्षेत्र बहुत तीव्र दर पर शहरीकरण का सामना कर रहा है और परिणाम स्वरूप बढ़ते शहरीकरण की गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है इसलिए स्टूडियो कार्य के लिए इसे चुना गया था ताकि पहाड़ी शहरों से संबंधित शहरी पर्यावरणीय मुद्दों का व्यापक अनुभव हो सके। आंकड़ों के संग्रह के लिए 28 अगस्त से 10 सितंबर, 2016 के दौरान दो संकाय सदस्यों (डॉ रमा पांडे और श्री शोमित दिलीप बडे) के साथ 17 छात्रों ने शिलांग का दौरा किया। शिलांग में मजबूत परंपरागत प्रणाली प्रभावित सामाजिक संरचना शहर के विकास के लिए एक बड़ी चुनौती प्रस्तुत करता है। प्रस्तावित् सुझाव तीन पहलुओं पर केंद्रित थे। कम कार्बन विकास, जलवायु परिवर्तन सहने की क्षमता में सुधार और विकास में सामाजिक योगदान। प्रस्तावित योजना में शामिल हैंः भविष्य के विकास के लिए भूमि उपयोग उपयुक्तता मानचित्र में आपदा प्रबंधन योजना को शामिल करना, सौर ऊर्जा का उपयोग करना और हाइडल परियोजना को शामिल करना, वाहन उपयोग के बदलाव के लिए एकीकृत सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था, कचरे से ऊर्जा को दोहन एवं एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली, पारंपरिक आवास के प्रावधान के लिए निर्माण, नियमों का प्रस्ताव, जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, जल आपूर्ति और टैरिफ संग्रह में दक्षता के माध्यम से जल प्रबंधन और शासकीय व्यवस्था।

शिलांग शहरी समूह के विकास कार्य के लिए इन सभी को एकीकृत करके स्टूडियो कार्य के अंतिम उत्पादन के परिणामस्वरूप कम कार्बन और परिवर्तित जलवायु उपयुक्त विकास योजना प्रस्तुत की गई।

कंसल्टेंसी – श्यामा प्रसाद मुखर्जी, राष्ट्रीय रर्बन मिशन के तहत एकीकृत क्लस्टर एक्शन प्लान।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी नेशनल रर्बन मिशन, म.प्र. शासन के तहत, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल को एस.टी.एस. ए.(राज्य तकनीकी सहायता एजेंसी) के रूप में कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट द्वारा गावों के समूहों का एकीकृत क्लस्टर एक्शन प्लान (ICAP) तैयार करने का कार्य प्रदान किया।

मिशन का लक्ष्य गावों के समूहों के संकालित विकास पर है। ये योजना सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में ग्रामीण विकास के लिए अव्यक्त क्षमता को समझकर समग्र एकीकृत विकास को बढ़ावा देने के लिए लाई गई है। इस योजना के अंतर्गत् तमाम आर्थिक गतिविधियों के प्रावधान, कौशल विकास, स्थानीय उद्यमिता और बुनियादी सुविधाएं विकसित करने का प्रयास किया गया।
परियोजना के तहत सभी सात (7) समूहों की सूची निम्नानुसार हैः

1. रातीबड़ संकुल, भोपाल जिला
2. गुनगा संकुल, भोपाल जिला
3. नवड़ा पंथ संकुल, इंदौर जिला
4. सिमरोल संकुल, इंदौर जिला
5. अच्छत संकुल, छतरपुर जिला
6. कानिवाड़ा संकुल, सिवनी जिला
7. देलाखाडी संकुल, छिंदवाड़ा जिला

ग्रामीण विकास विभाग, मध्य प्रदेश तथा योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल के मध्य 27 जुलाई 2016 को इस आशय के समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट की कुल लागत 84,00,000/– रु. (7 संकुलों के लिए/12,00,000/– प्रति संकुल तथा शासकीय लागू पड़ते कर अलग से)। ICAP प्रस्ताव की रूपरेखा को 28 नवंबर, 2016 को भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय की हाई पॉवर समिति ने मंजूरी दी थी।
परामर्श परियोजना की अंतिम रिपोर्ट राज्य सरकार को प्रस्तुत की जा चुकी है तथा आज तक इस परियोजना की कुल लागत का 50 प्रतिशत संस्थान द्वारा प्राप्त किया जा चुका है।

वास्तुकला विभाग

प्रथम वर्ष (आर्क. डिज़ाइन–1), सेमेस्टरः जुलाई–दिसंबर 2016

समन्वयकः डॉ. सुकांता मजूमदार,
टीमः आशीष पाटिल, आशुतोष तिवारी, सुकांता मजुमदार
उद्देश्यः इस विषय का मूल उद्देश्य छात्रों के अध्ययन के क्षेत्र के रूप में डिज़ाइन के प्रति ओर उन्मुख होना और 2 डी और साथ ही 3 डी माध्यम दोनों में दृश्य संरचना के विभिन्न तकनीकों और कौशल सीखना है।
साइट का भ्रमणः इस विषय के प्रारंभिक चरण में, छात्रों ने सिरामिक्स कार्यशाला में विभिन्न प्रकार की वस्तुओं के स्केचिंग के लिए भारत भवन का दौरा किया।
परिणामः छात्रों को विभिन्न प्रकार के ड्राइंग, पेंटिंग कौशल, विभिन्न माध्यमों (विभिन्न प्रकार के कागज, रंग आदि) में विजुअलाइजेशन, मानव–अंतरिक्ष संबंधों के मानवविज्ञान अध्ययन से सीखना था।

प्रथम वर्ष (आर्क. डिज़ाइन–2), सेमेस्टरः जनवरी–जुलाई 2017

समन्वयकः श्री आशिष पाटिल
टीमः आशिष पाटिल, नवीन किशोर, प्रभात के राव, हर्षित कोठारी
डिज़ाइन अभ्यासः उपयोगकर्ता और निर्मित परिवेश सिमुलेशन व्यायाम को समझना, एसपीए कैम्पस

उद्देश्यः विद्यार्थियों का यह जानना कि सहायक उपकरणों का उपयोग कैसे किया जाता है? सौंपे गए वातावरण में कठिनाई और अनुपलब्धता के क्षेत्रों की पहचान करना, असाइन किए गए वातावरण में पहुंच के लिए डिज़ाइन पहलू को गंभीर रूप से विश्लेषण करना। तस्वीरों और पीपीटी, ड्राइंग या किसी अन्य अभिनव तकनीक के उपयोग के साथ असाइन किए गए माहौल की महत्वपूर्ण प्रशंसा के लिए एक प्रस्तुति तैयार करना।

साइट विजिटः एसपीए कैम्पस (क्षेत्र उपखंड), बाहरी क्षेत्र, शैक्षणिक भवन 1 और 2, बालक एवं बालिका के हॉस्टल, क्यूआईपी सेंटर+निदेशक+डीन बंगले, आवासीय क्षेत्र 1+आईडब्ल्यूडी, आवासीय क्षेत्र 2 (एपीक्यू)+गेस्ट हाउस+इन्फर्मरी+गेट काम्पलेक्स+बैंक+कार्यशाला+खेल क्षेत्र।

परिणामः स्टूडियो अभ्यास छात्रों को उनके आसपास के वातावरणों को देखने, विश्लेषण करने और बाधा रहित वातावरण की समझ विकसित करने की क्षमता प्रदान करता है। लम्बे समय तक अलग ढंग से सक्षम लोगों के लिए पहुंच को कवर करने वाले डिज़ाइन के लिए छात्रों को संवेदनशील होने की उम्मीद है।

डिज़ाइन परिणामः समस्या की पहचान, योजना सिद्धांत, डिज़ाइन विचार, मौजूदा कंस्ट्रक्शन।

डिज़ाइन अभ्यास 2ः वन विहार का प्रवेश मार्गः डिज़ाइन में प्रवेश द्वार, सुरक्षा केबिन, टिकटिंग काउंटर, एक कियॉस्क, शौचालय, एक साइकिल शेड के साथ मरम्मत की दुकान को शामिल किया गया।

उद्देश्यः इस डिज़ाइन अभ्यास का उद्देश्य वास्तुशिल्प डिज़ाइन प्रक्रिया के साथ छात्रों को परिचित करना है। डिज़ाइन अभ्यास फार्म और भौतिकता की खोज है।

साइट विजिटः वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल।

परिणामः इस डिज़ाइन स्टूडियो अभ्यास द्वारा छात्र वास्तुशिल्प डिज़ाइन की प्रक्रिया, रूप और भौतिकता की प्रक्रिया एवं डिज़ाइन गतिविधि को समझते हैं। मानव गतिविधियों पर विचार के लिए वास्तुकला रिक्त स्थान की दृश्य संरचना, एन्थ्रोपोमेट्री, भवन निर्माण सामग्री की खोज, रंग आदि, विभिन्न माध्यमों की सहायता से छात्रों ने वास्तुकला चित्रों को समझा और 3 डी मॉडल बनाया।

द्वितीय वर्ष (डिज़ाइन 3) सेमेस्टरः जुलाई–दिसम्बर 2016

समन्वयकः संजीव सिंह

उद्देश्यः इस स्टूडियो का उद्देश्य छात्रों को एक संधि स्थल पर लाना था, जहां स्थानीय वास्तुकला का मेल समकालीन डिज़ाइन से है। इस स्टूडियो में दो प्रमुख अभ्यास हैं, प्रथम सामग्री और निर्माण तकनीक के संदर्भ में स्थानीय वास्तुकला की समझ और दूसरा समकालीन डिज़ाइनों में इसका उपयोग।

साइट विजिटः अध्ययन साइट, मानव जाति का राष्ट्रीय संग्रहालय, जो भारत के विशेष संदर्भ के साथ मनुष्य और संस्कृति के विकास की एक एकीकृत कहानी प्रस्तुत करता है, इसमें जनजातीय आवास, तटीय गांव, डेजर्ट ग्राम, हिमालयी गांव, पौराणिक निशान, पारंपरिक पार्क प्रदर्शित होने वाले ओपन–एयर प्रदर्शनियों के समूह हैं। यह प्रदर्शन विभिन्न आबादी समुदायों द्वारा स्वयं निर्मित जीवन–आकार के आवास हैं। सामग्रियों का परंपरागत रूप से उनके संबंधित क्षेत्रों में निर्माण के लिए उपयोग किया जाता है, विशेष रूप से प्रतिकृतियां बनाने के लिए भोपाल पहुंचा दिया जाता है।

परिणामः डिज़ाइन कार्यक्रम के पहले भाग ने ओपन–एयर प्रदर्शनी की खोज के आधार पर संग्रहालय के निर्माण में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री की जानकारी दी है, जिसमें नींव से छत तक सामग्री के उपयोग के बारे में बताया गया है। डिज़ाइन कार्यक्रम के दूसरे भाग ने समकालीन डिज़ाइन में वर्नाकुलर आर्किटेक्चर की विकसित समझ का उपयोग किया है।

दूसरा वर्ष (डिज़ाइन 4), सेमेस्टरः जनवरी–जुलाई 2017

समन्वयकः गौरव सिंह

टीमः संदीप अरोड़ा, श्वेता सक्सेना, अपूर्व श्रीवास्तव, अभिषेक वेंकटिरमन, प्रियंका सिंह, विनीत चड्ढा

उद्देश्यः भूमि और भू–रूपों और निर्मित अंतरिक्ष के तत्वों के बारे में समझने के लिए। निर्मित संस्करणों में संवेदनशीलता विकसित करने के लिए आकार और रूपों के साथ प्रयोग। निर्मित क्षेत्रों में क्षैतिज परिसंचरण में पैटर्न का अध्ययन करने पर ध्यान दें। स्थानीय वास्तुकला के लिए परिचय, स्थानीय सामग्री का उपयोग और उपयोगकर्ताओं के सामाजिक–अर्थशास्त्र की प्रशंसा कुल स्टूडियो छात्रों को 3 अभ्यास देकर आयोजित किया गया था। पहला अभ्यास गुजरात दौरे से सीख हासिल कर दस्तावेज प्रस्तुत करना था। दूसरा व्यायाम एक डिज़ाइन–बिल्ड व्यायाम था जहां छात्रों

को आकृतियों और रूपों के प्रयोग के साथ उभरे हुए संस्करणों के लिए संवेदनशीलता विकसित करने के लिए उजागर किया गया था। डिज़ाइन समस्या में छात्रों को खुले स्थान के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। तीसरे अभ्यास में सरल दोहराव प्रकार के रिक्त स्थान का डिज़ाइन करना था हालांकि, पाठ्यक्रम के उद्देश्य के अनुरूप, विद्यार्थियों को इस बात के साथ कई छोटी अवधि की सहूलियत दी गई थी कि सभी अभ्यासों के एकीकरण का निर्माण अंतरिक्ष के डिज़ाइन में होता है। पिछले अभ्यासों से प्रत्येक बाद के अभ्यास का इस्तेमाल किया गया परिणाम सभी अभ्यासों में डिज़ाइन की प्रक्रिया के भाग के रूप में छोटे कार्य शामिल हैं जो मुख्य डिज़ाइन समस्या के समग्र विषय की ओर जाता है।

साइट विजिटः छात्रों को गुजरात के अध्ययन दौरे के लिए ले जाया गया जहां उन्होंने अहमदाबाद, भूज जैसे स्थानीय स्थानों और तकनीकों को समझने और स्वामी के काम का अनुभव करने के उद्देश्य से विभिन्न स्थानों का दौरा किया।

परिणामः अभ्यास 1 – छात्रों ने एक समूह में विभिन्न माध्यमों और विधियों के माध्यम से एक दौरे की रिपोर्ट तैयार की और दौरे से 1 पृष्ठ के व्यक्तिगत टिप्पणियां दीं।

अभ्यास 2 – छात्र, अध्ययन के संदर्भ में उपयोगकर्ता और कार्यों से संबंधित साइट/स्थान चुनने में सक्षम थे। वे स्थानीय भाषा, तकनीकों आदि का उपयोग करके 1:1 पैमाने पर अंतरिक्ष के लिए उत्पाद/घटक/प्रोटोटाइप डिज़ाइन और निर्माण करने में सक्षम थे। उत्पादों को फोल्डिंग बेंच और ड्राफ्टिंग टेबल के रूप में देखा जा सकता है जैसे कैंटीन में नोटिस बोर्ड, बस स्टॉप के निकट पक्षी फीडर, मोबाइल पवन संरचना आदि।

अभ्यास 3 – छात्र काले और सफेद और आरबीजी (निर्माण के लिए लाल, पानी के लिए नीला और भूरे रंग के क्षेत्रों में हरे रंग के लिए लाल) में रचना करने में सक्षम थे एवं 2 डी रचना को 3 डी संरचना में बदल दिया गया। 3 डी संरचना के आधार पर वे सूरज का अध्ययन, जलवायु अध्ययन और फेंसेशन के आकारों और छायांकन वाले उपकरणों का आकार तय करने में सक्षम थे। छात्र इस तरह के उपयोग पर निर्णय लेने में सक्षम थे कि इसे 3 डी द्रव्यमान के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है और उपयोग के आधार पर वे विभिन्न स्थानों पर समारोह को आवंटित कर सकते हैं और बिल्ट–अप रिक्त स्थान के परिवेश को विकसित कर सकते हैं।

तृतीय वर्ष (डिज़ाइन 5), सेमेस्टरः जुलाई–दिसंबर 2016

समन्वयकः सन्मार्ग मित्रा

टीमः परमा मित्रा, देवर्षि चौरासिया, सुशील कुमार सोलंकी, रचना खरे, रोहित गिरि (विजिटिंग फैकल्टी), जय सिंह (विजिटिंग फैकल्टी)

उद्देश्यः सार्वभौमिक पहुंच के लिए डिज़ाइन आवश्यकताओं को समझना। मौजूदा भवन (निर्माण) और साइटों में पहुंच के लिए आकलन और ऑडिट करने में सक्षम होना। मौजूदा भवन/साइटों को बढ़ाने के लिए सीखना। विभिन्न संरचनात्मक प्रणालियों को समझने के लिए अलग–अलग संरचनात्मक (बड़े) फैलो सिस्टम की खोज और डिज़ाइन करना। बिल्डिंग बायलॉज की संवेदनशीलता विकसित करने हेतु किसी विशिष्ट सांस्कृतिक परिदृश्य में कैसे डिज़ाइन करना है इसकी समझ विकसित करना।

साइट का दौराः स्टूडियो के दौरान निम्नलिखित साइटों का दौरा किया गया। ऐतिहासिक स्थलों की अभिगम्यता का ऑडिट किया गया। स्टूडियो में उनमें से प्रत्येक के लिए अभिगम्य मानचित्र तैयार किए गए थे। 1. सांची 2. भीमबेटका 3. इस्लाम नगर, मेयो हॉल/भोपाल में पुराना केंद्रीय पुस्तकालय।

परिणामः परियोजना 1–मौजूदा विरासत स्थलों और इमारतों की अभिगम्यता की स्थितियों के मूल्यांकन और लेखा परीक्षा पर केंद्रित परियोजना। छात्रों को सार्वभौमिक अभिगम्यता की डिज़ाइन आवश्यकताओं और किसी भी इमारत की अभिगम्यता की शर्तों का आकलन करने की प्रक्रिया के बारे में पता चला। परियोजना के पूर्ण होने पर, छात्र किसी भी ऐतिहासिक इमारत और साइट के साथ हस्तक्षेप में सार्वभौमिक अभिगम्यता सुनिश्चित करने में सक्षम थे।

परियोजना 2 – वृहद क्षेत्रों (अस्थायी या स्थायी) के लिए संरचनात्मक प्रणालियों की खोज और फॉर्म के साथ उनके एकीकरण पर केंद्रित परियोजना। उन्नत संरचनात्मक प्रणालियों और नवीनतम भवन निर्माण सामग्री के बारे में जागरूकता

और आवेदन बढ़ाने के लिए डिज़ाइन तैयार किए गए थे। समस्या का जोर विस्तृत संरचनात्मक विश्लेषण के बजाय डिज़ाइन पैरामीटर और ग्राफिकल प्रस्तुति पर था।

तृतीय वर्ष (डिज़ाइन–6), सेमेस्टरः जनवरी–जुलाई 2017
समन्वयकः सन्मार्ग मित्रा
सह–समन्वयकः अरविंद कुमार मील, बुलबुल शुक्ला, जय सिंह (विजिटिंग फैकल्टी)

उद्देश्यः अ. विभिन्न संरचनात्मक प्रणालियों को समझना ब। अलग–अलग आवश्यकताओं के लिए संरचनात्मक सिस्टम की खोज और डिज़ाइन करना स. बिल्डिंग बायलॉज की संवेदनशीलता विकसित करना द. किसी विशिष्ट सांस्कृतिक परिदृश्य में कैसे डिज़ाइन करना है इसकी समझ विकसित करना।

साइट विजिटः भोपाल शहर में भदभदा ब्रिज और आईआईएफएम के बीच डिज़ाइन के लिए साइट दी गई थी। छात्रों ने स्टूडियो प्रशिक्षकों के साथ दौरा किया और साइट के अध्ययन और दस्तावेजीकरण हेतु भ्रमण किया।

परिणामः अ. असाइन किए गए डिज़ाइन प्रकारों के केस अध्ययनों का विश्लेषण समझना। ब. डिज़ाइन टाइपोग्राफी के शैक्षणिक/पुस्तकालय अध्ययन स. मौजूदा साइट और बिल्डिंग स्थितियों के रिकॉर्ड और आकलन के लिए स्थल का अध्ययन और विश्लेषण। द. संरचनात्मक प्रणालियों, सेवाओं और बिल्डिंग बायलॉज पर विशेष ध्यान देने के साथ डिज़ाइन की प्रक्रिया। ई. पार्किंग, भूनिर्माण एवं उन्नयन सुविधाओं का विवरण सीखना च. दृष्टिकोण और स्केच के माध्यम से डिज़ाइन अवधारणा और विकास (अंतिम चरण तक) के संचार कौशल का विकास।

छात्रों के समतुल्य स्ट्रक्चरल और साथ ही सर्विस से संबंधित जटिलताओं को विकसित करने के दो डिज़ाइन प्रकार विकसित किए गए थे।
5 सितारा कॉमर्शियल होटल का डिज़ाइन
100 बेड अस्पताल का डिज़ाइन
चतुर्थ वर्ष (डिज़ाइन–7), सेमेस्टरः जुलाई–दिसंबर 2016
समन्वयकः संदीप अरोड़ा, नयना आर. सिंह
टीमः अपूर्व श्रीवास्तव, प्रियंका सिंह

उद्देश्यः बहुमुखी स्टूडियो का प्रयोजन मुख्य रूप से छात्रों के आवासीय क्षेत्र में विभिन्न परियोजनाओं के साथ अभ्यास कराना था। छोटी समस्यायें जो कि भोपाल शहर के झुग्गी पुनर्वास के मुद्दों एवं अवसरों से संबंधित है को पेश करना। स्मार्ट हाउसिंग प्रोजेक्ट का उद्देश्य स्मार्ट आवासीय परियोजनाओं के डिज़ाइन को छात्रों से परिचित कराना, मिश्रित आय समूहों के लिए उपयुक्त, पहुंच योग्य, पारगमन उन्मुख एवं ग्रीन बिल्डिंग के न्यूनतम मानकों का अनुपालन करना था।

साइट विजिटः छात्रों ने विभिन्न चरणों में डिज़ाइन स्टूडियो के दौरान निम्नलिखित परियोजनाओं का दौरा कियाः

- भोपाल, मध्यप्रदेश के उत्तरी भाग में लगभग 8 समूह की आवासीय परियोजनाएं।
- महासागर पार्क, इंदौर, मध्यप्रदेश में एक उच्च वृद्धि वाली आवासीय परियोजना।
- भोपाल, मध्यप्रदेश में 4 झुग्गी पुनर्वास परियोजनाएं।
- इंदौर, मध्य प्रदेश में अरण्य आवास।
- टी.टी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश में स्मार्ट सिटी साइट का अध्ययन।
- न्यू मार्केट के पास, भोपाल, मध्य प्रदेश, गैमन इंडिया।

चतुर्थ वर्ष (डिज़ाइन 8), सेमेस्टरः जनवरी–जुलाई 2017
समन्वयकः डॉ अजय कुमार विनोदिया

उद्देश्यः आवास की डिज़ाइन और बुनियादी सुविधाओं को समझने के लिए संरचनात्मक प्रणालियों और सामग्री उपयोग में सेवाओं का विवरण, पर्यावरणीय प्रभाव एवं नवाचार सहित एक इमारत के डिज़ाइन के विषय में विभिन्न पहलुओं का एकीकरण।

नोड्स और लिंक्स के शहरी पैमाने पर निर्माण में विभिन्न गतिविधि के क्षेत्रों जैसे आवासीय, व्यवसायिक को मनोरंजक बनाने हेतु डिज़ाइन के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना ।

साइट विजिटः छात्रों द्वारा 6–10 एकड़ के क्षेत्रफल के 5–6 विभिन्न स्थानों का चयन किया गया। पुराने शहर क्षेत्र में, फ्रिंज क्षेत्र, दर्शनीय स्थान, पुनः घनत्व परियोजनाएं, शहरी गरीब आवास और प्रस्तावित सरकारी आवास का चयन किया गया।

मामले के अध्ययन के लिए छात्रों ने दौरा किया, गेम्मोन इंडिया हाई राइस आवास परियोजना निर्माणाधीन न्यू मार्केट भोपाल में है। एक अन्य मामले का अध्ययन महादेव और एमपी हाउसिंग बोर्ड परियोजना के केलन डीओ टॉवर था। किफायती आवास की झोपड़ी और अब्बास नगर के पास स्थित गरीबों के लिए आवास और एरो शहर भोपाल का भी अध्ययन किया गया।
परिणामः छात्र वास्तविक दुनिया की साइट–संदर्भ, सामाजिक–आर्थिक और भौतिक जटिलताओं की समझ के साथ रहने योग्य आवास एवं पड़ोस को डिज़ाइन करने में सक्षम थे।

पंचम वर्ष (डिज़ाइन 9), सेमेस्टरः जुलाई–दिसंबर 2016
समन्वयक का नामः गौरव सिंह
टीमः गायत्री नंदा, अभिषेक वैंकटरमण, प्रभात कुमार राव, विनीत चड्ढा।

उद्देश्यः शहरी पैमाने पर रिक्त स्थान के डिज़ाइन के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना – नोड्स और लिंक, दृश्य स्थल, गतिविधि और इंटरैक्शन जोन, वाणिज्यिक, मनोरंजन और आवासीय क्षेत्रों के बीच संबंध बनाना। स्टूडियो चैलेंज, स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट क्षेत्र के किनारे पर रहने वाले लोगों का भाग्य क्या है? क्या एक डिज़ाइन समाधान भविष्य में विकास को मार्गदर्शित कर सकता है या योजना के तहत स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट क्षेत्र के अंतर्गत एवं अल्प घने शहर का विकास मॉडल बना सकता है।

स्टूडियो का उद्देश्यः छात्रों को शहरी मुद्दों की जटिलता को समझने, टीम में काम करने, डिज़ाइन की रणनीति विकसित करने और किसी भी अन्य आर्किटेक्ट को अपनी परियोजना का प्रदर्शन करके ढांचे के भीतर कार्य करने की अनुमति देने के लिए ढांचे एवं डिज़ाइन के नियम विकसित करने में मदद करेगा। यह परियोजना के लिए स्मार्ट सिटी के तहत सीमारेखित किए गए किनारों को लेकर किया जाएगा और दो किनारों को एकीकृत करने के लिए ''स्मार्ट शहरी गलियारों'' के रूप में विकसित किया जाएगा।

साइट विजिटः छात्रों ने भोपाल में दी गई साइटों का सर्वेक्षण किया और साइटों का दौरा किया। साइट 1– पॉलिटेक्निक स्क्वायर को बस डिपो चौंक से जोड़ने वाली सड़क, साइट 2 – मैनिट स्क्वायर से कोलार ट्रि–जंक्शन तक।

संकाय सदस्यों का योगदान

प्रकाशन

पुस्तकें

संजीव सिंह, नीता लाम्बे, पूनम खान, सुजाता गोडबोले, वृषभानलली रघुवंशी, चंदेरी में अनुसंधान एवं जीविका की ओर स्थानीय बंदोबस्त, एसपीए प्रेस, 978–81–927981–2–7, 1 फरवरी 2017।

अजय खरे, गरीबी, असमानता से स्मार्ट सिटी तक' पुस्तक श्रृंखला के रूप में प्रकाशित की गईः स्प्रिंगर, नई दिल्ली द्वारा सिविल और पर्यावरण इंजीनियरिंग में स्प्रिंगर ट्रांजेक्शन। संपादकः फूमहिको सेटा, टोक्यो विश्वविद्यालय, जॉय सेन, आईआईटी, खड़गपुर, अरिंदम बिस्वास, आईआईटी रुड़की, अजय खरे, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल।

अजय खरे, 'विकसित पर्यावरण की समझ' विषय पर पुस्तक श्रंखला का प्रकाशन, बुक ऑफ सीरीज के रूप में प्रकाशित बिल्ट एन्फरमेंट को समझनाः स्प्रिंगर, नई दिल्ली द्वारा सिविल और पर्यावरण इंजीनियरिंग में स्प्रिंगर ट्रांजेक्शन। संपादकः फूमहिको सेटा, टोक्यो विश्वविद्यालय, जॉय सेन, आईआईटी, खड़गपुर, अरिंदम बिस्वास, आईआईटी रुड़की, अजय खरे, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल।

पुस्तक अध्याय

अमित चटर्जी, मनमोहन कापसे, पॉलोज़ एन. कौरिकोज़, नगर अपशिष्ट प्रबंधन में शहरी नवाचार और जलवायु परिवर्तन सह–लाभ, शहरीकरण एवं जलवायु परिवर्तन में बदलावः शहरों के व्यवधान के समाधान पर कार्यान्वयन विषय पर प्रकाशित, क्रिष्टोफर एन.एच. डॉल द्वारा संपादित, राउटलेज, यू.के.।

शिऊलि मित्रा, गृह निर्माण में योजना एवं डिज़ाइन पहलुओं के लिए संकल्पनात्मक दिशानिर्देशः गुणवत्ता, दक्षता और जीवन स्तर को एकीकृत करने के लिए एचएएफए के तहत अनुमोदित लेआउट्स और डिज़ाइनों का संकलन, आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय, 24 जून 2016।

विशाखा कवाठेकर, अजय खरे, प्रो. एडम हार्डी, क्षति ग्रस्त मंदिरों के डिज़ाइनों का पुनर्निर्माण, वास्तुविज्ञ कुलभूषण जैन, एएडीआई केंद्र, 10 ए तोलक नगर, पालड़ी, अहमदाबाद द्वारा संरक्षित, आईएसबीएन 978–81–908528–2–1, 1 जनवरी 2017।

अजय खरे, सामाजिक समावेश का ग्लोकलाइजिंगः भारत का अध्ययन, बेंजामिन क्लावन द्वारा संपादित, रेमंड लिफेज द्वारा, डिज़ाइन फॉर ए न्यू एज़ः वास्तुकला की सामाजिक कला का शिक्षण 98–152. बर्कले प्राइज़ टीचिंग फैलो का कार्य 2013–15।

रचना खरे, आबिर मलिक, यूनिवर्सल डिज़ाइन इंडिया प्रिंसिपल्सः भारत में यूनिवर्सल डिज़ाइन प्रैक्टिस के लिए एक प्रासंगिक फ्रेमवर्क, पुस्तक अध्याय–विकलांग बच्चों का सशक्तीकरण, यूनिसेफ एवं महात्मा गांधी श्रम संस्थान, अहमदाबाद द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएन 978–93–5266–321–7।

रचना खरे, आत्मकेंद्रित बच्चों के लिए पर्यावरण डिज़ाइन संबंधी विचार, पुस्तक अध्याय–विकलांग बच्चों के अधिकार, यूनिसेफ और महात्मा गांधी श्रम संस्थान, अहमदाबाद द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएन 978–93–5266–321–7।

सम्मेलन की कार्यवाही

देवर्षि चौरसिया, प्रो जोय सेन, शीर्षक सतत् शहरी नियोजन पुस्तक की समीक्षा, टी.ई.आर.आई. प्रेस 2013 तक, हरित प्रौद्योगिकी में उभरते रुझान, भारती प्रकाशन, नई दिल्ली, 22 अप्रैल 2016 को राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही, आईएसबीएन नं. 978–93–85000–68–3।

गौरव सिंह, नयना आर. सिंह, उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्र और इसके आपदा जोखिम, वास्तुकला और सिविल इंजीनियरिंग का चतुर्थ सम्मेलन (एसीई 2016), ग्लोबल साइंस एंड टेक्नोलॉजी फोरम (जीएसटीएफ), सिंगापुर, 25 अप्रैल 2016, 1, 2301–394.

संदीप संकट, रचना खरे, भारतीय बुजुर्गों के लिए शहरी आवासों में सृजनशील आवास का वातावरण, एएचएफई 2016 की कार्यवाही में शामिल करने हेतु डिज़ाइन में अग्रिम, स्प्रिंगर इंटरनेशनल प्रकाशन स्विट्जरलैंड 2016, एएचएफई 2016, आईएसबीएन 978–3–319–41961–9 आईएसबीएन 978–3–31 9–41962–6 (ई–बुक)।

गायत्री नंदा, अरविंद कुमार मील, सांस्कृतिक विरासत में निरंतरता और परिवर्तन के माध्यम से स्थान निर्धारण की पहचान, कुल्लू दशहरा का मामला, हिमांचल प्रदेश, भारत, शहर का उत्थानः शहरी विरासत की उन्नत समझ, आयरनब्रिज इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर कल्चरल हेरिटेज, बर्मिंघम विश्वविद्यालय, 1 जुलाई 2016।

तापस मित्रा, शिऊलि मित्रा, डिज़ाइन इंटरवेंशन के माध्यम से कोर सिटी हाउसिंग को संबोधित करने के लिए एक वैकल्पिक दृष्टिकोणः कोलकाता का मामला, भारत, अल्प लागत/बिना लागत आवास सम्मेलन, ईथ ज्यूरिख, 1 जुलाई 2016।

पूनम खान, वृषभानलली रघुवंशी, शिखा पाटीदार, स्थानीय वास्तुकला के माध्यम से सस्टेनेबल डिज़ाइन एजुकेशनः चंदेरी क्षेत्र, मध्य प्रदेश, भारत की एक केस स्टडी। याचिका 2016 – शहर, भवन, लोगः पुनर्योजी वातावरण की ओर, निष्क्रिय और कम ऊर्जा वास्तुकला पर 32 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, याचिका 2016 लॉस एंजिल्स, 13 जुलाई 2016 खंड 2, आईएसबीएन 978–1–365–29354–2।

अपूर्व श्रीवास्तव, श्वेता सक्सेना, देवर्षि चौरसिया, रचनात्मकता के दायरे में निर्माण परियोजना का आकलन करने के लिए निर्माण क्षमता का पैरामीटर, स्प्रिंगर अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन जर्नल स्विट्जरलैंड, 2017, प्रकाशन की तिथि, 27 जुलाई 2016 खंड 498, निर्माण परियोजना का आकलन करने के लिए पैरामीटर श्रृंखला, इंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटिंग में अग्रिम, पीपी 1209–1214।

अपूर्व श्रीवास्तव, संदीप अरोड़ा, श्वेता सक्सेना, आर्किटेक्ट के अभ्यास और शिक्षा के मध्य अंतर, भारत का एक अध्ययन, मानव कारक में अग्रिम, व्यापार प्रबंधन, प्रशिक्षण और शिक्षा, स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग, 27–जुलाई–16, खंड 498, 978–3–319–42069–1, 10.1007/978–3–31 9–42070–7–20।

श्वेता वार्डिया, रचना खरे, पूनम खान, सभी उपयोगकर्ताओं के लिए सार्वभौमिक प्रयोज्यताः भोपाल, पर्यटन क्षेत्र के मामले का अध्ययन, समावेशन हेतु डिज़ाइन में प्रगति, एप्लाइड मानव कारक और एर्गोनॉमिक्स (एएचएफई) पर 7 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (एएचएफई 2016) एवं संबद्ध सम्मेलन, 27–31 जुलाई, वॉल्ट डिजनी वर्ल्ड, फ्लोरिडा, अमेरीका, स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग, प्रकाशन की तिथि, 27 जुलाई 2016, इंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटिंग में 500 खंड की प्रगति, आईएसएसएन ऑनलाइनः 2328–4919, आईएसएसएन प्रिंटः 2328–4900, डीओआई नं. 10.4236/सीयूएस 2016. 43024।

सुशील कुमार सोलंकी, देवर्षि चौरसिया, संदीप संकट, बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (बीआरटीएस): विकलांगों के लिये बसों के उपयोग की जांच करने के संबंध में अध्ययन, परिवहन के मानव पहलुओं में उन्नति, बुद्धिमान प्रणाली एवं वर्ष 2016 में कम्प्यूटरीकरण में उन्नति, स्प्रिंगर अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन स्विट्जरलैंड 2017, 27 जुलाई 2016, परिवहन के मानव पहलुओं में उन्नति, बुद्धिमान प्रणाली में उन्नति एवं कम्प्यूटरीकरण 484, आईएसएसएनः 2194–5357, डीओआई 10. 1007/978–3–319–41682–3–66।

पूनम खान, श्वेता वार्डिया, रचना खरे, सभी उपयोगकर्ताओं के लिए सार्वभौमिक प्रयोज्यताः भोपाल, पर्यटन क्षेत्र के मामले का अध्ययन, समावेशन हेतु डिज़ाइन में प्रगति, एप्लाइड मानव कारक और एर्गोनॉमिक्स (एएचएफई) पर 7 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (एएचएफई 2016) एवं संबद्ध सम्मेलन, 27–31 जुलाई, वॉल्ट डिजनी वर्ल्ड, फ्लोरिडा, अमरीका, स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग, प्रकाशन की तिथि, 31 जुलाई 2016, 978–3–319–43764–4।

देवर्षि चौरसिया, संदीप संकट, सुशील कुमार सोलंकी, बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (बीआरटीएस): विकलांगों के लिये बसों के उपयोग की जांच करने के संबंध में अध्ययन, परिवहन के मानव पहलुओं में उन्नति, बुद्धिमान प्रणाली एवं वर्ष 2016 में

कम्प्यूटरीकरण में उन्नति, एडवांस एण्ड इंटेलीजेंट सिस्टम एण्ड कम्प्यूटिंग ऑनलाइन, 07 अगस्त 2016, इंटेलीजेंट सिस्टम एवं कम्प्यूटिंग बुक सीरीज़ का भाग, (एआईएससी खंड 484), डीओआई 10.1007/978–3–319–41682–3।

देवर्षि चौरसिया, अपूर्व श्रीवास्तव, श्वेता सक्सेना, निर्माण पूर्ति हेतु एक भवन परियोजना का मूल्यांकन करने के लिए पैरामीटर, मानव कारक एवं श्रमदक्षता पर लागू, एएचएफई 2016 मानव कारकों में उन्नति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्प्रिंगर ऑनलाइन, 27 अगस्त 2016 खंड 498 , डीओआईः 10.1007/978–3–31 9–42070–7–109।

श्वेता वार्डिया, रचना खरे, अजय खरे, विरासत स्थलों में सार्वभौमिक पहुंचः जयपुर के ऐतिहासिक स्थलों पर एक केस स्टडी, यूनिवर्सल डिज़ाइन 2016ः अतीत से सीखना, भविष्य के लिए डिज़ाइनिंगः सार्वभौमिक अभिकल्पना पर 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (यूडी 2016), यॉर्क, यूनाइटेड किंगडम, 21–24 अगस्त, 2016, आईओएस प्रेस 2016 के माध्यम से प्रवेश, प्रकाशन की तिथि 15 सितंबर 2016, खंड 229, स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी और सूचना विज्ञान में अध्ययन, आईएसएसएन/आईएसबीएन नंबर 9781138953444।

तापस मित्रा, शिऊलि मित्रा, डिज़ाइन हस्तक्षेप के माध्यम से कोर सिटी हाउसिंग को संबोधित करने के लिए एक वैकल्पिक दृष्टिकोणः कोलकाता का एक मामला, कम लागत/लागत रहित आवासीय सम्मेलन में उपस्थित सभी प्रस्तुकर्ता, ज्यूरिख, ऑरलिकॉन घोषणापत्र, संयुक्त राष्ट्र आवास III, क्विटो, एक्वाडोर, ईथ, ज्यूरिख, संयुक्त राष्ट्र आवास, संयुक्त राष्ट्र, 15 सितम्बर 2016 (सम्मेलन का संकल्प पर्यावास 3 में किया गया)।

श्वेता वार्डिया, मध्य भारत के मंदिरों में निर्माण तकनीक–भोजपुर मंदिर, मध्य प्रदेश का अध्ययन, चतुर्थ ऐतिहासिक मोर्टार्स सम्मेलन की कार्यवाही–एचएमसी 2016, अरिस्टॉटल यूनिवर्सिटी ऑफ थेसालोनिकी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग की भवन निर्माण सामग्री की प्रयोगशाला, 12 अक्टूबर 2016,978–960–99922–3–7।

काकोली साहा, गायत्री नंदा, वास्तुकला शिक्षण शास्त्र में जीआईएस को शामिल करना। 17 वीं इसरी इंडिया यूजर कॉन्फ्रेंस 2017, एसआरआई इंडिया, प्रकाशन की तिथि, 19 जनवरी 2017, आईएसएसएन/आईएसबीएन नंबर 978–94–90354–47–3 ।

नयना आर. सिंह, उत्तरकाशी के पहाड़ी इलाकों में आपदा जोखिम को कम करने और पुर्नस्थापना के लिए निर्मित पारंपरिक विरासत, सतत् निर्मित पर्यावरण 2017 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, वास्तुकला एवं योजना विभाग, आईआईटी रुड़की, 5 फरवरी 2017।

बिनायक चौधुरी, अशफाक आलम, शहरीकरण की गतिशीलता–भोपाल जिले का एक अध्ययन, 52 वां आइसोकार्प कांग्रेस, 12–16 सितंबर, 2016, https://isocarp.org › Activities › ISOCARP वार्षिक विश्व कांग्रेस, प्रकाशन की तिथि, 6 फरवरी 2017, 52 वें आइसोकार्प कार्यवाही, आईएसएसएन (ऑनलाइन) 2393–8021, आईएसएसएन (प्रिंट) 2394–1588, डीओआई नं। 10.17148/आईएआरजेएसईटी 2016.3407।

सौरभ तिवारी, अर्घ ज्योति, होलिस्टिक सामाजिक पर्यावरण डिज़ाइन, प्रैक्टिस ऑफ मेकिंग क्राफ्ट एवं ऐतिहासिक शहर, रिसर्च इन डिज़ाइन फॉर कम्यूनिटी, प्रकाशन दिनांक 11 फरवरी 2017, खंड 2, आईएसएसएन/आईएसबीएन क्र. 2231–4601।

सौरभ तिवारी, निपुण प्रभाकर, सौरभ पोपली, सामाजिक डिज़ाइन के लिए एक गांधीवादी फ्रेमवर्क, ल्यूरी ब्रेकर एवं हुनरशाला का कार्य, समुदाय के लिए डिज़ाइन पर अनुसंधान, स्प्रिंगर सिंगापुर, प्रकाशन दिनांक 11 फरवरी 2017, खंड 1, आईएसबीएन, 819279812–7।

सौरभ तिवारी, कुमार रवि प्रिया, लोग, कुर्सी और महत्व, जीने योग्य पहलुओं की गुणात्मक जाँच, समुदाय के लिए डिज़ाइन पर अनुसंधान, स्प्रिंगर सिंगापुर, प्रकाशन दिनांक 11 फरवरी 2017, खंड 1, आईएसएसएन 2231–4601।

काकोली साहा, स्मार्ट सिटी के लिए स्मार्ट सॉल्यूशंसः एक जीआईएस दृष्टिकोण, इलेक्ट्रॉनिक प्रशासन के सिद्धांत और अभ्यास पर 10 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, कम्प्यूटिंग मशीनरी के लिए एसोशिएशन(एसीएम), प्रकाशन की तिथि, 7 मार्च 2017, खंड 10, आईएसएसएनः 2231–4601।

अमित चटर्जी, मुंबई शहर में परिवर्तनः भविष्य में स्थिरता प्राप्त करने हेतु बाधाओं को दूर करना, 52 वाँ आइसोकार्प कांग्रेस, आइसोकार्प प्रकाशन की तिथि 30 मार्च 2017, 1–3:296–305, खंड 498, इंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटिंग की उन्नति, पीपी 207–214।

पत्रिकाएं

एन. आर. मंडल, आर. सी. सिन्हा, एस. सरकार, पर्याप्त आवास और जीवन की गुणवत्ता–एक साहित्य समीक्षा, जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च एंड सोशल साइंसेज (एआरएस), इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर ग्रीन, सस्टेनेबल इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 1 अप्रैल 2016, खंड 3 अंक 3, 2350–1472।

सौरभ पोपली, नये क्षेत्र में भूदृश्य वास्तुकला की शिक्षा, लैंडस्केप आर्किटेक्चर, इंडिया की पत्रिका, लैंडस्केप आर्किटेक्चर फाउंडेशन, 10 अप्रैल 2016, नं 46, 0975–0177।

अमित चटर्जी, संचिता चटर्जी, एक उपकरण के रूप में कैरींग क्षमता का उपयोग करते हुए सशक्त महानगर का विकासः मुम्बई के मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र का एक मामला, विज्ञान, इंजीनियरिंग एवं तकनीकी में अंतराष्ट्रीय अनुसंधान की पत्रिका, आईएआरजेएसईटी, प्रकाशन की तिथि, 24 अप्रैल 2016, खंड 3, अंक 4, आईएसएसएन/आईएसबीएन क्र. 978–3–31 9–42069–1, डीओआई नंबर 10.1007/978–3–319–42070–7–20।

देवर्षि चौरासिया, विभिन्न तरीकों से परिवहन के लिए आवागमनः वर्तमान परिदृश्य और आगे का मार्ग, योजना, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, 1 मई 2016, खंड 60, आईएसएसएन नंबरः 0971–8400।

रचना खरे, सामाजिक समता एवं शैक्षिक अंतरिक्ष डिज़ाइन के माध्यम से शामिल, ''जर्नल'' योजना, खंड 60, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, मई 2016, आईएसएसएन–071–8400।

सुशील कुमार सोलंकी, शिक्षण निर्माण सेवाओं के लिए पूर्ण स्केल मॉडलिंग और उपयोगकर्ता केन्द्रित दृष्टिकोण, इंजीनियरिंग के उभरते रूझान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 3 जून 2016, खंड 03, अंक 03, मई–जून, 2016 स्नातकोत्तर 170–173, आईएसएसएनः 2394–0573।

प्रेमजीत दास गुप्ता, क्षमा पुणताम्बेकर, शहरी परिवहन में साइकिल की भूमिकाः भारतीय अनुपात की एक समीक्षा, शहरी भारत, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स, 30 जून 2016, खंड 36 अंक 1, आईएसएसएन 0970–9045।

निखिल रंजन मंडल, अमित चटर्जी, शहरों को स्मार्ट एवं प्रतियोगी बनाना, स्पैन्ड्रल, अंक 11, एसपीए, प्रेस, प्रकाशन की तिथि, 10 जुलाई 2016, आईएसएसएन/आईएसबीएन संख्या 978–1–614 99–684–2–419, डोआई क्र. 10.3233।

प्रशांति राव, इशिता आर्यन और सुमित कुलियार, कमजोर क्षेत्रों में भूमि उपयोग के विचलन का आकलन करने हेतु विकासशील पद्धतिः देहरादून के मामले का अध्ययन, स्पेसिया–आर्थिक विकास रिकॉर्ड, डॉ. एस.के. द्वारा प्रकाशित। कुलश्रेष्ठ, शालीमार बाग, नई दिल्ली–110088, 23 जुलाई 16, खंड 23, अंक 4, आईएसएसएन 0971–4944।

रमा उमेश पांडे, योगेश के. गर्ग, आवासीय क्षेत्रों में आवास योग्य वातावरण का मूल्यांकनः स्मार्ट सिटी बनाने की दिशा में एक कदम, स्पेंड्रल, एसपीए प्रेस, 29–जुलाई 2016, अंक 11, 2231–4601।

रचना खरे, संदीप अरोड़ा, भोपाल की अनौपचारिक बस्तियों में स्थित आवास इकाइयों के आकृति विज्ञान पैटर्न, सिविल इंजीनियरिंग और पर्यावरण इंजीनियरिंग, जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग, दिल्ली, 1 अक्टूबर 2016, खंड 3, अंक 9, आईएसएसएन 2349–8404।

प्रशांति राव, जिग्यासा बिसारिया एवं क्षमा पुणताम्बेकर, आवासीय समुदायों में हरित स्थान की प्रयोज्यता के लिए खोजपूर्ण विश्लेषणः भोपाल शहर का एक मामला, स्थानिक–आर्थिक विकास रिकॉर्ड, डॉ. एस.के. द्वारा प्रकाशित। कुलश्रेष्ठ, शालीमार बाग, नई दिल्ली, 21 अक्टूबर 16, खंड 23, अंक 5, आईएसएसएन 0971–4944।

श्वेता सक्सेना, रचना खरे, संदीप अरोड़ा, भोपाल की अनौपचारिक बस्तियों में स्थित आवास इकाईयों के आकृति विज्ञान पैटर्न, सिविल इंजीनियरिंग और पर्यावरण प्रौद्योगिकी के जर्नल, कृषि विज्ञान प्रकाशन, 26 अक्टूबर 2016, खंड 3, अंक 9, पी–आईएसएसएनः 2349 ई–आईएसएसएनः 2349–879।

मंजू यादव, कृष्णकुमार धोते, सौरभ पोपली, भारत में ग्रीन रेटिंग सिस्टम्स ''एक भूदृश्य परिप्रेक्ष्य'' उभरती प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 8 (1): 12–15 (2017), रिसर्च ट्रेंड्स, 3 जनवरी 2017, विशेष संस्करण खंड 8 (1) 2017, 0975–8364, 2249 3255।

रमा उमेश पांडे, पूर्णिमा जयराज, तटीय पारिस्थितिकी तंत्र और सतत् जीवन आबादी के पुनर्निर्माण क्षमता के बीच संबंधों को खोजना – ए न्यू इनसाइट, उभरती तकनीक पर अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, रिसर्च ट्रेन्ड, 5 जनवरी 2017, खंड 8 और अंक 1, 0975–8364।

अशफाक आलम, गौरबदास महापात्र, शहर–क्षेत्र में स्मार्टनेस और समग्रता पर एक तार्किक परिप्रेक्ष्य, निर्माण में अग्रिम अनुसंधान एवं शहरी वास्तुकला की पत्रिका, उन्नत अनुसंधान प्रकाशन, गाजियाबाद, प्रकाशन की तिथि, 24 जनवरी 2017, खंड 1 अंक 3 एवं 4 (2016), आईएसबीएनः 978–94–90354–47–3।

एन.आर. मंडल, जी. चंद्र, एम. चक्रवर्ती, ए.के. सिन्हा, जल स्थिरता सूचकांक (डब्ल्यूएसआईओसी) – भाग 1: एक प्रारंभिक फ्रेमवर्क, इमर्जिंग टेक्नोलॉजी 8 (1): 330–336 पर इंटरनेशनल जर्नल, रिसर्च ट्रेंड 1 फरवरी 2017, 8 (1): 330–336, (प्रिंट): 0975–8364, आईएसएसएन नंबर (ऑनलाइन): 22493255।

गौरव वैद्य, अनिरूद्ध पवार एवं क्षमा गुप्ता, शहर के साथ साथ शहर के आसपास की हरित व्यवस्था की मेपिंग के लिए संभावित क्षेत्र की पहचान करने हेतु शहर के आस–पास हरित क्षेत्र का मानचित्रण करना, स्पैन्ड्रल, प्रकाशन की तिथि, 15 मार्च 2017, खंड 1, अंक 12 (मानसून 2016–17), आईएसएसएन/आईएसबीएन नं.978–981–10–3520–3, डोआई नंबर 10.1007/978–981–10–3521–0।

सन्मार्ग मित्रा, शिवाशीष बोस, भारत के विविध क्षेत्रीय स्थानीय वास्तुकला का सतत् प्रदर्शन–आई.जी.आर.एम.एस., भोपाल का एक मामला, पर्यावरण विज्ञान की प्रत्यक्ष वैज्ञानिक प्रक्रिया, एल्सवियर, 23 मार्च 2017, खंड 37, 2017, 1878–0296, 10.1016/जे.पी.ओ.नि. 2017.03.023।

परमा मित्रा, सुचित्रा वर्धन, समावेशी शहर बनाने में सुरक्षा लेखा परीक्षा के महत्व का अनुरेखणः स्मार्ट शहरों की ओर एक कदम, पर्यावरण विज्ञान की प्रत्यक्ष वैज्ञानिक प्रक्रिया, एल्सवियर, 23 मार्च –2017, खंड 37, 2017, 1878–0296, 10. 1016/जे.पी.ए.नि. 2017.03.011।

रमा उमेश पांडे, कीर्ती मनीषा, भौगोलिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से अपरलेक केचमेंट एरिया, भोपाल का आकलन, स्पैन्ड्रल, एसपीए प्रेस, भोपाल, 28 मार्च–2017, अंक 12, 2231–4601।

काकोली साहा, भारत में स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट के लिए रिमोट सेन्सिंग दृष्टिकोणः भोपाल शहर, मध्य प्रदेश का मामला, भारत में ई–गवर्नर नवाचार पर विशेष संग्रह की कार्यवाही, (आईसीईजीओवी 17) रेहमा बागुमा, राहुल डे, टॉमस जानोवस्की एवं मोटर्न मेयरहोफ, नीलसन, एसीएम न्यूयार्क, यूएसए 70–75 डीओआईः doi.org/10.1145/3055219.3055232.

काकोली साहा, एन.आर. मण्डल, सोलर पीवी स्थापना हेतु छत क्षेत्र का परिमाण करने के लिए एक लक्ष्य, मध्य प्रदेश, भोपाल का एक मामला, जियोमेटिक्स की पत्रिका, खंड 10 अंक 2 पीपी 133–139.

काकोली साहा, एन.आर. मण्डल, भारत के टियर 2 शहरों में निरंतर ऊर्जा नियोजन के लिए सोलर वीपी का संभावित अनुमानः भोपाल शहर का मामला, वर्तमान शहरी अध्ययन, 4, 356–375, डीओआई 10.4236/सीयूएस 2016.43024

आरती जायसवाल एवं अलका भरत, भोपाल स्टेशन में जीआईएस पद्धति का प्रयोग करते हुए ठोस अपशिष्ट स्थानांतरण, स्पैन्ड्रल, खंड 13 अंक 12, वर्ष 2016–17, आईएसएसएन 2231–4601 ।

समाचार पत्र एवं अन्य पत्रिकाएं

तापस मित्रा, प्रस्थान लाउंज़ का दृश्य, अर्बन स्केचर वेबसाइट, urbansketchers.org, 3 अक्टूबर 2016।

संदीप संकट, रचना खरे, विरासत के लिए यूनिवर्सल डिज़ाइन अभिनव केन्द्र, भारत के सभी संस्थानों के लिए डिज़ाइन, खंड 12, अंक 4, 4 जनवरी 2017।

संदीप संकट, रचना खरे, सुशील सोलंकी, वास्तुकला में सार्वभौमिक डिज़ाइन शिक्षण, एक अनुभावात्मक एवं अनुकारक अभ्यास, भारत के सभी संस्थानों के लिए डिज़ाइन, खंड 12, अंक 4, 4 जनवरी 2017।

संदीप संकट, रचना खरे, यूजर सेंटर डिज़ाइन स्टूडियो के माध्यम से भारतीय वृद्धों के लिए खोज, भारत के सभी संस्थानों के लिए डिज़ाइन, खंड 12, अंक 4, 4 जनवरी 2017।

संदीप संकट, रचना खरे, मानव केंद्रित अनुसंधान केन्द्र (सीएचसीआर), योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल, भारत के सभी संस्थानों के लिए डिज़ाइन, खंड 12, अंक 4, 4 जनवरी 2017।

संदीप संकट, सभी के लिए डिज़ाइन, अखिल भारतीय संस्थान के लिए डिज़ाइन का प्रकाशन, भारत के सभी संस्थानों के लिए डिज़ाइन, खंड 12 अंक 4, 4 जनवरी 2017।

संदीप संकट, सुगम्य भारत का आधार, भारत में सार्वभौमिक डिज़ाइन शिक्षा, सभी के लिए डिज़ाइन, समाचार पत्र, भारत के सभी संस्थानों के लिए डिज़ाइन, खंड 12, अंक 4, 4 जनवरी 2017।

शैक्षणिक गतिविधियों में सहभागिता

सम्मेलन

कीनोट स्पीच

संजीव सिंह, कीनोट स्पीकर, पर्यावरण स्थिरीकरण हेतु रणनीतियाँ, प्रमुख सिद्धांत और प्रतिक्रियाएँ, हरित तकनीक के उभरते रूझान, अमिटी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, 22 अप्रैल 2016।

आमंत्रित प्रस्तुति

विशाखा कवाठेकर, पेनलिस्ट, 'अप्रत्याशित महिलाएं, जो आर्किटेक्ट्स हैं, एफओएडी 2016: वास्तुकला और इंटीरियर डिज़ाइन 2016 के महोत्सव में राष्ट्रीय सम्मेलन, एफओएडी इंडिया, मुंबई, 23 सितंबर 2016।

शिऊलि मित्रा, पैनल चर्चा के लिए आमंत्रित स्पीकर, भारत में परिधीय शहरी इलाकों में आवासीय भूमि विकास के फ्रेमवर्क की समीक्षा, हाउसिंग और शहरी विकास पर 6 वां एशिया प्रशांत मंत्रालय सम्मेलन, 15 दिसंबर 2016।

सम्मेलन प्रस्तुति

अरविंद कुमार मील, गायत्री नंदा, सांस्कृतिक विरासत में निरंतरता एवं परिवर्तन के माध्यम से स्थान निर्धारण करना, कुल्लू दशहरा, हिमांचल प्रदेश, भारत का मामला, शहर का उत्थानः शहरी विरासत की आबादी का विस्तार, आयरनब्रिज इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर कल्चरल हेरिटेज, यूनिवर्सिटी बर्मिंघम, कार्य स्थानः चियांग काई–शेक मेमोरियल हॉल, ताइपे शहर, 1 अप्रैल, 2016।

गौरव सिंह, भारत में उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों से सीखने और आपदा जोखिम के प्रति उत्तरदायित्व, चतुर्थ वास्तुकला और सिविल इंजीनियरिंग एसीई 2016, ग्लोबल साइंस एंड टेक्नोलॉजी फोरम (जीएसटीएफ), सिंगापुर, 26 अप्रैल 2016 ।

शिऊलि मित्रा, तापस मित्रा, डिज़ाइन इंटरवेंशन के माध्यम से कोर सिटी हाउसिंग को संबोधित करने के लिए एक वैकल्पिक दृष्टिकोणः कोलकाता, भारत का मामला, कम लागत/लागत रहित आवास सम्मेलन इटीएच ज्यूरिक, 1 जुलाई 2016।

विशाखा कवाठेकर, प्रारंभिक भारतीय मस्जिदों का संरक्षणः अढ़ाई दिन का झोपड़ा, अजमेर, दक्षिण एशियाई पुरातत्व और कला के यूरोपीय संघ का 23 वां सम्मेलन, कार्डिफ विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम, 5 जुलाई 2016।

अपूर्व श्रीवास्तव, निर्माण के दायरे के भीतर निर्माण परियोजना का आकलन करने के लिए पैरामीटर, एएचएफई 2016, एप्लाइड ह्यूमन फैक्टर्स और एर्गोनॉमिक्स, ऑरलैंडो, फ्लोरिडा, यूएसए, 29 जुलाई, 2016।

श्वेता वार्डिया, सभी उपयोगकर्ताओं को सार्वभौमिक उपयोज्यता प्राप्त करना, भोपाल, भारत में पर्यटन क्षेत्र के सार्वजनिक स्थानों पर एक केस स्टडी, एप्लाइड मानव कारक और एर्गोनॉमिक्स (एएचएफई 2016) और संबद्ध सम्मेलन, एएचएफई 2016, वॉल्ट डिजनी वर्ल्ड पर 7 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, फ्लोरिडा, संयुक्त राज्य अमेरिका, 29 जुलाई, 2016।

अपूर्व श्रीवास्तव, आर्किटेक्ट के अभ्यास और शिक्षा के बीच अंतर–भारत का एक अध्ययन, एएचईईई 2016, एप्लाइड मानव कारक और एर्गोनॉमिक्स, 31 जुलाई, 2016।

देवर्षि चौरसिया, बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (बीआरटीएस): विकलांग व्यक्तियों के प्रयोग की जांच करने के लिए एक केस स्टडी, एप्लाइड मानव कारक एवं आर्गोनॉमिक्स पर सम्मेलन एपीएचईई 2016, परिवहन के मानव पहलुओं में उन्नति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एएचएफई–2016, वॉल्ट डिजनी वर्ल्ड, ऑरलैंडो, फ्लोरिडा, संयुक्त राज्य अमेरिका, 30 अगस्त 2016।

अशफाक आलम, ग्रामीण+शहरी इलाकों की गतिशीलता, भोपाल जिले का एक मामला, 52 वा आइसोकार्प सम्मेलन 2016, आइसोकार्प, डरबन 14 सितम्बर 2016।

बिनायक चौधुरी, ग्रामीण+शहरी इलाकों की गतिशीलता, भोपाल जिले का एक मामला, 52 वा आइसोकार्प सम्मेलन 2016, आइसोकार्प, डरबन 14 सितम्बर 2016।

सन्मार्ग मित्रा, भारत में विविध क्षेत्रीय स्थानीय वास्तुकला का सतत् प्रदर्शन–आईजीआरएमएस, भोपाल के मामले का एक अध्ययन, हरित शहरीकरण, आईआरईके, रोम, 13 अक्टूबर, 2016।

अमित चटर्जी, भू–स्थानिक विश्लेषण के माध्यम से एक महानगर की कैरिंग क्षमता का विश्लेषणः बैंगलोर शहर का मामला, 36 वां आईएनसीए (भारतीय राष्ट्रीय कार्टोग्राफिक एसोसिएशन) अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस, आईसीए, विश्वभारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, 11 नवंबर, 2016।

सौरभ पोपली, विवादित या संयोजक–कठौतिया में मानव और प्राकृतिक मूल्य, जैव विविधता, खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीबीएफएसएच 2016), गद्जा माडा यूनिवर्सिटी, योग्याकार्टा, इंडोनेशिया, 22 नवम्बर 2016।

सौरभ तिवारी, समग्र सामाजिक–पर्यावरण डिज़ाइनः मेकिंग, क्राफ्ट और शहरी इतिहास के माध्यम से व्यवहार, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी, 9 जनवरी, 2017।

सौरभ तिवारी, लोग, कुर्सी, और मूल्यः जीवन के पहलुओं की गुणात्मक जांच, डिज़ाइन 17 के अनुसंधान का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी, 10 जनवरी, 2017।

सौरभ तिवारी, सामाजिक डिज़ाइन के लिए एक गांधीवादी फ्रेमवर्क, डिज़ाइन 17 के अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी, 11 जनवरी, 2017।

अपूर्व श्रीवास्तव, कुशल ऊर्जा डिज़ाइन में अनुकूली और परस्पर संवाद बैठाना, मैकेनिकल, ऊर्जा और पावर सिस्टम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। आईसीएमईपीएस–2017, ओरिएंटल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टैक्नोलॉजी, भोपाल, 21 जनवरी, 2017।

अभिषेक कोंदूवयूर वेंकटरमन, भावी शहरों में परिवहन के लचीली व्यवस्था पर संबोधनः ओरोविल, तमिलनाडु, भारत का एक मामला, पर्यावरण निर्वाह पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एसबीई 2017, ओरियेंटल इन्स्टीट्यूट ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, भोपाल, 21 जनवरी 2017।

नवीन किशोर खांबड़कोने, एक नए विकसित बायोकैमेटिक विश्लेषण उपकरण का उपयोग करते हुए एक ठोस भारतीय जलवायु में निष्क्रिय ताप और शुष्क रणनीति की संभावना की जांच, आईसीएसबीई–2017 (सतत् निर्मित पर्यावरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन), आर्किटेक्चर और प्लानिंग विभाग, आईआईटी–रुड़की, 3 मई 2017।

गायत्री नंदा, स्थानीय पहचान की धारणा एवं विरासती शहरों को बदलना व इसके महत्व को स्थापित करना, पुरी ओड़िसा, भारत का एक मामला, सतत् निर्मित वातावरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सस्टेनेबल बिल्ड वातावरण पर वार्ता, आईआईटी रुड़की, 05 फरवरी 2017।

आरती जायसवाल, भारत में शहरी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए अभिनव दृष्टिकोण का आकलन, सॉलिड वेस्ट टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट पर 32 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, विडनर यूनिवर्सिटी, जर्नल ऑफ सॉलेड वेस्ट टेक्नॉलोजी एण्ड मेनेजमेंट, फिलडेल्फिया, एयूएसए, 19 मार्च 2017।

सौरभ पोपली, समाज एवं प्रतिबिंबित अभ्यास से दक्षिण एशिया पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जेपी इंस्टिट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा यूपी, 27 मार्च 2017।

नयना आर. सिंह, डिज़ाइन प्रधानाध्यापकों के रूप में कनेक्टिविटी, निरंतरता और अनुकूलनः उत्तराकाशी के ग्रामीण इलाकों के लचीलेपन के लिए आपदा जोखिम में कमी के लिए एक दृष्टिकोण, 'आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा प्रबंधन योजना (ईआरडीएमपी)' पर राष्ट्रीय सम्मेलन, आपदा प्रबंधन संस्थान, भोपाल, 13 अक्टूबर 2016।

गायत्री नंदा, काकोली साहा, आर्किटेक्चरल पेडैगोगी में जीआईएस को शामिल करना, ईएसआरआई इंडिया यूजर कॉन्फ्रेंस 2017 और प्रदर्शनी, ईएसआरआई इंडिया, नई दिल्ली, 20 जनवरी 2017।

पॉलोज एन. कुरीकोस, स्मार्ट सिटीः समृद्धि के रूप में एन्क्लेव बनाना, अराकॉन 2017, आर्किटेक्चर एसोसिएशन ऑफ आगरा, 25 फरवरी 2017।

सौरभ तिवारी, चलो रेट्रोस्पेक्ट द स्मार्ट, आर्कन 2017, आर्किटेक्ट्स ऑफ एसोसिएशन ऑफ आगरा, 25 फरवरी 2017।

पॉलोज एन. कुरीकोस, लाइवेबल सिटीः बिल्डिंग कैरेक्टर ऑफ स्पेस टू प्लेस मेकिंग, लाइवटेबल सिटीज, कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर त्रिवेंद्रम, 4 मार्च 2017।

सम्मेलन पोस्टर्स

सौरभ तिवारी, एक कुर्सी की कहानीः भारत की डिज़ाइन संस्कृति में परिवर्तन, डिज़ाइन इतिहास और डिज़ाइन अध्ययन पर 10 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एनटीयूएसटी ताइपे, 26 अक्टूबर, 2016।

प्रेमजीत दास गुप्ता, जगन्नाथ दास, ज्योति यादव, भोपाल शहरी क्षेत्र में बैरियर्स एवं सहजकर्ता को साइकिल के उपयोग की समझ विकसित करना। विकासशील देशों की 12 वीं परिवहन योजना और कार्यान्वयन का सम्मेलन, परिवहन प्रणाली इंजीनियरिंग (टीएसई) समूह, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे 20 दिसम्बर 2016।

प्रेमजीत दास गुप्ता, क्षमा पुणताम्बेकर, भोपाल शहरी क्षेत्र में बैरियर्स एवं सहजकर्ता को साइकिल के उपयोग की समझ विकसित करना। विकासशील देशों की 12 वीं परिवहन योजना और कार्यान्वयन का सम्मेलन, परिवहन प्रणाली इंजीनियरिंग (टीएसई) समूह, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे 20 दिसम्बर 16।

काकोली साहा, स्मार्ट सॉल्यूशंस फॉर ए स्मार्ट सिटीः जीआईएस दृष्टिकोण, 10 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार 7 मार्च, 2017।

सम्मेलन में उपस्थित

संजीव सिंह, ऐतिहासिक कोर क्षेत्रों का शहरी पुनर्जनन – चंदेरी एमपी इंडिया रेशम बुनकरों का मामला, द वर्ल्ड आर्किटेक्चर फेस्टिवल, बर्लिन जर्मनी, 18 नवंबर, 2016 ।

सौरभ पोपली, 10 वां वैश्विक आरसीई सम्मेलन, गद्जा माडा यूनिवर्सिटी, योग्याकार्टा, इंडोनेशिया, 25 नवम्बर 2016।

आशिष पाटिल, भारत में संरक्षण शिक्षा और प्रशिक्षण पर सम्मेलन, भविष्य के लिए रोड मैप तैयार करना, आईसीओएम–सीसी (अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय समिति के लिए संरक्षण और एनआरएलसी, 5 दिसम्बर 2016।

आरती जायसवाल, स्मार्ट एवं सस्टेनेबल सिटी सॉल्यूशन पर उपस्थित 14 वां अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन, मुन्सीपालिका 18 जून 2017।

संदीप संकट, भारत में स्मार्ट शहर, संचालन शहरी विकास, पीएचडी चेम्बर ऑफ कामर्श, नई दिल्ली, 22 अप्रैल 2016।

गोविंद एम.पी., पौलोज़ एन. कौरिकोज़, रमा यू. पाण्डे, उपस्थित, भोपाल शहर के रेज्यिलेंट, झटके और तनाव की पहचान करना, तारू लीडिंग एज़ प्राइवेट मिमिटेड, एम–6, द्वितीय तल, अरबिंदो मार्ग, हौज खास, नई दिल्ली–110016, भारत, 7 अक्टूबर 2016।

सम्मेलन एवं संगोष्ठी

सम्मेलन/संगोष्ठी पेनल

बिनायक चौधुरी, पेनलिस्ट, सतत् शहरी प्रबंधन नीति और प्रतिक्रिया, आरसीवीपी नोरोन्हा अकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, स्वर्ण जयंती, भोपाल, 6 अक्टूबर 2016।

सेमीनार संगोष्ठी प्रस्तुतियाँ

सौरभ तिवारी, खोज कार्यशाला 16 से सीख, जल सभ्यता और इंफ्रा–सेंसिटिव जोन में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर, भारत और कोलंबिया विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका, कोलकाता 7 जनवरी 2017।

संदीप संकट, सतत् शहरी विकास और बाहरी एवं आंतरिक निर्मित पर्यावरण में सार्वभौमिक पहुंच। टिकाऊ शहरी विकास के उभरते रुझान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, अमिटी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश, 28 फरवरी 2017।

रचना खरे, विरासत स्थलों में यूनिवर्सल एक्सेसः एक्सप्लोरेशन के उदाहरण, विरासत स्मारक और साइट्स में यूनिवर्सल एक्सेसबिलिटी, यूडी सेंटर–बीएनसीए पुणे और भारत के पुरातत्व सर्वेक्षण, 3 मार्च 2017।

सौरभ तिवारी, डिज़ाइन कल्चर के क्षेत्र का अवलोकन, डी लॉग्स 2017, डिज़ाइन प्रोग्राम, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, 27 मार्च 2017।

कार्यशाला

कार्यशाला का आयोजन

विशाखा कवाठेकर, समन्वयक, भारतीय वास्तुकला के मंदिर : इतिहास से आरेखण, विषय पर ज्ञान कार्यशाला, एसपीए भोपाल, 16 मई 2016।

रमा उमेश पांडे, समन्वयक, जलवायु सूचना, रेज्यिलेंट एवं स्मार्ट शहरों पर समन्वयन, प्रशिक्षण और क्षमतावर्धन कार्यशाला, तारू लीडिंग एज़ प्राइवेट लिमिटेड एवं एसपीए भोपाल, 6 अक्टूबर 2016।

रमा यू पांडे, समन्वयक, 'जलवायु सूचनात्मक रेज्यिलेंट और स्मार्ट शहरों पर समन्वयन, प्रशिक्षण और क्षमतावर्धन कार्यशालाएं, तारू लीडिंग एज़ प्राइवेट लिमिटेड और एसपीए भोपाल के सहयोग से, जबलपुर, म.प्र., 29–नवंबर –2016।

अजय खरे, देवर्षि चौरसिया, परमा मित्रा, पूनम खान, प्रशांति राव, रचना खरे, संदीप संकट, श्वेता वर्डिया, सुशील कुमार सोलंकी, समन्वयकः भविष्य के पेशेवरों के लिए जागरूकता कार्यशाला, एसपीए भोपाल एवं सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय, 9 दिसंबर 2016।

अजय खरे, देवर्षि चौरसिया, परमा मित्रा, पूनम खान, प्रशांति राव, रचना खरे, संदीप संकट, श्वेता वर्डिया, सुशील कुमार सोलंकी, समन्वयकः आंकेक्षण, एसपीए भोपाल 9 दिसंबर 2016।

बिनायक चौधुरी, गौरव वैद्य, काकोली साहा, समन्वयक, जीआईएन IV (ज्ञान) कार्यशाला, संस्थान की अर्थव्यवस्था का विकास एवं औद्योगिकी अद्यतन, प्रो. मीनू तिवारी, एसपीए भोपाल, 14–16 दिसम्बर 2017।

सौरभ तिवारी, समन्वयक, सर्च वर्कशॉप 16, सर्च और आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी खड़गपुर का एक्सटेंशन केंद्र, साल्ट लेक सिटी, कोलकाता, 21 दिसम्बर 16।

आशिष पाटिल, सन्मार्ग मित्रा, समन्वयक, पेपर संरक्षण का इतिहास, पुस्तकालय में दुर्लभ पुस्तकों के संरक्षण पर कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम, एसपीए भोपाल, 24 मार्च 2017।

कार्यशाला कीनोट

संदीप अरोड़ा, कीनोट स्पीकर, इंटरडिसीप्लीनरी कोऑर्डिनेशनः बिल्डिंग प्लानिंग में अवसर और मुद्दे, बिल्डिंग प्लानिंग और लेआउट पर कार्यशाला, ओरिएंटल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट, भोपाल, 25 अक्टूबर 2016।

कार्यशाला पैनल

विशाखा कवाठेकर, अध्यक्ष/मध्यस्थ, संरक्षण शिक्षा और संरक्षण व्यवसाय की आवश्यकताएं, वास्तुकला संरक्षण में चुनौतियों पर कार्यशाला, एसपीए दिल्ली और अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली, भारत 10 फरवरी 2017।

कार्यशाला प्रस्तुति

शिऊलि मित्रा, योजना एवं डिज़ाइन पहलुओं में आवासः गुणवत्ता, दक्षता और जीवनशैली को समेकित करने के लिए, मानव बस्तियों की योजना और डिज़ाइनः एक साझा समझ, एमओएचयूपीए, भारतीय आवास केंद्र, नई दिल्ली, 24 जून 2016।

संदीप संकट, निर्मित वातावरण पर अधोसंरचना विकास एवं सार्वभौमिक पहुंच, एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय लघु पाठ्यक्रम 15–25 मार्च 2017 को एमआईटीएस, ग्वालियर में आयोजित।

विशाखा कवाठेकर, भारत में विरासत के संरक्षण में दस्तावेजीकरण का महत्व, विरासत सूची और कार्यप्रणाली पर कार्यशाला, डिज़ाइन एण्ड आर्किटेक्चर संस्थान, स्वर्णभूमि (मिडास), चेन्नई, 21 अक्टूबर 2016।

अजय कुमार विनोदिया, देहरादून के लिए क्षेत्र आधारित स्थायी आवास डिज़ाइन रणनीतियां। ज्ञान कार्यशाला, डॉ. अरिंदम बिस्वास, आईआईटी रुड़की, 9 नवंबर 2016।

सुशील कुमार सोलंकी, भारत में भवन डिज़ाइन के सार्वभौमिक मानक, भविष्य में पेशवरों की पहुँच, सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय, भारत, एसपीए भोपाल, 10 दिसम्बर 2016।

विशाखा कवाठेकर, एसपीए भोपाल द्वारा किए गए शोध का अवलोकन – एएचआरसी – आईसीएचआर परियोजना अजमेर – पुष्कर के 'अजमेर–पुष्कर का ऐतिहासिक शहरः इतिहास की मैपिंग परतें, सतत् योजना और संरक्षण के लिए उपयोग और अर्थ, सामाजिक – आर्थिक स्थिरता शहर के हृदय स्थल की परियोजनाएं, इंडिया हबीटैट सेंटर में कला मानविकी अनुसंधान परिषद (एएचआरसी, यूके) और आईसीएचआर (भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद) द्वारा समर्थित,

कार्डिफ यूनिवर्सिटी, यूके, एसपीए भोपाल और द्रौण फाउंडेशन के सहयोग से एमएचआरडी, एमओडी, एनआईयूए, एमओयूडी के तहत एक क्षमता निर्माण कार्यशाला, नई दिल्ली, 15 मार्च 2017।

कार्यशाला में सहभागिता

अजय कुमार विनोदिया, एन.आर. मंडल, रिइमेजिंग इंडिया, नॉलेज टूर ऑफ नीदरलैण्ड, (11–16 अप्रैल 2016) माय लाइवेबल सिटी, इंडिया एवं इंटरनेशनल न्यू टाउन इंस्टीट्यूट, नीदरलैण्ड, 11 अप्रैल 2016।

विशाखा कवाठेकर, यूनाइटेड किंगडम में अठारह प्रमुखों के साथ संरक्षण पाठ्यक्रम की बैठक, भारत में संरक्षण शिक्षा के भारतीय परिदृश्य, संरक्षण पाठ्यक्रम निदेशक फोरम (सीसीडीएफ), स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, पोर्ट्समाउथ विश्वविद्यालय, 7 जुलाई 16 ।

अजय कुमार विनोदिया, सोनल तिवारी, ज्ञान कार्यशाला, एसपीए भोपाल, 25 जुलाई 16।

अजय कुमार विनोदिया, भारत के उत्तरी क्षेत्र की हाउसिंग टाइपोग्राफी, ज्ञान कार्यशाला, डॉ. अरिंदम बिस्वास, आईआईटी रुड़की, 5 नवंबर 2016।

परमा मित्रा, पूनम खान, परिणाम आधारित शिक्षा पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, शैक्षणिक विकास और अनुसंधान केंद्र, निरमा विश्वविद्यालय, 8 अप्रैल 2016।

बिनायक चौधुरी, टाउन प्लानिंग प्रोफेशन एवं एजुकेशन इंन्स्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्चर के मध्य नेटवर्किंग कार्यशाला, नई दिल्ली, भारत, 7 मई 2016।

परमा मित्रा, पूनम खान, सन्मार्ग मित्रा, श्वेता वार्डिया, भारतीय मंदिरों की वास्तुकला का इतिहास से आरेखण पर आधारित ज्ञान कार्यशाला, एसपीए भोपाल, 16 मई 2016।

गोविंद एम.पी., भोपाल शहर के भूकम्प एवं तनाव क्षेत्रों का चिन्हांकन एवं उसके अनुसार भवनों का वैकल्पिक अनुपात, तारू लीडिंग एज़ नई दिल्ली, भारत 6 अक्टूबर 2016।

अमित चटर्जी, देवर्षि चौरासिया, गौरव वैद्य, काकोली साहा, क्षमा पुणताम्बेकर, एन.आर. मण्डल, रमा यू. पाण्डे, शिऊलि मित्रा, ज्ञान कार्यशाला, शीर्षकः संस्थान, आर्थिक विकास एवं औद्योगिक उन्नति, प्रोफे. मीनू तिवारी, यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना, यूएसए द्वारा आयोजित, 14–18 दिसम्बर 2016, एसपीए भोपाल, 14 दिसम्बर 2016।

अरविंद कुमार मील, केस मैथड वर्कशॉप, आईआईएम कलकत्ता केस रिसर्च सेंटर, कोलकाता, 2 मार्च 2017।

आमंत्रित व्याख्यान

संजीव सिंह, गेस्ट स्पीकर, युवा छात्रों के लिए डिज़ाइन प्रतियोगिता, आकार–2016 इनपुट ऑफ यंग माइंड, वास्तुकला की अमूर्त कला, पारूल विश्वविद्यालय वडोदरा, 23 अप्रैल 2016।

रचना खरे, सार्वभौमिक डिज़ाइन अध्यापन, वास्तुकला शिक्षा में संबद्ध विषयों का एकीकरण, भारती विद्यापीठ वास्तुकला का महाविद्यालय, नवी मुंबई, 30 नवंबर 2016।

अमित चटर्जी, स्मार्ट मेट्रोपोलिजियन क्षेत्रीय विकास हेतु अर्थव्यवस्था की रूपरेखा एवं डिज़ाइन, बैंगलोर मेट्रोपोलिजियन क्षेत्र का मामला, एनआईटी, कालीकट, 17 दिसम्बर 16।

संदीप अरोड़ा, ग्रीन बिल्डिंगः ऊर्जा और जलवायु विज्ञान, प्रशिक्षण कार्यक्रम :ग्रीन बिल्डिंग कन्सेप्ट एंड एप्लीकेशन' नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च, भोपाल, 20 दिसंबर 2016।

संदीप अरोड़ा, ग्रीन बिल्डिंगः टूल्स एवं रणनीति, प्रशिक्षण कार्यक्रम– ग्रीन बिल्डिंग कन्सेप्ट एंड एप्लीकेशन, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च, भोपाल, 21 दिसम्बर 2016।

रचना खरे, अजय खरे, एसपीए भोपाल में यूनिवर्सल डिज़ाइन इनोवेशन, विशेषज्ञ व्याख्यान, देहरादून इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, देहरादून, 10 जनवरी 2017।

पॉलोज़ एन. कुरीकोस, पार्किंग प्रावधान में न्यूनतम आधारित दृष्टिकोण, सस्टेनेबल शहरी विकास, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, त्रिवेंद्रम,12 फरवरी 2017।

रचना खरे, विरासत स्थलों में यूनिवर्सल एक्सेस एक्सप्लोरेशन के उदाहरण, विरासत स्मारक और साइट्स में यूनिवर्सल एक्सेसबिलिटी, यूडी सेंटर– बीएनसीए पुणे और भारत के पुरातत्व सर्वेक्षण, 3 एवं 4 मार्च 2017।

सौरभ तिवारी, हिस्टोरियोग्राफी और फॉर्म के माध्यम से डिज़ाइन इतिहास को समझना, डिज़ाइन इतिहास फाउंडेशन, एनआईडी अहमदाबाद, 14 मार्च 2017।

सौरभ तिवारी, थियरेजिंग डिज़ाइन संस्कृति पर दो दृष्टिकोण, डिज़ाइन इतिहास फाउंडेशन, एनआईडी अहमदाबाद, 17 मार्च –2017।

अजय कुमार विनोदिया, भारत में अवसंरचना के लिए शहरी अनुपालन, योजना और चुनौतियां, एआईसीटीई द्वारा (एसटीसी) इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर प्रायोजित अल्पावधि पाठ्यक्रम, प्रो एल.के. जैन, विभाग प्रमुख वास्तुकला, एमआईटीएस ग्वालियर, 25 मार्च 2017।

शैक्षणिक पैनल

काकोली साहा, सदस्य, रिमोट सेंसिंग इंडियन सोसाइटी, देहरादून, उत्तराखंड, भारत, 1 जून 13 से 31 दिसम्बर 50।

रचना खरे, सदस्य, विभाग प्रमुख, अध्ययन मण्डल, बी.आर्क. एवं एम. आर्क. प्रोग्राम, एसपीए भोपाल जुलाई 14 से दिसम्बर 16।

अजय खरे, सीनेट सदस्य,एसपीए विजयवाड़ा (2016–2018) एवं सीनेट सदस्य, एसपीए दिल्ली (2015–17)।

शिऊलि मित्रा, संस्थागत, कार्यवाई अधिकारी, आंतरिक शिकायत समिति, एसपीए भोपाल, 20 फरवरी 15 से 13 फरवरी 17।

शिऊलि मित्रा, सदस्य, सीनेट, एसपीए भोपाल, 27 फरवरी 15 से 31 दिसम्बर 16।

शिऊलि मित्रा, संस्थान समन्वयक, एनटीएनयू नॉर्वे इरास्मस प्लस, ग्लोबल गतिशीलता कार्यक्रम, एसपीए भोपाल, 15 अक्टूबर 15 से 31 दिसम्बर 16।

तापस मित्रा, प्रभारी प्रोफेसर, पुस्तकालय समिति, एसपीए, भोपाल, 15 अक्टूबर 15 से 27 दिसम्बर 16।

तापस मित्रा, संयोजक, ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ अकादमिक नेटवर्क (जीआईएएन), एमएचआरडी की एक पहल, एसपीए, भोपाल, 20 अक्टूबर 15 से 31 दिसंबर 17।

अजय खरे, सदस्य, शासी मण्डल, एसपीए भोपाल 2016 से 2018।

रचना खरे, अध्ययन मण्डल (वास्तुकला) एसपीए दिल्ली, 8 जनवरी 2016 से 8 जनवरी 2017।

देवार्षि चौरासिया, सदस्य, चुनाव आधारित क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस), बी. आर्क के संशोधन के लिए समीक्षा समिति, आरजीपीवी भोपाल (मध्य प्रदेश का तकनीकी विश्वविद्यालय), 21 फरवरी 16।

संजीव सिंह, सदस्य, सीनेट, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल, 1 अप्रैल 16 से 1 अप्रैल 17।

देवार्षि चौरासिया, संयोजक, स्पिक मैके (भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं संस्कृति के प्रोत्साहन के लिए सोसायटी), स्पिक मैके, एसपीए भोपाल, 1 अप्रैल 16 से 31 मार्च 17।

बिनायक चौधुरी, संस्थागत सदस्य, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, एसपीए, भोपाल, 6 अप्रैल 16 से 5 अप्रैल 18।

बिनायक चौधुरी, सदस्य, केंद्र के परिचालित नियमों के लिए समिति, एसपीए, भोपाल, 8 अप्रैल 16 से 27 जून 17।

देवार्षि चौरासिया, सदस्य, निर्माण आधारित पाठ्यक्रम और निर्माण सामग्री और निर्माण के लिए संशोधन समिति, एसपीए भोपाल, 20 अप्रैल 16 से 30 जून 16 तक।

शिऊलि मित्रा, सरकारी सलाहकार, संस्थान प्रतिनिधि, सभी आवासीय मिशन के तहत प्रौद्योगिकी उपमिशन की तीसरी बैठक, आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय, नई दिल्ली, 29 अप्रैल 16।

संजीव सिंह, राष्ट्रीय, यूजीसी नामांकित, सलाहकार समिति, अन्ना विश्वविद्यालय चेन्नई टीएन, 5 मई 16 से 5 मई 18।

काकोली साहा, सदस्य, भारतीय विज्ञान संस्थान, जियोमेटिक्स, स्केप एप्लीकेशन सेंटर, जोधपुर टेकरा, अहमदाबाद–380015, 29 मई 16 से 31 दिसम्बर 50।

बिनायक चौधुरी, सदस्य, सहायक प्रोफेसर के अनुबंध संबंधी मामलों के लिए चयन समिति, 2 जून 16 से 14 जून 16।

क्षमा पुणताम्बेकर, सदस्य, यूजी–पीजी योजना और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए संलेखन समूह, टीसीपीओ एवं आईआईआरएस, 14 जून 16 से 14 जून 18।

देवर्षि चौरसिया, संयोजक, एसपीए भोपाल में अंगों और उत्तकों के दान को बढ़ावा देने के लिए, कार्यक्रम के आयोजन हेतु नोडल अधिकारी, एसपीए भोपाल, 1 जुलाई 16 से 31 मार्च 17 ।

अजय कुमार विनोदिया, अध्यक्ष, सहायक प्रोफेसर, माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा, जम्मू, 5 अगस्त 16 से 4 अगस्त 18।

सौरभ पोपली, सदस्य, शिक्षा मण्डल, इंडियन सोसाइटी ऑफ लैंडस्केप आर्किटेक्ट्स, 14 अगस्त 16 से 24 मई 17।

अजय कुमार विनोदिया, सदस्य, कार्यकारी अभियंता (सिविल) का चयन, आईआईएसईआर भोपाल, 2 सितम्बर 16।

अजय कुमार विनोदिया, सदस्य, बिल्डिंग वर्क कमिटी, एसपीए भोपाल, 1 अक्टूबर 16 से 31 मार्च 17।

बिनायक चौधुरी, विजिटिंग फैकल्टी, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस, टीआईएसएस, मुंबई (तुलजापुर), 22 दिसंबर 16 से 24 दिसंबर 16।

बिनायक चौधुरी, डीन (अनुसंधान एवं परामर्श), एसपीए, भोपाल, 27 दिसम्बर 16 से 10 जुलाई 17।

बिनायक चौधुरी, सदस्य, डॉक्टोरल शोध समिति, एसपीए, भोपाल, 28 दिसम्बर 16 से 10 जुलाई 17।

शिऊलि मित्रा, सदस्य, सीनेट, आईआईएसईआर भोपाल, 1 जनवरी 17 से 31 दिसम्बर 18।

अजय कुमार विनोदिया, स्पेशल एन्वाइटी, फाइनेंस कमेटी और शासी मण्डल, एसपीए भोपाल, 20 जनवरी 17।

अजय कुमार विनोदिया, सदस्य, सिनेट, एसपीए भोपाल, 20 फरवरी 17।

अजय कुमार विनोदिया, सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज़, आईटीएम विश्वविद्यालय ग्वालियर, 25 फरवरी 17।

तापस मित्रा, सदस्य, सीनेट, एसपीए, भोपाल, 27 फरवरी 17 से 31 दिसम्बर 18।

अशफाक आलम, सदस्य, सीनेट, एसपीए भोपाल, 28 फरवरी 17 से 27 फरवरी 19।

अजय कुमार विनोदिया, सदस्य, संकाय सदस्य चयन समिति, आईआईएसईआर, बेहरामपुर, 15 मार्च 17।

अजय कुमार विनोदिया, आमंत्रित, प्रश्न पत्र समीक्षा समिति, वास्तुकला डिज़ाइन के सिद्धांतों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन–वैश्विक प्रयास एवं स्थानीय परिवेश, परिदृश्य एवं वास्तुकला विभाग, श्री माता वैश्णोदेवी विश्वविद्यालय, कटरा, 18 मार्च 17।

बिनायक चौधुरी, अध्यक्ष, शैक्षणिक, अखिल भारतीय स्थानीय स्वशासन संस्थान, नागपुर अध्याय, 26 मार्च 17।

अजय खरे, भारत सरकार की पहल (ज्ञान) समिति के सदस्य।

अजय खरे, पीएचडी परीक्षक, एसपीए दिल्ली एवं जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय।

पेशेवर पैनल

अरविंद कुमार मील, सदस्य, वास्तुकला परिषद, नई दिल्ली, 11 जनवरी 08 से 31 दिसंबर 19।

सोनल तिवारी, सदस्य, आईएसओएलए, अहमदाबाद, 17 जुलाई 08 से 27 जून 17।

ज्योतिका निगम, सदस्य, वास्तुकला परिषद, नई दिल्ली, 4 जनवरी 09 से 12 मार्च 25।

सुशील कुमार सोलंकी, सदस्य वास्तुकला परिषद भारत, भोपाल 24 अप्रैल 09 से 31 दिसम्बर 17।

कर्णसेन गुप्ता, सदस्य, वास्तुकला परिषद, नई दिल्ली, 21 सितम्बर 09 से 20 सितम्बर 25।

अरविंद कुमार मील, सदस्य, द इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स, मुंबई 14 जुलाई 12 से 14 जुलाई 22।

शिऊलि मित्रा, सदस्य, आइसोकार्प, एम्सटर्डम, नीदरलैण्ड, 15 मई 14 से 15 मई 17।

तापस मित्रा, सदस्य, क्षेत्रीय अध्ययन परिषद, आरएसए, इंग्लैण्ड, 3 फरवरी 15 से 3 फरवरी 17।

रमा यू पांडे, क्षेत्रीय भाग, उपाध्यक्ष, भारतीय योजनाकार संस्थान, मध्यप्रदेश क्षेत्रीय भाग, भोपाल, 2 मई 15 से 28 अप्रैल 18।

सोनल तिवारी, सदस्य, एशियाई सांस्कृतिक परिदृश्य आर्किटेक्ट एसोसिएशन, सियोल नेशनल यूनिवर्सिटी, कोरिया, 7 अक्टूबर 15 से 29 जून 17।

गौरव सिंह, सदस्य, अनुसंधान एवं विकास, सतत् शिक्षा समिति, आईआईए, भारतीय वास्तुकार संस्थान, 2 जनवरी 16 से 1 जुलाई 17।

संजीव सिंह, सदस्य, भवन निर्माण समिति, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल,1 अप्रैल 16 से 31 मार्च 17।

संजीव सिंह, विशेष आमंत्रित, शासी मण्डल एवं वित्त समिति, एसपीए, भोपाल 1 अप्रैल 16 से 31 मार्च 17।

रमेश पी. भोले, सदस्य, वास्तुकला परिषद, नई दिल्ली, 1 अप्रैल 16 से 31 मार्च 17।

देवर्षि चौरसिया, संयोजक, प्रकाशन समिति, समाचार पत्र, आईटीपीआई, भोपाल, 1 अप्रैल 16 से 31 मार्च 17।

सौरभ पोपली, सदस्य, परिदृश्य वास्तुविद भारतीय समिति, अहमदाबाद, 1 अप्रैल 16 से 31 मार्च 17।

संजीव सिंह, सदस्य, सीओए निरीक्षण समिति, वास्तुकला अकादमी, मुंबई, 5 अप्रैल 16 से 7 अप्रैल 16।

संजीव सिंह, सदस्य, भवन निर्माण समिति, एनआईटीटीटीआर भोपाल, 28 अप्रैल 16 से 28 अप्रैल 17।

मंजू यादव, सदस्य, आईएसओएलए, भारत, 1 मई 16 से 31 मई 17।

संदीप संकट, संयुक्त सचिव, आईआईए सेंटर, भोपाल, 1 जून 16 से 1 जुलाई 17।

रचना खरे, सदस्य, विकलांग एवं बुजुर्गों के लिए तकनीकी अनुसंधान कार्यक्रम की सलाहकार एवं निगरानी समिति, विज्ञान एवं शिक्षा विभाग, 15 जुलाई 16 से 16 जुलाई 16।

बिनायक चौधुरी, अंतरिम मुख्य सतर्कता अधिकारी, एसपीए, भोपाल, 5 अगस्त 16 से 27 जून 17।

बिनायक चौधुरी, संस्थागत सदस्य, एसपीए की एंटी रैगिंग कमेटी, एसपीए, भोपाल, 5 अगस्त 16 से 27 जून 17।

संजीव सिंह, सदस्य, एंटी रैगिंग कमेटी, एसपीए भोपाल, 5 अगस्त 16 से 31 मार्च 17।

अमित चटर्जी, सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी ऑफ सिटी और क्षेत्रीय योजनाकार, आईएसओएसीएआरपी, नीदरलैंड्स, 16 सितंबर 16 से 15 सितंबर 18।

बिनायक चौधुरी, डीपीआर समिति, एसपीए भोपाल, 19 अक्टूबर 16 से 27 जून 17।

संजीव सिंह, सदस्य, डीपीआर समिति, एसपीए भोपाल 19 अक्टूबर 16 से 27 जून 17।

संजीव सिंह, सदस्य, भवन समिति, डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर म.प्र., 23 दिसंबर 16 से 23 दिसंबर 18।

संजीव सिंह, संस्थागत सदस्य, संकाय भर्ती नियम, एसपीए भोपाल, 16 फरवरी 17 से 31 मार्च 17।

बिनायक चौधुरी, नियुक्ति नियम की ड्राफ्टिंग समिति के सदस्य, एसपीए, भोपाल, 16 फरवरी 2017 से 1 जुलाई 2017।

संजीव सिंह, सदस्य, सीनेट, एसपीए भोपाल, 28 फरवरी 17 से 31 दिसंबर 18।

शिऊलि मित्रा, सदस्य सचिव, आईआरडीएसी, एसपीए भोपाल, 15 अप्रैल 15 से 31 दिसम्बर 16।

न्यायपीठ / मौखिक / परीक्षा

देवर्षि चौरासिया, पेपर सेटर, बी. आर्क. मई–जून 2016 और नवंबर–दिसंबर 2016, एमआईटीएस ग्वालियर, एम.पी. तकनीकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी), भोपाल, 1 अप्रैल 2016।

देवर्षि चौरासिया, परीक्षक बी. आर्क. परीक्षा, मई–जून 2016 और नवंबर–दिसंबर 2016, मैनिट भोपाल, एमआईटीएस ग्वालियर और एसपीए भोपाल, 1 अप्रैल 2016।

निखिल रंजन मण्डल, परीक्षक, पीएचडी हेतु मौखिक परीक्षा, व्ही.एन.आई.टी. नागपुर 25 अप्रैल 16।

रमा यू पांडेय, निर्णायक सदस्य, पर्यावरण नियोजन समाप्ति अवधि, थीसिस, सेप्ट अहमदाबाद, 29 अप्रैल 2016।

बिनायक चौधुरी, निर्णायक सदस्य, पर्यावरण नियोजन निबंधों के मास्टर का मूल्यांकन, एसपीए दिल्ली, 2 मई 2016।

शिऊलि मित्रा, निर्णायक सदस्य, बी. प्लान, सातवां सेमेस्टर, एसपीए दिल्ली, 6 मई 2016।

संजीव सिंह, निर्णायक सदस्य, टेक इनोवेशन चैलेंज 2016, आरजीपीवी भोपाल, 11 मई 2016।

रचना खरे, परीक्षक, पीएचडी मूल्यांकन, बी.आर्क थीसिस के निर्णायक मण्डल, शासकीय वास्तुकला महाविद्यालय, लखनऊ, 15 जून 16।

संजीव सिंह, निर्णायक सदस्य, बी.आर्क. थीसिस के निर्णायक मण्डल, शासकीय वास्तुकला महाविद्यालय, लखनऊ, 17 जून 16।

संजीव सिंह, निर्णायक सदस्य, बी. आर्क. थीसिस जूरी, गवरमेंट कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर लखनऊ, 17 जून, 2016।

रमा यू पांडे, परीक्षक, थीसिस विवा–वाइस परीक्षा, मैनिट भोपाल, 28 जून 2016।

अजय कुमार विनोदिया, जूरी सदस्य, बी. आर्क. थीसिस जूरी, हितकारिणी कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर एंड टाउन प्लानिंग, जबलपुर, 1 जुलाई 2016।

बिनायक चौधुरी, परीक्षक, वीवा–वोस ऑफ पीएच डी, आईआईटी, खड़गपुर, 1 जुलाई 2016।

बिनायक चौधुरी, परीक्षक, जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन, 4 अगस्त 2016।

बिनायक चौधुरी, पीएचडी शोध प्रबंध की पूर्व अंतिम समीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक, मैनिट, भोपाल, 7 सितम्बर 2016।

बिनायक चौधुरी, परीक्षक, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, 19 सितम्बर 2016।

अजय कुमार विनोदिया, पेपर सेटर, बी. आर्क. परीक्षा, एमआईटीएस ग्वालियर, 10 अक्टूबर 2016।

प्रशांति राव, निर्णायक सदस्य, मिड सेम स्टूडियो प्रस्तुतिकरण, (बी.प्लान. तृतीय वर्ष) पंचम सेमेस्टर, एसपीए विजयवाड़ा, आन्ध्रप्रदेश, 14 अक्टूबर 16।

बिनायक चौधुरी, सम्मेलन पत्रों के पेपर रिव्यूवर, सस्टेनेबल बिल्ट पर्यावरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईटी, रुड़की, 17 अक्टूबर 2016।

रचना खरे, परीक्षक, पीएचडी मूल्यांकन, राष्ट्रसंत तुकाजी महाराज विश्वविद्यालय, नागपुर, 21 अक्टूबर 16।

आनंद वाडवेकर, परीक्षक, शोध समीक्षा समिति, प्रियदर्शिनी आर्किटेक्चर इन्स्टीटयूट एण्ड डिज़ाइन स्टडी, नागपुर, 17 अक्टूबर 2016।

बिनायक चौधुरी, पेपर सेटर, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे, 27 अक्टूबर 2016।

अमित चटर्जी, परीक्षक, प्लानिंग स्टूडियो–अ (जोनल प्लान) चसं–317, मैनिट, भोपाल, 25 नवंबर 2016।

अमित चटर्जी, परीक्षक, एडवांस्ड रिसर्च मेथड्स – एमपीईपी 302 एम. पलानिंग (इपीएम) और एमपीयूआर 302 एम. प्लानिंग (यूआरपी) द्वितीय वर्ष तृतीय सेमेस्टर के छात्र, एसपीए विजयवाड़ा, 3 दिसम्बर 2016।

गौरव वैद्य, बाह्य जांचकर्ता, एण्ड टर्म एग्जामिनेशन, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग पुणे, 5 दिसम्बर 2016।

गोविंद एम.पी., परीक्षक, द्वितीय समेस्टेर, पर्यावरण योजना स्टूडियो मौखिक परीक्षा, एसपीए विजयवाड़ा, 9 दिसंबर 2016।

सौरभ पोपली, निर्णायक सदस्य, ला फाउंडेशन इंडिया, छात्रों के लिए अंतरराष्ट्रीय डिज़ाइन प्रतियोगिता, लैंडस्केप आर्किटेक्चर फाउंडेशन, विकासपुरी इंडिया, 10 दिसम्बर 2016।

आरती जायसवाल, परीक्षक, बी.आर्क. तृतीय सेमेस्टर एंड टर्म डिज़ाइन मौखिक परीक्षा, मैनिट, भोपाल, 20 दिसंबर 2016।

अजय कुमार विनोदिया, निर्णायक अध्यक्ष, आर्किटेक्ट के चयन के लिए डिज़ाइन प्रतियोगिता, स्टेट बैंक फाउंडेशन संस्थान (एसबीएफआई), चेतना, इंदौर, 10 जनवरी 2017।

गौरव सिंह, निर्णायक सदस्य, डिज़ाइन प्रतियोगी, स्टेट बैंक फाउंडेशन संस्थान (चेतना), इंदौर, 10 जनवरी 2017।

अशफाक आलम, परीक्षक एम. एकिस्टिक्स की समाप्ति परीक्षा, जामिया मिलिया इस्लामिया केंद्रीय विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 16 जनवरी 2017

गौरव सिंह, परीक्षक, एंड टर्म प्रैक्टिकल परीक्षा, अमिटी स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, अमिटी यूनिवर्सिटी राजस्थान, जयपुर, 27 जनवरी 2017।

नयना आर. सिंह, परीक्षक, एंड टर्म प्रैक्टिकल परीक्षा, अमिटी स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, अमिटी यूनिवर्सिटी, जयपुर, 27 जनवरी 2017।

संजीव सिह, निर्णायक सदस्य, आईआईएसईआर ब्रह्मपुर, आईआईएसईआर भोपाल के प्रतीक चिन्ह के चयन/अनुशंसा की समिति, 3 फरवरी 2017।

रचना खरे, निर्णायक सदस्य, बी.प्लान. थीसिस, एसपीए विजयवाड़ा, 14 मार्च 17।

बिनायक चौधुरी, समीक्षाकर्ता, ज्ञान प्रस्ताव की समीक्षा, आईआईटी, खड़गपुर, 20 मार्च 2017।

उपलब्धि एवं घोषणा

पुरस्कार

संदीप संकट, शहर के शीर्ष 10 आर्किटेक्ट्स की सूची में चयनित और सम्मानित (अकादमी), आईआईए भोपाल, 5 अप्रैल 2016।

रचना खरे, माननीय राष्ट्रपति महोदय द्वारा 'इन्सपायर्ड टीचर' सम्मान से सम्मानित, राष्ट्रपति भवन, दिल्ली, 23 से 29 अप्रैल 2017।

अजय कुमार विनोदिया, पीएच डी सम्मान, इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स इंडिया, एमपी क्षेत्रीय भाग, 28 जुलाई 2016।

संदीप संकट, एनसीपीईडीपी एमपीएचएएसआईएस यूनिवर्सल डिज़ाइन अवार्ड 2016, विकलांगों के रोजगार संवर्धन हेतु राष्ट्रीय केंद्र (एनसीपीईडीपी) नई दिल्ली, 14 अगस्त 2016।

संजीव सिंह, छात्र चैरिटी 2016 – वर्ल्ड आर्किटेक्चर फेस्टिवल, मार्को गोल्डस्मिड फाउंडेशन एवं पर्किन्स + विल बर्लिन जर्मनी, 18 नवंबर 2016।

संदीप अरोड़ा, बेस्ट पेपर अवार्ड्स, ट्रैक–एनर्जी एफिसियेंट आर्किटेक्चर/सिविल, ओरिएंटल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भोपाल, 21 जनवरी 2017।

अपूर्व श्रीवास्तव, बेस्ट पेपर आवार्ड, कुशल वास्तुकला/सिविल ट्रैक–ऊर्जा, ओरिएंटल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टैक्नोलॉजी, भोपाल, 21 जनवरी 2017।

बिनायक चौधुरी, मान्यता प्राप्त समीक्षक का स्तर, एल्सवेयर लिमिटेड, किडलिंगटन, ऑक्सफोर्ड, यू.के., 22 फरवरी 2017।

डिग्री

अजय कुमार विनोदिया, पीएचडी, एसपीए भोपाल, 8 अक्टूबर 2016।

फैलोशिप/स्कालरशिप

सौरभ तिवारी, पीएच.डी. फैलोशिप, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, 1 अप्रैल 2016।

काकोली साहा, शहरी डिज़ाइन और योजना विभाग की यात्रा के लिए ईरासमस छात्रवृत्ति, एनटीएनयू, नार्वे, इरास्मस प्लस, ग्लोबल गतिशीलता कार्यक्रम के ढांचे के तहत, 2016, यूरोपियन यूनियन, 1 सितम्बर 2016।

कर्णसेन गुप्ता, ईरासमस ग्लोबल मोबिलिटी प्लस प्रोग्राम, एनटीएनयू, नॉर्वे, 1 नवंबर 2016।

अरविंद कुमार मील, मैनेजमेंट में फैलो प्रोग्राम फैलोशिप, भारतीय प्रबंधन संस्थान, कलकत्ता, 22 मार्च 2017।

ट्रवल ग्रांट

तापस मित्रा, अल्प लागत/लागत रहित सम्मेलन के लिए यात्रा अनुदान, ईटीएच, ज्यूरिख, 1 जुलाई 2016।

Annual Report

2016-17

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

(An Institution of National Importance, M.H.R.D., Govt. of India)

Campus Neelbad Road, Bhauri, Bhopal 462 030

Website www.spabhopal.ac.in **Phone** +91 755 252 6800

CONTENTS

S.No.	Information	Pages
01	Director's Foreword	01
02	Organization	02
03	Board of Governors	03
04	Finance Committee	04
05	Senate	05
06	Buildings & Works Committee	06
07	Institute functionaries	07
08	Faculty (Department of Planning and Architecture)	08
09	Administrative Functionaries	11
10	Academic Programmes	13
11	Central Facilities	15
	Library	15
	Graphics Laboratory	17
	Computer Center	17
	GIS Laboratory	18
	Architecture Workshop	20
12	Centers	21
	Center for Human Centric Research (CHCR)	21
	Center for Cultural Knowledge System (CCKS)	23
13	SPA Press	25
14	Research and Consultancy Projects	26
15	Institutional Activities	30
16	GIAN/Workshops/Special Lectures	34
17	Training & Placement Cell	40
18	Student Activities	41
19	Student Awards & Achievements	44
20	Studio Briefs	46
21	Contribution of Faculty Members	59
	Publications	59
	Academic Event Participation	65
	Invited Lectures	71
	Academic Panels	72
	Professional Panels	74
	Jury/Viva/Examination	76
	Awards and Achievements	78
22	Annual Accounts	80

Director's Foreword

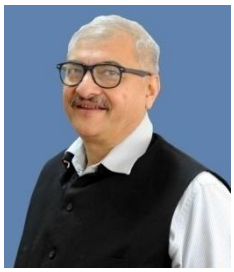

With great satisfaction, I am presenting the Eighth Annual Report (2016-17) of School of Planning and Architecture, Bhopal. The government of India through Gazette Notification dated 18th December 2014 declared the School of Planning and Architecture, Bhopal as an "Institution of National Importance" and now the School is governed by the aforesaid Act.

Institute has been imparting quality education by offering Under Graduate, Post Graduate and Doctoral programmes in Planning and Architecture. As on date, total student strength of the institution is 643.

The Annual Report covers activities and achievements of Department of Architecture and Planning and their faculties. This indicates the commitment of the School towards quality education and social sustenance. The Annual Report also comprises activities organized during the year as per the directive of Government of India. The multidisciplinary Centers as 'Centre for Human Centric Research (CHCR) and Centre for Cultural Knowledge System (CCKS) has been functioning in consonance with the ethos of SPAB Charter of "Social Sustenance'. The School has been undertaking a research project of Government of India and other Institutions throughout the country. Design Innovations Centre (DIC) and Global Initiative for Academic Network (GIAN) are the two major projects of Government of India amongst all.

It is a matter of pride that the School is completely functioning from its own campus at Bhauri with the infrastructure - three Hostel buildings, Students Amenities Block, sports ground, parking area, road network, QIP Centre, Gate Complex and some staff quarters in the campus.

As envisaged in our charter, SPA, Bhopal has already taken a lead role in the field of architecture and planning education in India. The School organized many national and international events to nurture the appropriate educational environment in the country. I am happy to share that our internationally referred journal called 'SPANDREL' is now established as respected 'among the architecture fraternity'. Institute has recently published the 12th issue of SPANDREL on the theme "Geo-Spatial Aspect of Planning and Development" and 2nd issue of "SPANDAN" – Annual Hindi Patrika.

I sincerely express my gratitude to our Chairman Prof. Bimal Patel, first Chairman of the Board of Governors constituted as per SPA Act of 2014, officials of MHRD, Government of India, officials of Madhya Pradesh Government and to Hon'ble members of our Board of Governors for their continued support in developing this Institute and its mission for realizing objectives for which it has been established.

Prof. Chetan Vaidya
Director (Additional Charge)

Organization

School of Planning and Architecture was established by the Government of India in the year 2008 and has been declared as an "Institute of National Importance" in December 2014 by an act of parliament.

The school is committed to producing best Architects and Planners for the Nation to take up the challenges of physical and socio-environmental development of global standards. This is being developed as ' the University of Imagination', where a sense of inquiry prevails amongst all stakeholders/students, researchers, professors and society at large. School of Planning and Architecture will strive for Social sustenance through universal design, cultural sustenance through conservation and environmental sustenance through the discipline of Architecture, Planning and Design.

The Institute strives

To create School of Planning and Architecture, Bhopal as a centre of excellence for imparting quality education at undergraduate, postgraduate, doctoral and post-doctoral levels in Planning and Architecture.

To create a national level research and development centre with special emphasis on research and consultancy work in the field of Planning and Architecture.

To create a national level research and database centre and decision support centre for the preparation and implementation of settlement and habitat development programme for the Government.

To create the nodal centre for mentoring other architecture and spatial planning institution in the central region.

To create a cadre of high-calibre faculty members who will be devoted to teaching, research and consultancy in all disciplines that deal with Planning and Architecture.

To become a socially responsible institution providing research feedback to the Government for the physical development of human settlements.

Board of Governors

Dr. Bimal H. Patel
Chairman

Prof. Chetan Vaidya
Director (Additional Charge)

S.P. Goyal
Joint Secretary (NITs & DL)
Ministry of Human Resource Development,
Govt. of India

Darshana M. Dabral
Joint Secretary & Financial Advisor
Department of Higher Education,
Ministry of Human Resource Development,
Govt. of India

Neeraj Mandloi
Joint Secretary
Ministry of Urban Development,
Govt. of India

Kalpana Shrivastava
Addl. Chief Secretary (Technical Education)
Govt. of Madhya Pradesh

Prof. Najamuddin
Secretary General
Institute of Town Planners, India

Vijay Garg
Vice-President
Council of Architecture

Ashutosh Agarwal
Architect
New Delhi

Prof. (Mrs.) Pushplata
Professor
Indian Institute of Technology,Roorkee

Prof. Ajay Khare
Department of Architecture

Prof. Binayak Choudhury
Department of Planning

Rajesh Moza
Secretary & Registrar

Finance Committee

Dr. Bimal H. Patel
Chairman

Prof. Chetan Vaidya
Director (Additional Charge)

Dr. D.S. Meshram
President
Institute of Town Planners, India
New, Delhi

S.P. Goyal
Joint Secretary (NITs & DL)
Ministry of Human Resource Development,
Govt. of India

Darshna M. Dabral
Joint Secretary & Financial Advisor
Department of Higher Education,
Ministry of Human Resource Development,
Govt. of India

Shaju Varghese
Deputy Registrar

Rajesh Moza
Secretary & Registrar

Senate

Prof. Chetan Vaidya
Director (Additional Charge)
Chairman

Pramod Balakrishnan
Architect and Interior Designer, Chennai

Dr. A. Srivathsan
Academic Director
CEPT University, Ahmedabad

Sanjay Prakash
Architect
New Delhi

Champaka Rajgopal
Planner
Bangalore

Shalini Sinha
Associate Professor
CEPT University, Ahmedabad

Prof. Ashok Kumar
Professor
Dept. of Physical Planning
SPA, New Delhi

Satish Kumar Singla
Architect
Hisar, Haryana

Prof. Rajiv Mishra
Principal
Sir. J.J. College of Architecture, Mumbai

Prof. Ajay Khare
Dean (Academic Affairs)

Prof. Sanjeev Singh
Dean (Planning & Development)

Prof. Binayak Choudhury
Dean (Research & Development)

Dr. Tapas Mitra
Head of Department (Architecture)

Prof. N. R. Mandal
Head of Department (Planning)

Prof. Rachna Khare
Professor (Architecture)

Dr. Ajay Kumar Vinodia
Associate Professor (Architecture)

Dr. Sandeep Sankat
Associate Professor (Architecture)

Dr. Kshama Puntambekar
Assistant Professor (Planning)

Dr. Vishakha Kawathekar
Assistant Professor (Architecture)

Rajesh Moza
Secretary & Registrar

Buildings & Works Committee

Prof. Chetan Vaidya
Director (Additional Charge),
Chairperson

Prof. Najamuddin
Secretary Ganeral
Institute of Town Planners, India

Dr. B. K. Bhadri
Assistant Educational Adviser (DL)
Department of Higher Education,
Ministry of Human Resource Development,
Govt. of India

Prof. Sanjeev Singh
Dean (Planning & Development)

Ramesh Kumar
Superintending Engineer (Civil)
CPWD, Bhopal Circle

Kailash Naik
Superintending Engineer (Electrical)
CPWD, Bhopal Circle

Rajesh Moza
Secretary & Registrar

Institute Functionaries

Director (Additional Charge)	Prof. Chetan Vaidya
Dean - Academic Affairs	Prof. Ajay Khare
Dean - Planning & Development	Prof. Sanjeev Singh
Dean - Research & Development	Prof. Binayak Choudhury
Head - Department of Planning	Prof. Nikhil Ranjan Mandal
Head - Department of Architecture	Dr. Tapas Mitra
Controller of Examination	Gourav Singh
Associate Dean (Planning & Development)	Dr. Ajay Kumar Vinodia
Associate Dean (Faculty Welfare)	Piyush Hajela
Associate Dean (Student affair)	Dr. Sandeep Sankat
Faculty In-Charge (Library)	Sanmarga Mitra
Faculty In-Charge (Training & Placement)	Sandeep Arora
Warden (Boy's Hostel)	Dr. Devarshi Chaurasia
Warden (Girl's Hostel)	Dr. Rama Umesh Pandey
Assistant Wardens (Boy's Hostel)	Karna Sengupta
	Premjeet Das gupta
Assistant Wardens (Girl's Hostel)	Gayatri Nanda
	Dr. Kakoli Saha
Cultural Coordinators	Dr. Kshama Puntambekar
	Brishbhanlali Raghuvanshi
Alumni Coordinators	Dr. Devarshi Chourasiya
	Dr. Amit Chatterjee
	Nayana Singh
Sports Coordinators	Arvind Kumar Meel
	Sushil Kumar Solanki
	Apurv Shrivastava
	Brishbhanlali Raghuvanshi

Faculty

DEPARTMENT OF PLANNING

Name	Specialization
Dr. Binayak Choudhury Professor	Urban and Regional Economics, Regional Analysis, Urban Government and Finance, Quantitative Methods
Dr. Nikhil Ranjan Mandal Professor	Urban Planning, Architecture
Dr. Sheuli Mitra Associate Professor	Urban Infrastructure and Transport Facilities Planning, Real Estate Management
Dr. Kshama Puntambekar Assistant Professor	Urban Planning, Land Use and Travel Behavior, Biodiversity and Urban Planning
Ashfaque Alam Assistant Professor	Urban and Regional Planning, Urban Governance, Urban Development
Dr. Rama Umesh Pandey Assistant Professor	Environmental Planning, Climate Change and Ecosystem Services
Dr. Arti Jaiswal Assistant Professor	Housing and Real Estate Planning, Solid Waste Management
Govind MP Assistant Professor	Environmental Planning, Urban Infrastructure Planning
Dr. Amit Chatterjee Assistant Professor	Urban and Regional Planning, Metropolitan Planning and Development
Garima Srivastava Assistant Professor	Natural Resource Management, Rural Planning and Environmental Planning
Paulose N.K. Assistant Professor	Transport Planning, Regional Planning, Urban Infrastructure and Management, GIS
Bade Shomit Dilip Assistant Professor	Environmental Planning, Sustainable Development and Architecture
Premjeet Das Gupta Assistant Professor	Transportation Planning, Urban Governance
Gaurav Vaidya Assistant Professor	Urban Infrastructure Planning
Dr. Kakoli Saha Assistant Professor	Application of GIS & Remote Sensing in spatial Planning.

DEPARTMENT OF ARCHITECTURE

Name	Specialization
Dr. Ajay Khare Professor	History of Architecture, Urban Design and Conservation
Dr. Sanjeev Singh Professor	Architectural and Environmental Planning
Dr. Rachna Khare Professor	Architecture, Universal Design and Human Centric Studies in Architecture
Prof. Savita Subherwal Raje Professor (On deputation- till 18/07/2016)	Architecture & Landscape Architecture
Dr. Tapas Mitra Associate Professor	Design Theory and Urban Studies
Piyush Hajela Associate Professor	Architecture and Urban Design
Dr. Ajay Kumar Vinodia Associate Professor	Architecture and Infrastructure Development Planning
Dr. Sandeep Sankat Associate Professor	Architecture and Ekistics, Universal Design and Human Centered Design
Saurabh Popli Associate Professor	Landscape Architecture
Dr. Vishakha Kawathekar Assistant Professor	Architectural Conservation
Dr. Anand Wadwekar Assistant Professor	Architecture and Urban Design
Gaurav Singh Assistant Professor	Architecture and City Planning
Dr. Devarshi Chaurasia Assistant Professor	Architecture and Urban Planning with Emphasis on Transportation
Ramesh P. Bhole Assistant Professor	Architectural Conservation
Dr. Sukanta Majumdar Assistant Professor	Product Designing and Product Service System Designing
Manjusha Misra Assistant Professor (till - 05/07/2016)	Urban Design
Sandeep Arora Assistant Professor	Sustainable Architecture
Sanmarga Mitra Assistant Professor	Architecture and Urban Planning

Parama Mitra Assistant Professor	Architecture and Urban Planning
Nayana R. Singh Assistant Professor	Architecture and Construction Management
Shweta Saxena Assistant Professor	Architecture, Energy and Environmental Design
Sonal Tiwari Assistant Professor	Architecture and Landscape Architecture
Arvind Kumar Meel Assistant Professor	Architecture and Building Engineering and Management
Gayatri Nanda Assistant Professor	Architecture and Urban Design
Brishbhanlali Raghuwanshi Assistant Professor	Architecture, Vernacular Architecture and Traditional Knowledge System
Karna Sengupta Assistant Professor	Architecture and Urban Design
Saurabh Tewari Assistant Professor	Basic Design, Visual Communication Design, History of Design and Architecture
Apurv Shrivastava Assistant Professor	Advanced Construction Management
Shweta Vardia Assistant Professor	Conservation Practices and Traditional Materials, History and Settlement Study
Sushil Kumar Solanki Assistant Professor	Architecture, Design and Construction Management
Ashish Patil Assistant Professor	Visual Arts
Poonam Khan Assistant Professor	Architecture Pedagogy

Administrative Functionaries

Name	Designation
Prof. Chetan Vaidya	Director (Additional Charge)
Rajesh Moza	Registrar
Shaju Varghese	Dy. Registrar (Finance & Accounts)
Rajendra Kumar Jena	Assistant Librarian
Manish Vinayak Zokarkar	Assistant Registrar (Stores & Purchase)
Amit Khare	Assistant Registrar (Academics)
Deepali Bagchi	Assistant Registrar (Administration)
Anand Kishor Singh	Section Officer (Administration)
Ram Prakash Yadav	Section Officer (Finance & Accounts)
Praveen Jaiswal	Section Officer (Finance & Accounts)
Sarita Panwar	Section Officer (Academics)
Maqsood Alam Ansari	Asst. Engineer cum Project Officer
Vaishali Hedaoo	Private Secretary
Pratibha Singh	Multi Skill Assistant
Abhinav Shrivastava	Junior Superintendent
Dr. Pramod Dubey	Junior Superintendent
Aliya Ali	Personal Assistant
Vivekanand Singh	Multi Skill Assistant
Prerana Jain	Accountant
Kush Shrivastava	Accountant
Dhan Bahadur Poon	Junior Superintendent
Yogendra Joshi	Junior Engineer (Civil)
Chandra Shekhar Gupta	Junior Engineer (Electrical)
Pradeep Hedaoo	Multi Skill Assistant
Ramendra Singh Sisodiya	Multi Skill Assistant
Naveen Kumar Bidare	Multi Skill Assistant
Sista Srinivasa Rao	Personal Assistant
Dilip Rangare	Junior Superintendent
Nisha Nair	Accountant
Mamta Solanki	Nursing Assistant

Priya Jain	Nursing Assistant
Mukesh Kumar Upadhyay	Assistant Sports Officer
Sunil Kumar Jaiswal	Hindi Assistant
Ankit Chourasia	Workshop/ Studio Assistant
Tarak Nath Saha	Jr. Assistant
Swati Bilaiya	Jr. Assistant
Swapnil Lowanshi	Jr. Assistant
Sujeet Kumar Bairagi	Jr. Assistant
Ram Singh Yadav	Technical Assistant
Neha Tiwari	Technical Assistant
Amit Kumar Bansal	Technical Assistant
Gireesh Prasad Sati	Jr. Assistant
Bindu Suresh	Jr. Assistant
Kamlesh Chaure	Technical Assistant
Jitendra Kumar	Technical Assistant
Ashok Kumar Mishra	Library Assistant
Subhash Sharma	Library Assistant
Ripan Ranjan Biswas	Library Assistant
Renu Pathak	Library Assistant
Jitendra Billore	Jr. Assistant
Gopal Digambar Sali	Jr. Assistant
Pushpendra Singh	Jr. Assistant
Ghanshyam Rai	Jr. Assistant
Sujeet Kumar Singh	Hostel Assistant/ Hostel Caretaker
Manisha	Hostel Assistant/ Hostel Caretaker
Manish Namdev	Lab Attendant

Academic Programmes

Academic Year: Odd Semester: July – December, Even Semester : January – May
System of Examination: Semester System
Courses of Study: Bachelor's Programme

GRADUATE PROGRAMME

Bachelor of Architecture: Admission procedure for Bachelor of Architecture Programme through Joint Entrance Exam (JEE Mains) conducted by CBSE in April.
Eligibility: 12th standard Sr. School Certificate of CBSE/State Board or equivalent securing 50% aggregate with Maths.
Course Duration: 5 years
Seats 75

Bachelor of Planning: Admission procedure for Bachelor of Planning Programme through Joint Entrance Exam (JEE Mains) conducted by CBSE in April.

Eligibility: 12th standard Sr. School Certificate of CBSE/State Board or equivalent securing 50% aggregate with Maths.
Course Duration: 4 years
Seats 30

POSTGRADUATE PROGRAMMES

Master of Architecture: Admission procedure for Master of Architecture Programme through written test & personal Interview conducted by Institute.

Existing Courses:

Master of Architecture (Conservation)	Seats	20
Master of Architecture (Landscape)	Seats	20
Master of Architecture (Urban Design)	Seats	20

Eligibility: B. Arch. with 55% aggregate marks or B. Plan with one year experience and 55% aggregate marks.
Course Duration: 2 years.

Master of Planning: Admission procedure for Master of Planning Programme through written test & personal Interview conducted by Institute.

Existing Courses:

Master of Planning (Environmental Planning)	Seats:	20
Master of Planning (Urban & Regional Planning)	Seats:	20

Eligibility: B.Arch./ B.Plan./ B.E./ B.Tech. in Civil Engineering/ M.Sc./ M.A. in Geography/ Economics/ Sociology with 55% aggregate marks.

Course Duration: 2 years

DOCTORATE DEGREE

Seats: 10 per year

The school offers a Doctoral programme in the fields of Architecture and Planning.

Eligibility: Master's Degree in Architecture/ Planning/ Technology/ Design disciplines or equivalent degree with minimum 60% marks (55% for SC/ST/PWD) OR B.Arch./ B.Plan. degree with minimum 60% marks (55% for SC/ST/PWD), minimum five years of professional experience and at least one publication in Journal/ Conference proceedings.

RESERVED SEATS (SUPERNUMERARY)

DASA scheme (Direct Admission of Students abroad) institute also takes admission in UG and PG Programme through DASA Scheme of MHRD Government of India.

Kashmiri Migrants.

Wards/ dependents of the Defense/ Paramilitary personnel killed or permanently disabled in action during or peacetime operations (DS category) for preferential allotment of courses.

Academic Programmes:

Under Graduate Programmes	Annual Intake
Bachelor's Degree Course in Architecture (Five Years)	75
Bachelor's Degree Course in Planning (Four Years)	30
Post Graduate Programmes (Two Years programmes)	
Master of Architecture (Conservation)	20
Master of Architecture (Landscape)	20
Master of Architecture (Urban Design)	20
Master of Planning (Environmental Planning)	20
Master of Planning (Urban & Regional Planning)	20
Doctoral Programme in Architecture and Planning	
Total enrolled students upto session 2016-17	35
Total Number of Students As on 31.03.2017	643

Central Facilities

LIBRARY

The institute library serves as a creative and innovative partner to support the teaching, learning and research activities of the institute. Its main objective is to meet the rising expectations of the student community by providing unparalleled services that advance the institute's mission to create new knowledge. This is one of the vital organs of the institute to meet the mission of academic excellence. It also acts as an indispensable unit of the institute to bring an innovative and dynamic educational change in partnership with the institute's faculty, students and staff.

Library houses quite a good number of print and electronic resources in the field of Architecture and Planning. The books are arranged subject wise for easy and quick access. Open access system has been adopted to ensure more freedom to the users and reduce the gap between the user and the collection. Experienced, cooperative and professionally trained library staff are employed for systematic organization of the library documents as well as to maximize their usage. The library has around 850 users which include students, research scholars, faculty and staff.

Library Collection: The library has a rich collection especially in the field of architecture and planning. The library collection includes books (textbooks, reference books, reports, conference proceedings, CD-ROMs, etc.), journals, dissertations, online databases, etc.

Books and Micro Documents: The library has a total collection of around 10500 books (7956 titles) which covers different sub-areas of Architecture (5644 books) and Planning (3154 books) like architectural structure, history of architecture, public structures, religious & residential buildings, building construction, structural engineering, landscape architecture, interior design & decoration, decorative arts, urban & regional planning, construction management, economics, sustainable development, drawings, paintings, classics, etc. Besides this, the library has around 400 books related to research methodology.

Journals & Bound Volumes: Library subscribes 98 current journals (37 national and 61 international). It includes 50 journals which can be accessed online throughout the campus. Besides the current journals the library also has around 1200 bound volumes. Procurement of journal archives of the highly used journals is under process.

Theses and Dissertations: Library has 649 dissertations and theses which includes B. Arch. (268), B. Plan. (149), M. Arch. (96), M. Plan. (128), and Ph.D. (4). Full-text access to all of them is available within campus network through DRS (Digital Repository Service) developed by the library.

Databases: Subscribes two international bibliographic databases (i.e. Avery Index to Architectural Periodicals and Proquest Dissertations & Theses) and two socio-economic databases (i.e. *indiastat.com & districtsofindia.com)*.

Anti-Plagiarism Software: Library also subscribes an anti-plagiarism software *URKUND* to maintain the quality of in-house research dissertations and theses.

Library Automation and IT Applications: Library services and housekeeping operations are automated with the help of library management software. Detailed information about the library collections and services is available on its web page (http://www.spabhopal.ac.in/#Library) and updated regularly.

The library catalogue is available online throughout the whole academic campus. Newly acquired books and journals are being added to the database on an immediate basis. Library adheres to the principle of continuous improvement and to prove itself as an innovative, effective and efficient unit in the institute. Simultaneously, there is a constant effort by the library to serve its user community in an effective and innovative way.

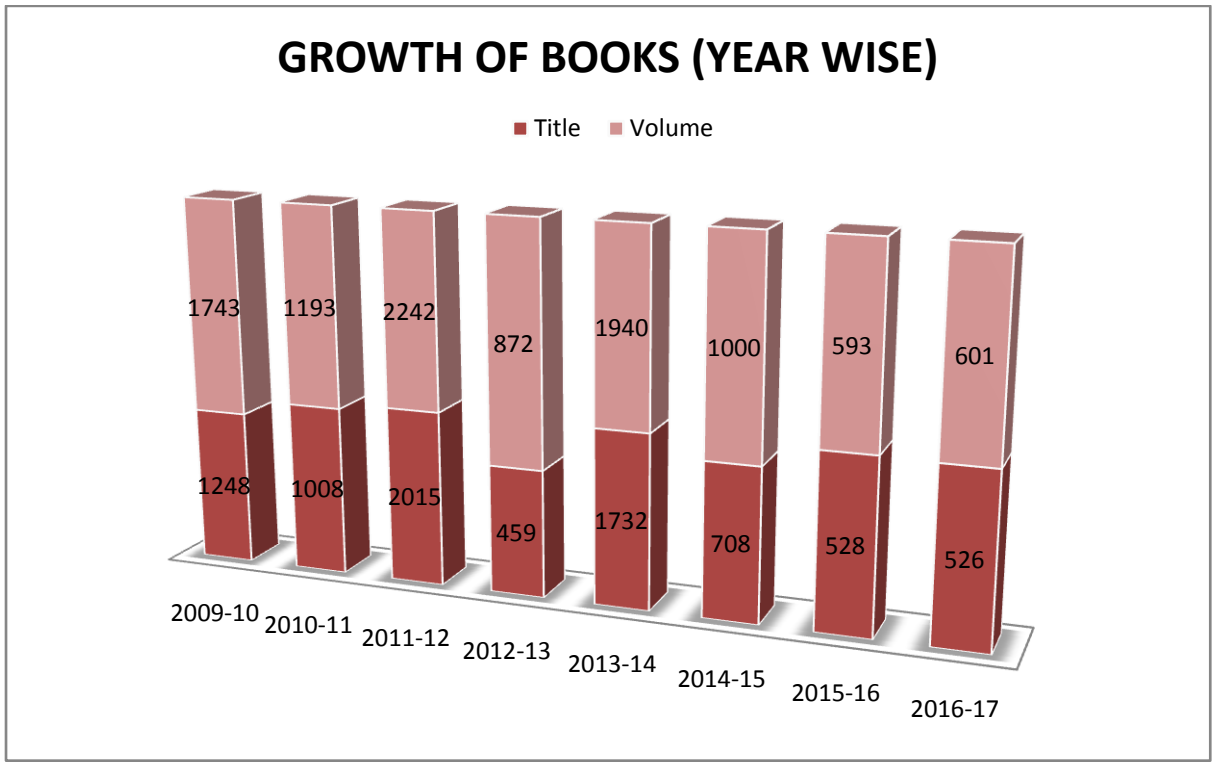

GRAPHICS LABORATORY

Today, there are many types of software that aid the multi-faceted profession of Architecture and Planning. The institute has two fully equipped labs with more than 75 Computers. The Aim of the each lab is to equip and update the students with knowledge & practice of relevant & latest Software, so that they can use these tools towards design development and implementation related drawings and documents. Graphics lab is well facilitated for the regular Classes like CAD Classes, Sketch-up Classes and Computer Application Classes with supports of faculty and staff members. Also, the lab is used for the seminar presentations of the student and taking examinations of the CAAD lab, which is the part of student academics.

The computers are installed with a broad range of software essential for the profession of architecture and planning, such as Autodesk (3ds Max, AutoCAD, Revit, Inventor), graphics software, Corel Draw, Adobe Photoshop, Creative Cloud and other 2-d/3-d image rendering software. All the computers in the lab are provided with internet facility. The broadband and wireless connection facilities provide a continuous internet access in the lab. Owing to our highly-qualified computer administrators, technical support is always available to faculty, staff and students on a one-to-one basis as well as in the form of occasionally organized training sessions on general computer literacy and internet browsing. Uninterrupted high-speed (1 Gbps) internet Wi-Fi/cable access is available throughout the institute building.

The well-qualified lab staff manages the website, Web Domains, ERP and web-based applications and Software. To facilitate sharing of educational material, research, services, and library facilities with other institutes in the country, NKN provides high-performance computing facilities, e-Libraries, virtual classrooms and a collection of an extensive database. The NKN will enable scientists, researchers and students from different backgrounds and diverse geographic locations to work in close cooperation for advancing human development in critical and emerging areas.

COMPUTER CENTER

Network : The Computer Centre / Data Centre of SPA Bhopal provides internet support to Graphics Lab, GIS Lab, library, studios, hostels, faculty and staff terminals. There are more than 1000 users. High-speed (1 GBPS) internet Wi-Fi/cable access is available throughout the institute campus. This facility is offered by National Knowledge Network (NKN) - National Informatics Centre (NIC) Bhopal and also through a dedicated standby arrangement of 100mbps internet speed from RAILTEL Corporation of India Ltd.

NKN facilitates sharing of educational material, research, services and library facilities with other institutes in the country, NKN provides high-performance computing facilities, e-libraries, virtual classrooms and a collection of large database, all of which provide state-of-art access to educational material at SPA Bhopal, In addition, technical support is provided to students, faculty and staff of the institute. Computer centre staff manages Web-based e-mail access, web site maintenance and network related issues including the provision of technical support for hardware and software.

Security : Institute network has the facility of the firewall to control unethical activities in the network & institute-wide policy for users, staff & faculty. Wireless Networks–provides high-speed connectivity to hostels, academic buildings & offices with the help of latest technology. High-speed connectivity is provided to graphics Lab & GIS Lab for data.

Server : A high-end Blade server is used for fast processing of data & applications. Dedicated Libsys software is used for institute library for online catalogue and seamless search on a separate server. Accounts department of the institute uses Payroll software on a dedicated server, using Saral and Tally software.

GIS LABORATORY

Academic Requirement: Remote Sensing and GIS are a part of the syllabus both for the students of Planning and Architecture. As a part of the course contents, the students are required to learn various related aspects of the subject, such as software with hands-on practice to undertake academic projects.

GIS Lab Development: In 2010, a state of the art GIS laboratory was developed at School of Planning and Architecture, Bhopal, to cater the academic needs of the students in this field. A dedicated space of around 23.0 square meters was allocated for the GIS laboratory on the first floor of the institute building, MANIT campus.

In the year 2013, a new GIS laboratory was developed at SPA Bhopal, Bhauri campus, with additional high-end workstations, latest versions of ArcGIS Desktop and ERDAS Imagine. Apart from this, digital GIS survey instruments were purchased. In 2015-16 after the increased use of lab by both masters and bachelors students and introduction of new master's courses a proposal for expanding the lab was approved in three phases. The first phase purchase is already made.

Purpose of the Lab: This laboratory provides Remote Sensing, GIS, and 3D Modeling resources useful for the students to prepare maps, analyze and query the spatial/geographic data. It is equipped with high-end hardware, latest software, high-resolution satellite data and vector data.

GIS Laboratory Resources: Since the establishment of the lab in 2010, it has constantly been upgraded. The following table gives the details of the available / upgraded resources (hardware, software and data): -

	Item	Quantity
Hardware	Work Station (HPZ800,DELL, PRECISION 17600)	18
	Monitors	21
	Colour A3 Printer and Scanner	01
	Topo Mouse(16 Button)	01
	3D Googles(NVIDIA)	02
	Graphic Card(FX 1800 NVIDA)	02
	Handy Cam(Sony)	02
	GPS(Trimble)	05
	DGPS(Trimble,Leica)	02
Software	Arc GIS -10.4	20 User Licenses
	Arc GIS Server-10.4	1 Licenses
	ERDAS Imagine -2016	10 User Licenses
	IRDISI TAIGA-16.5	15 User Licenses
	Leica Photogrammetric Suites(LPS)-2016	05 User Licenses
Satellite Data	LISS-III&IV MX,CARTOSAT-I,&II, STEREO CARTOSAT-I, WORLD VIEW-2	07 Cities (Bhopal, Indore,Ujjain,Dewas, Jabalpur, Gwalior,Thimphu)Bhopal, Ashapuri,Sanchi

Human Resources:
Dr. Kshama Puntambekar, Faculty GIS Lab Incharge
Dr. Pramod Dubey, Jr. Superintendent
Amit Kumar Bansal, Technical Assistant
Jitendra Kumar, Technical Assistant

Training Programmes: Global Initiative of Academic Network [GIAN]: Scenario Analysis for Planners and Policymakers on 25-26 July 2016.

Completed Consultancy Project: Safe Community mapping for a different area of Bhopal city.

GIS Running Projects

- Shyama Prasad Mukharji Urban Mission for Deven cluster of Madhya Pradesh.
- A Study to Develop Appropriate Housing Design Alternatives for the Geo-Climatic Region covering the States of Madhya Pradesh, Chhattisgarh and Inland Maharashtra.
- Climate Informed Environmental Planning for Smart Cities of Madhya Pradesh.
- Topography survey for SAMARPAN RESOURCE CENTERE BHOPAL using DGPS.
- Universal Design Innovation for Heritage funded by Ministry of Human Resource Development, Govt. of India.

Scope of work:

1. GIS mapping of Kumbh Ujjain- cultural heritage.
2. GIS mapping of accessibility at world heritage site like Sanchi, Madhya Pradesh.

Academic Projects In Gis: Studio Exercise in which the GIS Lab is involved across the courses.

		Bachelor of planning		Master of Planning (Urban and Regional Planning)		Master of Planning (Environmental Planning)		Master of Architecture (Urban Design, Landscape Architecture, Conservation)		
S. No.	**Year**	**Reg. Plan Preparation**	**Development Plan Preparation**	**Reg. Plan Preparation**	**Development Plan Preparation**	**Reg. Plan Preparation**	**Development Plan Preparation**	**MUD**	**MLA**	**MCO**
1.	2016	Bangalore	Sagar	Alleppy	Shimla	Kutch	Shilong	Studio Exercise	Studio Exercise	Studio Exercise

ARCHITECTURE WORKSHOP

Workshop at SPAB is a place of learning by making. It is an area where intense investigation, ongoing discourse, prototypes, and models are used to explore ideas through physical form. Students build things here to understand their work better; work that they recognize as being specific to their objectives and to a particular place and time. They improve their skill of model-making and produce models of their design projects to communicate their ideas and generating dialogue. This practice inspires the students to pursue design critically, insightfully, and imaginatively with exceptional depth breadth and ambition. It creates a framework that guides their work in ways that respond to the unique conditions of every context and the individuality of each task. Through this methodology, they arrive at strategic, clear, and mutually understood concepts within their team or with mentors and resolve each project to a high level of detail.

Architectural Workshop at SPAB is 280 sq.mt. light filled, well ventilated & Air Conditioned workspace for architecture students to help develop their three-dimensional visual perceptions. The workshop has dedicated spaces, machinery and technologies for working with a broad range of tools and materials. The students learn proper use of instruments, equipment and machines, different techniques used in model making, selection of equipment according to need of design project, and use of various materials like wood, MDF, polystyrene, forex, acrylic, clay, plaster-of-paris, paper and metal. Architectural workshop practice course in curriculum refers to a series of operations done regularly. These transactions include digital prototyping, carpentry, colour processing and finishing, plaster and metal work.

In order to use the workshop the students attend an induction session and workshop practice course. The induction clarifies what one can expect from the seminar, familiarizes with the health and safety codes, and make them aware of the basic functions of equipment and available tools. Workshop Practice gives the basic working knowledge required for building projects; it explains function, use and application of different working tools equipment, machines as well as the technique used in various operations on raw material and selection of equipment according to the project. It helps students to acquire measuring skills, marking, punching, saw cutting, drilling, fitting practice etc. and importantly general safety precaution which student should take while working in the workshop.

Centers

CENTER FOR HUMAN CENTRIC RESEARCH (CHCR)

The multidisciplinary 'Center for Human Centric Research' housed at SPA-Bhopal work in consonance with the ethos of SPAB charter regarding 'Social Sustenance'; The objective of CHCR is to build a research-based body of knowledge with all realms of the ethnographic, qualitative and quantitative experimental paradigms, to support diverse human population otherwise marginalized in the past design practices; The centre practices 'equity by design' to include vulnerable populations like persons with disabilities, elderly, and social and ethnic minorities. To attain its objective, the centre functions in four major areas, 'Identification of Research Priority Areas and networking', 'Education and Training', Research and Design Development' and 'Dissemination'; It has worked with UNESCO, United Nations ESCAP, NID Ahmedabad, IIT Kharagpur, UC Berkeley, Ministry of Social Justice and Empowerment, Accessibility India Campaign, National Health Mission, ASI, NIOH, Arushi, DRONAH, Ability Unlimited, MMCF etc. The centre has published a special issue "Social Sustenance by Social Equity' of SPANDREL, and international refereed journal. Other publications include a calendar of Universal Design India Principles, two special issues on its activities by 'Design for all Institute of India' and a book 'uniting Differences'' The centre regularly organized special lectures, workshops, public exhibitions, student competitions and awareness campaigns on the concerning areas at national and international level.

The centre was conferred upon NCPEDP-Universal Design Awards twice in 2012 and 2013 at the National level, given by then Ministers of Ministry of Social Justice and Empowerment. Again, in the year 2016 the NCPEDP-Universal Design Award at the national level has been conferred to Dr. Sandeep Sankat. The award has been awarded by then Deputy Minister of Social Justice and Empowerment Mr. Prakash Singh Gurjar, Govt. of India for his contribution in the area of disability and universal design.

Some of the events organized in 2016-17are as follows;

Accessibility Workshop: Awareness workshop on "Accessibility" for future professionals at School of Planning and Architecture Bhopal was conducted from 9th-12th December 2016, in collaboration with Department of Empowerment of Persons with Disabilities, Ministry of Social Justice and Empowerment. The intent of this 4 days workshop was to develop young and aware future professionals to help and create an enabling and barrier-free environment in the country. 50 students from various parts of the country from the disciplines of Architecture, Planning, Design and engineering participated in this workshop. Focused on "Accessibility" the workshop covered a wide range of topics to familiarize students with the concept of accessibility and universal design. This event was coordinated by Rachna Khare, Sandeep Sankat, Shweta Vardia, Sushil Solanki, Poonam Khan, Prashanti Rao, Ankit Kumar.

Ankeshan: An interdisciplinary student competition at SPA Bhopal was organized under DIC project of MHRD in October-December 2016. The competition was focused on themes to develop a technology interface to facilitate the use of access audit toolkit for the stakeholders. The themes were focused on best universal access audit toolkit for urban scale, buildings and heritage sites. This competition was coordinated by Rachna Khare, Sandeep Sankat, Parma Mitra, Sushil Solanki, Ankit Kumar.

One day workshop for the Engineers: With an objective to educate the engineers of the "institute works department" of School of Planning & Architecture, Bhopal along with the PWD engineers working at SPA Bhopal campus, a workshop was organized on 7th March 2017. This workshop educated the engineers with the concept of accessibility and gave the insights for practical application of the aspects of accessibility and universal design in building construction. This event was coordinated by Dr. Sandeep Sankat, Ar. Sushil Kumar Solanki, Ar. Ankit Kumar and Ar. Prashanti Rao.

Guest Editor: Dr. Sandeep Sankat has been appointed as Guest Editor by the Design for All Institute, India for the periodical "Design for All" for the April 2017 issue Volume 12, Number 04. The issue was focused on universal design and accessibility. The CHCR faculty Prof. Rachna Khare, Dr. Sandeep Sankat, Ar. Sushil Kumar Solanki and Ar. Ankit Kumar contributed 7 papers to showcase their work at national and international level.

Access Audit at the School of Planning and Architecture, Bhopal: The young students of B. Arch. First Year conducted a campus-wide access audit to identify the various barriers in the whole campus of SPA, Bhopal. It was an attempt to familiarize and inculcate the concerns required for Universal Design and Accessibility while designing the built environment the exercise was coordinated by Sandeep Sankat and Sushil Kumar Solanki.

DIC Studios (Theme-II): The faculty team consisting of Ajay Khare, Rachna Khare, Nikhil Ranjan Mondal, Sandeep Sankat, Devarshi Chaurasia, Sanmarg Mitra, Parma Mitra, Shweta Vardia, Sonal Tiwari, Sushil Kumar Solanki, Poonam Khan, Kakoli Saha of CHCR is working for the prestigious Design Innovation Center, DIC project of Ministry of Human Resource Development. The project titled "Universal Design Innovation for Heritage" is focused on developing an innovative APP and a Web-based application to provide information on accessibility and safety at heritage sites. The whole DIC intent of research and product development has been integrated in the regular semester academic activities for the session 2016-17 as mentioned below;

Integration of DIC project theme in regular semester academics/activities			
	Academic Activities-DIC project-Universal Design	Detail	Time
1	B.Arch. Design V- BARC 0501	Inclusive Public Building in the historical context of Bhopal (as per syllabus)	July-November 2016
	Elective-II BARC-0906	B.Arch. 5th Year Elective- Barrier-free Environment: Universal Design Standard Innovation	July-November 2016
2	CHCR-0101 Common Pool Elective for all PG (Arch. and Planning) students	Elective Enabling Environments	July-November 2016
3	Conservation Studio MACO-0108	DIC Theme was incorporated in existing studio on Jantar Mantar, Jaipur	July-November 2016

4	MURP Studio-III Sem	DIC Theme was incorporated in existing studio Urban Planning Studio at Shimla	July-November 2016

Invited Lectures: To disseminate the knowledge of Universal Design and Universal Accessibility Dr. Sandeep Sankat has been invited as keynote speaker in the two days 2nd National Conference at SDPS Women's College Indore on 22nd and 23rd February 2017. The topic of keynote address was, *" Universal Access- Challenges in Designing for Disability".*

The AMITY School of Architecture and Planning, Gwalior invited Dr. Sandeep Sankat to be the Chief Guest of the valedictory function for the "National Seminar on Emerging Trends in Sustainable Urban Development" and to deliver a presentation on the topic "Sustainable Urban Development and Universal Access in Exterior and Interior built Environment" on 28th February 2017, for the wide publicity of the concept of Universal Design and Accessibility.

Dr. Sandeep Sankat also delivered a presentation as an invited expert from the CHCR to talk on the topic "Infrastructure Development and Universal Access in Built Environment" in the 15-day long AICTE sponsored Quality Improvement Programme on "Infrastructure Development" at Madhav Institute of Technology and Science, Gwalior.

The other invited talks include:

Supported and independent living for Adults with Autism by Rachna Khare on 3rd April 2017 at National Conference on Autism, Vigyan Bhavan, Delhi, Organized by National Trust, Ministry of Social Justice and Empowerment, GoI.

Universal Access in Heritage Sites; Examples of Explorations by Rachna Khare on 3rd-4th March, 2017 at Universal Accessibility in Heritage Monuments and Sites, Organized by UD Center- BNCA Pune and Archeological Survey of India

Universal Design Innovation on 10th January at Dehradun Institute of Technology, Dehradun.

Universal Design Pedagogy on 30th November at NIASA –QIP, Integration of Allied Subjects in Architectural Education, Organized by Bharti Vidyapeeth College of Architecture, Navi Mumbai.

CENTER FOR CULTURAL KNOWLEDGE SYSTEM (CCKS)

Center for Cultural Knowledge Systems (CCKS) is a centre of excellence for imparting quality education in the area of heritage protection and conservation with database centre and striving to become a socially responsible institution CCKS providing research for building conservation to promote and practice conservation inclusive of social and cultural sustenance. CCKS maintain equal emphasis on the theoretical understanding of the conceptual and philosophical frameworks and practice of conservation including intervention and its implications at various levels. CCKS encourages innovative methodologies for undertaking conservation in the multi-disciplinary field of cultural resources in India and provides technical guidance and leadership.

The Activities conducted this include:

Workshop

Workshop at Marg Institute of Design and Architecture (MIDAS), Chennai on 21st-23rd October, 2017

A workshop titled 'Documentation and Listing of Historic structure' was conducted at MARG Institute of Design and Architecture Swarnabhoomi (MIDAS), located on the East Coast Road nearer to Pondicherry. It was a three-day workshop conducted by experts coming from different parts of the country and was lead by Dr.Vishakha Kawathekar, Head CCKS, School of Planning and Architecture Bhopal. There were around 35 students from different batches and few faculties also participated in the workshop.

The Workshop enabled the students to understand the concept or process of conservation through various projects happening in India.

The students did documentation of was 'Our Lady Angles church' on the shore of Bay of Bengal. The church was specifically chosen for documentation, as it helps the students to understand the clear geometry of a building and the architectural elements of the structure.

Training Programme

Summer Internship Programme 2016 (4th June 2016 to 23rd July 2016)

Summer internship programme was held from 4th June 2016 to 23rd July 2016. In which eight numbers of students participated. Three from Masters of Conservation programme (Sandeep Pathe, Shivani Sharma, Atri Mishra) and five from B.Arch (Rishika Shah, Prakul Sardana, Pulkit Sudan, Keerthana Murali, Tarun).

The training comprised of documentation of three different sites namely Taj Mahal Palace at Bhopal, Govindgarh fort at Rewa, Madhavgarh Palace at Satna. The work included photo documentation, measured drawings, condition assessment, value & significance assessment and construction details of the buildings. The final outcome of the training was to prepare a report on the three structures which include proposals in terms of suggested levels of interventions on the structure.

Projects

1. Architectural Documentation of Historic structures in Madhya Pradesh: The project was awarded by Madhya Pradesh State Tourism Development Corporation Ltd. to SPA, Bhopal for documenting five historic structures in Madhya Pradesh. They were Taj Mahal Palace at Bhopal, Govindgarh Fort at Rewa, Madhavgarh Palace at Satna, Benazir Palace at Bhopal and Rajgarh Palace at Datia. SPA Bhopal had prepared a report which included write-up on the history of the structure,

it's measured drawing, condition assessment, values, significance, construction details and proposals in terms of suggested levels of interventions on the structure.

2. **Heritage Impact Assessment:** Heritage Impact Assessment at Khajuraho was prepared for proposed commercial construction near colossus structure of Shri Hanuman on the recommendation of national monument authority for Mr. Mukesh Dutta and Mr. Vinod Gautam. In this project SPA Bhopal has prepared an HIA report assessing the impact of the proposed commercial complex of forty rooms' hotel and shops on the nearby ASI protected monument of colossus structure of Shri Hanuman a protected monument and part of an eastern group of temples Khajuraho World Heritage Site.

SPA Press

The SPANDREL Journal, Issue 12, Published by SPA Bhopal
Issue Editors: Kshama Puntambekar, Kakoli Saha

Annual Hindi Magazine "Spandan" Issue 2, Published by SPA Bhopal

Issue Editors: Ashfaque Alam, R.K. Jena, Amit Khare, Ashish Patil

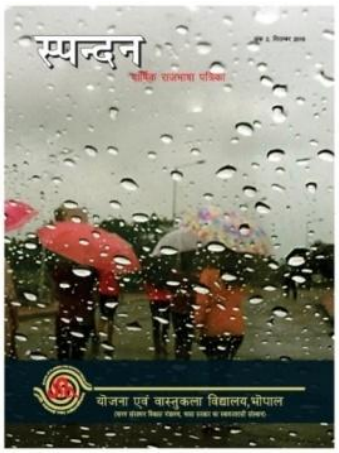

Annual Report 2016-17

Cover Page/Back Page Design:
Ashapuri Temple, Bhopal

Ashapuri Temple Project

Ashapuri Temple Project has been undertaken by SPA Bhopal and Wales School of Architecture, Cardiff University, UK. Both institutions have teamed up to study and document the remnants of Ashapuri temples near Bhopal. Original design of 3 temples has been prepared.

(Courtesy*: Prof. Adam Hardy and Centre for Cultural Knowledge Systems, School of Planning and Architecture, Bhopal*)

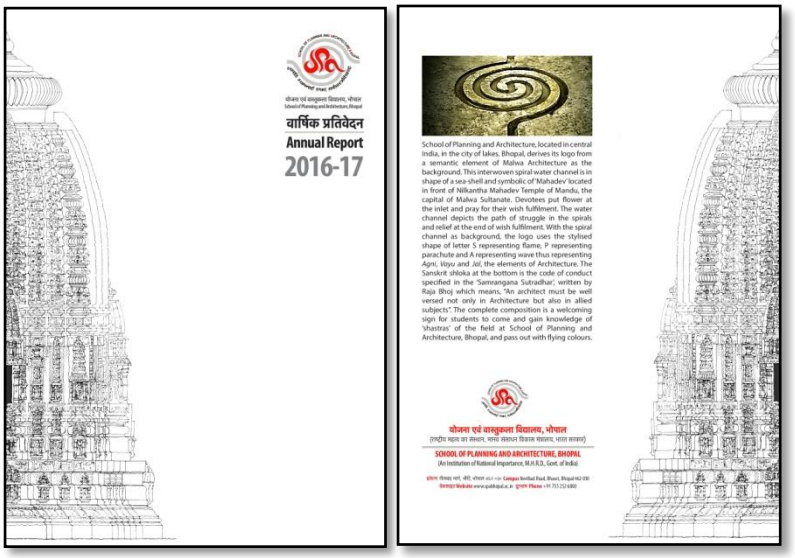

Research and Consultancy Projects

Northern Indian Temple Forms: Reconstructing Lost Origins.
Client/ Sponsor: British Academy (research collaborator: Cardiff University).
Principal Investigator: Prof. Adam Hardy, Cardiff University.
Team Members: Prof. Adam Hardy from Cardiff University. Prof Ajay Khare & Dr.Vishakha Kawathekar from SPA Bhopal are experts on the project.
Duration: April 2014 onwards.
Status: Ongoing

The Nagara Traditions of temple architecture: Continuity, transformation, Renewal.
Client/ Sponsor: Leverhulme Trust, UK (research collaborator: Cardiff University).
Principal Investigator: Prof. Adam Hardy, Cardiff University.
Team Members:Prof. Adam Hardy from Cardiff University and Dr. Vishakha Kawathekar from SPA Bhopal.
Duration: July 2014 onwards.
Status: Ongoing.

Universal Access at City Palace Complex, Udaipur, A Research and Design Development
Client/ Sponsor: Project. Maharana Mewar Charitable Foundation
Principal Investigator: Dr. Rachna Khare,
Team Members: Dr. Sandeep Sankat, Mr. Sanmarga Mitra, Ms. Parama Mitra, Ms. Shweta Vardiya, Ms. Poonam Khan, Mr.Sushil Solanki.
Duration: July 2014 onwards
Status: Ongoing
Project Name:Design Innovation Center
Theme 1. Shelter for All
Client/ Sponsor: SPA, New Delhi, funded by MHRD,
Principal Investigator: Dr. Sheuli Mitra,
Team Members: Prof. Binayak Choudhary, Dr. Tapas Mitra, Dr. Ajay Vinodia, Dr. Rama Pandey, Dr. Anand Wadwekar, Dr. Sukanta Majumdar, Dr. Amit Chatterjee, Mr. Karna Sengupta.
Theme 2. Universal Design Innovation for Heritage
Client/ Sponsor:SPA, New Delhi, funded by MHRD.
Principal Investigator: Dr. Rachna Khare.
Team Members: Prof. Ajay Khare, Dr. N.R. Mandal, Mr. Sandeep Sankat, Dr. Devarshi Chaurasia, Mr. Sanmarg Mitra, Ms. Parama Mitra, Ms. Sonal Tiwari, Ms. Shweta Vardia, Mr. Sushil Solanki, Ms. Poonam Khan, Dr. Kakoli Saha.
Duration:July 2015 onwards.
Status: Ongoing.

Historic City of Ajmer/Pushkar: Mapping layers of History, Use and meanings for Sustainable Planning & Conservation.
Client/ Sponsor: ICHR, MHRD. GoI(Collaborating Agency: DRONAH, Welsh School of Architecture, Cardiff University, UK).

Principal Investigator: Dr. Ajay Khare.
Team Members: Dr. Vishakha Kawathekar.

Heritage Impact Assessment for the impact of proposed extension of Hyderabad Golf course on the Heritage value of Golconda Fort for Hyderabad Golf Association.
Client/ Sponsor: Hyderabad Golf Association.
Principal Investigator: Dr. Vishakha Kawathekar.
Team Members: Prof. Ajay Khare, Ar. Ramesh Bhole, Dr. Kshama Puntambekar, Ar. Balaji, January
Duration: 2016 onwards.
Status: Completed.

Architectural Documentation of Historic Buildings.
Client/ Sponsor: Madhya Pradesh State Tourism Development Corporation.
Principal Investigator: Dr. Vishakha Kawathekar.
Team Members: Prof. Ajay Khare, Mr. Ramesh Bhole, Ms. Shweta Vardia, March.
Duration: 2016 onwards.
Status: Ongoing

Samarpan Resource Center.
Client/ Sponsor: Ministry of Health, Ministry of Women and Child Development and Ministry of Social Justice and Empowerment.
Principal Investigator: Dr. Rachna Khare.
Team Members: Dr. Sandeep Sankat, Mr. Sushil Kumar Solanki.
Duration: July 2016 onwards.
Status: Ongoing.

National Rurban Mission (NRuM).
Client/ Sponsor: M.P Government, Ministry of Rural Development.
Principal Investigator: Prof. N R Mandal.
Team Members: Prof. Binayak Choudhary, Dr. Ajay Vinodia, Dr. Amit Chatterjee, Mr. Gaurav Vaidya.
Duration: July, 2016 onwards.
Status: Ongoing.

A Study to Develop Appropriate Housing design Alternative for the Geo-Climatic Region under Housing Technology Sub-Mission of PMAY.
Client/ Sponsor: Ministry of Housing and Urban Poverty Alleviation.
Principal Investigator: Dr. Sheuli Mitra.
Team Members: Dr. Tapas Mitra, Dr. Ajay Vinodia, Dr. Devrashi Chaurasia, Dr. Rama Pandey, Dr. Anand Wadwekar, Dr. Kshama Puntambekar, Mr. Karna Sengupta.
Duration: August, 2016 onwards.
Status: Ongoing.

PDUIPH - Accessible India Campaign (Sugamya Bharat Abhiyan) Accessibility Awareness Workshop.
Client/ Sponsor: Ministry of Social Justice and Empowerment.
Principal Investigator: Dr. Rachna Khare.

Duration: December 2016 onwards.
Status: Ongoing.

Ashapuri Temple Project.
Client/ Sponsor: Cardiff University, funded by World Monument Fund.
Principal Investigator: Dr. Vishakha Kawathekar.
Team Members: Prof. Ajay Khare, Ar. Ramesh Bhole, Dr. Kshama Puntambekar, Mr. Saurabh Popli.
Duration: June 2013 - October 2015.
Status: Completed.

Climate Informed Environmental Planning for Smart cities of M.P.
Client/ Sponsor: MPCDMA.
Principal Investigator: Dr. Rama Pandey.
Team Members: Prof. Binayak Choudhary, Dr. Sheuli Mitra, Dr. Tapas Mitra, Mr. Govind MP, Mr. Parmod Dubey.
Duration: December 2016 onwards.
Status: Ongoing.

Preparation on feasibility report assessing willingness and affordability of weavers in proposed housing clusters at Maheshwari, M.P.
Client/ Sponsor: M.P. Handicraft Corporation.
Principal Investigator: Prof. Sanjeev Singh.
Team Members: Prof. Binayak Choudhary, Dr. Kshama Puntambekar, Ar. Poonam Khan, Dr. Ajay Kumar Vinodia, Ms. Aditi Sahu (Research Assistant).
Duration: November 2016 onwards.
Status: Feasibility report being presented, Ongoing.

Housing design for weavers' cluster at Maheshwar.
Client/ Sponsor: M.P Handicraft Corporation.
Principal Investigator: Prof. Sanjeev Singh.
Status: Pipeline.

Housing design for weavers' cluster at Chanderi.
Client/ Sponsor: M.P Handicraft Corporation & M.P Housing Board.
Principal Investigator: Prof. Sanjeev Singh.
Status: MoU Signed, Ongoing.

A Study to Critically Evaluate Automated Building Plan Approval System Covering the States of MP and Nagpur in Maharashtra.
Client/ Sponsor: HUDCO.
Principal Investigator: Dr. Kshama Puntambekar.
Duration: February 2017 onwards.
Status: Ongoing.

State Library.
Client/ Sponsor: MoU with M.P Government, Commissionerate of Public Instructions.
Principal Investigator: Prof. Sanjeev Singh.
Status: Pipeline.
Project Name: Master Plan for Saugor Cantonment Board.
Client/ Sponsor: Saugor Cantonment Board.
Status: Pipeline.

Taj Site Management Plan.
Client/ Sponsor: Secretary, Dept. of Culture, Archaeological Survey of India.
Principal Investigator: Prof. Ajay Khare.
Status: Vetting of MoU awaited.

Preparation of Master Plan and Development Plan.
Client/ Sponsor: Jhansi Cant board.
Principal Investigator: Dr. Amit Chatterjee.
Status: Pipeline.

Development of Mini Urban Hat in Sehore.
Client/ Sponsor: Sant Ravidas M.P Handicraft and Handloom Development Corporation Ltd.
Principal Investigator: Dr. Anand Wadwekar.
Status: Pipeline.

Design for museum / walkway / office building within MPSCDF campus.
Client/ Sponsor: MP State Cooperative Dairy Federation (MPSCDF).
Principal Investigator: Dr. Sukanta Majumdar.
Status: Pipeline.

Safety Audit for All India Institute of Medical Sciences, Bhopal.
Client/ Sponsor: All India Institute of Medical Sciences, Bhopal.
Principal Investigator: Dr. Ajay Vinodia.
Duration: Feb 2017 onwards.
Status: Ongoing.

Conservation of Qudasia Mahal (Gohar Mahal Complex), Bhopal.
Client/ Sponsor: Sant Ravidas M.P Handicraft and Handloom Development Corporation Ltd.
Principal Investigator: Mr. Ramesh Bhole.
Duration: March 2017 onwards.
Status: Ongoing.

Educational Hub and its impact on surrounding settlements within peri-urban zone of bhopal.
Client/ Sponsor: Indian council of social science research (ICSSR).
Principal Investigator: Dr. Amit Chatterjee.
Mr. Premjeet Das Gupta, Mr. Karna Sen Gupta.
Duration: 8 months.
Status: Pipeline.

Institutional Activities

3RD CONVOCATION

School of Planning and Architecture, Bhopal conducted its Third Convocation at a solemn function on October 15, 2016. The ceremony began with the SPA Bhopal anthem and with the formal opening address of the convocation by Prof. Bimal Patel, Chairman, Board of Governors of SPA, Bhopal. Prof. Chetan Vaidya, Director, SPA, Bhopal delivered the welcome address and presented the Director's Report. Prof. Vaidya highlighted the remarkable achievements accomplished by the students and faculty of SPA Bhopal during the last academic year and laid down the tasks ahead in taking SPA Bhopal to further heights in coming years. Prof. Vaidya also gave a pen picture of various infrastructure projects being undertaken and proposed to be undertaken in SPA Bhopal.

In all, 162 students across undergraduate, postgraduate and PhD programmes were conferred with their respective graduation degrees. One student from each of the two bachelors and five masters programme were awarded gold medals for academic proficiency. Mr. Madhur Kukreja, the topper of Bachelor of Planning programme was awarded the Chairperson's Gold Medal for all-around performance. Mr. Sandeep Sankat and Mr Ajay Kumar Vinodia, Associate Professors of Department of Architecture, SPA Bhopal were conferred with the first ever doctoral degrees awarded by SPA Bhopal. Prof. Christopher Charles Benninger, the Famous Indian Architect, delivered the valedictory address, and in his wonderfully articulated speech, he extolled the degree recipients.

INDEPENDENCE DAY

The institute celebrated Independence Day of the nation on 15th August 2016 on the campus. The event started by the traditional flag hoisting. Dr Ajay Khare, Dean of Academic Affairs unfurled the national flag followed by the national anthem. He then addressed the gathering by giving an inspirational speech and announced the newly elected council for the college. A small cultural programme was organised by the students with great enthusiasm.

Independence Run: On 12th August 2016, In the league of Independence Week, Committee has organized Independence Run in which all students and Staff-faculty showed a significant participation.

Basketball Match: On 15 August 2016, A Basket Ball Match has been organized for faculty and staff members on the Inauguration Ceremony of New Basketball Court. In which Staff Member team has won the match with close points. Mr. Sushil Kumar Solanki; has been declared as the best player for the match.

REPUBLIC DAY

The institute celebrated Republic Day of the nation on 26th January, 2017 at the campus. This celebration was attended by the faculty, staff and the student in large number.

Cricket Match: A Cricket Match has been played between the staff, faculty of SPA, Bhopal and IIA Bhopal on Republic Day 2017. In this match SPA, Bhopal has won, and Mr. Mukesh Upadhyay has been awarded as the best player for the match.

INTERNATIONAL DAY OF YOGA

School of Planning and Architecture Bhopal celebrated International Day of Yoga with great zeal, enthusiasm and fitness fervour from 19th to 21st June 2017. Yogic exercises were performed by the experts of Vivekananda Yoga Kendra Bhopal on 19th& 20th of June 2017 and all Students, Academicians and Staff actively participated in this camp. Special lecture on yoga highlighting the importance of yoga in life, poster presentation on the theme of Yoga and slogan competition was organized on a concluding day on 21st June 2017.

HINDI PAKHWADA

The institute celebrated "Hindi Pakhwada-2016" from 1st – 14th Sep 2016 in the campus. Like every year, "Hindi Pakhwada" was organized to create awareness on the importance of Rajbhasha in official activities and to enhance its knowledge. Several competitions such as handwriting, typing, translation, administrative and technical terminologies, debate, etc. were organized for students, faculty and staff. Shri. Dhruva Shukla, Famous Hindi author, was invited as a chief guest in the valedictory function. The second issue of "Spandan" (Hindi Patrika) was also launched on this occasion. Employees and students participated in all activities with great enthusiasm. Prizes were given away to the winners. All participants were also acknowledged with participation certificates.

SWACHH BHARAT PAKHWADA

The institute organized Swacch Bharat Pakhwada from 3-10 November 2016. The faculty, staff and students of the institution took the cleanliness pledge followed by a guest lecture on Solid Waste Management by Prof. Dr. Arif Khan from Nagpur. A wastepaper collection drive was conducted

poster making competition, Best out of waste competition and essay writing competition. Drama society also performed a Nukkad Natak on the theme of Swachh Bharat in the campus The valedictory ceremony took place which with prize distribution for all the competitions. Finally, the music society and the dance society performed an act each to culminate the Swachh Bharat Pakhwada. The Gardening Club of SPA Bhopal organized a Plantation drive with the help of IWD department; they were able to plant 89 trees in different locations on the campus.

VIGILANCE AWARENESS WEEK

As per Government of India directives, Institute celebrated 'Vigilance Awareness Week' from 31st October 2016 to 05th November 2017 on the theme "Public Participation in Promoting Integrity and Eradicating Corruption". The observance of vigilance awareness week was started with pledge taking by students, faculty and staff. Debate and Poster competition were also organized on the theme "Systemic Vigilance is not the only antidote to Corruption" & "Eternal Vigilance is the price of Liberty" respectively, wherein students shared their thoughts on corruption and their prevention. Mr. R. Parasuram, State Election Commissioner, M.P. (and former Chief Secretary, GoMP) addressed the students and employees on the topic how to curb the corruption and appealed young students to come forward for the eradication of corruption at all levels.

SPIC MACAY

With an intention to inspire the young minds to inhibit the values of Indian tradition, SPAB organised 'Spic Macay' on 15th February. Faculty along with the students got a wonderful opportunity to encounter an enchanting Chhau dance performance by a renowned Chhau Dance Troupe. The troupe captured the entire audience with beautiful costumes and the loud expressions. They displayed a spectacular and interactive performance.

MOTHER TONGUE DAY

Institute celebrated Mother Tongue Day on 20th & 21st February 2017 (In compliance with the directives of MHRD Government of India) Debate, Exhibition of posters and Singing competition were organized. Discussions on various topics such as role of mother tongue in modern life, scientific, technical education, cultural and global view of the nation were also held. Students and employees participated in large number in these competitions.

UNITY RUN

On 4-6 November as a Unity Week, few Sports Activity & Unity Run (Mini –Marathon) has been organized. In which all members of SPA Bhopal has taken participation Basketball, Badminton, Table tennis, Volleyball has been organised in this Unity week for students.

INSPIRED TEACHERS PROGRAMME, RASHTRAPATI BHAVAN, NEW DELHI

Inspired Teacher's Programme from the entire nation was organized in the President House, Delhi 23-29 April 2016. 13 Teachers were invited to attend this Programme from the Nation. During this Programme teachers discuss the different topics/issues with President, Cabinet Minister, Senior Government Officials; visit academics institutions under NCR and participation in several programs at the President House are the part of the programme. In this prestigious inspired programme, Prof. Rachna Khare was invited from SPA Bhopal.

GIAN/Workshops/ Special Lectures

GIAN

GLOBAL INITIATIVE OF ACADEMIC NETWORK (GIAN -1)

First Course of GIAN has been organized at SPA Bhopal by MHRD during 16 to 20 May 2016.

Prof. Adam Hardy, Professor Cardiff University, UK has conducted the event. This course has dedicated to "Indian Temple Architecture: Drawing from History". A huge number of participant had been participated event. Including faculty and student of SPA Bhopal & MANIT Bhopal. Valedictory session had coordinated by Prof. Ajay Khare and Dr. Vishakha Kawathekar.

GLOBAL INITIATIVE OF ACADEMIC NETWORK (GIAN- 2)

Prof. Arnab Chakraborty, Department of Urban and Regional Planning, University of Illinois at Urban Champaign, USA conducted the second course under GIAN on the topic 'Scenario Analysis for Planners and Policy Makers' at SPA, Bhopal during 25 – 29 July, 2016. Forty nine participants including ten members of faculty hailing from MANIT, Bhopal, MNIT, Jaipur, Jawaharlal Nehru University, Delhi and SPA, Bhopal participated in the course. The main objective of the course was to explain the theories and tools of scenario analysis needed for formulating plans for sustainable future cities. In view of the limited cognitive and computational capacity of individuals and organizations to foresee urban future, the course enabled the participants learn build alternate scenarios for cities by analyzing the multiple facets of a city through the prism of socio-demographic and spatio-economic data processed in GIS platform. Participants were profusely benefitted from the dissection of a City Development Plan through the Planning Support Systems with the GIS software, Envision Tomorrow, a new learning for the students as well as the host faculty.

GLOBAL INITIATIVE OF ACADEMIC NETWORK (GIAN -3)

The GIAN III workshop on the topic "Open spaces in cities" was organised on 8th December to 12th December at QIP Centre in SPA Bhopal. It was Coordinated by Assistant Professor Sonal Tiwari and conducted by Prof. Helen Woolley, a Chartered Landscape Architect, and specialise in Landscape Architecture. She is a longstanding Faculty member in The Department of Landscape at The University of Sheffield in England which has an excellent reputation for both research and teaching. Prof Woolley was a CABE Space Advisor, being one of the first 15 and only academic in the country in this role. In this consultancy role, she worked with many local authorities across the country to support them in the development of green and open space strategies, play strategies and training between 2003 and 2011. The five-day GIAN course was scheduled with nine lectures and two tutorials. The lectures started with an understanding of open spaces in cities, a global overview of the role and value of these spaces. Following topics were discussed in the GIAN course: Benefits of open spaces, Definitions and types of open spaces,Criteria's for assessment of open spaces, Green flag assessment tool of open spaces, Designing for children, Designing for old age people, Inclusive open spaces, Found spaces, Importance of network of open spaces in cities, Case studies from China, Germany, USA and Britain, Design in context of rehabilitation post-disaster. The course included lectures, tutorials, group work with a site visit and discussions providing participants opportunities to interact with each other as well as Prof Woolley.

GLOBAL INITIATIVE OF ACADEMIC NETWORK (GIAN -4)

Prof. Meenu Tewari from the University of North Carolina, Chapel Hill, USA conducted GIAN IV course on "Institutions, Economic Development and Upgrading: Understanding the Spatialities of Production" at SPA Bhopal from December 14th 2016 to December 18, 2016. The course focused on the concepts and fundamental building blocks of institutional change, economic development and industrial upgrading in a spatial context. In short, it examined the spatialities of production. Lectures were followed by exercises where the knowledge imparted was to be implemented. Prof. Tewari used many modes of presentation including Power Point, site visit and one to one interactions. Everybody expressed their happiness towards successful completion of the course and wished for more such courses to be conducted.

WORKSHOP

ILLUMINATION WORKSHOP

An illumination workshop was organized at SPA Bhopal on 20th-21st October, 2016 in collaboration with Philips Lighting Academy. The workshop was conducted by Prof. V. K. Paul from SPA Delhi with Mr. Ashish Sinha and Mr. Ashish Bahal from Philips Lighting Academy. They introduced various aspects of lighting-both natural and artificial over the 2 day workshop to 35 students of 4th year B. Arch.

The sessions spanned over 2 days were focused on introduction to light, vision and lighting theory, lighting design principles and photometry, strategies for incorporating daylight into the built environment and different aspects of lighting design from a project manager's perspective. The students were introduced to different types of light sources available in the market: their advantages / disadvantages, scope of light spectrum, cost and range of applications. A new concept of connected lighting unveiling the future possibilities of connecting state-of-the-art color selectable LEDs via network connections, controlled with cell phone apps was also introduced. Mr. Ashish Bahal discussed various lighting design examples for both interior and exterior settings. The second day concluded with students presenting their lighting design exercise with quick comments over their concept and quality of work.

HANDS-ON WORKSHOP

Institute Organized Hands-on workshop from 11 to 18 November 2016 for providing knowledge and information about building materials and construction to B. Arch. First-year students. Professor, Nayana R. Singh and Priyanka Singh were the coordinators of the said workshop. The purpose of the workshop was to provide information about building techniques and materials used (art, stone, cement, sand and motors).

AWARENESS WORKSHOP ON 'ACCESSIBILITY' FOR FUTURE PROFESSIONALS

A workshop on 'accessible training for future professional' was inaugurated at the School of Planning and Architecture campus in collaboration by the Ministry of Social Justice and Empowerment and the Centre for Human Centric Research, SPA. About 45 participants from all over India registered for the workshop. The inaugural session was chaired by Nirmala Buch, former Principal Secretary, MP who also

gave the keynote address. She spoke about the lack of awareness among the architects and planners because of which the especially able and elderly suffer in the ill-facilitated buildings. The chief guest on occasion was Professor Rohit Trivedi from Sarojini Naidu College.

Professor Rachna Khare gave a lecture on basic concepts and overview of the present scenario of universal accessibility in the Indian context. She discussed the evolution of these concepts and how should be these aspects be modified for application in Indian cities. She explained to the future professionals about their role in the development of inclusive cities and how they can make a change through accessibility in government initiatives for urban development and Accessible India Campaign. Professor Sandeep Sankat and Sushil Solanki spoke on the design considerations for building buildings that are easily accessible. The day concluded with a session conducted by Kavita Murugkar and Abhijeet Murugkar who spoke on their experiences and findings.

CONSERVATION OF RARE BOOKS IN LIBRARY

A two days 'Workshop cum Training Programme on the conservation of Rare Books in Library' was organized by S.P.A. Bhopal on March 24-25, 2017. Mr. Illiyas Ahmed, Senior Conservator from National Research, Laboratory for Conservation of Cultural Property, Lucknow was invited as resource person and library experts from IISER, RIE, IGRMS, NIFT, ASI, Sanchi University, IIT Kanpur, Jiwajee University and student of M.Arch (Conservation) from S.P.A. Bhopal also participated in the workshop.

The event started by the coordinator Mr. Ashish Patil, briefing on preservation and conservation of library materials. The guest expert Mr. Illyas Ahmed presented with a lecture on rare books and problems like binding, tearing, colour-change, change in shape, etc.

INTEGRAL STUDIO

Smart Railway Stations for Smart Cities: Redevelopment of Bhopal Junction Railway Station

Background: The Indian Railways is one of the busiest modes of transport in the world, with an average daily ridership of around 20 million at present. From passenger amenities, the heart of any railway system resides in its stations. In India, the stations are in deplorable condition. There is a need to redevelop the railway stations to bring them up to international standards and provide the desired level of comfort and convenience to passengers. Also, stations are de-facto multi-modal hubs, but there is lack of modal and spatial integration in the station influence zone in the Indian context. To address this problem on urgent basis Government of India has taken up a proposal in July 2015 to redevelop about 400 railways stations in metros and major cities besides pilgrim centres and tourist spots.

Accordingly, the school proposes to conduct its Integral Studio 2016 on Redevelopment of Bhopal Junction Railway Station focusing on spatio-economic planning and design aspects.

Context: As announced in the Rail Budget 2015-16, Ministry of Railways has proposed to offer stations for redevelopment on as is where is the basis, by inviting open bids from interested parties with their designs and business ideas duly providing for amenities and other requirements of the

Railways. The redevelopment of railway stations will primarily consist of upgrading the level of passenger amenities by new construction/renovations and include the redevelopment of station buildings, platform surfaces, circulating area, etc., to better serve the needs of the passengers.

Bhopal Junction is one of the three railway stations in Bhopal city. It is one of the major railway stations in West Central Railway. It was constructed in the year 1910 and presently around 200 express and 13 passenger trains pass through it daily. This station also serves as a connecting point for various pilgrims from Nepal, China, Thailand, Malaysia, Japan and Myanmar to visit the Stupa of Sanchi, an important Buddhist stupa, which is about 40 km from this station. The station has 6 platforms in addition to waiting halls, refreshment centre, passenger ticket counter and ticket vending machines, vehicle parking, communication facility, sanitary facility and dedicated Government Railway Police force to ensure security.

In view of the complex land use distribution and circulation pattern around the station and the need for integration with city-level bus transport, Bhopal station is a highly interesting case study from the point of view of station redevelopment. The railway station is not just a hub of passenger and freight activities. It is a gateway to the city itself and deserves to reflect the city's aspirations. In this case, Bhopal Junction is the largest railway hub of Bhopal city, which has earned itself a place in the list of Smart Cities to be developed in India over the next few years under the vision of Government of India. Based on the understanding that redevelopment of railway station should also take into account Transit Oriented Development (TOD) principles, the study area for the studio exercise is taken to cover an area of approximate sq. km. around the station itself, with the boundary delineated such that travel distance from the station is within 800 m.

Objectives: The integral studios are conducted at SPA Bhopal to encourage students to interact vertically and horizontally within a programme and with other programmes offered at the school. The students make interclass multi-disciplinary teams work on a project. In order to cater to the vision of Government of India, the seven-day intense integral studio was conducted (July 17 to 23) with station redevelopment focus. The objectives of the studio include:

- To develop an understanding the planning and design challenges of station redevelopment and the multi-dimensional and multi-functional problem-solving approach required.
- To develop an understanding of Transit Oriented Development principles and transit architecture.
- To sensitize students to the relevant government policy and market realities.

Scope: The studio problem was proposed to be posed at two levels: a) TOD influence zone, and b) station precinct. Within the TOD influence zone, the scope of the studio included the following:

- Integration with other modes of public/private transport systems, e.g. Bus, Metro, etc.
- Provision of parking and park-and-ride facilities.
- Space allocation for commercial and office space and other services and amenities.
- Exploring the possibility of re-densification outside station area but within TOD influence zone.
- Within the station precinct, the scope of the studio included the following:
- Redevelopment of the station into an iconic Green Building with state-of-the-art facilities.
- Planning for future expansion of platforms.
- Ensuring segregation of arrival/departure of passengers and congestion-free non-conflicting entry/exit to the station premises.

- Provision of space for all essential facilities at the concourse, like a food court, shopping plaza, medical facilities, lounge, etc.
- Provision of user-friendly amenities and facilities as per universal design guidelines.
- Planning for modern utilities and services.
- In this studio, current 2nd, 3rd and 4th year of B. Arch. and B. Plan participated together in teams, every team had about 15 students from different semesters and programmes. The teams worked from 17th to 22nd July from 9.00 AM to 7.30 PM and a grand jury was scheduled on 23rd July.

SPECIAL LECTURES

Dr. Sanjeev Singh, The process of B.Arch Thesis, Date: 16th February 2017, Seminar Room, SPA, Bhopal.

Dr. Harimohan Pillai, ARCHIeSTUDIO, Thrissur, Human Form and Interactive Space, Workshop organized on 22nd & 23rd February 2017 for Bachelor of Architecture 2nd year 4th Sem. students at SPA Bhopal.

Dr. Harimohan Pillai, ARCHIeSTUDIO, Thrissur, CRAFT - The Vanishing Linkage, A lecture conducted for all the students and faculties of Architecture and Planning departments, 23rd February 2017.

Dr. Harimohan Pillai, ARCHIeSTUDIO, Thrissur, Linkages in Architecture: Traditional to Modern lecture: Traditional To Modern, A lecture conducted for all the students and faculties of Architecture and Planning departments, 23rd February 2017.

Dr Joydeep Dutta lecture conducted,Human Form and Interactive Space. He is also Professor and Academic coordinator, Pillai HOC College of Architecture, Mumbai University, 22-23 February 2017.

Ar. Deependra Prashad, lecture conducted, Sustainable & Green Strategies in Buildings. his lectured extensively in India and abroad. He is also the founder member & Coordinator, INTBAU India and is a former chair of its apex., 23rd March 2017.

Prof. Savita S. Raje, Associate Professor, Department of Architecture & Planning, MANIT, Bhopal, Conducted lecture for the students of M. Arch. (Conservation) Conservation Studio 2nd Semester who are working on the studio project for the Historic city of Bhopal.

Dr. Joydeep Dutta conducted a lecture on the theme of Design Development for all the students and faculties of Architecture and Planning departments,17th February 2017, SPA, Bhopal.

Dr. Joydeep Dutta, Special Lecture, Topic of Guest Lecture: "Seeing the unseen in architecture: ideas underlying built form". Seminar Room, SPA, Bhopal, Date: 17th February 2017 ;

Dr. Joydeep Dutta, Special Lecture, Topic of Guest Lecture: "Linkages in Architecture: Traditional to Modern" , Date: 23rd February 2017 ; 04:30 pm; Seminar Room, SPA, Bhopal,

Dr. Joydeep Dutta, Special Lecture, Date: 23rd March 2017; 04:30 pm; Seminar Room, SPA, Bhopal, Topic of Guest Lecture: " Sustainable & Green Strategies in Buildings".

Dr. Shekhar Chatterjee, IIITDM, Jabalpur, The lecture focused on the theme of 'Nature, Form and Aesthetic 'and was a very enlightening interacting session, 31st March 2017.

"Design Development" for Bachelor of Arch. Final year students of B. Arch Thesis, Date: 17-18th February 2017 ; Seminar Room, SPA, Bhopal.

Mr. Prashant Khirwadkar, Urban Consultant & Environmental Planning Expert Bhopal, Topic- `Overview of Bhopal City', August 02, 2016.

Mr. B. K. Panda, Former Director, Directorate of Urban Affairs Government of Meghalaya, Shillong, Topic- `Planning for Hilly Region', November 10, 2016.

Mr. Dinesh Kumar Sharma,Retired Town Planner,Bhopal, Topic- `Redevelopment of T.T. Nagar under Smart City Concept' followed by a discussion on studio work, (MPlan Integrated semester & MPEP 3rd semester), November 16, 2016.

Prof. Manmohan Kapshe, Department of Architecture & Planning, MANIT Bhopal, Topic- Research Methods and Approaches for Environmental Planning Thesis (MPEP 4th semester), January 24, 2017.

Mr. Kamal Pandey, Scientist IIRS (ISRO), Dehradun, Topic- Crowd-sourcing for Geo-Spatial Data Collection and Analysis for – M.Plan (1st year) & B.Plan (3rd year), January 30, 2017.

Mr. Pravin Bhagwat, Ex-UADD Official, Govt. of M.P., Bhopal, Topic- Preparation of Policies and Development Plan, its Conception and Implementation – B. Plan (2nd & 4th years),February 28, 2017.

Mr. Sanjeev Kumar, Consultant, SIDH & Stellar Capitals, Bhopal, Topic- Implementation of proposed Government Schemes on Ground through Detailing of Projects – B. Plan (2nd & 4th years), February 28, 2017.

Mr. Vivek Aggarwal (IAS), Commissioner, Urban Development and Environment & Managing Director, Madhya Pradesh Metro Rail project, 4th Floor, Directorate of Urban Administration & Development

Shivaji Nagar, Bhopal, Topic- Challenges of Urban Development in M.P. and Initiatives of Urban Administration (Students of all streams), March 23, 2017.

Prof. (Dr.) Partha Chakraborty, Transport Engineering,Civil Engineering Department,IIT, Kanpur, Topic- The optimal urban road network configuration problem2,Role of intelligent transportation systems in achieving sustainable urban transportation(Students of all streams), March 24, 2017.

Training and Placement Cell

The Training and Placement Cell at SPA Bhopal facilitates the placement of graduating students and assists current students in various postgraduate and undergraduate programmes in selecting suitable organizations for undertaking professional training.

The Cell also coordinates the overall process of Professional Training of students from all programmes as required by own course curriculum. The Training Manual is designed by the Cell for compliance by students of all courses to streamline a system of evaluating deliverables worked upon in an industrial setup outside the curriculum. Our students have undergone training at various reputed national and international organizations both in the government and private sector. List of such organizations is a broad range of consultants, developers, research organizations and NGOs. This year also students have gone for training in reputed national as well as international organizations in London, France, Germany, Sri Lanka, Vietnam, Portugal and Kuwait.

The Training and Placement Cell publishes Placement Brochures for all UG and PG programmes which help in disseminating the profile of graduating students to professionals and the industry at large. Graduating students have been selected by several reputed firms and consultants through in-Campus as well as off-campus interviews. With the acceptance of our growing numbers of alumni in the professional fraternity, as they get placed in reputed organizations, the industry-academia links are being rapidly strengthened.

Human resource development is one of the main objectives of the institute, and the Training and Placement Cell strives to meet the demands of the Architectural and Planning professions by facilitating an efficient industry-academia interface. This year also, the Cell was able to run successful Placement season for 2016-2017. An expert lecture followed by an interactive session on 'Higher Education in India and Abroad' was also conducted under Career Development Programme of the Cell. Each year an increasing number of academic institutions and leading companies are showing their interest for placements through campus as well as online interviews for graduating students. In the year 2017, 19 students from UG and PG programmes were selected in reputed organizations like JLL from Kolkata, SK Associates from New Delhi, Creative Group and Softtech Engineering (P) Ltd from Pune, Mody University from Lakshmangarh, ITM Universe from Vadodara, Poornima University from Jaipur and Bagulamukhi College of Architecture and Planning from Bhopal, through placement activities conducted at SPA, Bhopal.

T&P Cell-Team

Director, SPA Bhopal, - Chairman
Dr. Sandeep Sankat - Associate Dean (Student Affairs)
Ar. Sandeep Arora, Assistant Professor (Architecture) - Faculty-in-Charge
Mr. Ashfaque Alam Assistant Professor (Planning) - Faculty Member
Ar. Sonal Tiwari, Assistant Professor (Architecture) - Faculty Member
Ar. Gayatri Nanda, Assistant Professor (Architecture) - Faculty Member
Ar. Sushil Kumar Solanki, Assistant Professor (Architecture) - Faculty Member
Ar. Gaurav Vaidya, Assistant Professor (Planning) - Faculty Member
Mrs. Bindu Suresh, Junior Assistant – Office Assistant

Student Activities

Fly High & Speed Introduction: The literature society of SPAB organised its pilot event of this semester 'fly high on the 3rd of August. the event was majorly organised to introduce the society to the first years. It was a great kick start and saw participation in huge numbers. The second event organised was speed introduction on 26th August. Other than student interaction, the aim of the event was to inculcate a general idea of writing among participants. The event saw an enthusiastic participation from all students and was a huge success.

Janmashtami: Janamashtami was celebrated in the boy's hostel. The boys hostel was beautifully decorated with Lord Krishna motifs and matkees and a small temple was made near the courtyard where the entire Pooja took place. A lively cultural evening followed the Pooja. Students from all the batches came up with dances, songs and skits and made the evening joyous. An inter-batch Dahihandi session with enormous zeal and enthusiasm ended the function.

Photography Walk: Members of Perception, the photography club of SPAB took part in the photo walk organised by Instagram Bhopal on 28th August in Manav Sangralay. 30 aspiring young photographers from SPA clicked away with professional and annexure photographers in and around from Bhopal. Our participation was appreciated and college participation was mentioned in Hindustan Times on the 30th of August. In addition, Perception has been covering events being held at the college and has been creating memories.

Dusk Unplugged: Music Society, The music society of SPAB organised an acoustic open mic'dusk unplugged' at the canteen. The venue was decorated especially for the occasion with lights. It saw participation by the band nakshatra lead by Jashojeet Chakraborty, as well as a variety of prepared and impromptu solo and group performances. Video recordings of the performances were released on the SPAB YouTube channel.

Teachers Day: Teacher's day was held at the boy's hostel. All the teachers were greeted with a rose at the venue. Students participated in huge number with great enthusiasm. A small informal icebreaking session between the faculty and the students was held. A lot of entertaining, on the spot singing performances by the faculties lightened the mood of the evening. The cultural evening was followed by the Ganesh Chaturthi aarti in front of the boy's hostel courtyard. Signing on the canvas was the highlight of the day.

Clean Campus Drive: The waste management committee organised a clean campus drive which saw participation in large number and was a huge success. The committee collected waste paper from the college which has been given for recycling.

Tooryanad: Students of SPAB participated in the renowned Tooryanad –Hindi fest of MANIT Bhopal. Our college participated in Nukad Natak as well as Dance and won the second prize in a dance competition. The dance team comprised of students from various years – Anviksha Agrawal, Nikhila Ramanathan, Reeti Agarwal, Priyanka Kakoti, Sukanya Deshmukh. It was indeed a proud moment for the college. The students received a cash prize of Rs. 6000., Won 2nd Prize in Dance, Cash Prize: Rs. 6000.

Sound Production Workshop: The members of Grapevine organised a sound production workshop in the seminar hall. Prayag Mehta and Rishabh Joshi, renowned musicians of DJ lost stories came to

the campus for a small workshop. They talked about different music software and taught basics of it to the students. They organised small fun interactive sessions during the span of the workshop.

Synergy : The annual fest of SPAB- SYNERGY 2K16 was a 3-day long fest. The entire college was divided into 4 houses namely – (Kukdu Crew, Desi Dacoits, Rapchik Republic, Bullet Wale) that competed against each other. The first day (5th October) had a total of 65 student friendly competitions which had huge participation from all the students of bachelors as well as masters followed by a karaoke night and a joyful jamming session.

The second day (6th October) the college had its fresher's for the 2016 batch. The theme for Kalrav 2K16 was Bling It on. The event was carried out successfully followed by a Bollywood DJ night by DJ Sonya Khanna who came all the way from Delhi to scale up the night. The third day (7th October) had all the formal inter-house competitions namely-Dance, Dramatics, Band performance, Fashion show, Photography. The participants were given the themes in the morning and had 4 hours of preparation time. The show commenced in the evening with band performances followed by the other competitions which were being judged by Dr. Kshama Puntabekar followed by the result declaration. A spectacular and graceful Dandiya night concluded the entire fest.

SPACE 2.0: The annual music festival of our college SPACE 2.0 was organized by the Music Society on the 12th of November 2016. This was a breakthrough event as it was the first time any event took place in the Girls' Hostel (courtyard). The fest saw a total of 30 performances ranging from Bollywood to rock to pop by the students of the college. The premises were beautifully lit up and decorated for the event which was a huge success.

Live Sketching: The Art and Craft club organized a live sketching session wherein the students were taken to Van Vihar. The event saw a participation of about 50 students in total. Live sketching being the main focus, a lot of students learnt to do portrait sketching while others indulged in landscapes.

Visit Shalom School: PRISHA, the Rotaract Club of our college organized a visit to the Shalom School (School for the disabled) to interact with the students of the school. In light of the event, the students of our college taught various things academic and non-academic to the students of Shalom which included art and craft, painting, clay modelling, English, Math and so on. It was a truly enriching experience for our students to be with the students of Shalom as they got to interact with them face to face and learn about the difficulties that the students face on a daily basis and realize that they too work as everybody else does.

Literary and Quiz Fest: The literature society and the drama society actively participated in various events that were organized during the NLIU Literary and Quiz Festival on the 20th and 21st of November. The Drama club won the second prize in their competition, while it was great exposure for the members of the Literature society which participated in inter-college events. 2nd prize-Drama Club | 3rd Prize- Literature Events, NLIU, 20-21/11/2016.

Kashiyatra: The cultural society of the college participated in Kashi yatra 2017 (IIT-BHU annual cultural fest). Students from our functioning Dance, Music, Drama, Art & Craft, Dramatics and Literature, participated in huge number. A total of 52 students participated. Students from the music and literary club won prizes in their respective competitions while it was great exposure for all the societies which participated in inter-college events for the first time. 1st prize-Panisthi Jindal and

Rhiddhit paul, 2nd prize- Ananya Vacher and Parul Gupta | Solo Singing - Alemchila 3rd Prize, IIT-BHU, 20-22/01/2017.

Kalrav: The college had its fresher's for the 2016 batch. The theme for KALRAV 2K16 was RETRO. The event was carried out successfully followed by a Bollywood DJ night.

Quizarc: The Literature Society organized an informal architecture quiz - QUIZARC, in the seminar hall. Answer sheets were provided, and the questions were projected on the screen. It was an exciting activity for everyone.

Perception: Annual photography competition and exhibition were organised by members of perception, the photography club of SPAB at the Bharat Bhawan, Bhopal. It was a very successful event .The club received entries from all over the country; immense participation was witnessed.

Raahgiri Day: PRISHA - the Rotaract Club of our college organized "Raahgiri - 2017" on 26th March 2017 at Boat Club Road, Upper Lake, Bhopal.

SPADIOS: The students of 3rd-year bachelor's and masters 1st year organised a farewell for the graduating batch. Everyone from the final batch was given a title and momento, suiting his or her personality followed by a Bollywood DJ.

SYMBIOSIS: SYMBIOSIS is an interactive event for postgraduate students across all the disciplines of Architecture and Planning and is organized by the students of post graduation in SPA Bhopal. The main aim was for the students to exchange ideas among themselves and learn through interaction across disciplines with batch mates and faculties. The thrust of SYMBIOSIS 2017 was to make students understand various aspects of heritage conservation to produce better planning and architectural solutions through the integration of scientific, technical, managerial, financial and administration inputs. The students across all the disciplines participated in large numbers. The output of all competitions had a well-represented contribution from respective fields of: Urban and Regional Planning, Environmental Planning, Conservation, Landscape and Urban Design. The events included various competitions like the Integral Studio, paper presentation, debates, quiz, painting and portrait workshops, origami workshop and cultural events. All the events were organized under the guidance and mentoring of faculty members. SYMBIOSIS 2017 increased student's awareness especially regarding the various tangible and non-tangible aspects relating to heritage.

Twaran: An annual National Level Sports Meet Twaran 17' was organized by Atal Bihari Vajpayee Indian Institute of Information Technology and Management (IIITM), Gwalior, M.P. from March 31st 2017. Students participated from various institutes namely IIITs, NITs, NSIT and SPA Bhopal. A total of 18 formal sports events were organized by the Host Institute, SPA Bhopal competed in 8 sports events. Sanyogita Rana (1st year, B.Arch) got first position in 200m and Marathon (Girls). Shubham Sant (3rd year, B.Arch) got third position in Marathon (Boys). In total 59 students participated from SPA Bhopal and were accompanied by Ar. Brishbhanlali Raghuwanshi (Faculty Coordinator) and Mr. Mukesh Upadhyay (Sports Officer).

Student Awards & Achievements

Tamayouz International Award*:* Nipun Prabhakar, final Year, B.Arch., represented India and got the 3rd position in the International Tamayouz Excellence Award 2016 for his thesis. The award witnessed an overwhelming participation of 420 graduates from 88 universities and 30 countries.

NIASA : B.Arch. Final year student Nipun Prabhakar has won Zonal NIASA jury held at Ahmedabad. Zone 1 includes 67 colleges of Haryana, Punjab, Delhi, M.P and Gujarat.

Berkeley Prize: Ms. Sakshi Khare and Ms. Vidhi Wadhwan B.Arch, 2nd year received special mention (US $ 500) for their essay, "Expressions of Aspiration-United by Night" Berkeley 2017 Undergraduate prize for architectural design essay.

Make Your City Smart: Planning Student of SPAB won first prize in "Make You City Smart" Competition launched by Bhopal Smart City Development Corporation Limited. The team comprised Gaurab Das Mahapatra, Pulkit Singal, Udit Sarkar, Zinnia Saha with the guidance of Dr. Kshama Puntambekar.

ITPI Award: The Best Thesis award competition by ITPI MP Chapter:

M. Plan Programmes: [all from SPA B]

1st- Parikshit Mehta [EP]
2nd- Gaurab Das Mahapatra [URP]
3rd- Aakkash Chauhan [URP]

B. Plan programme:
1st- Jyoti Yadav [jointly with another candidate from MANIT]
2nd- Jagannath Das
3rd - Aman Singh Rajput

World Architecture Festival

This year's World Architecture Festival was organized in Berlin, Germany from 16th to 18th November 2016 with its huge success and participation from all around the globe included lectures and presentations from the world's leading architects. The festival brought together more than 2000 Architects. School of Planning and Architecture, Bhopal's Proposal "Re-Envisioning the Silk route in the Weaving Heritage of Chanderi" was announced the world winners for the Student Charrette category on 18th November 2016 at Berlin after a 3-day task at the festival itself. The student team travelled to Berlin to compete in the festival and was mentored by Dr. Sanjeev Singh and included students from Final year Architecture -Aayush Jindal, Abhin Mohan, Aditya Singh, Tarun Bhasin, Husam Nazer and Yug Aggarwal.

NOSPlan:

Students of SPA BHOPAL won NOSPLAN Convention-2016 and retained the Rank 1 for the consecutively third time in National NOS PLAN ONLINE Convention 2016 organized by National NOS Plan Council, New Delhi during the second week of March 2017. The names of events and winners for each event, are as follows:

Development Plan - 1st Prize (Cash Prize- 5000/-), Bagged By- Aman Singh Rajput, Ayush Garg, Mahak Dawra, Sourabh Joshi And Dharna Dang, *2nd Prize* (Cash Prize-3000/-), Bagged By – Aman Singh Rajput, Jyoti, Aastha Sethi, Zinnia Saha And Deeksha Biswas.

Smartening Your Future Scapes - 1st Prize (Cash Prize- 3000/-), Bagged By- Rohan Mishra And Tanya Kaur Bedi, *3rd Prize* (Cash Prize - 1000/-), Bagged By- C. Haridas And Damini Rathore.

3. As Drastic As Demonetisation - *2nd Prize* (Cash Prize- 1000/-), Bagged By Shivam Mittal,

*Director's Cut- 2nd Prize (*Cash Prize -3000/-), Bagged By-L.Mahesh Dutt, Bhargava Chary, Kuldeep Vamsi Kada (Also The Entire Crew Members And Actors).

Bettering Practices- 3rd Prize (Cash Prize- 2000/-), Bagged By Seelam Joshi Blaze, Sayli Mosby, Ravi Pandey and Ridhima Kanwal.

National Architecture Student Association (NASA)

Student of Architecture, SPA Bhopal has performed brilliantly at the 59th NASA hosted at the Purnima University Jaipur, during 15th to 20th January. SPA Bhopal participated in all the 9 trophies and many 'on the spot' events at NASA this year.

Studio Briefs

DEPARTMENT OF PLANNING

B. Plan, 1st year, 1st semester (July-December 2016)

BPLN-0101: Planning studio (Graphics and Presentation Techniques)

Studio Coordinators: Dr. Arti Jaiswal, Prashanti Rao and Ritika Mandhyan

Studio Objective: Orientation of students towards communicating ideas and thoughts. And to equip the students with the skills of presenting the: thoughts through various means like graphics, scaled and freehand drawings, sketches, maps and composed sheets etc.

Expected outcome: Students were expected to learn the use of different mediums of graphical presentations like the use of drawing equipment, use of colours in presentation drawings etc. and also to convert 2D graphical representation into 3-D models.

Assignments and exercises: The whole syllabus is divided into five units with different objectives. For achieving different objective separate exercise was framed and given to students.

Exercise : 1 (Understanding the level of skill student equipped naturally) In first sheet students had to draw freehand straight lines of all types vertical horizontal inclined etc to make their hands free on sketching and drawings.

Exercise: 2 (upgrading their inherited skills with making them understand the use of varied hard and soft pencils thickness to develop varied intensity) Students were required to drawing basic lines, vertical horizontal and curving lines with different intensities so as make them understand the importance of giving thickness to a simple element of line.

Exercise: 3 & 4 (Developing skills to use drawing equipment by introducing the basic forms of Polygons in 2D-3D) In sheet three students need to draw different polygons like triangle trapezoidal etc with the help of drawing equipment without the use of stencils. Before starting of this sheet students were given a lecture on introduction to 2D AND 3D shapes forms elements and how to use these shapes in drawing composition as a design element.

Exercise: 5 & 6 (Developing the writing skills, use of graphical scales in drawing to develop simple 2d forms) In this, students were expected to write English alphabets so that they would learn how to write letters in good proportions. Apart from this, students were supposed to draw a given object in different given numeric scale.

Exercise: 7 (visualizing 2d spaces in 3d forms) Assignment based on orthographic projections, perspective views and oblique projections.

Exercise: 8 (Model making skills) Students need to draw a 2D composition in sheet based and then needs to translate the same composition in model form in 3D.

Exercise: 9 (Understanding colour theory) Students were required to make a 2D composition in different colour theory so that they understand how to use colours in the overall composition of the drawing.

Exercise: 10 (How to make a measured technical plan by using graphical skills and scales) The Last Exercise based on measured drawings were given to students. Students were expected to draw plans elevations sections of building on a suitable scale.

All the given exercises covered the whole syllabus and helped in achieving the broad objective of the studio. Prior to every exercise there was a formal lecture in the class on the given task. At the end of the studio, students made a small model out of their 3D composition.

B. Plan, 1st year, 2nd semester (Jan-May 2017)

Planning Lab - II (Area Appreciation) (BPLN0211)
Study Area: Bhopal
Studio Coordinator: Dr. Kakoli Saha, Prof. N.R. Mandal, Dr. Arti Jaiswal

Area Appreciation studio exercise (Planning Lab – II) for the second semester, Bachelor of Planning students was conducted within Bhopal. For the purpose of the studio, three sites were selected including one residential site e.g. Comforts Heights residential Complex; one Institutional campus e.g. Indian Institute of Scientific Education and Research (IISER); and one commercial area e.g. New Market. For three sites students were equally divided into three groups and were given exercises on an understanding of administrative boundary, topographic map and cadastral map. Students were also taught about cartographic protocols to represent statistical data. A photography workshop was also conducted by Asst. Prof. Ashish Patil, Dept. of Architecture to give students an idea about photo documentation. Afterwards students were sent to their respective sites for area and space appreciation. Students were given following themes to appreciate their sites such as:

Context
Zoning, Connections & Permeability
Inclusivity
Building Layout, Design & Variety
Utility/ services layout & Efficiency
Open spaces, Parks, Playground and other Public realm & Safety
Availability of amenities
Parking
Sustainability
Socio-economic profiling & heterogeneity

Each student of the individual group had taken up one or multiple themes and appreciated the area under those theme/themes through measures like visual survey and questionnaire survey. The outcome of their analysis was through sheets and reports containing a base map, land use map, physical and functional zoning maps, statistical diagrams and text.

B. Plan, 2nd year, 4th semester (Jan-May 2017)

Transportation Planning Studio (BPLN0401)
Study Area: Kolar Road, Bhopal
Studio Coordinators: Gaurav Vaidya, Dr. Anil Minhans

Transportation planning studio exercise for the fourth semester, Bachelor of Planning students was conducted in the Kolar Area of Bhopal Municipal Corporation to formulate the strategies for

improvement of Kolar Road Corridor with short-term & long-term transportation planning interventions within the broader umbrella of "Kolar Sub-City Mobility Plan". Kolar municipality was merged in Bhopal municipal corporation area in the year 2014 and it is still connected by one single road network only, which is highly unplanned and locally encroached. So with the idea of "Connected City", main objectives of Studio-IV were, integration of various forms of public transport modes, efficient & effective Area Circulation in Kolar through low-cost traffic management measures, promotion of Non-Motorized Transport and other various mobility improvement measures with road design interventions, including Parking Management. They had visited in various city and district level government offices and held a discussion with many government officials as well as other stakeholders including the local residents and received good insight on the traffic and transport related issues of Kolar Road Corridor. They had also conducted various traffic and transportation surveys for continuous ten days and developed their understanding of transportation planning process. Finally students concluded studio exercise with various innovative and practically implementable recommendations.

B. Plan, 3rd year, 5th semester

Local Area Plan for Studio V July-Dec 2016
Study Area was identified as Ward Nos. 25, 28, 31 and 32 of Bhopal Municipal Corporation (Area identified for Smart City development)
Studio Coordinators: Dr. Kshama Puntambekar, Gaurav Vaidya and Ritika Mandhyan

Aim: To prepare Local area plan of the selected area and in the process to let the class understand the process of preparation of local area plan at ward level in the context of the 74th Constitutional Amendment Act and subsequent changes in urban governance structures. For this purpose study area was selected in the core area of Bhopal with various urban challenges. Study Area was identified as Ward Nos. 25, 28, 31 and 32 of Bhopal Municipal Corporation (Area identified for Smart City development)

Site visit (study area) for existing conditions on site (surveys) was conducted from 8th August to 14th August 2016. During the visit students conducted Primary and secondary surveys for Physical Infrastructure, Social infrastructure, Road Network, Land use, Land Values, Urban Structure, Environment Community and heritage sites and Economic activities.

At the end of the study area visit students presented the survey data analysis and highlighted the urban issues of the study area.

B. Plan, 3rd year, 6th semester

Urban Development Planning Studios VI
Study Area: Sagar City of Madhya Pradesh
Studio Coordinators: Pemjeet Das Gupta, Paulose N.K.

Students of Bachelor of Planning VI Semester carried out a field study in Sagar city in MP from 4 to 11 February, 2017, as part of their Urban Development/City Planning studio. They studied the variations in urban form within the planning area, observed traffic and transportation conditions, conducted a socio-economic survey and met government officials to collect data related to ongoing programmes and projects. A transect approach adopted in the studio to compare the spatial development of the villages in the statutory planning area with the urban area and the students

conducted detailed land use and socio-economic survey of six villages located on the corridors radiating out of the city. The team met the Mayor of Sagar Municipal Corporation to discuss the current scenario regarding contention of Sagar for Smart City tag and received a lot of support from him in terms of making infrastructure-related data available. A half day interactive session for students with the Town Planning department officials at Sagar was also organized. It was very interesting to learn about how the land use planning process has been followed in the past and present statutory Development Plans of Sagar Planning Area.

B. Plan, 4th year, 7th semester

Regional Planning Studio VII

Study Area: Bangalore Metropolitan Region

Studio Coordinators: Dr. Amit Chatterjee, Premjeet Das Gupta and Gaurav Vaidya

A group of thirty students of Bachelor of Planning (seventh sem.) visited Bangalore Metropolitan Region during 16-26 August, 2016 in order to carry out an academic exercise to prepare 'Regional Development Strategies for Bangalore Metropolitan Region (BMR)'. The students were accompanied by Dr. Amit Chatterjee, Mr. Premjeet Dasgupta and Mr. Gaurav Vaidya. Students interacted with Commissioner, Bangalore Metropolitan Regional Development Authority (BMRDA), Joint Director (town planning), Bangalore Development Authority (BDA) and officials of various Area Planning Authorities existed in BMR. We got good support from faculty members of IIM-Bangalore, IISc and IIHS. Dr. Ashish Verma of IISc has shared his experiences with students on regional transport issues of Bangalore and also details about two ongoing sponsored projects (CLIMATRANS and The Kumbh Mela Experiment). Since BMR region emerging as one of the most dynamic regions of our country, some very interesting developments within city-region were observed by our students and overall quite enriching study tour.

M. Plan (Integrated Semester), 1st year, 1st semester

Study Area: Jhansi, Utter Pradesh

Studio Coordinators: Ashfaque Alam, Paulose NK and Prashanti Rao

A group of 37 students of the 1st Semester of M. Planning (integrated semester) visited the historical city of Jhansi between 27th August and 3rd September, 2016, to meet the requirements of their studio exercise on Local Area Planning, which is one of the three exercises of Integrated Planning Studio.

The 37 students were grouped into three groups based on different land use zone selected to study in Jhansi:

1. Residential area (5 wards of Jhansi Municipal Corporation),
2. Institutional area (2 wards of Jhansi Municipal Corporation and one ward of Jhansi Cantonment Area), and
3. Mixed land use area (6 wards of Jhansi Municipal Corporation)

Our students carried out the following exercises there to meet the requirements of Local Area Plan: mainly, a) Land Use and building height survey, b) Household survey, c) Traffic volume count survey, d) Parking accumulation survey, e) Pedestrian volume count survey and f) Secondary data collection from various government offices.

Two special lectures were organized during this visit. One was in the office of the Commissioner of Jhansi Municipal Corporation and another was in the Town and Country Planning office. Then students came across the local planning issues and development opportunities of Jhansi city. There was an interaction held with the Chief Executive Officer of Jhansi Cantonment Board also as the cantonment board area exists adjacent to selected study areas.

M.Plan (URP), 1st year, 2nd semester

Regional Planning Exercise MURP Studio-1
Study Area: Andhra Pradesh Capital Region (APCR)
Studio coordinator: Dr. Kshama Puntambekar, Dr. Rama U. Pandey, Ar. Prashanti Rao

A study tour was conducted for MPUR II sem students (20 students) for Regional Plan Studio in Andra Pradesh Capital Region (APCR) from 5th Feb to 14th Feb 2017. The study area includes part of two districts Krishna and Guntur delineated as APCR. It comprises of 56 mandalas, including 63 villages, 2 municipal corporations and 12 ULBs. It is a huge region of more than 8000 sqm.

Initially Expert lectures were delivered by APCRDA officials and ARVEE consultants on overview of region and delineation criteria and Amaravati Capital Complex Development Authority on Development control rules and land pooling methods adopted for the development of the Capitol Complex. The team of students and faculty members visited SPA Vijayawada, where they had discussions with Master Programme students followed by a talk and discussion on APCR with concerned faculty. Director, SPA Vijayawada Prof. Meenakshi Jain also addressed the student gathering.

The next three days were dedicated to data collection by students from various departments in Guntur, Machalipatanam and Vijayawada. It was challenging to collect the secondary data as the study area was divided into two districts. APCRDA officials were helpful in understanding the region. Study region was visited on the weekend to understand the region, which displayed a varied character on both sides of the river spatially and economically.

M. Plan (URP), 2nd year, 3rd semester

Urban Development Planning MURP Studio II
Study Area: Shimla, Himachal Pradesh
Studio Coordinators: Prof. Nikhil Ranjan Mandal, Govind M.P., Shomit D. Bade

Students of third semester master of urban & regional planning had visited Shimla as part of their studio exercise. The duration of the visit was from 18-26 August 2016 (journey dates included). The outcome of the exercise was to prepare a “Development Plan for Shimla City.” by taking into consideration the entire urban area as the study area. The studio had adopted a thematic focus on urban resilience and improved accessibility in public places which became an overarching thrust area of different sectors considered. Owing to the time and resource constraints [15 scholars], only eleven sectors / aspects of city development were considered, namely; regional setting, economic base, demography & social structure, existing land use, transportation, physical infrastructure, social infrastructure, tourism & heritage, accessibility in public spaces, housing & slums and environment & disaster.

In order to understand the ground situation, various data collection methods were planned and executed such as accessibility survey at the Mall road, origin-destination survey of the computers of public and private transportation modes, land use survey of the Shimla municipal corporation area, tourists survey at the important tourist spots and secondary data collection from various offices. The studio exercise has resulted in a set of strategies for different sectors to achieve a sustainable and holistic city development mechanism to achieve urban resilience in future.

M. Plan (EP) 1st year, 2nd semester

Study Area: Jabalpur, Madhya Pradesh

Studio Coordinator: Govind M.P and Shomit Dilip Bade

Studio tour of second semester Master of Environmental Planning batch (17 students) to Jabalpur district was conducted from 6th - 13th February 2017. The topic of the studio was "Integrated Water Resources Management Plan for Jabalpur District - 2030" The aim of this exercise was to formulate strategies for efficient water resources planning and to protect water resources and environment.

Students were divided into different groups for the purpose of speedy data collection. They have visited various offices such as district Collectorate (to procure data related to mining, disaster management and demography), Municipal Corporation (to procure data related to water supply & distribution, wastewater management and solid waste management), Public Health Engineering Department (to procure data related to water supply & distribution, wastewater management, water quality and water conservation, all for rural settlements), Irrigation Department (to procure data related to small and medium irrigation projects), Janpad and Zilla Panchayats (to procure Gram Panchayat Development Plans), IMD (to procure temperature and precipitation data for last 30 years), Survey Of India (to procure toposheets for Jabalpur district), T&CP (to procure Jabalpur Development Plan), Rani Avanti Bai Lodi Sagar Project Office (to collect data related to Barghi dam, irrigation canal network and water distribution mechanism), DIC (data related to industries in Jabalpur district – existing & proposed), MPPCB (quality monitoring & analysis of water samples collected from Pariyat and Hiran rivers) etc. Students also did household surveys in the rural settlements to understand water availability. Students along with the faculty members had discussions with many senior officials and received good insights on the water management scenario of Jabalpur district.

M. Plan (EP), 2nd year, 3rd semester

Urban Environment Planning, MEP Studio-II

Study Area: Shillong City Meghalaya

Studio Coordinators: Dr. Rama U Pandey, Shomit D. Bade.

Low Carbon and Climate Resilient Development Plan for Shillong City was prepared as an academic exercise. Integration of climate change in city planning are getting attention worldwide these days. Cities and climate change have a dual relationship. Cities, as major emitters of greenhouse gases, contribute to climate change. The changing climate would cause severe impacts on cities, as they house the increasing majority of the population and productive assets. The

aim of studio exercise therefore is to understand the urban environment comprehensively and propose planning initiatives so as to integrate city level development priorities with globally agreed climate change objectives such as: low carbon emission; and adaptation to climate change.

Shillong urban agglomeration, experiencing urbanization at a much faster rate, and consequently suffering from acute problems of increasing urbanization was selected for the studio exercise to give a wider exposure to urban environmental issues pertaining to hill cities. A total of 17 students accompanied by two faculty members visited Shillong during August 28 to September 10, 2016 for data collection. The social structure of the strong traditional system in Shillong presents a big challenge for city development. The resultant proposals focused on three aspects namely: low carbon development; improving resilience; and contribution to community development. The proposed plan included : land use suitability map for future development and integrating it with the disaster management plan; harnessing solar energy and incorporating Hydel project; integrated public transport system for modal shift; integrated solid waste management system including harnessing energy from waste; use of traditional housing and provisions building regulations for its inclusion; water management through water harvesting, groundwater recharge, efficiency in water supply and tariff collection; and governance. Planning interventions integrating all these for Shillong urban agglomeration resulted in a low carbon and climate resilient development plan as a final output of studio exercise.

"Consultancy – Integrated Cluster Action Plan under Syama Prasad Mukherjee National Rurban Mission

The government of Madhya Pradesh had awarded a Consultancy Project to School of Planning and Architecture, Bhopal to act as STSA (State Technical Support Agency) and prepare Integrated Cluster Action Plan (ICAP) for the following clusters under Syama Prasad Mukherjee National Rurban Mission.

The Mission aims at the development of rural growth clusters which have the latent potential for growth, in all States and UTs, to trigger overall integrated development in the region. These clusters would be developed by provisioning of economic activities, developing skills and local entrepreneurship and providing infrastructure amenities.

The list of all seven (7) clusters under the consultancy project are as follows:

1. Ratibad Cluster, Bhopal District
2. Gunga Cluster, Bhopal District
3. Nawda Panth Cluster, Indore District
4. Simrol Cluster, Indore District
5. Achchat Cluster, Chhatarpur District
6. Kanhiwada Cluster, Seoni District
7. Delakhari Cluster, Chhindwara District

The agreements to this effect were signed on 27-07-2016 between the Government of Madhya Pradesh and School of Planning and Architecture, Bhopal. The total cost of the Consultancy Project is Rs.84,00,000/- (@ Rs.12,00,000/- per cluster for 7 clusters)(exclusive of taxes).

The ICAP proposal outlines were approved by the Empowered Committee of Ministry of Human Resource Development, Government of India on 28th November, 2016. The Final Report of the Consultancy Project has been submitted. 50% of the total cost of this Project has been received by the Institute."

DEPARTMENT OF ARCHITECTURE

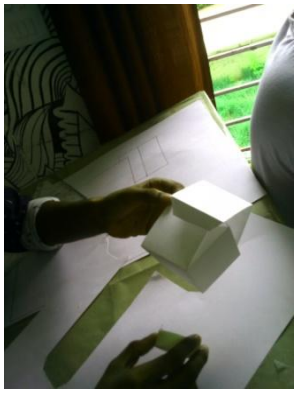

1st Year (Arch. Design – I), Semester: July-Dec 2016

Coordinator Name: Dr. Sukanta Majumdar

Team: Ashish Patil, Ashutosh Tiwari, Sukanta Majumdar

Objective: The basic objective of this subject is to orient the students towards design as a field of study and to learn different techniques and skills of visual composition in both 2D as well as the 3D medium.

Site visit: At the initial stage of this subject, students visited Bharat Bhawan for sketching of various types of objects in Ceramics workshop.

Outcome: Students learnt to different types of drawing, painting skills, the visual composition in different mediums (like different types of paper, colours etc.), the Anthropological study of human-space relationship.

1st Year (Arch. Design – II), Semester: Jan-July 2017

Coordinator Name: Mr. Ashish Patil

Team: Ashish Patil, Naveen Kishore, Prabhat K. Rao, Harshit Kothari

Design Exercise I: Understanding the User and the Built Environment Simulation Exercise, SPA Campus

Objective: To make the students learn about how the assistive devices are used.
To identify the areas of difficulty and inaccessibility in the assigned built environment.
To critically analyze the design aspect for accessibility in the assigned built environment.
To prepare a presentation for a critical appreciation of the assigned built environment with the use of photographs and PPT, drawing or any other innovative technique

Site visit: SPA Campus (Area subdivision), External Area, Academic Building 1 and 2, Boys and Girls hostels, QIP center + Director + Dean Bungalows, Residential 1 + IWD, Residential area 2 (APQ) + Guest House + Infirmary, Gate complex + Bank + Workshop + Sports arenas.

Outcome: This studio exercise is an attempt to provide for the students with an ability to observe and analyze their surrounding environments and develop an understanding of the barrier-free environment. The students are expected to be sensitive, in the long run, to the establishment of design practices covering access for differently able people.

Design outcomes in following steps: Problem identification, Planning principle, Design considerations Existing Constructions.

Design Exercise 2: Entrance Pathway to Van Vihar: The design will consist of; Entrance gate, Security cabin, Ticketing counter, A Kiosk,Toilets, A Cycle shed with a repairing shop.
Objective: The objective of this Design Exercise is to familiarize the students with the architectural design process. The design exercise is an exploration of form and materiality.

Site visit: Van Vihar National Park Bhopal

Outcome: By this design studio exercise, students familiarized with the architectural design process, form and materiality Understands the architectural design process, Understands the design activity

Visual composition of architectural spaces considering human activity, Anthropometry,

Building material exploration, colour etc., Understand and communicate architectural drawings with the help of various mediums and making 3D Models.

2nd Year (Design – III), Semester: July-Dec 2016

Coordinator : Dr. Sanjeev Singh
Objective: The objectives of this Studio was to bring students at a confluence where vernacular architecture meets contemporary design. There are two major exercises within this studio, the first is to bring an understanding of vernacular architecture in terms of material and construction techniques and the other to make use of the same in contemporary design.

Site visit : 'National Museum of Mankind' which presents an integrated story of the evolution of man and culture with special reference to India was the site under study. It has clusters of open-air exhibitions displaying Tribal Habitat, Coastal Village, Desert Village, Himalayan Village, Mythological trail, Traditional park. The exhibits are life-size dwellings built by different tribal communities themselves. The materials are traditionally used for construction in their respective regions, have been specially transported to Bhopal for creating replicas

Outcome: The first part of the design program brought an understanding of vernacular materials used in construction by exploring museum's open-air exhibits in terms of their usage of materials from foundation to roof with details.

The second part of the design program utilized the developed understanding of Vernacular Architecture in contemporary design.

2nd Year (Arch. Design – IV), Semester: Jan-July 2017

Coordinator : Gaurav Singh
Team: Ar. Sandeep Arora, Ar. Shweta Saxena, Er. Apurv Shrivastava, Ar. Abhishek Venkatiraman, Ar. Priyanka Singh, Ar. Vineet Chadha

*Objective:*To foster understanding about land and landforms and the elements of built space. Experimentation with shapes and forms to evolve sensitivity to built volumes.Focus on studying patterns in horizontal circulation in built areas.Introduction to vernacular architecture, use of local materials and appreciation of the socio-economics of the users. The overall studio was conducted by giving students 3 exercises. 2 were minor and 1 major exercise. 1st Exercise was to document and

present the learning's from the Gujarat tour. 2nd Exercise was a design-build exercise where the students were exposed to experimentation with shapes and forms to evolve sensitivity to built volumes. The design problem induced students to experiment with built and open spaces. The 3rd exercise was to design of the simple repetitive type of spaces. However, keeping in line with the intent of the syllabus, students were given various short duration prop exercises with the intent that the consolidation of all exercises results in the design of built space. Each subsequent prop exercise used outcomes from the previous exercises. All prop exercises included smaller assignments as part of the design process that leads to the overall theme of the major design problem.

Site visit: The students were taken for the study tour to Gujarat where they visited various places like Ahmedabad, Bhuj with the aim of understanding the local material and techniques and experiencing the work of the masters.

Outcome:
Exercise 1: The students prepared a tour report through different mediums and modes in a group and gave 1-page individual observations from the tour.

Exercise 2: The students were able to choose a site/space at SPA Campus, Study context and surrounding, users and functions associated. They were able to design and build product/ component/prototype for space at 1:1 scale using vernacular styles, techniques etc. The products can be seen in the entrance lobby like folding bench and the drafting table, sitting space on the way to the canteen, notice board in the canteen, bird feeder near the bus stop, a mobile wind structure etc.

Exercise 3: The students were able to do composition in black and white and then RBG (Red for built, Blue for Water and Green for Landscaped areas) and then transform that 2D composition to a 3D composition.Based on the 3D composition they were able to do sun study and climate study and decide upon the sizes of the fenestrations and the kind of shading devices to be used. Then they were able to decide upon the kind of usage this 3 D mass could be used for and based on the usage they were able to assign the function to the various spaces and develop the surroundings of the built-up spaces.

3rd Year (Design – V), Semester: July-Dec 2016

Coordinator Name: Ar. Sanmarga Mitra
Team: Ar. Parama Mitra, Dr. Devarshi Chaurasia, Ar. Sushil Kr. Solanki, Dr. Rachna Khare, Ar. Rohit Giri (visiting faculty), Ar. Jai Singh (visiting faculty)

Objectives: To understand design requirements for universal accessibility. To be able to assess and audit accessibility in an existing building(s) and sites. To learn to augment existing building(s) / sites in order to improve accessibility. To understand varied structural systems. Exploring and designing structural (large) spanning systems for different requirements. To develop sensitivity to the building bylaws. To develop an understanding of how to design in a specific cultural landscape.

Site visit: Following sites were visited during the studio. Accessibility Audit of these historic Sites was carried out, following which, accessibility maps were prepared for each of them in the studio. 1. Sanchi 2. Bhimbetka 3. Islamnagar, Mayo Hall / Old Central Library at Bhopal.

Outcome: Project 1- The project focused on assessment and audit of accessibility conditions of existing heritage sites and buildings. Students became aware of design requirements of universal accessibility as well as the process to assess the accessibility conditions of any building. By the completion of the project, students were also able to ensure universal accessibilities in intervention with any historic building and site.

Project 2- The project focused on exploring structural spanning systems for large covered areas (temporary or permanent) and their integration with form. The designs were formulated to increase awareness and application about advanced structural systems and latest building material. The emphasis of the problem was on the design parameters and graphical presentation rather than detailed structural analysis.

3rd Year (Arch. Design – VI), Section : A, Semester: Jan-July 2017

Coordinator : Ar. Sanmarg Mitra
Co-coordinators: Ar. Arvind Kr. Meel, Ar. Bulbul Shukla, Ar. Jai Singh (visiting)

Objective: a. To understand varied structural systems. b. Exploring and designing structural (large) spanning systems for different requirements. c. To develop sensitivity to the building bylaws. d. To develop an understanding of how to design in a specific cultural landscape.

Site visit : The site for the designs was given in between Bhadbhada Bridge and IIFm in Bhopal city. Students have visited it once with the studio instructors and few more times themselves afterwards to study and document the site.

Outcome: a. Analysis and understanding of Case studies of assigned design types. b. Academic / library studies of design typology. c. Learning site studies and analysis to record and assess existing site and building conditions.

d. Learning design process with specific attention on structural systems, services and building bylaws. e. Learning details of parking, landscaping and elevation features. f. Communication of design concept and development (till final stage) through perspectives and sketches – development of communication skills.

Two design typologies, having equivalent structural as well as service-related complications were developed by the students. These are:

- Design of 5-star business hotel.

- Design of 100-bed hospital.

4th Year (Design – VII), Semester: July-Dec 2016

Coordinator Name: Ar. Sandeep Arora, Ar. Nayana Singh

Team: Ar. Sandeep Arora, Er. Apurv Shrivastava, Ar. Priyanka Singh

Objective: The multifaceted studio primarily intends to familiarize students with various types of projects within the domain of housing. The objective of the minor problem was to introduce issues and opportunities related to slum relocation housing scenario in Bhopal. The intent of the SMART Housing project, the major design problem was to familiarize students with the design of smart housing projects which are safe, suitable for Mixed-income groups, accessible, transit-oriented and comply with Green Building minimum standards.

Site visit: Students visited following projects during the course of design studio at various stages-

- About 8 group housing projects in a northern part of Bhopal. MP.
- Ocean Park, a high-rise residential project in Indore, MP.
- 4 slum relocation projects in Bhopal, MP.
- Aranya Housing in Indore, MP.
- Smart City Site study at T. T. Nagar, Bhopal MP.
- Gammon India Near New Market., Bhopal . MP.

Outcome: Total 8 groups with 5 students in each, designed a prototype unit for low-income group on the basis of identification and analysis of issues of the slum dweller at different locations in Bhopal. Another set of housing projects were design by students individually for Group housing on the basis of SMART housing policies in line with the concept of Smart Cities. With these two design problems given in this studio students were able to-

- Demonstrate integration of all aspects about a building design and its workings- including service details, assessment of environmental impact, innovative structural systems and materials etc.
- Demonstrate sensitivity to design of spaces at the urban scale – creation of nodes and links, visual landmarks, activity and interaction zones, relationship between commercial, recreational and residential areas.
- Identify general as well as unique needs of the user.
- Device a suitable space-use program based on their understanding of the client (user).
- Respond to scenarios where the client is not the user of the design.
- Design individual units as well as overall residential complex which demonstrate the integration of built and open spaces, services such as power supply, road network, security, vehicular and pedestrian movement, waste management and sewage disposal.
- Explore various notions related to group housing such as Individual Identity, affordability, Flexibility and shared spaces.

4th Year (Design VIII), Semester: Jan-July 2017

Coordinator: Dr. Ajay Ku. Vinodia

Objective: To understand the fundamentals of housing design and integration of various aspects about a building design including services details, environmental impact and innovation in structural systems and material use.

Evolving sensitivity to design of spaces at the urban scale creation of nodes and links, visual landmarks, and integration of various activity areas such as residential, commercial and recreational to form lovable neighbourhoods.

Site visit: Site selection: This was proposed that 5-6 different location of housing of an area of 6-10 acres would be selected by the students. The location could be at old city area, near the commercial district, fringe areas, scenic locations, re-densification projects, urban poor housing and proposed government housing.

For case studies students have visited GAMMON INDIA high-rise housing project is under construction at New Market Bhopal. Another case study was the Mahadeo and KeelanDeo tower of MP Housing board project. For affordable housing slums and housing for poor situated near Abbas Nagar and Aero city Bhopal was also studied.

Outcome: Students were able to design livable housing neighbourhoods with an understanding of site context, socio-economic and physical complexities of real world.

5th Year (Design – IX), Semester: July-Dec 2016

Coordinator Name: Ar. Gaurav Singh
Team: Ar. Gayatri Nanda, Ar. Abhishek Vekatiraman, Ar. Prabhat Kumar Rao, Ar. Vineet Chaddha

Objective: Evolving sensitivity to the design of spaces at the urban scale – creation of nodes and links, visual landmarks, activity and interaction zones, relationship between commercial, recreational and residential areas. The Studio Challenge, What is the fate of people staying along the fringes of the smart city development area? Can a design solution guide the future development in such a way that it becomes a model development plan achieving a continuum in the urban fabric by addressing the interface of the smart city development area and the low dense city.

The objective of the Studio: It would help students to understand the complexity of urban issues, work in a team and develop design strategy and evolve a framework, design rules to allow any other architects to work within the framework by demonstrating their project. This would be done by taking the edges of the demarcated under the smart city for the project and developed as “Smart urban corridors” integrating the two edges.

Site visit: The students did their site surveys and visited the sites multiple times as the sites given were in Bhopal. Site 1- The road connecting Polytechnic Square to Bus Depot square, Site 2 – From MANIT Square to Kolar Tri-junction.

Contribution of Faculty Members

PUBLICATIONS

Books

Sanjeev Singh, Neeta Lambe, Poonam Khan, Sujata Godbole, Brishbhanlali Raghuwanshi, Vernacular Settlements in Chanderi towards innovation and sustenance, SPA Press, 978-81-927981-2-7, 1-Feb-17.

Ajay Khare, 'From Poverty, Inequality to Smart City' published as Book Series: Springer Transactions in Civil and Environmental Engineering by Springer, New Delhi. Editors: Fumihiko Seta, University of Tokyo, Joy Sen, IIT, Kharagpur, Arindam Biswas, IIT Roorkee, Ajay Khare, School of Planning and Architecture, Bhopal.

Ajay Khare, 'Understanding Built Environment' published as Book Series: Springer Transactions in Civil and Environmental Engineering by Springer, New Delhi. Editors: Fumihiko Seta, University of Tokyo, Joy Sen, IIT, Kharagpur, Arindam Biswas, IIT Roorkee, Ajay Khare, School of Planning and Architecture, Bhopal.

Book Chapters

Amit Chatterjee, Kapshe M., Kuriakose P.N., Surat, India: Urban Innovation and Climate co-benefits in Municipal Sewage Management, Published in 'Urbanization and Climate Change Co-benefits: Implementation of Win Interventions in Cities', edited by Christopher N.H. Doll, Jose A Puppim de Oliveira, Routledge: UK.

Sheuli Mitra, Conceptual Guidelines for Planning and Design Aspects in Housing: Towards Integrating Quality, Efficiency and Livability, Compendium of Layouts and Designs Approved under HFA, Ministry of Housing and Urban Poverty Alleviation, CD Publication, 24-Jun-16.

Vishakha Kawathekar, Ajay Khare, Adam Hardy, Reconstructing the Designs of Ruined Temples, Conserving Architecture edited by Kulbhushan Jain, AADI Centre, 10 A Tolak Nagar, Paldi, Ahmadabad, ISBN 978-81-908528-2-1, 1-Jan-17.

Ajay Khare, Glocalizing of Social Inclusion: Lessons from India, Edited by Benjamin Clavan, 2016. Foreword by Raymond Lifchez, "Design For A New Age: Teaching the Social Art of Architecture" pp. 98-152, The Work of the Berkeley Prize Teaching Fellows, 2013-2015.

Rachna Khare, Abir Mullick, Universal Design India Principles; a Contextual Framework for Universal Design Practice in India, book chapter in Empowering Children with Disabilities, published by UNICEF and Mahatma Gandhi Labor Institute, Ahmadabad, ISBN 978-93-5266-321-7.

Rachna Khare, Environmental Design Considerations for Children with Autism, book chapter in Empowering Children with Disabilities, published by UNICEF and Mahatma Gandhi Labor Institute, Ahmadabad, ISBN 978-93-5266-321-7.

Conference Proceedings

Devarshi Chaurasia, Book Review titled Sustainable Urban Planning by Prof. Joy Sen, TERI Press 2013, The Proceedings of National Seminar on Emerging Trends in Green Technology, Bharti Publication, New Delhi, 22-Apr-2016, ISBN No.: 978-93-85000-68-3.

Gaurav Singh, Nayana R Singh, Learning from built environment of hill region of Uttarakhand, India and its response to disaster risk, 4th Architectural and Civil engineering (ACE 2016), Global Science and Technology Forum (GSTF), Singapore, 25-Apr-2016, 1, 2301-394X.

Sandeep Sankat, Rachna Khare, Creating Inclusive Living Environments in Urban Residences for Indian Elderly, Advances in Design for Inclusion Proceedings of the AHFE 2016, Springer International Publishing Switzerland 2016, 1-June-2016, Advances in Design for Inclusion Proceedings of the AHFE 2016, ISBN 978-3-319-41961-9 ISBN 978-3-319-41962-6 (eBook).

Gayatri Nanda, Arvind Kumar Meel, Shaping Place Identity through continuity and change in Cultural Inheritance, The Case of Kullu Dusshera, Himachal Pradesh, India, Inheriting the City: Advancing Understandings of Urban Heritage, Iron bridge International Institute for Cultural Heritage, University of Birmingham, 1-Jul-2016.

Tapas Mitra, Sheuli Mitra, An Alternative Approach to Addressing Core City Housing through Design Interventions: Case of Kolkata, India, Low/No Cost Housing Conference, ETH Zurich, 1-Jul-2016.

Poonam Khan, Brishbhanlali Raghuwanshi, Shikha Patidar, Sustainable Design Education through Vernacular Architecture: A Case Study of Chanderi Region, Madhya Pradesh, India. PLEA 2016 - Cities, Buildings, People: Towards Regenerative Environments, Proceedings of the 32nd International Conference on Passive and Low Energy Architecture, PLEA 2016 Los Angeles, 13-Jul-2016, Volume 2, ISBN : 978-1-365-29354-2.

Apurv Shrivastava, Shweta Saxena, Devarshi Chaurasia, Parameters for assessing building project within the purview of constructability, Springer International Publishing Journal Switzerland, Date of Publishing, 27-Jul-2016, Volume 498 of the series, Advances in Intelligent Systems and Computing, pp 1209-1214.

Apurv Shrivastava, Sandeep Arora, Shweta Saxena, Gaps Between Practice and Education of Architect—A Study of India, Advances in Human Factors, Business Management, Training and Education, Springer International Publishing, 27-Jul-16, Volume- 498, 978-3-319-42069-1, 10.1007/978-3-319-42070-7_20.

Shweta Vardia, Rachna Khare, Poonam Khan, Bringing Universal Usability to All Users: A Case Study on Public Realm Locations of Tourist Interest in Bhopal, India, Advances in Design for Inclusion, Proceedings of 7th International Conference on Applied Human Factors and Ergonomics (AHFE 2016) and the Affiliated Conferences, July 27-31, Walt Disney World®, Florida, USA, Springer International Publishing, Date of Publishing, 27-Jul-2016, 500 volume of Advances in Intelligent systems and computing , ISSN Online: 2328-4919, ISSN Print: 2328-4900, DOI No. 10.4236/cus.2016.43024.

Sushil Kumar Solanki, D. Chaurasia, S. Sankat, Bus rapid transit system (BRTS): A case study to investigate its use by the persons with disability, Advances in Human Aspects of Transportation, Advances in Intelligent Systems and Computing-2016, Springer International Publishing Switzerland 2017, 27-July-2016, Advances in Human Aspects of Transportation, Advances in Intelligent Systems and Computing 484, ISSN: 2194-5357, DOI 10.1007/978-3-319-41682-3_66.

Poonam Khan, Shweta Vardia, Rachna Khare, Bringing Universal Usability to all Users: A Case Study on Public Realm Locations of Tourist Interest in Bhopal, India, Applied Human Factors and Ergonomics Proceedings of the 7th International Conference on Applied Human Factors and Ergonomics (AHFE 2016) and the Affiliated Conferences, July 27-31, Walt Disney World®, Florida, USA, Springer International Publishing, 31-Jul-2016, 1, 978-3-319-43764-4.

Devarshi Chaurasia, Sandeep Sankat, Sushil Kumar Solanki, Bus Rapid Transit (BRTS): A Case Study to Investigate Its Use by the Persons with Disability, Applied Human Factors and Ergonomics, AHFE 2016 International Conference on Advances in Human Aspects of Transportation. Advances in Intelligent Systems and Computing, Springer Online, 7-Aug-2016, Part of the Advances in Intelligent Systems and Computing book series (AISC, volume 484), DOI: 10.1007/978-3-319-41682-3.

Devarshi Chaurasia, Apurv Shrivastava, Shweta Saxena, Parameters for Assessing a Building Project within the Purview of Constructability, Applied Human Factors and Ergonomics, AHFE 2016 International Conference on Advances in Human Factors, Springer Online, 27-Aug-2016, Vol.- 498, DOI: 10.1007/978-3-319-42070-7_109.

Shweta Vardia, Rachna Khare, Ajay Khare, Universal Access in Heritage Sites: A Case Study on Historic Sites in Jaipur, India, Universal Design 2016: Learning from the Past, Designing for the Future: Proceedings of the 3rd International Conference on Universal Design (UD 2016), York, United Kingdom, August 21 – 24, 2016, open access by IOS press 2016, Date of Publishing, 15-Sep-2016, Volume 229, Studies in Health Technology and Informatics, ISSN/ISBN No. 9781138953444.

Tapas Mitra, Sheuli Mitra, An Alternative Approach to addressing Core City Housing through Design Interventions: Case of Kolkata, India Low/No Cost Housing Conference, Zurich, Oerlikon Declaration, UN-Habitat III, Quito, Ecuador, ETH, Zurich, UN-Habitat, UNI, 15-Sep-2016. (The resolution of the conference fed into Habitat III)

Shweta Vardia, Construction Technology in Temples of Central India-Study of Bhojpur Temple, Madhya Pradesh, Proceedings of the 4th Historic Mortars Conference - HMC 2016, Laboratory of Building Materials Department of Civil Engineering Aristotle University of Thessaloniki, 12-Oct-2016, 978-960-99922-3-7.

Kakoli Saha, Gayatri Nanda, Incorporating GIS in Architectural Pedagogy. Proceedings of 17thEsri India User Conference 2017, Esri India, Date of Publishing, 19-Jan-2017, 17, ISSN/ISBN No. 978-94-90354-47-3.

Nayana R. Singh, Traditional Wisdom of Built Heritage for Reducing the Disaster Risk and Sustaining the Habitat in the Hills of Uttarkashi, International Conference on Sustainable Built Environment 2017, Department of Architecture and Planning, IIT Roorkee, 5-Feb-2017.

Binayak Choudhury, Ashfaque Alam, The Dynamics of Urbanization – A Case of Bhopal District in India, 52nd ISOCARP Congress, 12-16 September, 2016, https://isocarp.org › Activities › ISOCARP Annual World Congresses, Date of Publishing, 6-Feb-2017, 52nd ISOCARP Proceedings , ISSN (Online) 2393 - 8021, ISSN (Print) 2394 - 1588, DOI No. 10.17148/IARJSET.2016.340 7.

Saurabh Tewari, Aurgho Jyoti, Holistic Socio-environmental Design: Practices Through Making, Craft, and Historicity, Research into Design for Communities, Springer Singapore, Date of Publishing, 11-Feb-2017, Volume 2, ISSN/ISBN No. 2231-4601.

Saurabh Tewari, Nipun Prabhakar and Saurabh Popli, A Gandhian Framework for Social Design: The Work of Laurie Baker and Hunnarshala, Research into Design for Communities, Springer Singapore, Date of Publishing, 11-Feb-2017, Volume 1, ISBN819279812-7.

Saurabh Tewari, Kumar Ravi Priya, People, Chair, and Value(S): A Qualitative Inquiry into the Material Lives, Research into Design for Communities, Springer Singapore, Date of Publishing, 26-Feb-2017, Volume 1, ISSN: 2231-4601.

Kakoli Saha, Smart Solutions for a Smart City: a GIS Approach, Proceedings of the 10th International Conference on Theory and Practice of Electronic Governance, Association for Computing Machinery (ACM), Date of Publishing, 7-Mar-2017, Vol.10, ISSN:2231-4601.

Amit Chatterjee, Transforming Mumbai City: Removing the Bottlenecks to achieve future Sustainability, 52nd International Society of City and Regional Planners (ISOCARP) Congress, Durban South Africa, 15 Sep.2016. Date of Publishing, 30-Mar-2017, 1-3:296-305., Volume 498 of the series, Advances in Intelligent Systems and Computing, pp 207-214.

Journal Articles

N. R. Mandal, R. C. Sinha, S. Sarkar, Adequate Housing and Quality of life – A Literature Review, Journal of Applied Research and Social Sciences (ARS), International Society for Green, Sustainable Engineering and Management, 1-Apr-16, volume 3 issue 3, 2350 -1472.

Saurabh Popli, New Areas in Landscape Architecture Education, Journal of Landscape Architecture India, No. 46, Landscape Architecture Foundation, 10-Apr-2016, 0975-0177.

Amit Chatterjee, Sanchita Chatterjee, Sustainable Metropolitan Development using Carrying Capacity as a tool: A Case of Mumbai Metropolitan Region, India, International Advanced Research Journal of Science, Engineering and Technology, IARJSET, Date of Publishing, 24-Apr-2016, Vol. 3, Issue 4, ISSN No. 978-3-319-42069-1, DOI No. 10.1007/978-3-319-42070-7_20.

Devarshi Chaurasia, Accessibility in Transport for the Differently-Abled: Present Scenario and Way Forward, YOJANA, Publications Division, Ministry of Information & Broadcasting, Govt. of India, 1-May-2016, Vol.-60, ISSN No.: 0971-8400.

Rachna Khare, Social Equity and Inclusion by Educational Space Design, in Journal 'Yojna', Volume 60, Ministry of Information and Broadcasting, Govt. of India, May 2016, ISSN-0971-8400.

Sushil Kumar Solanki, Full-Scale Modeling and User-Centered Approach for Teaching Building Services, International Journal of Exploring Emerging Trends in Engineering (IJEETE), 3-June-2016, Vol. 03, Issue 03, May-June, 2016 Pg. 170 - 173, ISSN: 2394-0573.

Premjeet Das Gupta, Kshama Puntambekar, Bicycles in Urban Transport: A Review of the Indian Scenario, Urban India, National Institute of Urban Affairs, 30-Jun-16, Volume 36 Issue 1, ISSN 0970-9045.

Nikhil Ranjan Mandal, Amit Chatterjee, Making Cities Smart and Competitive, SPANDREL, Issue 11, SPA, Press, Bhopal, Date of Publishing, 10-Jul-2016, 11, ISSN No. 978-1-61499-684-2-419, DOI No. 10.3233.

Prashanti Rao, Ishita Aryan and Sumit Kuliyal, Developing Methodology to assess land use deviation in eco fragile areas: a case study of Dehradun, Spatio-economic Development Record, Published by S.K. Kulshrestha, Shalimar Bagh, New Delhi-110088, 23-Jul-16, Volume-23, Issue no-4, ISSN 0971-4944.

Rama Umesh Pandey, Yogesh K. Garg, Evaluating Livability Performance of Residential Built Environment: A Step towards making a Smart City, SPANDREL, SPA Press, 29-July 2016, Issue 11, 2231-4601.

Rachna Khare, Sandeep Arora, Morphological Patterns of Dwelling Units in Informal Settlements of Bhopal, Journal of Civil Engineering and Environmental Technology, Krishi Sanskriti Publications, Delhi, 1-Oct-16, Vol.3, Issue 9, ISSN 2349-8404.

Prashanti Rao, Jigyasa Bisaria and Kshama Puntambekar, Exploratory analysis for usability of green spaces in gated residential communities: a case study of Bhopal City, Spatio-economic development Record, Published by S.K. Kulshreshtha, Shalimar Bagh, New Delhi, 21-Oct-16, Volume no-23, Issue no- 5, ISSN 0971-4944.

Shweta Saxena, Rachna Khare, Sandeep Arora, Morphological Patterns of Dwelling Units in Informal Settlements of Bhopal, India, Journal of Civil Engineering and Environmental Technology, Krishi Sanskriti Publications, 26-Oct-2016, Volume 3, Issue 9, p-ISSN: 2349-8404; e-ISSN: 2349-879X.

Manju Yadav, Krishna Kumar Dhote, Saurabh Popli, Green Rating Systems in India "A Landscape Perspective", International Journal on emerging technologies 8(1):12-15 (2017), Research Trends, 3-Jan-2017, Special Issue volume 8 (1) 2017, 0975-8364, 2249-3255.

Rama Umesh Pandey, Poornima Jayaraj, Exploring Linkages between Regenerative Capacity of Coastal Ecosystem and Sustainable Livelihood – A New Insight, International Journal on Emerging Technologies, Research Trend, 5-Jan-2017, Volume 8 and Issue 1, 0975-8364.

Ashfaque Alam, Gaurab Das Mahapatra, Smartness and Inclusiveness in City-Region a Theoretical Perspective, Journal of Advanced Research in Construction and Urban Architecture, Advanced Research Publications, Ghaziabad, Date of Publishing, 24-Jan-2017, Vol. 1 No. 3 & 4 (2016), ISBN: 978-94-90354-47-3.

N. R. Mandal, G. Chandra, M. Chakraborty, A. K. Sinha, Water Sustainability Index (WSIOC) for Office Complexes - Part 1: A Preliminary Framework, International Journal on Emerging Technologies 8(1): 330-336, Research Trend (www.researchtrend.net), 1-Feb-17, 8(1): 330-336, (Print) : 0975-8364, ISSN No. (Online) : 2249-3255.

Gaurav Vaidya, Aniruddha Pawar and Kshama Gupta, Mapping urban green spaces to identify the potential area for neighborhood greening with application of Urban Neighborhood Green Index, SPANDREL, School of Planning & Architecture Bhopal, Date of Publishing, 15-Mar-2017, Vol-I Issue 12 (Mansoon 2016-17), ISSN/ISBN No. 978-981-10-3520-3, DOI No. 10.1007/978-981-10-3521-0.

Sanmarga Mitra, Shivashish Bose, Sustainable Performance of Diverse Regional Vernacular Architecture of India-Case study of I.G.R.M.S. Bhopal, India, Science Direct Procedia Environmental Sciences, Elsevier, 23 March-2017, Vol. 37, 2017, 1878-0296, 10.1016/j.proenv.2017.03.023.

Parama Mitra, Suchandra Bardhan, Tracing the importance of Safety Audit in making Inclusive Cities: a step towards Smart Cities, Science Direct Procedia Environmental Sciences, Elsevier, 23-March-2017, Vol. 37, 2017, 1878-0296, 10.1016/j.proenv.2017.03.011.

Rama Umesh Pandey, Keerti Manisha, Catchment Area Assessment of Upper Lake Bhopal using Geospatial Technologies, SPANDREL, SPA Press, Bhopal, 28-March-2017, Issue 12, 2231-4601.

Kakoli Saha, A Remote Sensing Approach to Smart City Development in India: Case of Bhopal City, Madhya Pradesh. In Proceedings of the Special Collection on eGovernment Innovations in India, (ICEGOV]17) Rehema Baguma, Rahul De, Tomasz Janowski and Morten Meyerhoff Nielsen (Eds.) ACM New York, NY, USA, 70-75. DOI: https:// doi.org/10.1145/3055219.3055232.

Kakoli Saha, N.R. Mandal, 2016. An object-oriented approach to quantify available roof area for solar PV installation: Case of Bhopal City, Madhya Pradesh, India. Journal of Geomatics, Vol-10, No.2 pp 133-139.

Kakolisaha, N.R. Mandal, 2016. Estimating Solar PV Potential for Sustainable Energy Planning in Tier-II Cities of India: Case of Bhopal City. Current Urban Studies, 4, 356-375. DOI: 10.4236/cus.2016.43024.

Arti Jaiswal and Alka Bharat, Siting of Solid Waste Transfer Station in Bhopal using GIS-based Methodology, SPANDREL, Volume: Vol.1 ISSUE 12, Monsoon 2016-17, ISSN: 2231-4601.

Newsletters and other Articles

Tapas Mitra, Scenes from the departure lounge, Urban Sketchers website, urbansketchers.org, 3-Oct-16.

Sandeep Sankat, Rachna Khare, Universal Design Innovation Centre for Heritage, Design for All Institute of India, Vol-12 No-4, 4-Jan-17.

Sandeep Sankat, Rachna Khare, Sushil Solanki, Universal Design Education in Architecture: An Experiential and Simulation Exercise, Design for All Institute of India, Vol-12, No-04, 4-Jan-17.

Sandeep Sankat, Rachna Khare, Exploration of Issues for Indian Elderly through User Centric Design Studio, Design for Institute of India, Vol -12, No-04, 4-Jan-17.

Sandeep Sankat, Rachna Khare, Centre for Human Centric Research (CHCR) at School of Planning and Architecture, Bhopal, Design for All Institute of India, Vol-12, No-04, 4-Jan-17.

Sandeep Sankat, Design for All, a Publication of Design for All Institute of India, Design for All Institute of India, Vol -12, No-04, 4-Jan-17.

Sandeep Sankat, Sugamya Bharat ka Aadhar, Universal Design Education in India, Design for All, Newsletter, Design for All Institute of India, Vol -12, No-4, 4-Jan-17.

ACADEMIC EVENT PARTICIPATION

Conference

Keynote Speech

Sanjeev Singh, Key Note Speaker, Key Principles and response strategies for environmental Sustainability, Emerging trends in green technology, AMITY University Gwalior, 22-Apr-16.

Invited Presentations

Vishakha Kawathekar, Panelist, “Awesome Architects who are incidentally women, FOAID 2016: National Conference at Festival of Architecture and Interior Design 2016 Mumbai, FOAID India, Mumbai, 23-Sep-16.

Sheuli Mitra, Invited Speaker for Panel Discussion, Revisiting the Framework of Residential Land Development in Peripheral Urban Areas in India., 6th Asia Pacific Ministerial Conference on Housing and Urban Development (APMCHUD), Ministry of Housing and Urban Poverty Alleviation on behalf of Govt. of India, 15-Dec-16.

Conference Presentations

Arvind Kumar Meel, Gayatri Nanda, Shaping Place Identity through continuity and change in Cultural Inheritance The Case of Kullu Dusshera, Himachal Pradesh, India, Inheriting the City: Advancing Understandings of Urban Heritage, Ironbridge International Institute for Cultural Heritage, University of Birmingham; Venue: Chiang Kai-shek Memorial Hall, Taipei City, 1-Apr-16.

Gaurav Singh, Learning from Built environment of Hill region of Uttarakhand, India and its response to disaster risk, 4th Architecture and Civil engineering ACE 2016, Global science and technology forum (GSTF), Singapore, 26-Apr-16.

Sheuli Mitra, Tapas Mitra, An Alternative Approach to addressing Core City Housing through Design Interventions: Case of Kolkata India, Low/No Cost Housing Conference, ETH Zurich, 1-Jul-16.

Vishakha Kawathekar, Conservation of Early Indian Mosques: the Adhai-din-ka Jhompra Ajmer, 23nd Conference of the European Association for South Asian Archaeology and Art., Cardiff University, United Kingdom, 5-Jul-16.

Apurv Shrivastava, Parameters for assessing building project within the purview of constructability, AHFE 2016, Applied Human Factors and Ergonomics, Orlando, Florida, USA, 29-Jul-16.

Shweta Vardia, Bringing Universal Usability to All Users: A Case Study on Public Realm Locations of Tourist Interest in Bhopal, India, 7th International Conference on Applied Human Factors and Ergonomics (AHFE 2016) and the Affiliated Conferences, AHFE 2016, Walt Disney World®, Florida, USA, 29-Jul-16.

Apurv Shrivastava, Gaps between Practice and Education of Architect- A study of India, AHFE 2016, Applied Human Factors and Ergonomics, 31-Jul-16.

Devarshi Chaurasia, Bus Rapid Transit (BRTS): A Case Study to Investigate Its Use by the Persons with Disability, Conference on Applied Human Factors and Ergonomics, AHFE 2016 International Conference on Advances in Human Aspects of Transportation, AHFE-2016, Walt Disney World, Swan and Dolphin Hotel, Orlando, Florida, USA , 30-Aug-16.

Ashfaque Alam, The Dynamics of Rurbanisation - A Case of Bhopal District, 52nd ISOCARP Congress 2016, ISOCARP, Durban, 14-Sep-16.

Binayak Choudhury, The Dynamics of Rurbanisation - A Case of Bhopal District of India, 52nd ISOCARP Congress, ISOCARP, Durban, South Africa, 15-Sep-16.

Sanmarga Mitra, Sustainable Performance of Diverse Regional Vernacular Architecture in India - case study I.G.R.M.S., Bhopal, India, Green Urbanism, IEREK, Rome, 13-Oct-16.

Amit Chatterjee, Analyzing Carrying Capacity of a Metropolis through Geo-Spatial Analysis: case of Bangalore City, 36th INCA (Indian National Cartographic Association) International Congress, INCA, Visva-Bharati University, Santiniketan, West Bengal, 11-Nov-16.

Saurabh Popli, Conflicting or Combinative - Human and Natural Values at Kathotiya, India, 1st International Conference on Biodiversity, Food Security and Health (ICBFSH 2016), Universities Gadjah Mada, Yogyakarta, Indonesia, 22-Nov-16.

Saurabh Tewari, Holistic Socio-Environmental Design: Practices through Making, Craft and Historicity, Holistic Socio-Environmental Design: Practices through Making, Craft and Historicity, Indian Institute of Technology Guwahati, 9-Jan-17.

Saurabh Tewari, People, Chair, and Value(s): A Qualitative Inquiry into the material lives, International Conference on Research into Design 17, Indian Institute of Technology Guwahati, 10-Jan-17.

Saurabh Tewari, A Gandhian Framework for Social Design, International Conference on Research into Design 17, Indian Institute of Technology Guwahati, 11-Jan-17.

Apurv Shrivastava, Adaptive and Interactive Fit in Energy Efficient Design, International Conference on Mechanical, Energy and Power Systems.ICMEPS-2017, Oriental Institute of Science and Technology, Bhopal, 21-Jan-17.

Abhishek Koduvayur Venkitaraman, Addressing resilience in Transportation in Futuristic Cities, A Case of Auroville, International Conference on Sustainable Built Environments, SBE 2017, Indian Institute of Technology, Roorkee, 3-Feb-17.

Naveen Kishore Khambadkone, Investigation of the potential of passive heating and cooling strategies in a composite Indian climate using a newly developed bioclimatic analysis tool, ICSBE-2017 (International Conference on Sustainable Built Environment), Department of Architecture and Planning, IIT-Roorkee, 3-Feb-17.

Gayatri Nanda, Conceptualizing the notion of 'place identity' and establishing its significance in intervening in transforming heritage cities- the case of Puri, Odisha, India, International Conference on Sustainable Built Environments, (SBE-II): Dialogues on Sustainable Built Environments, IIT Roorkee, 5-Feb-17.

Arti Jaiswal, Assessing Innovative approaches for urban Solid Waste management in India, The 32nd International Conference on Solid Waste Technology and Management., Widener University, Journal of solid waste Technology and Management, Philadelphia, PA USA, 19-Mar-17.

Saurabh Popli, Peace from below embodied practice and the social, international conference on a peaceful South Asia, Jaypee Institute of Information Technology, Noida UP, 27-Mar-17.

Nayana R. Singh, Connectivity, Continuity and Adaptation as Design Principals: an Approach for Disaster Risk Reduction for Resilience of Rural Area of Uttarakashi, National Conference on "Emergency Response & Disaster Management Plan (ERDMP)", Disaster Management Institute, Bhopal, 13-Oct-16.

Gayatri Nanda, Incorporating GIS in Architectural Pedagogy, ESRI India User Conference 2017 and Exhibition, ESRI India; New Delhi, 20-Jan-17.

Paulose N. Kuriakose, Smart cities: Creating Enclaves as Islands of Prosperity?, AAARCON 2017, Architecture Association of Agra, 25-Feb-17.

Saurabh Tewari, Let's Retrospect the Smart, AAARCON 2017, Architecture Association of Agra, 25-Feb-17.

Paulose N. Kuriakose, Livable Cities: Building Character of Space Through Place Making, Liveable cities, College of Architecture Trivandrum, 4-Mar-17.

Conference Posters

Saurabh Tewari, The story of a chair: Transformations in the Design Culture of India, 10th International Conference on Design History and Design Studies, NTUST, Taipei, 26-Oct-16.

Premjeet Das Gupta, Understanding Barriers And Facilitators To Bicycle Use In Urban Fringes of Bhopal, 12th Transportation Planning and Implementation Methodologies for Developing Countries Conference, Transportation Systems Engineering (TSE) group, Indian Institute of Technology Bombay, 20-Dec-16.

Premjeet Das Gupta, Bicycle Use In Indian Cities: Understanding The Opportunities And Threats, 12th Transportation Planning and Implementation Methodologies for Developing Countries Conference, Transportation Systems Engineering (TSE) group, Indian Institute of Technology Bombay, 20-Dec-16.

Kakoli Saha, Incorporating GIS in Architectural Pedagogy", 17th Esri India User Conference 2017, New Delhi, India, 20-Jan-17.

Kakoli Saha, "Smart Solutions" for a Smart City: a GIS Approach", 10th International Conference on Theory and Practice of Electronic Governance (ICEGOV2017), Ministry of Electronics & Information Technology Government of India,7-Mar-17.

Conference Attended

Sanjeev Singh, Urban Regeneration of Historic Core areas- A case of silk weavers of Chanderi MP India, The World Architecture Festival, Berlin Germany, 18-Nov-16.

Saurabh Popli, 10th Global RCE Conference, Universitas Gadjah Mada, Yogyakarta, Indonesia, 25-Nov-16.

Ashish Patil, Conference on Conservation Education and Training in India, Preparing a roadmap for the Future, ICOM-CC (International Council of Museums Committee for Conservation and NRLC, 5-Dec-16.

Arti Jaiswal, 14th International Exhibition and conference on Smart and Sustainable City Solutions, MUNICIPALIKA, 18-Jun-17.

Sandeep Sankat, Smart Cities in India: Steering Urbanization Growth, PHD Chamber of Commerce, New Delhi, 22-Apr-16.

Govind M.P, Paulose N. Kuriakose, Rama U Pandey, Smart and Resilient Cities-Integrating Approaches for Urban Development, TARU Leading Edge, M-6, 2nd Floor, Aurobindo Marg, Hauz Khas, New Delhi-110016, India, 7-Oct-16.

Seminars and Symposiums

Seminar/Symposium Panel

Binayak Choudhury, Panelist, Sustainable Urban Management and Policy Response, Golden Jubilee of RCVP Noronha Academy of Administration, Bhopal, Bhopal, 6-Oct-16.

Seminar/Symposium Presentations

Saurabh Tewari, Learning from Search Workshop 16, International Symposium On Water Urbanism And Infrastructure Development In Eco-Sensitive Zones, Indian Institute Of Technology Kharagpur, India & Columbia University, the USA at Kolkata, 7-Jan-17.

Sandeep Sankat, "Sustainable Urban Development and Universal Access in Exterior and Interior built Environment", National Seminar on “Emerging Trends on sustainable Urban development", AMITY Gwalior, Madhya Pradesh, 28-Feb-17.

Rachna Khare, Universal Access in Heritage Sites; Examples of Explorations, Universal Accessibility in Heritage Monuments and Sites, UD Center- BNCA Pune and Archeological Survey of India, 3-Mar-17.

Saurabh Tewari, Investigating the Fields of Design Culture, D'logues 2017, Design Programme, Indian Institute of Technology Kanpur, 27-Mar-17.

Workshops

Workshop Organization

Vishakha Kawathekar, Organizing Coordinator, GIAN Workshop on Indian Temple Architecture: Drawing from History by Prof Adam Hardy, SPA Bhopal, 16-May-16.

Rama U Pandey, Organizing Coordinator, Coordinated, Training and Capacity Building Workshops on “Climate Informed Resilient and Smart Cities”, TARU Leading Edge Pvt. Ltd. and SPA Bhopal at Bhopal, 6-Oct-16.

Rama U Pandey, Organizing Coordinator, Coordinated, Training and Capacity Building Workshops on “Climate Informed Resilient and Smart Cities”, TARU Leading Edge Pvt. Ltd. and SPA Bhopal at Jabalpur, 29-Nov-16.

Ajay Khare, Devarshi Chaurasia, Parama Mitra, Poonam Khan, Prashanti Rao, Rachna Khare, Sandeep Sankat, Shweta Vardia, Sushil Kumar Solanki; Organizing Coordinators, Accessibility Training Workshop for Future Professionals, SPA Bhopal and Ministry of Social Justice and Empowerment, SPA Bhopal, 9-Dec-16.

Ajay Khare, Devarshi Chaurasia, Parama Mitra, Poonam Khan, Prashanti Rao, Rachna Khare, Sandeep Sankat, Shweta Vardia, Sushil Kumar Solanki; Organizing Coordinators, Organized, Ankekshan, School of Planning and Architecture, Bhopal, 10-Dec-16.

Binaya Choudhury, Gaurav Vaidya, Kakoli Saha, Organizing Coordinator, GIAN IV Workshop on Institution Income Development & industrieal upgrading by Prof. meenu Tiwari, SPA Bhopal, 14-16 December, 2017

Saurabh Tewari, Organizing Coordinator, Search Workshop 16, SEARCH and IIT Kharagpur at IIT Kharagpur's Extension Centre, Salt Lake City, Kolkata, 21-Dec-16.

Ashish Patil and Sanmarga Mitra, Organizing Coordinator, History and Conservation of Paper, Workshop cum Training Program on Conservation of Rare Books in Library, SPA, 24-Mar-17.

Workshop Keynotes

Sandeep Arora, Keynote Speaker, Interdisciplinary Coordination: Opportunities and Issues in Building Planning, Workshop on Building Planning and Layout, Oriental Group of Institutes, Bhopal, 25-Oct-16.

Workshop Panels

Vishakha Kawathekar, Chair/Moderator, Conservation Pedagogy and requirements of Conservation Profession, a workshop on Challenges in Architectural Conservation, SPA Delhi and India International Centre, New Delhi, 10-Feb-17.

Workshop Presentations

Sheuli Mitra, Planning and Design Aspects in Housing- Towards integrating quality, efficiency and livability, Human Settlements Planning and Design- A shared Understanding, MoHUPA, India Habitat Centre, New Delhi, 24-Jun-16.

Sandeep Sankat, “Infrastructure Development and Universal Access in Built Environment", AICTE sponsored two-week short-term course under QIP on “Infrastructure Development” from March 15th -25th 2017, F/O Architecture, MITS Gwalior, 24-Jul-17.

Vishakha Kawathekar, Importance of documentation in the conservation of heritage in India, Workshop on heritage listing and documentation, Marg Institute of Design and Architecture, Swarnabhoomi (MIDAS), Chennai, 21-Oct-16.

Ajay Kumar Vinodia, Area-based sustainable housing design strategies for Johri, Dehradun, GIAN Workshop, Arindam Biswas, IIT Roorkee, 9-Nov-16.

Sushil Kumar Solanki, Universal Design Building Standard For India, Accessibility Workshop For Future Professionals, Ministry of Social Justice, India and SPA-Bhopal, 10-Dec-16.

Vishakha Kawathekar, Overview of the research undertaken by SPA Bhopal under AHRC- ICHR project of Ajmer – Pushkar “The historic city of Ajmer- Pushkar: Mapping layers of history, use and meaning for sustainable planning and conservation”, Socio-Economic Sustainability Of Hriday City Projects A Capacity Building Workshop under HRIDAY, MoUD, NIUA, MoUD in association with Cardiff University, UK, SPA Bhopal and DRONAH Foundation Supported by Arts Humanities Research

Council (AHRC, UK) and ICHR (Indian Council of Historical Research) at India Habitat Centre, New Delhi, 15-Mar-17.

Workshop Participation

Ajay Kumar Vinodia, N. R. Mandal, Re-Imaging India- a knowledge tour of Netherlands (11-16 April-2016), My Livable city, India and International New Town Institute, Netherlands, 11-Apr-16.

Vishakha Kawathekar, Indian Scenario of conservation education in India, Meeting of Conservation Course Directors Forum (CCDF), School of Architecture, University of Portsmouth, 7-Jul-16.

Ajay Kumar Vinodia, Sonal Tiwari, Attended, GIAN Workshop, SPA Bhopal, 25-Jul-16.

Ajay Kumar Vinodia, Housing typologies of the northern region of India, GIAN Workshop, Arindam Biswas, IIT Roorkee, 5-Nov-16.

Parama Mitra, Poonam Khan, Two-day National Workshop on Outcome-Based Education (OBE), Academic Development and Research Cell, Nirma University, 8-Apr-16.

Binayak Choudhury, National Workshop on Networking Between Town Planning Profession and Education, Institute of Town Planners, India, New Delhi, 7-May-16.

Parama Mitra, Poonam Khan, Sanmarga Mitra, Shweta Vardia, GIAN Workshop on "Indian Temple Architecture: Drawing from History", SPA Bhopal, Bhopal, 16-May-16.

Govind M.P, Identifying shocks and stresses for the city of Bhopal and consecutively building alternate scenarios for resilient Bhopal city, TARU Leading Edge, New Delhi, India, 6-Oct-16.

Amit Chatterjee, Devarshi Chaurasia, Gaurav Vidya, Kakoli Saha, Kshama Puntambekar, N.R. Mandal, Rama U. Pandey, Sheuli Mitra, GIAN: Global Initiative for Academic Network on Course titled ''Institutions, Economic Development and Industrial Upgrading by Prof. Meenu Tewari, University of North Carolina, USA, from 14-18 Dec. 2016, SPA Bhopal, MHRD, GoI, 14-Dec-16.

Arvind Kumar Meel, Case Method Workshop, IIM Calcutta Case Research Centre, Kolkata, 2-Mar-17.

INVITED LECTURES

Sanjeev Singh, Guest Speaker, Design Competition for Students; Inputs from young minds, Akaar-2016; Intangible Art of Architecture, Parul University Vadodara, 23-Apr-16.

Rachna Khare, Universal Design Pedagogy, Integration of Allied Subjects in Architectural Education, Bharati Vidyapeeth College of Architecture, Navi Mumbai, 30-Nov-2016.

Amit Chatterjee, Design of spatial and economic Strategy for Smart Metropolitan Regional Development: Case of Bangalore Metropolitan Region, NIT, Calicut, 17– Dec- 2016.

Sandeep Arora, Green buildings: Energy and Climate Sciences, Training Programme- "Green Building Concept and Applications", National Institute of Technical Teachers' Training and Research, Bhopal, 20-Dec-2016.

Sandeep Arora, Green Buildings: Tools and strategies, Training Programme- "Green Building Concept and Applications", National Institute of Technical Teachers' Training and Research, Bhopal, 21-Dec-2016.

Rachna Khare, Ajay Khare, Universal Design Innovation at SPA Bhopal, Expert Lecture, Dehradun Institute of Technology, Dehradun, 10-Jan-2017.

Paulose N. Kuriakose, The high cost of minimum based approach in parking provision, Sustainable Urban Development, College of Engineering, Trivandrum, 12-Feb-2017.

Rachna Khare, Universal Access in Heritage Sites; Examples of Explorations, Universal Accessibility in Heritage Monuments and Sites, UD Center- BNCA Pune and Archeological Survey of India, 3 and 4 Mar-2017.

Saurabh Tewari, Understanding Design History through Historiography and Forms, Design History Foundation, NID Ahmedabad, 14-Mar-2017.

Saurabh Tewari, Two Approaches on Theorizing Design Culture, Design History Foundation, NID Ahmedabad, 17-Mar-2017.

Ajay Kumar Vinodia, Urban Informality, Planning Practices and Challenges for infrastructure in India, AICTE Sponsored Short term course (STC) on Infrastructure development, Prof. L. K. Jain, Head, Deptt. of Architecture, MITS Gwalior, 25-Mar-2017.

ACADEMIC PANELS

Kakoli Saha, Member, Indian Society of Remote Sensing, 4-Kalidas Road, Dehradun - 248 001, Uttarakhand India, 1-Jun-13 to 31-Dec-50.

Rachna Khare, Member as Head of the department, Board of Studies, B.Arch. Moreover, all M.Arch. programmes at SPA Bhopal July 14 to December 16.

Ajay Khare, Member Senate of SPA Vijayawada (2016-18) and SPA New Delhi (2015-17).

Sheuli Mitra, Presiding Officer, Internal Complaint Committee, SPA Bhopal, 20-Feb-15 to 13-Feb-17.

Sheuli Mitra, Member, Senate, SPA Bhopal, 27-Feb-15 to 31-Dec-16.

Sheuli Mitra, Institute Coordinator, Erasmus Plus Global Mobility Programme with NTNU Norway, SPA Bhopal, 15-Oct-15 to 31-Dec-16.

Tapas Mitra, Professor in charge, Library, Library committee, SPA, Bhopal, 15-Oct-15 to 27-Dec-16.

Tapas Mitra, Convener, Global Initiative of Academic Networks (GIAN), an MHRD initiative, SPA, Bhopal, 20-Oct-15 to 31-Dec-17.

Ajay Khare, Member BoG SPA Bhopal, 2016-2018.

Rachna Khare, Member, Board of Studies (Architecture), School of Planning Architecture, Delhi, 8-Jan-16 to 8-Jan-17.

Devarshi Chaurasia, Member, Choice Based Credit System (CBCS), Review Committee for revision of B. Arch. Scheme, RGPV Bhopal (Technological University of M. P.), 21-Feb-16 to 21-Feb-16.

Sanjeev Singh, Member, Senate, Indian Institute of Science Education and Research Bhopal, 1-Apr-16 to 1-Apr-17.

Devarshi Chaurasia, Convener, SPIC MACAY (Society for Promotion of Indian Classical Music And Culture Amongst Youth), SPIC MACAY, SPA Bhopal Chapter, 1-Apr-16 to 31-Mar-17.

Binayak Choudhury, Member, Board of Governors, SPA, Bhopal, 6-Apr-16 to 5-Apr-18.

Binayak Choudhury, Member, Committee on Formulating Operating Rules for Centres at SPA, Bhopal, SPA, Bhopal, 8-Apr-16, 27-Jun-17.

Devarshi Chaurasia, Member, Outcome Based syllabus Revision Committee for Subject Building Material and Construction, SPA Bhopal, 20-Apr-16 to 30-Jun-16.

Sheuli Mitra, Institute Representative, Third Meeting of Technology Sub-mission under Housing for All Mission, Ministry of Housing and Urban Poverty Alleviation, New Delhi, 29-Apr-16 to 29-Apr-16.

Sanjeev Singh, UGC Nominee, Advisory Committee, Anna University Chennai TN, 5-May-16 to 5-May-18.

Kakoli Saha, Member, Indian Society of Geomatics, Scape Application Centre, Jodhpur Tekra, Ahmedabad-380015, 29-May-16 to 31-Dec-50.

Binayak Choudhury, Member, Selection Committee for Contractual Engagement of Assistant Professor in the Department of Planning and Architecture, SPA, Bhopal, 2-Jun-16 to 14-Jun-16.

Kshama Puntambekar, Member, authoring group for finalisation of syllabi of UG-PG Planning and Training Courses, TCPO and IIRS, 14-Jun-16 to 14-Jun-18.

Devarshi Chaurasia, Convener, Nodal Officer to organize programs for the promotion of donation of organs and tissues at SPA Bhopal, 1-Jul-16 to 31-Mar-17.

Ajay Kumar Vinodia, Chair, Adjunct Professor, Shri Mata Vaishno Devi University, Katra, Jammu, 5-Aug-16 to 4-Aug-18.

Saurabh Popli, Member, Education Board, Indian Society of Landscape Architects, 14-Aug-16 to 24-May-17.

Ajay Kumar Vinodia, Member, Selection of Executive Engineer (Civil), IISER Bhopal, 2-Sep-16 to 2-Sep-16.

Ajay Kumar Vinodia, Member, Building Works Committee, SPA Bhopal, 1-Oct-16 to 31-Mar-17.

Binayak Choudhury, Visiting Faculty, Tata Institute of Social Sciences, TISS, Mumbai (Tuljapur), 22-Dec-16 to 24-Dec-16.

Binayak Choudhury, Dean (Research & Consultancy), SPA, Bhopal, 27-Dec-16 to 10-Jul-17.

Binayak Choudhury, Member, Doctoral Research Committee, SPA, Bhopal, 28-Dec-16 to 10-Jul-17.

Sheuli Mitra, Member, Senate, IISER Bhopal, 1-Jan-17 to 31-Dec-18.

Ajay Kumar Vinodia, Special Invitee, Finance committee and Board of Governor, SPA Bhopal, 20-Jan-17 to 20-Jan-17.

Ajay Kumar Vinodia, Member, Senate, SPA Bhopal, 20-Feb-17 to 20-Feb-17.

Ajay Kumar Vinodia, Member, Board of Studies, ITM University Gwalior, 25-Feb-17 to 25-Feb-17.

Tapas Mitra, Member, Senate, SPA, Bhopal, 27-Feb-17 to 31-Dec-18.

Ashfaque Alam, Member, Senate, SPA Bhopal, 28-Feb-17 to 27-Feb-19.

Ajay Kumar Vinodia, Member, Selection of Faculty members, IISER Berhampur, 15-Mar-17.

Ajay Kumar Vinodia, Invited, Paper Review Committee, International Conference on Theory of Architectural Design-Global Practices and Local Milieu, Dept. of Architecture and Landscape, Shri Mata Vaishnodevi University Katra, 18-Mar-17.

Binayak Choudhury, Chair, All India Institute of Local Self Government, Nagpur Chapter, 26-Mar-17 to 26-Mar-17.

Ajay Khare, Member Sectional Committee on **GIAN** initiative of Govt. of India for Architecture and Planning. Organised first GIAN course as Course Coordinator at SPA Bhopal.

Ajay Khare, PhD Examiner for SPA Delhi, and Jamia Millia Islamia.

PROFESSIONAL PANELS

Arvind Kumar Meel, Member, Council of Architecture, New Delhi, 11-Jan-08 to 31-Dec-19.

Sonal Tiwari, Member, ISOLA, Ahmedabad, 17-Jul-08 to 27-Jun-17.

Jyotika Nigam, Member, Council of Architecture, New Delhi, 4-Jan-09 to 12-Mar-25.

Sushil Kumar Solanki, Member, Council Of Architecture-India, Bhopal, 24-Apr-09 to 31-Dec-17.

Karna Sengupta, Member, Council of Architecture, New Delhi, 21-Sep-09 to 20-Sep-25.

Arvind Kumar Meel, Member, The Indian Institute of Architects, Mumbai, 14-Jul-12 to 14-Jul-22.

Sheuli Mitra, Member, ISOCARP, Amsterdam, The Netherlands, 15-May-14 to 15-May-17.

Tapas Mitra, Member, Regional Studies Association, RSA, England, 3-Feb-15 to 3-Feb-17.

Rama U Pandey, Vice-Chairperson, Indian Institute of Town Planners, Madhya Pradesh Regional Chapter, Bhopal, 2-May-15 to 28-Apr-18.

Sonal Tiwari, Member, Asian cultural landscape architects Association, Seoul National University, Korea, 7-Oct-15 to 29-Jun-17.

Gaurav Singh, Member, R and D Continuing Education Committee of IIA, Indian Institute of Architects, 2-Jan-16 to 1-Jul-17.

Sanjeev Singh, Member, Building Works Committee, School of Planning and Architecture Bhopal, 1-Apr-16 to 31-Mar-17.

Sanjeev Singh, Special Invitee, Board of Governors and Financial Committee, School of Planning and Architecture Bhopal, 1-Apr-16 to 31-Mar-17.

Ramesh P Bhole, Member, Council of Architecture, Delhi, 1-Apr-16 to 31-Mar-17.

Devarshi Chauarsia, Convener, Publication Committee, News Letter, ITPI, Bhopal, 1-Apr-16 to 31-Mar-17.

Saurabh Popli, Member, Indian Society of Landscape Architects, Ahmedabad, 1-Apr-16 to 31-Mar-17.

Sanjeev Singh, Member, COA Inspection Committee, Academy of Architecture Mumbai, 5-Apr-16 to 7-Apr-16.

Sanjeev Singh, Member, Building Works Committee, NITTTR Bhopal, 28-Apr-16 to 28-Apr-17.

Manju Yadav, Member, ISOLA, India, 1-May-16, 1-May-17.

Sandeep Sankat, Joint Secretary, IIA Center Bhopal, 1-Jun-16 to 1-Jul-17.

Rachna Khare, Member, Programme Advisory & Monitoring Committee (PAMC) for 'Technology Interventions for Disabled and Elderly' (PAMC-TIDE) Programme, of Department of Science and Technology, 15-Jul-16 to 16-Jul-16.

Binayak Choudhury, Interim Chief Vigilance Officer, SPA, Bhopal, SPA, Bhopal, 5-Aug-16 to 27-Jun-17.

Binayak Choudhury, Member, Anti Ragging Committee of SPA, Bhopal, 5-Aug-16 to 27-Jun-17.

Sanjeev Singh, Member, Anti Ragging Committee, School of Planning and Architecture Bhopal, 5-Aug-16 to 31-Mar-17.

Amit Chatterjee, Member, International Society of City and Regional Planners, ISOCARP, Netherlands, 16-Sep-16 to 15-Sep-18.

Binayak Choudhury, Member, DPR Preparation Committee of SPA, Bhopal, 19-Oct-16 to 27-Jun-17.

Sanjeev Singh, Member, Committee to frame new DPR, School of Planning and Architecture Bhopal, 19-Oct-16 to 5-Dec-16.

Sanjeev Singh, Member, Building Committee, Dr. Harisingh Gour Vishwavidyalaya Sagar MP, 23-Dec-16 to 23-Dec-18.

Sanjeev Singh, Member, Recruitment Rules for Faculty, School of Planning and Architecture Bhopal, 16-Feb-17 to 31-Mar-17.

Binayak Choudhury, Member, Internal Committee for Drafting Recruitment Rules, SPA, Bhopal, 16-Feb-17 to 1-Jul-17.

Sanjeev Singh, Member, Senate, School of Planning and Architecture Bhopal, 28-Feb-17 to 31-Dec-18.

Sheuli Mitra, Member Secretary, IRDAC, SPA Bhopal, 15-Apr-15 to 31-Dec-16.

JURY/VIVA/EXAMINATION

Devarshi Chaurasia, Paper Setter, B. Arch. Examination, May-June 2016 and Nov. - Dec. 2016, MITS Gwalior, M.P. Technological University (RGPV), Bhopal, 1- April-2016.

Devarshi Chaurasia, Examiner, B. Arch. Viva-Voce Examination, May-June 2016 and Nov.-Dec. 2016, MANIT Bhopal, MITS Gwalior and SPA Bhopal, 1- April-2016.

Nikhil Ranjan Mandal, Examiner, Open Defense & Viva Voce examination for Ph.D., VNIT, Nagpur, 25-Apr-16.

Rama U. Pandey, Jury Member, End Term Thesis of Environmental Planning, CEPT, Ahmedabad, 29-Apr-2016.

Binayak Choudhury, Jury Member, Evaluation of Master of Environmental Planning Dissertations, School of Planning and Architecture, New Delhi, 2-May-2016.

Sheuli Mitra, Under Graduate, Jury Member, VII Semester B.Plan Studio End Semester Jury, SPA Delhi, New Delhi, 6-May-2016.

Sanjeev Singh, Jury Member, Tech Innovation Challenge 2016, RGPV Bhopal, 11-May-2016.

Rachna Khare, Examiner, PhD Evaluation, Visvesvaraya National Institute of Technology, Nagpur, 15-Jun-16.

Sanjeev Singh, Jury Member, Thesis Jury for B. Arch, Government College of Architecture Lucknow, 17-Jun-16.

Sanjeev Singh, Jury Member, Thesis Jury for B.Arch, Government College of Architecture Lucknow, 17-Jun-2016.

Rama U Pandey, Examiner, Thesis Viva-Voice Examination, Manit Bhopal, 28-Jun-2016.

Ajay Kumar Vinodia, Jury Member, B. Arch. Thesis Jury, Hitkarni College of Architecture and Town Planning, Jabalpur, 1-Jul-2016.

Binayak Choudhury, Examiner, Viva - Voce of Ph D, IIT, Kharagpur, 1-Jul-2016.

Binayak Choudhury, Examiner, Journal of Cleaner Production, 4-Aug-2016.

Binayak Choudhury, External Examiner, Pre-Final Review of PhD Dissertation, Manit, Bhopal, 7-Sep-2016.

Binayak Choudhury, Examiner, University of Mysore, Mysore, 19-Sep-2016.

Ajay Kumar Vinodia, Paper Setter, B. Arch. Examinations, MITS Gwalior, 10-Oct-2016.

Prashanti Rao, Jury Member, Mid Sem studio presentation (BPLAN- III rd Year) V Semester, SPA Vijayawada, (A.P), 14-Oct-16.

Binayak Choudhury, Paper Reviewer of Conference Papers, International Conference on Sustainable Built Environment, IIT, Roorkee, 17-Oct-2016.

Rachna Khare, Examiner, PhD Evaluation, Rastrasant Tukaji Maharaj Nagpur University, 21-Oct-16.

Anand Wadwekar, Examiner, Doctoral Review Committee, Priyadarshini Institute of Architecture and Design Studies Nagpur, 17-Oct-2016.

Binayak Choudhury, Paper Setter, College of Engineering, Pune, 27-Oct-2016.

Amit Chatterjee, Examiner, 'Planning Studio-V (Zonal Plan)' Pla-317, MANIT, Bhopal, 25-Nov-2016.

Amit Chatterjee, Examiner, 'Advanced Research Methods' – Mpep302 of M. Planning (Epm) And Mpur302 of M. Planning (URP) of II Year III Sem. Students, School of Planning and Architecture, Vijayawada, 3-Dec-2016.

Gaurav Vaidya, Examiner, End Term Examination B. Plan Semester-V, College of Engineering Pune (COEP), In Pune, 5-Dec-2016.

Govind M.P, Examiner, Second Semester Master of Environmental Planning Studio Viva Voce, School of Planning & Architecture, Vijayawada, 9-Dec-2016.

Saurabh Popli, Jury Member, LA Foundation India, international Design Competition for Students', Landscape Architecture Foundation, Vikaspuri India, 10-Dec-2016.

Arti Jaiswal, Examiner, B. Arch 3 rd Semester End Term Design Viva, Manit, Bhopal, 20-Dec-2016.

Ajay Kumar Vinodia, Jury Chair, Design Competition for Selection of Architect, State Bank Foundation Institute (SBFI), Chetna, Indore., 10-Jan-2017.

Gaurav Singh, Jury Member, Design Competition, State bank Foundation Institute (CHETANA), Indore, 10- Jan.-2017.

Ashfaque Alam, Examiner, End Term Exam of M. Ekistics, Jamia Millia Islamia Central University, New Delhi, 16-Jan-2017.

Gaurav Singh, Under Graduate, Examiner, End term Practical examination, Amity School of Architecture & Planning, Amity University Rajasthan, Jaipur, 27-Jan-2017.

Nayana R. Singh, Under Graduate, Examiner, End Term Practical Examination, Amity School of Architecture and Planning, Amity University, Jaipur, 27-Jan.-2017.

Sanjeev Singh, Jury Member, Committee for Selecting or Recommending Logo For IISER Berhampur, IISER Bhopal, 3-Feb-2017.

Rachna Khare, Jury Member, B.Plan Thesis Jury, School of Planning and Architecture, Vijayawada, 14-Mar-17.

Binayak Choudhury, Reviewer, Review of GIAN Proposal, IIT, Kharagpur, 20-Mar-2017.

AWARDS AND ACHIEVEMENTS

Awards

Sandeep Sankat, Selected and awarded in the list of top 10 Architects of the city (Academia), IIA Bhopal, 5-Apr-16

Rachna Khare, Inspired Teacher' by Hon'ble President of India and stayed Scholar-in-Residence from 23rd April to 29th April 2016, Rashtrapati Bhavan, Delhi, 23-Apr-16.

Ajay Kumar Vinodia, PhD Honour, Institute of Town Planners India, MP Regional Chapter, 28-Jul-2016.

Sandeep Sankat, NCPEDP MPHASIS Universal Designs Award -2016, National Centre for Promotion of Employment for Disabled People (NCPEDP) New Delhi, 14-Aug-2016.

Sanjeev Singh, Student Charrette 2016 - World Architecture Festival, Marco Goldschmied Foundation and Perkins + Will Berlin Germany, 18-Nov-2016.

Sandeep Arora, Best Paper Award, Track-Energy Efficient Architecture/Civil, Oriental Institute of Science & Technology, Bhopal, 21-Jan-2017.

Apurv Shrivastava, Best Paper Award, Track- Energy Efficient Architecture/Civil, Oriental Institute of Science and Technology, Bhopal, 21-Jan-2017.

Binayak Choudhury, Recognized Reviewer Status, Elsevier Limited, Kidlington, Oxford, U.K., 22-Feb-2017.

Degree

Ajay Kumar Vinodia, PhD, SPA Bhopal, 8-Oct-2016.

Fellowship/Scholarship

Saurabh Tewari, Institute Fellowship for Ph.D., Indian Institute of Technology Kanpur, 1-Apr-2016.

Kakoli Saha, Scholarship, Erasmus Scholarship to visit Dept. of Urban Design and Planning, NTNU, Norway under the framework of Erasmus Plus Global Mobility Programme, 2016, European Union, 1-Sep-2016.

Karna Sengupta, ERASMUS Global Mobility Plus Program, NTNU, Norway, 1-Nov-2016.

Arvind Kumar Meel, Fellowship for Fellow Programme in Management, Indian Institute of Management Calcutta, 22-Mar-2017.

Travel Grant

Tapas Mitra, Travel grant for Low/No Cost Conference, ETH, Zurich, 1-Jul-2016.

वार्षिक लेखा

Annual Accounts

2016-17

महानिदेशक, लेखापरीक्षा (केन्द्रीय प्राप्ति) नई दिल्ली का कार्यालय,
शाखा–ग्वालियर, चतुर्थ तल, ऑडिट भवन, झांसी रोड,
ग्वालियर – 474002 (म0प्र0)
Office of the Director General of Audit (Central Receipt)
New Delhi, Branch-Gwalior, Audit Bhavan, Jhansi Road,
Gwalior - 474002 (M.P.)

No. AMG-II/SAR/SPA,B/2016-17/D-147
Date : 13 .11 .2017

Corrigendum

To

The Director,
School of Planning and Architecture,
Sports Complex (First Floor), MANIT
Bhopal- 462051 (M.P.)

Sub: Separate Audit Report on the accounts of School of Planning and Architecture, Bhopal for the year 2016-17.

Sir,

Reference is invited to this office's letter No. /AMG-II/SAR/SPA,B/ 2016-17/D-138 dated 08.11.2017 forwarding therewith the Separate Audit Report on the accounts of SPA, Bhopal for the year 2016-17.

In the above connection, it is requested that the contents under the para heading **Effect of audit comments** may please be read as "**The net effect of the above comments is that the Expenditure and Prior period adjustments were understated by ₹ 44.15 lakh, and ₹ 21.15 lakh respectively and Assets overstated by ₹ 23.00 lakh.**"

The SAR with the revised para is enclosed herewith.

Encl.: Revised SAR

Yours faithfully,

Dy. Director (Central)

Office of the Director General of Audit (Central Receipt)
New Delhi, Branch Gwalior, IV Floor, Audit Bhavan,
Jhansi Road, Gwalior-474002 (M.P.)

Confidential

No./AMG-II/SAR/SPAB/2016-17/D-138 **Dated: 06.10.2017**

To

The Director,
School of Planning and Architecture,
Sports Complex (First Floor), MANIT
Bhopal- 462051 (M.P.)

- 8 NOV 2017

N. Chhabra 21/XI/17

Sub: Separate Audit Report on the accounts of School of Planning and Architecture, Bhopal for the year 2016-17.

यो.वा.वि.भोपाल/SPA, Bhopal
कुलसचिव कार्यालय/Registrar Office
21 NOV 2017
प्राप्ति/रसीद क्र. Received/Receipt No. 1088
समय/Time 3:20

Sir,

Please find enclosed herewith the Separate Audit Report on the accounts of **School of Planning and Architecture, Bhopal for the year 2016-17.** You are requested to ensure that the SAR and the audited accounts are adopted by the Board of Governors before placing the same before the Parliament.

2. The dates of placement of the above Report on the table of both houses of the Parliament may please be intimated and a copy of the printed material may be provided to the undersigned for information.

Kindly acknowledge receipt.

Encl.: 1. Separate Audit Report with annexure

Yours faithfully,

Dy. Director (Central)

Registrar

Separate Audit Report of the Comptroller and Auditor General of India on the Accounts of the School of Planning and Architecture, Bhopal for the year ended 31 March 2017.

We have audited the attached Balance Sheet of the School of Planning and Architecture Bhopal (SPA) as at 31 March 2017, the Income & Expenditure Account and the Receipt & Payment Account for the year ended on that date under Section 20 (1) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers & Conditions of Service) Act, 1971. The audit has been entrusted for the period up to 2017-18. These financial statements are the responsibility of the SPA's management and our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms etc.. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency cum performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

(i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.

(ii) The Balance Sheet, Income & Expenditure Account and the Receipt & Payment Account dealt with by this report have been drawn up in the format prescribed by the Ministry of Human Resource Development, Government of India vide order no. 29-4/2012-IFD dated 17-April-2015.

(iii) In our opinion, proper books of account and other relevant records have been maintained by the Institute in so far as it appears from our examination of such books.

(iv) We further report that: -

A Balance Sheet

A.1 Sources of Funds

A.1.1 Current Liabilities & Provisions (Schedule-3) ₹ 21.26 crore

A.1.1.1 This does not include ₹ 19.21 lakh being interest earned on Government Grants remaining unutilised. This resulted in understatement of Current Liabilities and provisions and overstatement of Corpus/Capital fund by ₹ 19.21 lakh.

A.2 Application of funds

A.2.1 Fixed Assets (Schedule 4)

Tangible Assets- ₹ 101.02 crore

A.2.1.1 This does not include ₹ 11.51 crore being completed works (staff quarters) and put to use during 2016-17. This resulted in understatement of Fixed Assets by ₹ 11.28 crore (₹ 11.51 less depreciation of ₹ 0.23 crore) and overstatement of Capital Work in Progress by ₹ 11.51 crore and understatement of Expenditure (depreciation) by ₹ 0.23 crore.

A.2.1.2 The land measuring 30.219 hectares at Bhauri, Bhopal has been allotted by the Government of Madhya Pradesh to SPA on lease basis, initially for a

period of 30 years at no cost which has not been accounted for at a nominal value as required under Accounting Standard-12.

B. Income & Expenditure Account

B.1 Expenditure

B.1.1 Staff Payments & Benefits (Establishment expenses) (Schedule 15) – ₹ 914.90 lakh

B.1.1.1 This does not include an amount of ₹ 21.15 lakh being excess provision for retirement benefits written back during current year. The amount written back should have been separately shown under "adjustments" instead of deducting from "Expenditure". This resulted in understatement of Prior Period adjustments and Expenditure by ₹ 21.15 lakh.

Effect of audit comments

The net effect of the above comments is that the Expenditure and Prior period adjustments were understated by ₹ 44.15 lakh and ₹ 21.15 lakh respectively and Assets overstated by ₹ 23.00 lakh.

C. Grant-in-aid

During the year, the SPA, Bhopal received grants-in-aid (Plan) of ₹ 16.57 crore from Government of India in addition to internal receipts of ₹ 6.93 crore for the year and capital advance of ₹ 5.00 crore refunded back by CPWD to SPA. It had also an unspent balance of ₹ 24.08 crore of previous year. Thus out of total available funds of ₹ 52.58 crore, an amount of ₹ 20.70 crore has been utilized leaving unutilized amount of ₹ 31.88 crore (grant -₹ 6.96 crore+ internal receipts - ₹ 24.92 crore) at the end of the year.

(v) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and the Receipt & Payment

Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

(v) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Account and subject to the significant matters stated above and other matters stated in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:

(a) In so far as it relates to the Balance Sheet of the state of affairs of the School of Planning and Architecture, Bhopal as at 31 March 2017 and;

(b) In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the surplus for the year ended on that date.

For and on behalf of the C & AG of India

Place: - New Delhi

Date: -

Director General of Audit
(Central Receipts)

Annexure

1. **Adequacy of Internal Audit System:**

The internal audit was conducted by a Chartered Accountant firm and the internal audit report submitted to the management.

2. **Adequacy of Internal Control System:**

The internal control system was found to be inadequate due to:

(i) The response of the Management towards compliance audit objections was not effective as there were 17 paras pending pertaining to the period from 2012-2013 to 2015-16.

(ii) There is no Promotion Policy and Recruitment Policy.

(iii) There is no Training and Development Policy.

(iv) Dead Stock Register is not maintained.

(v) No investment policy is in currency.

3. **System of Physical Verification of Fixed Assets:**

Physical Verification of Fixed Assets has not been conducted during 2016-17.

4. **System of Physical verification of Inventories:**

Physical Verification of Inventories has not been conducted during 2016-17.

5. **Regularity in payment of statutory dues:**

No irregularity was noticed in the payment of statutory dues.

Sr. Audit Officer/AMG-II

SPA Bhopal 2016-17

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

BALANCE SHEET AS AT 31-03-17

Amount in ₹.

SOURCES OF FUNDS	Schedule	Current Year	Previous Year
CORPUS/CAPITAL FUND	1	1611904673.67	1748145522.22
DESIGNATED/ EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	2	0.00	0.00
CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS	3	212609839.65	60367531.00
TOTAL		**1824514513.32**	**1808513053.22**
APPLICATION OF FUNDS	**Schedule**	**Current Year**	**Previous Year**
FIXED ASSETS	4		
Tangible Assets		1010219473.86	920775098.00
Intangible Assets		468437.40	57888.00
Capital Works-In-Progress		381391632.00	417502919.00
INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT	5	0.00	0.00
Long Term			
Short Term			
INVESTMENTS - OTHERS	6	0.00	0.00
CURRENT ASSETS	7	318837124.68	240832872.72
LOANS, ADVANCES & DEPOSITS	8	113597845.38	229344275.50
TOTAL		**1824514513.32**	**1808513053.22**
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	23		
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES TO ACCOUNTS	24		

DEPUTY REGISTRAR

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

REGISTRAR

Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR 2016-17

Amount in ₹.

Particulars	Schedule	Current Year	Previous Year
INCOME			
Academic Receipts	9	41899384.78	34528069.95
Grants / Subsidies	10	171609017.35	301821429.00
Income from investments	11	8341681.30	5513597.00
Interest earned	12	168038.00	85795.00
Other Income	13	715370.00	2680916.00
Prior Period Income	14	0.00	0.00
TOTAL (A)		**222733491.43**	**344629806.95**
EXPENDITURE			
Staff Payments & Benefits (Establishment expenses)	15	91490084.00	95951950.00
Academic Expenses	16	25204534.00	28997789.00
Administrative and General Expenses	17	40695643.85	42991785.13
Transportation Expenses	18	6155525.00	6543985.00
Repairs & Maintenance	19	6254032.00	1216115.00
Finance costs	20	12670.50	17718.00
Depreciation	4	32654469.34	33870951.00
Other Expenses	21	0.00	0.00
Prior Period Expenses	22	1796528.00	1231671.00
TOTAL (B)		**204263486.69**	**210821964.13**
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B) Transfer to / from Designated Fund Building fund Others (specify)		**18470004.74**	**133807842.82**
Balance Being Surplus / (Deficit) Carried to Capital Fund		**18470004.74**	**133807842.82**
Significant Accounting Policies	23		
Contingent Liabilities and Notes to Accounts	24		

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal
DEPUTY REGISTRAR

Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल
REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE - 1 CORPUS/CAPITAL FUND

Amount in Rupees

Amount in ₹

	Particulars	Current Year	Previous Year
	Balance at the beginning of the year		
	Corpus	104748468.00	95099986.00
	Capital Fund	1643397054.22	1481092667.40
Add:	Excess dep. Charges in F.Y. 2015-16	4506467.60	0.00
Less:	FY 2015-16 Unutilized Grant Transfer to Sch 3C	59161965.00	0.00
Less:	GIA-OH-35- Capital CPWD ADV	81890326.00	0.00
Less:	GIA-OH-35- Capital returned by cpwd	50000000.00	0.00
Add:	Contributions towards		
	Corpus Income Credited	7608140.11	7877363.00
	Corpus from general fund	0.00	1771119.00
	Capital Fund	0.00	0.00
Add:	Adjustment on Account of Change in Depreciation method on Fixed Assets	0.00	30267663.00
Add:	Grants from UGC, Government of India and State Government to the extent utilized for capital expenditure	24226830.00	0.00
Add:	Assets Purchased out of Earmarked Funds	0.00	0.00
Add:	Assets Purchased out of Sponsored Projects, where ownership vests in the institution	0.00	0.00
Add:	Assets Donated/Gifts Received	0.00	0.00
Add:	Other Additions	0.00	0.00
Add:	Excess of Income over expenditure trasferred from the Income & Account	18470004.74	132036723.82
	Total	1611904673.67	1748145522.22
(Deduct)	Deficit transferred from the Income & expenditure Account		
	Balance at the year end	1611904673.67	1748145522.22

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
DEPUTY REGISTRAR
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
REGISTRAR
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौरी, भोपाल

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 2 - DESIGNATED/ EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS

Amount in ₹.

Particulars	Fund wise Breakup				Total	
	Fund AAA	Fund BBB	Fund CCC	Endowment Funds	Current Year	Previous Year
A.						
a) Opening balance	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
b) Additions during the year	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
c) Income from investments made of the funds	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
d) Accrued Interest on investments/Advances	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
e) Interest on Savings Bank a/c	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
f) Other additions (Specify nature)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Total (A)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
B.						
Utilisation/Expenditure towards objectives of funds						
ii) Capital Expenditure	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
ii) Revenue Expenditure	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Total (B)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Closing balance at the year end (A - B)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Represented by						
Cash And Bank Balances Investments	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Interest accrued but not due	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Total	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
DEPUTY REGISTRAR
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

REGISTRAR
Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौरी, भोपाल

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 3- CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS

Amount in ₹ .

	Current Year	Previous Year
A. CURRENT LIABILITIES		
1. Deposits from staff	0.00	0.00
2. Deposits from students		
a) Student Caution Money	4922700.00	2687700.00
b) CCB- Fees received for students		
c) Student Alumini	1181000.00	946000.00
d) Advance Fee received	428684.00	577934.00
e) Passout and Admission Cancel	567650.00	0.00
3. Sundry Creditors		
a) For Goods & Services	2013099.00	25287343.00
b) Others	0.00	0.00
4. Deposit-Others (including EMD, Security Deposit)	6234487.00	5307886.00
5. Statutory Liabilities (GPF, TDS, WC TAX, CPF, GIS, NPS):		
a) Overdue	0.00	0.00
b) Others		
1) NPS	0.00	0.00
2) TDS	950949.00	1650765.00
6. Other Current Liabilities		
a)Salaries	0.00	0.00
b)Receipts against sponsored projects	9779190.00	3193889.00
c) Receipts against sponsored fellowships & scholarships	638435.00	88995.00
d) Unutilised Grants	160916443.65	0.00
e) Grants in advance	0.00	0.00
f) Other funds (AISHE)	24250.00	0.00
g) Other liabilities		
a) Audit Fees Payable	0.00	300000.00
b) Professional Fees Payable	252520.00	0.00
c) Visting faculty Remuneratrion Payable	29566.00	54716.00

DEPUTY REGISTRAR

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

REGISTRAR

Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 3- CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS

Amount in ₹ .

	Current Year	Previous Year
d) Telephone Exp.	0.00	7735.00
e) Transport Charges	0.00	20000.00
Total (A)	187938973.65	40122963.00
B. PROVISIONS		
1. For Taxation	0.00	0.00
2. Gratuity	0.00	0.00
3. Superannuation Pension	0.00	0.00
4. Accumulated Leave Encashment	16728396.00	18916104.00
5. Trade Warranties/Claims	0.00	0.00
6. Others (Specify)		
a) CPDA	323750.00	1033464.00
b) Contract Faculty Salary	44500.00	165000.00
c) CEA Exps	18000.00	0.00
d) Sprots Exp.	456243.00	130000.00
e) Electricity Expenses	634814.00	0.00
f) Houskeeping Exps	560500.00	0.00
g) Medical Services	820944.00	0.00
h) Other Admin Exps	1112762.00	0.00
i) Outsourced Staff	1083384.00	0.00
j) Security Charges	1844946.00	0.00
k) Student welfare Activities	483627.00	0.00
l) Training and placement	559000.00	0.00
Total (B)	24670866.00	20244568.00
Total (A+ B)	**212609839.65**	**60367531.00**

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal
DEPUTY REGISTRAR

Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल
REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE - 3 (a) SPONSORED PROJECTS

Amount in ₹.

1. Sr. No.	2. Name of the Project	Opening Balance 3. Credit	Opening Balance 4. Debit	5. Receipts/Recoveries during the year	6. Total	7. Expenditure during the year		Closing Balance 8. Credit	Closing Balance 9. Debit
1	Accessibility Training Workshop			313075.00		319977.00			6902.00
2	Action for Children Environment Trust	192500.00				157500.00		35000.00	
3	Adam Hardy (GIAN)			67547.00		67547.00			
4	AHRC-ICHR CEP 2015-16- AJAY KHARE			365874.00		303749.00		62125.00	
5	Ashapuri Project (Liabilities) Old	951972.00		5000.00		1422216.00			465244.00
6	Ashapuri Tample Project - R & D 21			677843.00		219000.00		458843.00	
7	BRITISH ACADEMY- PROJECT			265000.00		80000.00		185000.00	
8	Design for State Library Project			7040.00		7040.00			
9	DIC Project (Libilities)			2514586.00		944417.00		1570169.00	
10	Gauhar Mahal Project (Liabities)	55229.00						55229.00	
11	GIAN Project (Liabilites)	1377000.00		1976541.00		2188628.00		1164913.00	
12	HIA - Hyderabad Golf Association			287450.00		211250.00		76200.00	
13	HIA - Khajuraho (VK)			172500.00		172500.00			
14	Housing of Urban Development Corp.			52000.00		2000.00		50000.00	
15	HSMI Project			696680.00		343841.00		352839.00	
16	ICAP (SPMURM)			4830000.00		3780341.00		1049659.00	
17	ICHR-Project (Vishakha Kawathekar)			450000.00		185006.00		264994.00	
18	Institute Overhead - Projects			2951578.00		7814.00		2943764.00	
19	JNURM Project					6758.00			6758.00
20	MP CDMA	321188.00				233074.00		88114.00	
21	MPCDMA - 2016			2500000.00		1155377.00		1344623.00	
22	MPTDC Project			1470000.00		1027267.00		442733.00	
23	SID- Bangalore - Project			216000.00		216000.00			
24	SPAB R AND D Projects	296000.00				216000.00		80000.00	
25	Weavers Housing Cluster at Maheshwar (MP)			54000.00		20111.00		33889.00	
	Total	3193889.00	0.00	19872714.00	0.00	13287413.00	0.00	10258094.00	478904.00

1. The Projects may be listed agency-wise, with sub-totals for each agency.
2. The total of Col. 8 (Credit) will appear under the above head on the liabilities side of the Balance Sheet (Schedule 3).
3. The total of Col. 9 (Debit) will appear as Receivables in Schedule 8, Loans, Advances and Deposits, on the Assets side of the Balance Sheet.

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
DEPUTY REGISTRAR
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

Registrar
कुलसचिव
REGISTRAR
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौरी, भोपाल

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 3 (b) SPONSORED FELLOWSHIPS AND SCHOLARSHIPS

Amount in ₹.

Sl. No	Name of Sponsor	Opening Balance As On 01.04.2016		Transactions During the year		Closing Balance As On 31.03.2017	
		CR.	DR.	CR.	DR.	CR.	DR.
	University Grants Commission	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	Ministry of social justice and tribal affairs	0.00	0.00	1044500.00	507000.00	537500.00	0.00
	Others (Specify individually)						
	a. EDCIL	0.00	0.00	84915.00	0.00	84915.00	0.00
	b. Distric welfare officer Nalanda	0.00	0.00	16020.00	0.00	16020.00	0.00
	Total	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**638435.00**	**0.00**

Note:

1. The total of Column 7, (Credit) will appear under the above head, on the liabilities side of the Balance Sheet (Schedule 3).
2. The total of Column 8 (Debit) will appear as Receivables on the Assets side of the Balance Sheet in Schedule 8 (Loans, Advances and Deposits).

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
DEPUTY REGISTRAR योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
REGISTRAR योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौरी, भोपाल

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 3(c) UNUTILISED GRANTS FROM UGC, GOVERNMENT OF INDIA AND STATE GOVERNMENTS

Amount in ₹.

	Current Year	Previous Year
A. Plan grants: Government of India (MHRD)		
Balance B/F	0.00	0.00
GIA-OH-31- General	20283965.00	0.00
GIA-OH-35- Capital	35296000.00	0.00
GIA-OH-36- Salary	3582000.00	0.00
Total	59161965.00	0.00
Add: Receipts during the year		
GIA-OH-31- General	59700000.00	0.00
GIA-OH-35- Capital	0.00	0.00
GIA-OH-35- Capital returned by cpwd	50000000.00	
GIA-OH-36- Salary	106000000.00	0.00
Total	215700000.00	0.00
Less Refunds	0.00	0.00
Less: Utilized for Revenue Expenditure		
GIA-OH-31- General	80118933.35	0.00
GIA-OH-36- Salary	91490084.00	0.00
Total OH31+Oh36	171609017.35	0.00
Less: Utilized for Capital expenditure GIA-OH-35	24226830.00	0.00
less: Advance granted for capital during the year	11302662.00	
Unutilized carried forward (a-b)		
GIA-OH-31- General	-134968.35	0.00
GIA-OH-35- Capital	49766508.00	0.00
GIA-OH-35- Capital Advance	93192988.00	
GIA-OH-36- Salary	18091916.00	0.00
Total OH31+OH35+OH36	160916443.65	0.00
B. UGC grants: Plan	0.00	0.00
Balance B/F	0.00	0.00
Receipts during the year	0.00	0.00
Total (c)	0.00	0.00
Less Refunds	0.00	0.00

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
DEPUTY REGISTRAR योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

REGISTRAR

Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 3(c) UNUTILISED GRANTS FROM UGC, GOVERNMENT OF INDIA AND STATE GOVERNMENTS

Amount in ₹.

	Current Year	Previous Year
Less: Utilized for Revenue Expenditure	0.00	0.00
Less: Utilized for capital expenditure	0.00	0.00
Total (d)	0.00	0.00
Unutilized carried forward (c-d)	0.00	0.00
	0.00	0.00
C. UGC Grants Non Plan	0.00	0.00
Balance B/F	0.00	0.00
Receipts during the year	0.00	0.00
Total (e)	0.00	0.00
Less: Refunds	0.00	0.00
Less: Utilised for Revenue Expenditure	0.00	0.00
Less: Utilised for Capital Expenditure	0.00	0.00
Total (f)	0.00	0.00
Unutilized carried forward (e- fj	0.00	0.00
D. Grants from State Govt.	0.00	0.00
Balance B/F	0.00	0.00
Add: Receipts during the year	0.00	0.00
Total (g)	0.00	0.00
Less: Utilized for Revenue Expenditure	0.00	0.00
Less: Utilized for Capital Expenditure	0.00	0.00
Total (h)	0.00	0.00
Unutilized carried forward (g - h)	0.00	0.00
Grand Total (A+B+C+D)	0.00	0.00

Notes:-
Unutilized grants includes advances on Capital Account
Unutilized grants include grants received in advance for the next year
Unutilized grants are represented on the Assets side by Bank balances, Short term Deposits with Banks and advances on Capital Account

DEPUTY REGISTRAR
उप कुलसचिव
Deputy Registrar
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

REGISTRAR
Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 4 FIXED ASSETS

Amount in ₹.

			Gross Block				Depreciation for the Year 2016-17				Net Block	
S.No	Assets Heads	Dep Rate In %	Op Balance 01.04.2016	Additions	Deductions	Cl Balance	Dep Opening Balance	Depreciation For the year	Deductions / Adjusment	Total	31.03.17	31.03.16
	Tangible Assets											
1	Land	0	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2	Site Development	0	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3	Buildings										0.00	
	a) On Leasehold Land	2	360603222.00	1085536.00	0.00	361688758.00	27550259.00	7233775.16	0.00	34784034.16	326904723.84	333052963.00
	b) Girls Hostel	2	127219880.00	8206747.00	0.00	135426627.00	5049298.00	2708532.54	0.00	7757830.54	127668796.46	122170582.00
	c) Student Amenetie II	2	69213959.00	0.00	0.00	69213959.00	2649099.00	1384279.18	0.00	4033378.18	65180580.82	66564860.00
	d) Superstructures on Land not belonging to the institution	2	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	e) Boys hostel II	2	215300046.00	0.00	0.00	215300046.00	4306001.00	4306000.92	0.00	8612001.92	206688044.08	210994045.00
	f) Assistant Prof.Quarters	2	118620377.00	0.00	0.00	118620377.00	2372408.00	2372407.54	0.00	4744815.54	113875561.46	116247969.00
	g) paly ground	2	0.00	6911471.00	0.00	6911471.00	0.00	138229.42	0.00	138229.42	6773241.58	0.00
4	Roads & Bridges	2	0.00	89746000.00	0.00	89746000.00	0.00	1794920.00	0.00	1794920.00	87951080.00	0.00
5	Tubewells & Water Supply	2	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
6	Sewerage & Drainage	2	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
7	Electrical Installation and equipment	5	15803983.00	599180.00	0.00	16403163.00	2694639.00	820158.15	0.00	3514797.15	12888365.85	13109344.00
8	Plant & Machinery	5	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
9	Scientific & Laboratory Equipment	8	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
10	Office Equipment	7.5	12716745.00	575016.00	0.00	13291761.00	3461794.00	996882.08	0.00	4458676.08	8833084.92	9254951.00
11	Audio Visual Equipment	7.5	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
12	Computers & Peripherals	20	37483187.00	215889.00	0.00	37699076.00	34231549.00	3695806.00	4506467.60	33420887.40	4278188.60	3251638.00
13	Furniture, Fixtures & Fittings	7.5	28026458.00	5698952.00	0.00	33725410.00	7297580.00	2529405.75	0.00	9826985.75	23898424.25	20728878.00
14	Vehicles	10	1146688.00	0.00	0.00	1146688.00	798082.00	114668.80	0.00	912750.80	233937.20	348606.00
15	Lib. Books & Scientific Journals	10	37708835.00	4183407.00	0.00	41892242.00	12657573.00	4189224.20	0.00	16846797.20	25045444.80	25051262.00
16	Small Value Assets	100	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	Total (A)		**1023843380.00**	**117222198.00**	**0.00**	**1141065578.00**	**103068282.00**	**32284289.74**	**4506467.60**	**130846104.14**	**1010219473.86**	**920775098.00**
17	**Capital Work in Progress (B)**		**417502919.00**	**76544573.00**	**112655860.00**	**381391632.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**381391632.00**	**417502919.00**

S.No	Assets Heads		Op Balance 01.04.2016	Additions	Deductions	Cl Balance	Dep Opening Balance	Depreciation For the year	Deductions / Adjusment	Total Amortization/ Adjusment	31.03.17	31.03.16
	Intangible Assets		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
18	Computer Software	40	21690035.00	686481.00	0.00	22376516.00	21632147.00	332480.40	0.00	21964627.40	411888.60	57888.00
19	E-Journals	40	0.00	94248.00	0.00	94248.00	0.00	37699.20	0.00	37699.20	56548.80	0.00
20	Patents		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	Total (C)		**21690035.00**	**780729.00**	**0.00**	**22470764.00**	**21632147.00**	**370179.60**	**0.00**	**22002326.60**	**468437.40**	**57888.00**
	GrandTotal(A+B+C)		**1463036334.00**	**194547500.00**	**112655860.00**	**1544927974.00**	**124700429.00**	**32654469.34**	**4506467.60**	**152848430.74**	**1392079543.26**	**1338335905.00**

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal
DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR
Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल

Computers & Peripherals depreciation working for FY 2016-17

S.No	Assets Heads	Rates	Op Balances	Additions	software	Net Peripherals Additions	Dep Opening Balance	Depreciation For the year	Total dep	Value As on 31.03.2017
1	Computers & Peripherals 2008-09			285826	0.00	285826	28582.6	0	0	
2	Computers & Peripherals 2009-10		285826.00	7362018.04	0.00	7362018.04	736201.804	0	0	
3	Computers & Peripherals 2010-11		7647844.04	6950824.00		6950824	695082.4	0	0	
4	Computers & Peripherals 2011-12		14598668.04	4636378.00	0.00	4636378	463637.8	0	0	
5	Computers & Peripherals 2012-13		19235046.04	5716931	3946377	1770554	1416443.2	354110.8	1770554	0
6	Computers & Peripherals 2013-14		21005600.04	17876118	3539487	14336631	8601978.6	2867326.2	11469304.8	2867326.2
7	Computers & Peripherals 2014-15		35342231.04	284950.00	289438.00	277112.00	110844.80	55422.4	166267.2	110844.8
8	Computers & Peripherals 2015-16		35619343.04	1878844.00		1878844.00	375768.80	375768.8	751537.6	1127306.4
9	Computers & Peripherals 2016-17		37483187.00	215889.00	686481.00	215889.00	0.00	43177.8	43177.8	172711.2
	Computers & Peripherals	20%		45207778.04	8461783.00	37714076.04	12428540.00	3695806.00	14200841.40	4278188.60

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
DEPUTY REGISTRAR योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

Registrar
कुलसचिव
REGISTRAR School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 5 : INVESTMENTS FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS

Amount in ₹.

	Current Year	Previous Year
1 In Central Government Securities	0.00	0.00
2 In State Government Securities	0.00	0.00
3 Other approved Securities	0.00	0.00
4 Shares	0.00	0.00
5 Debentures and Bonds	0.00	0.00
6 Term Deposits with Banks	0.00	0.00
7 Others (to be specified)	0.00	0.00
Total	**0.00**	**0.00**

SCHEDULE 6 -INVESTMENTS- OTHERS

Amount in ₹.

	Current Year	Previous Year
1. In Central Government Securities	0.00	0.00
2. In State Government Securities	0.00	0.00
3. Other approved Securities	0.00	0.00
4. Shares	0.00	0.00
5. Debentures and Bonds	0.00	0.00
6. Others (to be specified)	0.00	0.00
TOTAL	**0.00**	**0.00**

DEPUTY REGISTRAR उप कुलसचिव Deputy Registrar योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल School of Planning and Architecture, Bhopal

REGISTRAR Registrar कुलसचिव School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 7- CURRENT ASSETS

Amount in ₹.

	Current Year	Previous Year
1. Stock:		
a) Stores and Spares	0.00	0.00
b) Loose Tools	0.00	0.00
c) Publications	0.00	0.00
d) Laboratory chemicals, consumables and glass ware	0.00	0.00
e) Building Material	0.00	0.00
f) Electrical Material	0.00	0.00
g) Stationery	0.00	0.00
h) Water supply material	0.00	0.00
2. Sundry Debtors:		
a) Debts Outstanding for a period exceeding six months	0.00	0.00
b) Others	0.00	0.00
3. Cash and Bank Balances		
a) Cash	4041.00	37218.00
b) Bank	0.00	
a) With Scheduled Banks:		
In Current Accounts		
a) Canara Bank -2073201002565	20817.00	18470955.00
b) Canara Bank -BHAURI 4725201000004	443627.91	21460162.39
c) SBI-IISER-30427862263	39815.76	241742.50
d) SBI-IISER- 30880988560	2625173.28	1032199.78
e) Canara Bank -BHAURI 4725201000009	10698109.20	3197349.05
f) Canara Bank -BHAURI 4725214000002	0.00	0.00
g) Canara Bank -BHAURI 4725214000001	0.00	425497.00
h) Canara Bank (GIAN) - 4725101000036	1239789.00	1360000.00
i) Canara Bank (R&D) - 4725101000021	7241764.00	720000.00
j) Canara Bank (DIC) - 4725101000020	1568784.00	0.00
k) Canara Bank (DIC) - 4725101000023	938794.00	0.00
l) Canara Bank -Sweep- 4725201000005	40296119.00	0.00

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal
DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR
Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 7- CURRENT ASSETS

Amount in ₹.

	Current Year	Previous Year
In term deposit Accounts		
a) SBI-FDR	16000000.00	7000000.00
b) SBI-FDR-Fees	32206104.00	12997839.00
c) FDR -Corpus	112448735.53	104583812.00
d) FDR with Canara Bank	7436535.00	68726559.00
e) FDR with Canara Bank-Fees-Sweep Account	45616286.00	0.00
g) FDR with Canara Bank- CPWD Amt received	40000000.00	0.00
In Savings Accounts		
a) SBI-DST .32668321701	0.00	414883.00
b) SBI-Corpus-32846379816	12630.00	164656.00
b) With non-Scheduled Banks:		
in term deposit Accounts	0.00	0.00
in Savings Accounts	0.00	0.00
4. Post Office- Savings Accounts	0.00	
TOTAL	**318837124.68**	**240832872.72**

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
DEPUTY REGISTRAR School of Planning and Architecture, Bhopal

Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौरी, भोपाल
REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 8- LOANS, ADVANCES & DEPOSITS

Amount in ₹.

	Current Year	Previous Year
1. Advances to employees: (Non-interest bearing)		
a) Salary	0.00	0.00
b) Festival	27900.00	32850.00
c) Medical Advance	0.00	0.00
d) Other (to be specified)		
a) LTC	113969.00	107152.00
b) Temporary Advance (contigent)	261641.00	164471.00
c) Imprest	80000.00	45904.00
d) Faculty Development Program(CPDA)	339300.00	946717.00
2. Long Term Advances to employees: (Interest bearing)		
a) Vehicle loan	0.00	0.00
b) Home loan	0.00	0.00
c) Others (to be specified)		
a) Computer Advance	152275.00	225295.00
b) NPS Advance	436569.00	349386.00
3. Advances and other amounts recoverable in cash or in kind or for value to be received:		
a) On Capital Account		
a) CPWD Advance For Building	78968326.00	197972626.00
b) CPWD Advance For Boundary Wall	2922000.00	5429000.00
c) NBCC Advance For Building	0.00	0.00
b) To Suppliers		
c) Others		
a) Advance to Students	144161.00	31760.00
b) Subscription Advance	0.00	0.00
c) MP STATE BAMBOO MISSION (MPSBM)	0.00	0.00
d) NRSC Hyderabad (Advance)	0.00	42024.00
e) Advance to others	11426881.00	258.00

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
DEPUTY REGISTRAR
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

REGISTRAR
Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 8- LOANS, ADVANCES & DEPOSITS

Amount in ₹.

	Current Year	Previous Year
4. Prepaid Expenses		
a) Insurance	187466.00	172871.00
b) Other expenses	0.00	0.00
c) Internet Charges	3094441.00	3591454.00
d) Library Journal	2607842.00	4329815.00
e) Aniti Virus Software	0.00	7751192.00
f) AMC	3747402.00	69660.00
g) Departmental Exp.	0.00	60000.00
h) Adv. Subscriptio & Prepaid News paper & Mag.	0.00	4903.00
5. Deposits		
a) Telephone	0.00	0.00
b) Lease Rent	0.00	0.00
c) Electricity - MPKVN (33KV)	1457000.00	2244000.00
d) AICTE, if applicable	0.00	0.00
e) Others (to be specified)	0.00	0.00
a) Advance energy Charges (RAO) O&M	20000.00	0.00
b) VAT Deposits	0.00	3778.00
6. Income Accrued:		
a) On Investments from Earmarked/ Endowment Funds	0.00	0.00
b) On Investments-Others	1711624.88	1698016.00
c) On Loans and Advances	0.00	0.00
d) Others Receivable from Students	179500.00	111250.00
7. Other- Current assets receivable from UGC/sponsored projects		
a) Debit balances in Sponsored Projects	0.00	0.00
b) Debit balances in Sponsored Fellowships & Scholarships	0.00	0.00
c) Grants Receivable	0.00	0.00
d) Other receivables from UGC	0.00	0.00
8. Claims Receivable (TDS)	5719547.50	3959893.50
TOTAL	113597845.38	229344275.50

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
DEPUTY REGISTRAR योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

REGISTRAR
Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 9- ACADEMIC RECEIPTS

Amount in ₹.

	Current Year	Previous Year
FEES FROM STUDENTS		
Academic		
1. Tuition fee	23129102.27	19012538.45
2. Admission fee	191000.00	177000.00
3. Enrolment fee	0.00	0.00
4. Library Admission fee/Internet Charges	1362000.00	787250.00
5. Laboratory fee/Studio Chargres	952500.00	0.00
6. Art & Craft fee	0.00	0.00
7. Registration fee	381000.00	0.00
8. Syllabus fee	30.00	0.00
9. Sweep Acount (2015-16)	195769.00	0.00
Total (A)	**26211401.27**	**19976788.45**
Examinations		
1. Admission test fee	0.00	0.00
2. Annual Examination fee/Supplimentry Fees	1894800.00	1307150.00
3. Mark sheet, certificate fee , revaluation Fees	7100.00	0.00
4. Entrance examination fee	0.00	0.00
Total (B)	**1901900.00**	**1307150.00**
Other Fees		
1. Identity card fee	99150.00	88500.00
2. Fine/Miscellaneous fee/Duplicate fee book	249621.25	330071.50
3. Student Medical fee	795200.00	562100.00
4. Transportation fee	0.00	0.00
5. Hostel fee	7099558.00	6814000.00
6. Sport/Gym fees	284257.00	478250.00

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
DEPUTY REGISTRAR योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

REGISTRAR

Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौरी, भोपाल

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 9- ACADEMIC RECEIPTS

Amount in ₹.

	Current Year	Previous Year
7. Student welfare / Activity	1412473.00	1265500.00
8. Migration Fees	44000.00	88500.00
9. Student Training & Placement	14000.00	531000.00
10. Student Blazer	0.00	145500.00
11. Admission Cancillation Fees	0.00	420910.00
12. Convocation Fees	407000.00	0.00
13. Institute Developments fees	1570500.00	1545000.00
14. Group Insurance fee	515200.00	496000.00
Total(C)	**12490959.25**	**12765331.50**
Sale of Publications		
1. Sale of Admission forms	1260224.26	449600.00
2. Sale of syllabus and Question Paper, etc.	0.00	0.00
3. Sale of prospectus including admission forms and spandral	30900.00	29200.00
Total (D)	**1291124.26**	**478800.00**
Other Academic Receipts		
1. Registration fee for workshops, programmes	4000.00	0.00
2. Registration fees (Academic Staff College)	0.00	0.00
Total (E)	**4000.00**	**0.00**
GRAND TOTAL (A+B+C+D+E)	**41899384.78**	**34528069.95**

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
DEPUTY REGISTRAR

Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौरी, भोपाल
REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 10- GRANTS & SUBSIDIES (IRREVOCABLE GRANTS RECEIVED)

Amount in ₹.

Particulars	Plan			Total Plan	Non Plan UGC	Current Year Total	Previous Year Total
	Govt. of India	UGC					
		Plan	Specific Schemes				
Balance B/F Add: Receipts during the year	165700000.00	0.00	0.00	165700000.00	0.00	165700000.00	301821429.00
Add: Excess expenses over grant transfer from 3C	5909017.35	0.00	0.00	5909017.35		5909017.35	0.00
Total	171609017.35	0.00	0.00	171609017.35	0.00	171609017.35	301821429.00
Less: Refund to UGC Balance Less: Utilised for Capital expenditure (A)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Balance	171609017.35	0.00	0.00	171609017.35	0.00	171609017.35	301821429.00
Less: Utilized for Revenue Expenditure (B)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Balance C/F (C)	171609017.35	0.00	0.00	171609017.35	0.00	171609017.35	301821429.00

DEPUTY REGISTRAR
उप कुलसचिव
Deputy Registrar
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
ool of Planning and Architecture, Bhopal

REGISTRAR
Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 11- INCOME FROM INVESTMENTS

Amount in ₹.

Particulars	Earmarked/Endowment Funds		Other Investments	
	Current Year	Previous Year	Current Year	Previous Year
1. Interest				
a. On Government Securities	0.00	0.00	0.00	0.00
b. Other Bonds/Debentures	0.00	0.00	0.00	0.00
2. Interest on Term Deposits	0.00	0.00	3985171.30	4625569.00
3. Income accrued but not due on Term Deposits/ Interest bearing advances to employees	0.00	0.00	0.00	0.00
4. Interest on Savings Bank Accounts	0.00	0.00	0.00	0.00
5. Others (Specify)	0.00	0.00	0.00	0.00
a)Interest on sweep a/c	0.00	0.00	4356510.00	888028.00
Total	**0.00**	**0.00**	**8341681.30**	**5513597.00**
Transferred to Earmarked/Endowment Funds	0.00	0.00		
Balance	0.00	0.00		

SCHEDULE 12: INTEREST EARNED

Amount in ₹.

Particulars	Current Year	Previous Year
1. On Savings Accounts with scheduled banks	11628.00	17021.00
2 On Loans		
a. Employees/Staff	62510.00	48055.00
b. Others	93900.00	20719.00
3. On Debtors and Other Receivables	0.00	0.00
Total	**168038.00**	**85795.00**

DEPUTY REGISTRAR

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

REGISTRAR

Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 13- OTHER INCOME

Amount in ₹.

	Current Year	Previous Year
A. Income from Land & Buildings		
1. Hostel Room Rent	0.00	0.00
2. License fee	194365.00	190075.00
3. Hire Charges of Auditorium/Play ground/Convention Centre, etc	0.00	0.00
4. Electricity charges recovered	0.00	0.00
5. Water charges recovered	0.00	0.00
6. Rent from Others	382435.00	334753.00
Total (A)	**576800.00**	**524828.00**
B. Sale of Institute's publications (B)	**0.00**	**0.00**
C. Income from holding events		
1. Gross Receipts from annual function/ sports carnival	0.00	0.00
Less: Direct expenditure incurred on the annual function/ sports carnival	0.00	0.00
2. Gross Receipts from fetes	0.00	0.00
Less: Direct expenditure incurred on the fetes	0.00	0.00
3. Gross Receipts for educational tours	0.00	0.00
Less: Direct expenditure incurred on the tours	0.00	0.00
4. Others (to be specified and separately disclosed)	0.00	0.00
Total(C)	**0.00**	**0.00**
D. Others		
1. Income from consultancy	0.00	0.00
2. RTI fees	70.00	350.00
3. Income from Royalty/Research Projects	0.00	1753438.00
4. Sale of application form (recruitment)	0.00	36000.00
5. Misc. Receipts	0.00	
a) Sale of tender form/Registration Charges	35500.00	178500.00
b) Guest House Receipts	0.00	75900.00
c) Income from Resource Centre	0.00	0.00
d) Income from DASA	100000.00	100000.00
6. Profit on Sale/disposal of Assets:	0.00	
a) Owned assets	0.00	0.00
b) Assets acquired out of grants, or received free of cost	0.00	0.00
7. Seminar / programme fees/ Convocation fees	0.00	0.00
8. Others (specify) Misc. Recipts/ inetrest on loan	3000.00	11900.00
Total (D)	**138570.00**	**2156088.00**
Grand Total (A+B+C+D)	**715370.00**	**2680916.00**

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
DEPUTY REGISTRAR
स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

REGISTRAR
Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 14- PRIOR PERIOD INCOME

Amount in ₹.

Particulars	Current Year	Previous Year
1. Academic Receipts	**0.00**	**0.00**
2. Income from Investments	0.00	0.00
3.1nterest earned	0.00	0.00
4. Other Income	0.00	0.00
Total	0.00	0.00

SCHEDULE 15- STAFF PAYMENTS & BENEFITS (ESTABLISHMENT EXPENSES)

Amount in ₹.

	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
a) Salaries and Wages	79843992.00	0.00	79843992.00	72031987.00	0.00	72031987.00
b) Allowances and Bonus	427146.00	0.00	427146.00	120891.00	0.00	120891.00
c) Contribution to Provident Fund/Pension Fund	37592.00	0.00	37592.00	97140.00	0.00	97140.00
d) Contribution to Other Fund (NPS)	6676680.00	0.00	6676680.00	6108388.00	0.00	6108388.00
e) Staff Welfare Expenses	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
f) Retirement and Terminal Benefits	-2114513.00	0.00	-2114513.00	8972552.00	0.00	8972552.00
g) LTC facility	1467636.00	0.00	1467636.00	1541117.00	0.00	1541117.00
h) Medical facility	881271.00	0.00	881271.00	1101666.00	0.00	1101666.00
i) Children Education Allowance	1012415.00	0.00	1012415.00	885810.00	0.00	885810.00
j) Honorarium	2188.00	0.00	2188.00	0.00	0.00	0.00
k) TA/DA expenses	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
l) Others	0.00					
a) Leave Encashment	716152.00	0.00	716152.00	192873.00	0.00	192873.00
b) Cumulative Professional Development Expenses	2469713.00	0.00	2469713.00	4816357.00	0.00	4816357.00
c) Recruitment Expenses	16500.00	0.00	16500.00	19887.00	0.00	19887.00
d) Staff Training	24854.00	0.00	24854.00	35986.00	0.00	35986.00
e) NPS Maintenance charges	28458.00	0.00	28458.00	27296.00	0.00	27296.00
TOTAL	**91490084.00**	**0.00**	**91490084.00**	**95951950.00**	**0.00**	**95951950.00**

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
DEPUTY REGISTRAR योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bho

Registrar
कुलसचिव
REGISTRAR School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 16- ACADEMIC EXPENSES

Amount in ₹.

	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
a) Laboratory expenses	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
b) Field work/Participation in Conferences	0.00	0.00	0.00	4249578.00	0.00	4249578.00
c) Expenses on Seminars/Workshops	210760.00	0.00	210760.00	1795460.00	0.00	1795460.00
d) Payment to visiting faculty .	2291936.00	0.00	2291936.00	2834770.00	0.00	2834770.00
e) Examination	2090500.00	0.00	2090500.00	3375164.00	0.00	3375164.00
f) Student Welfare/ Activties expenses	1696730.00	0.00	1696730.00	1294172.00	0.00	1294172.00
g) Admission expenses	65010.00	0.00	65010.00	23850.00	0.00	23850.00
h) Convocation expenses	1155946.00	0.00	1155946.00	1126712.00	0.00	1126712.00
i) Publications	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
j) Stipend/means-cum-merit scholarship	9784639.00	0.00	9784639.00	9646532.00	0.00	9646532.00
k) Subscription Expenses	881514.00	0.00	881514.00	713138.00	0.00	713138.00
l) Others (specify)	0.00					0.00
a) Training & Placement Cell	28100.00	0.00	28100.00	3085.00	0.00	3085.00
b) Medical facilities	3354372.00	0.00	3354372.00	3613955.00	0.00	3613955.00
c)Student Medical Insurance	0.00	0.00	0.00	321373.00	0.00	321373.00
d) Bank Charges	15887.00	0.00	15887	0.00	0.00	0.00
e) Fees Refund/Mess fee Refund	401000	0.00	401000	0.00	0.00	0.00
f) Group Insurance Exps	506286		506286	0.00	0.00	0.00
g) Hostel Exps	7427		7427	0.00	0.00	0.00
h) departmental Activties	2714427		2714427	0.00	0.00	0.00
			0	0.00	0.00	0.00
TOTAL	**25204534.00**	**0.00**	**25204534.00**	**28997789.00**	**0.00**	**28997789.00**

DEPUTY REGISTRAR
उप कुलसचिव
Deputy Registrar
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

REGISTRAR
Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 17- ADMINISTRATIVE AND GENERAL EXPENSES

Amount in ₹.

	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
A Infrastructure						
a) Electricity and power	7180244.85	0.00	7180244.85	8719568.13	0.00	8719568.13
b) Water charges	1004121.00	0.00	1004121.00	995875.00	0.00	995875.00
c) Insurance	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
d) Rent, Rates and Taxes (including propertytax)	1041616.00	0.00	1041616.00	2931355.00	0.00	2931355.00
B Communication	0.00					
a) Postage and Telegram	376628.00	0.00	376628.00	141288.00	0.00	141288.00
b) Telephone, Fax and Internet Charges	3291258.00	0.00	3291258.00	1480763.00	0.00	1480763.00
C Others						
a) Printing and Stationery (consumption)	1378637.00	0.00	1378637.00	2415060.00	0.00	2415060.00
b) Travelling and Conveyance Expenses	74934.00	0.00	74934.00	13415.00	0.00	13415.00
c) Hospitality and Statutory Meeting Expenses	1791066.00	0.00	1791066.00	2139173.00	0.00	2139173.00
d) Auditors Remuneration	0.00	0.00	0.00	366050.00	0.00	366050.00
e) Professional Charges	367950.00	0.00	367950.00	287657.00	0.00	287657.00
f) Advertisement and Publicity	997387.00	0.00	997387.00	994008.00	0.00	994008.00
g) Magazines & Journals	0.00	0.00	0.00	26920.00	0.00	26920.00
h) Others (specify)	0.00					
a) Project Expenses	276799.00	0.00	276799.00	25909.00	0.00	25909.00
b) Misc Expenses/ Consumable item exps	14000.00	0.00	14000.00	0.00	0.00	0.00
c) Website Development	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
d) Outsourcing Expenses	22826593.00	0.00	22826593.00	22378751.00	0.00	22378751.00
e) Shifting Expenses	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
f) Membership of Professional Institutation	50000.00	0.00	50000.00	60000.00	0.00	60000.00
g) Landscape Development Exps.	4100.00	0.00	4100.00	0.00	0.00	0.00
h) Day Care Centre Expenses	20310.00	0.00	20310.00	15993.00	0.00	15993.00
TOTAL	**40695643.85**	**0.00**	**40695643.85**	**42991785.13**	**0.00**	**42991785.13**

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
DEPUTY REGISTRAR योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

Registrar
कुलसचिव
REGISTRAR School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 18-TRANSPORTATION EXPENSES

Amount in ₹.

Particulars	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
1 Vehicles (owned by institution)						
a) Running expenses	187191.00	0.00	187191.00	285500.00	0.00	285500.00
b) Repairs & maintenance	49387.00	0.00	49387.00	12726.00	0.00	12726.00
c) Insurance expenses	41517.00	0.00	41517.00	37100.00	0.00	37100.00
2 Vehicles taken on rent/lease						
a) Rent/lease expenses	5877430.00	0.00	5877430.00	6208659.00	0.00	6208659.00
3 Vehicle (Taxi) hiring expenses		0.00	0.00		0.00	0.00
Total	**6155525.00**	**0.00**	**6155525.00**	**6543985.00**	**0.00**	**6543985.00**

SCHEDULE 19- REPAIRS & MAINTENANCE

Amount in ₹.

Particulars	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
a) Buildings	0.00	0.00	0.00	14900.00	0.00	14900.00
b) Furniture & Fixtures	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
c) Plant & Machinery	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
d) Office Equipment	1074339.00	0.00	1074339.00	152845.00	0.00	152845.00
e) Computers	4931587.00	0.00	4931587.00	554901.00	0.00	554901.00
n) Laboratory & Scientific equipment	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
g) Audio Visual equipment	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
h) Cleaning Material & Services	247483.00	0.00	247483.00	0.00	0.00	0.00
i) Book binding charges	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
j) Gardening	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
k) Estate Maintenance	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
l) Others (Specify) MISc	623.00	0.00	623.00	493469.00	0.00	493469.00
Total	**6254032.00**	**0.00**	**6254032.00**	**1216115.00**	**0.00**	**1216115.00**

DEPUTY REGISTRAR

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

REGISTRAR

Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 20- FINANCE COSTS

Amount in ₹.

Particulars	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
a) Bank charges	12670.50	0.00	12670.50	17718.00	0.00	17718.00
b) Others (specify)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Total	**12670.50**	**0.00**	**12670.50**	**17718.00**	**0.00**	**17718.00**

SCHEDULE 21- OTHER EXPENSES

Amount in ₹.

Particulars	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
a) Provision for Bad and Doubtful Debts/Advances	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
b) Irrecoverable Balances Written- off	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
c) Grants/Subsidies to other institutions/organizations	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
d) Others (specify)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Transit Campus Assets Written Off	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Total	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
DEPUTY REGISTRAR योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

Registrar
कुलसचिव
REGISTRAR School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 22: PRIOR PERIOD EXPENSES

Amount in ₹.

Particulars	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
1 Establishment expenses	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2 Academic expenses	-1107.00	0.00	-1107.00	562582.00	0.00	562582.00
3 Administrative expenses	0.00	0.00	0.00	552796.00	0.00	552796.00
4 Transportation expenses	0.00	0.00	0.00	7063.00	0.00	7063.00
5 Repairs & Maintenance	32790.00	0.00	32790.00	109230.00	0.00	109230.00
6 Other expenses		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
a) Property Tax	1764845.00	0.00	1764845.00	0.00	0.00	0.00
Total	1796528.00	0.00	1796528.00	0.00	0.00	1231671.00

DEPUTY REGISTRAR

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

REGISTRAR

Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौरी, भोपाल

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

Schedule: 23

Significant Accounting Policies

1. Basis For Preparation of Accounts:

The Annual Accounts of the Institute are prepared on the basis of revised format and guidelines issued by the Ministry of Human Resource Development, Government of India and approved by the C&AG of India for all Central Educational Institutes w.e.f. F.Y.2015-16 (Communicated vide letter No. 29-4/2012-IFD Dated 17/04/2015 of MHRD, GOI).

2. Accounting Convention:

The Financial Statements are prepared on the basis of Historical Cost Convention unless otherwise stated and generally on the accrual method of accounting.

3. Revenue Recognition:

1 Admission Fees, Tuition Fees and other Fees received from Students are accounted on accrual basis.

2 Interest received on Bank Deposits are accounted on accrual basis.

3 Income from Land, Buildings and Other Property and income from Interest on Investments are accounted on Cash basis.

4. Fixed Assets and Depreciation:

4.1 The fixed assets are valued at cost of acquisition and inclusive of inward freight, duties, taxes, incidental and direct expenses related to acquisition.

No fixed asset has been received directly by way of non-monetary grant during the year under consideration.

The land measuring 30.219 hectares at Gram Bhauri, Bhopal on which the construction and development of permanent campus of the Institute is under progress has been given by the Government of Madhya Pradesh on permanent lease basis, initially for a period 30 years and then to be reviewed, at No Cost

4.2 No Gifted / Donated Assets and Books have been received during the year under consideration.

4.3 Fixed assets are valued at cost less accumulated depreciation. The method of depreciation on fixed assets has been changed to straight line method, at the following rates as stated in the letter No. 29-4/2012-IFD Dated 17/04/2015 of MHRD, GOI:

Dy. Registrar
उप कुलसचिव
Deputy Registrar
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल

Tangible Assets:		Depreciation Rate:
1.	Land	0%
2.	Site Development	0%
3.	Buildings	2%
4.	Roads & Bridges	2%
5.	Tube Wells & Water Supply	2%
6.	Sewerage & Drainage	2%
7.	Electrical Installation and Equipment	5%
8.	Plant & Machinery	5%
9.	Scientific & Laboratory Equipment	8%
10.	Office Equipment	7.5%
11.	Audio Visual Equipment	7.5%
12.	Computer & Peripherals	20%
13.	Furniture, Fixtures & Fittings	7.5%
14.	Vehicles	10%
15.	Library Books & Scientific Journals	10%

Intangible Assets (amortization):	
1. E-Journals	40%
2. Computer Software	40%
3. Patents and Copyrights	9 years

4.4 Depreciation is provided for the whole year on additions during the year, irrespective of the period of acquisition.

4.5 Where an asset is fully depreciated, it will be shown at a residual value of ₹ 1/- in the Balance Sheet and will not be further depreciated.

4.6 Assets created out of Earmarked Funds and funds of Sponsored Projects, where the ownership of such assets vests in the Institution, will be setup by credit to Capital Fund and merged with the Fixed Assets of the Institution. Depreciation will be charged at the rates applicable to the respective assets.

Assets created out of Sponsored Project funds, where the ownership is retained by the sponsors but held and used by the Institution are separately disclosed in the Notes on Accounts.

Dy. Registrar
उप कुलसचिव
Deputy Registrar
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

Registrar
Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल

4.7 An amount of ₹ 4506467.60 being the excess depreciation charged on computer peripherals during FY 2015-16 id adjusted in this year.

5. Intangible Assets:

Library Journals were received in print hence treated as tangible assets and booked under library books.

1 Software and Computer Peripherals are being shown under the Fixed Assets.

6. Stocks:

Expenditure on purchase of Chemicals, Lab ware, Office Consumable, Publications and other consumable items are accounted as revenue expenditure.

7. Retirement Benefits:

All employees of the Institute are covered under New Pension Scheme. No provision has been made for Pension. However, currently, provision is made for Earned Leave Encashment on actuarial basis. As the outcome of this an amount of ₹. 2187708 , being the excess provision made for leave encashment has been reverted in this year.

8. Investments:

No Long Term or Short Term investments are made by the Institute in Government Securities, Bonds, Debentures and Shares etc.

9. Corpus/Earmarked/Designated/Endowment Funds:

The Funds of the Institute are classified into following categories:

1. Corpus / Capital Fund: It refers to fund contributed by Government for establishment and activities of the Institute. The additions to this fund are Grants from Government to the extent utilized for Capital Expenditure, Assets purchased out of earmarked funds and excess of income over expenditure transferred from Income and Expenditure a/c.
2. Corpus Fund: These funds are set aside by the Institute with the approval of Board of Governors from the internal receipts, for specific purposes.

10. Government Grants:

Plan, Non Plan and other Grants received from Government are accounted on accrual basis,

The Capital Fund has been increased to the extent government grant was utilized towards capital expenditure during the year.

Dy. Registrar

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

Registrar

Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल

11. Investments of Corpus Fund and Income from Interest on Such Investments:

Corpus Fund are being invested in Fixed Deposit Receipts of the Scheduled Banks and interest received on this investment is being accounted for separately.

12. Sponsored Projects:

The amount received under Sponsored Projects has been separately shown in sub-schedule 3A under the head "Current Liabilities and Provisions".

13. INCOME TAX:

The Institute has complied with the directives on Income tax, from time to time. No provision for tax is made in the accounts.

Dy. Registrar
उप कुलसचिव
Deputy Registrar
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

Registrar
Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

Schedule : 24

Contingent Liabilities and Notes on Accounts

1. The financial statement of the Institute is prepared in three parts:
   1. Receipt & Payment Account
   2. Income & Expenditure Account
   3. Balance Sheet.

   The Receipts & Payments Account consists of the figures of actual receipts and payments of the Institute during the financial year 2016-17 as per Cashbook. The total receipts from the different sources as shown in Receipt and Payment Account comes to ₹ 545764066.92 - which inter alia includes Grant of ₹ 165700000 received from Ministry of Human Resources Development.

2. **The Income and Expenditure Account:**
   The Income and Expenditure account is prepared on accrual basis. The total income during the Financial Year is ₹ 222733491.43- which also includes plan grant of ₹ 171609017.35 The total revenue expenditure of financial year including depreciation of ₹ 32654469.34 comes to ₹ 204263486.69

3. **The Balance Sheet:**
   In Balance Sheet the acquired Fixed Assets, Current Assets are taken as assets. The GIA received during FY 2016-17 is taken as liability and GIA to the extent of utilization/expenditure has been transferred from liability as Income of the Institute.

4. **Contingent Liability:**
   5.1 As on 31/03/2017 there is a court cases pending in case of land allocated to the Institute by the Government of Madhya Pradesh, where in view of claims / demands by other party, monetary liability may arise in future.

5. **Fixed Assets and Depreciation:**
   Fixed Assets are shown under schedule 4 of the Balance Sheet. The total fixed assets as at the beginning of the financial year was of ₹ 1463036334.00 whereas additions during the year was ₹ 194547500. The value of Fixed Assets as at end of FY was ₹ 1544927974.00 which includes Capital work in progress of ₹ 381391632.00

Dy. Registrar
उप कुलसचिव
Deputy Registrar
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

Registrar
कुलसचिव
Registrar School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल

All the Fixed Assets under Institute's ownership were created out of Plan Grant given by Government and no Assets or Library Books have been received by the Institute as donation or gift.

6. So far no patents or copyrights have been granted to the Institute.

7. The amount of ₹ 6234487/- was outstanding as Security Deposit and EMD as on 31/03/2017. The details are mentioned under schedule 3 of Balance Sheet.

8. **Expenditure in Foreign Currency** There was expenditure of ₹ 1180080.27 in Foreign Currency for the FY 2016-17.

9. The balance of Corpus Fund created with approval of BOG was of ₹ 112356608.11 which is inclusive of interest received.

10. Figures in Final Accounts have been rounded off wherever possible.

11. Schedules 1 to 24 are annexed and they form an integral part of Annual Accounts.

12. The details of Balances in Saving Bank and Current Accounts as well as in Fixed Deposit Accounts are given in schedule 7 of the Balance Sheet.

13. **Project Accounting:**
The project income received during the year is booked under current liabilities as the amount received is linked with obligations to be performed.

14. **Capital Works-in-Progress:**
Some of the construction work of Institute's permanent campus situated at Bhauri, Bhopal is under progress and expenditure related to the same is shown under schedule 4 (Fixed Assets) of the Balance Sheet. The expenditure on capital work-in-progress as at 31/03/2017 was of ₹ 381391632.00

15. **Commitments on Capital Accounts:**
The total commitments on capital account in respect of construction works in progress are ₹ Rs 9.32 Crore

16. **Student Strength:**
As on 31/03/2017, the student strength of the Institute was 653.

Dy. Registrar

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

Registrar

Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौरी, भोपाल

17. **Staff Details:**

1. **Academic Staff**

As on 31/03/2017 the institute had 45 Academic staff as under:

S. No.	Name of the Posts	No.
1.	Professor	5
2.	Associate Professor	4
3.	Assistant Professor	36
	Total	**45**

2. **Non Academic Staff**

S. No.	Name of the Posts	No.
1.	Registrar	1
2.	Dy. Registrar	1
3.	Assistant Librarian	1
4.	Assistant Registrar	3
5.	Group B	25
6.	Group c	24
	Total	**55**

The details of visiting/Contract faculty are not included above.

18. **Related Party Transactions: NIL**

19. **New Pension Scheme and General Provident Fund Accounts:**

1. The NPS accounts are maintained by NSDL. Hence relevant schedule prescribed in the format are not applicable to the Institute accounts.
2. GPF is not applicable to the Institute employees. Hence, GPF accounts schedule has not been prepared.

***

Dy. Registrar

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

Registrar

Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE PERIOD FROM 01-04-2016 TO 31-03-2017

	RECEIPTS	Amount in Rs ₹.			PAYMENTS	Amount in Rs ₹	
		Current year	Previous Year			Current year	Previous Year
I.	**Opening Balances**			I	**Expenses**		
a	Cash Balances	37218.00	99181.00		a) Establishment Expenses	8050283.00	-
b	Bank Balance				b) Academic Expenses	19854944.74	28644833.00
i	In Current accounts				c) Salary Expenses	87644069.00	85954724.00
	a) Canara Bank -2073201002565	18470955.00	1230230.00		d) Transportation Expenses	5826411.00	6523985.00
	b) Canara Bank -BHAURI 4725201000004	21460162.39	1450372.44		e) Repair & Maintenance Expenses	11135330.00	2644307.00
	c) SBI-2263	241742.50	1634847.50		f) Finance Cost Expenses	573862.50	17718.00
	d) SBI-8560	1032199.78	3234306.78		g) Administrative Expenses	31469627.00	42725575.00
	e) Canara Bank -BHAURI 4725201000009	3197349.05	12964836.18		h) Priod Period Expenses	-	1231671.00
	f) Canara Bank -BHAURI 4725214000002	-	850000.00				
	g) Canara Bank -BHAURI 4725214000001	425497.00	1800000.00	II.	**Payments against Earmarked/Endowment Funds**		
	h) Canara Bank (GIAN) - 4725101000036	1360000.00	-				
	i) Canara Bank (R&D) - 4725101000021	720000.00	-	III.	**Payments against Sponsored Projects/Schemes**		
ii	In term deposit Accounts				Ashapuri Project	752866.00	185032.00
	a) SBI-FDR	7000000.00	-		MP CDMA	393801.00	578311.00
	b) SBI-FDR-Fees	12997839.00	-		Accessibility Training workshop	59272.00	-
	c) FDR -Corpus	104583812.00	93133333.00		SPAB R&D	-	504000.00
	d) FDR with Canara Bank	68726559.00	20000000.00		AHRC-ICHR-2015-16	283090.00	-
	e) Deposit against BG (Canara)		75000.00		MPTDC Project	474124.00	-
iii	In Savings Accounts				ICAP(SPMURM)	1542830.00	-
	a) SBI-DST .32668321701	414883.00	423771.00		GIAN	800656.00	-
	b) SBI-Corpus-32846379816	164656.00	1966653.00		DIC	265750.00	-
					ICHR PROJECT	100006.00	-
II	**Grants Received**				JNURM	6758.00	-
a	**From Government of India (MHRD Plan Grant)**	165700000.00	301821429.00		Institute Overhead	774.00	-
b	From State Government				Projects	457364.00	-
c	From other sources (details)				Gohar Mahal	-	11128.00
	Ashapuri Project	682843.00	1545567.00				
	MP CDMA	2500000.00	300223.00		**Expenditure on Fixed Assets and Capital Works - in- Progress**		
	DIC PROJECT	2514586.00		IV	a) Fixed Assets		
	British Academy	265000.00			a) Purchase of Fixed Assets	12153902.00	13010608.00
	GIAN	1974545.00	1377000.00		b) CPWD Deposit work advance	-	21595904.00
	ICHR-Project	450000.00	-		b) NBCC -construction of proffessor Quarter	5070369.00	-
	HSMI Project	592175.00	-				
	Housing of Urban Development corp	49000.00	-		b) Capital Works- in- Progress	2532857.00	263685801.00
	Accessibility Training workshop	313075.00	-				
	HIA-Khajurao	143574.00	-	V	**Deposits and Advances**		
	HIA-Hyderabad Golf association	226200.00	-		Railtel Corporation	1808000.00	-
	AHRC-ICHR-2015-16	365874.00	-		Advance for Building at bhouri		139905624.00
	MPTDC Project	1470000.00	-		**Advance to Other**	11310662.00	481541.00
	ICAP(SPMURM)	4830000.00	-		Advance to Staff	11648319.00	7188249.00
	Weavers Housing	54000.00	-		Faculty Development Program(CPDA)		4861731.00
	Gohar Mahal	-	45000.00		NPS Advance	486380.00	329048.00
	ACE Trust	-	192500.00		Imprest	554133.00	290401.00
	SPAB R & D	-	800000.00		DUTIES & TAXES	821980.00	-
	(Grants for capital & revenue exp/ to be shown				Provision for retirement benefit	73195.00	-

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
DEPUTY REGISTRAR School of Planning and Architecture, Bh

Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
REGISTRAR योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE PERIOD FROM 01-04-2016 TO 31-03-2017

RECEIPTS	Amount in Rs ₹.		PAYMENTS	Amount in Rs ₹	
	Current year	Previous Year		Current year	Previous Year
separately if available}			Visiting faculty remuneration	2487972.00	-
			RAO ADVANCE	529217.00	-
III Academic Receipts			VAT Advance deposit	-	3778.00
			Caution Money	479940.00	466500.00
			Advance to Students	813705.00	430856.00
a) Student Fees	23129102.27	19012538.45	Computer Advance	30000.00	30000.00
b) Other Fees/ Misc. Receipts					
Hostel Fees	7099558.00	6814000.00	VI Other Payments		
Mess Fees	20900.00	-	a) Fees Refund	661100.00	
Misc Income	90320.00	-	b) Security Refund	367531.00	633628.00
Revaluation Fees	7100.00	8000.00	c) Scholarship payment	1023312.00	98940.00
Misc Receipt	1500.00	261622.50	d) EMD	592000.00	93000.00
PG Programme Application Fees	-	439500.00	e)Payment to creditors	3933050.00	4156190.00
Enrollment Fees	191000.00	177000.00	f)professional & consultancy(Audit Fees)	47480.00	-
Other Receipt	-	2800.00			
ID Card Fees	99150.00	88500.00	Closing balances		
Hostel Fine	-	900.00	VII Cash in hand	4041.00	37218.00
Institiute Development Fees	1570500.00	1545000.00	Bank balances		
Internet Facility Charges	1362000.00	787250.00	In Current accounts		
Migration Fees	44000.00	88500.00	a) Canara Bank -2073201002565	20817.00	18470955.00
Sports Fees	740500.00	478250.00	b) Canara Bank -BHAURI 4725201000004	443627.91	21460162.39
Student Training & Placement	573000.00	531000.00	c) SBI-2263	39815.78	241742.50
Student Blazer	-	145500.00	d) SBI-8560	2625173.28	1032199.78
Student Medical fees	795200.00	562100.00	e) Canara Bank -BHAURI 4725201000009	10698109.20	3197349.05
Student Safety Insurance	515400.00	496000.00	f) Canara Bank -BHAURI 4725214000002	-	
Student Welfare/ Activity	1895100.00	1265500.00	g) Canara Bank -BHAURI 4725214000001		425497
Tuition Fees (Admission Cancel)	1021850.00	420910.00	h) Canara Bank (GIAN) - 4725101000036	1239789.00	1360000.00
c) Application fees	-	46100.00	i) Canara Bank (R&D) - 4725101000021	7241764.00	720000.00
d) Examination Fees	1894800.00	1296350.00	j) dic canara bank0020	1568784.00	
e) Workshop	12000.00	-	h) Tax account-4725201000023	938794.00	
f) Advance Fees	5403125.73	577934.00	i) Canara Bank (fee)-4725401-5	85912405.00	
g) Fees receivable of previous year received	591400.00	3187156.00	In term deposit Accounts		
			a) SBI-FDR	16000000.00	7000000.00
IV. Receipts against sponsored Fellowships and Scholarships	1285535.00	187935.00	b) SBI-FDR-Fees	32206104.00	12997839.00
			c) FDR -Corpus	112448735.53	104583812.00
			d) FDR with Canara Bank	-	68726559.00
V Interest received on			e) FDR -CPWD AMT	40000000.00	-
a Bank Deposits	16209236.53	14775777.00	f) FDR -Grant CNB	7436535.00	-
b Loans and Advances	-	85795.00	In Savings Accounts		
c Savings Bank Accounts	29474.00	-	a) SBI-DST .32658321701	-	414883.00
			b) SBI-Corpus-32846379816	12630.00	164656.00
VI Other income (including Prior Period Income)					
Electricity & Power	556620.15	2916404.67			
Library Fine	-	67549.00			
RTI Fees	70.00	350.00			
Tender Fees	35500.00	178500.00			

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
DEPUTY REGISTRAR

Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौरी, भोपाल
REGISTRAR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE PERIOD FROM 01-04-2016 TO 31-03-2017

	RECEIPTS	Amount in Rs ₹. Current year	Previous Year		PAYMENTS	Amount in Rs ₹ Current year	Previous Year
	Convocation Fees	407000.00	286700.00				
	Guest House receipt	-	75900.00				
	Income from DASA	100000.00	100000.00				
	Rent Recd	382435.00	334753.00				
	SPANDRAL	31900.00	29200.00				
	License Fees	194365.00	190075.00				
	Water Expense	39100.00	-				
	Mis. Receipts	54543.00	1900.00				
	Security Deposit	33000.00	3457808.00				
	EMD	642500.00	250308.00				
	Alumini	-	217000.00				
	Caution Money deposit	92000.00	965200.00				
	Deposits and Advances-(Electricity)	2853217.00	-				
	Statutory meeting	57154.00	-				
VII	**Advances Recovered**						
	Advance for Building at Bhouri	50000000.00	346786998.00				
	Advance to Other	458000.00	481283.00				
	Advance to Staff	1415855.00	7053351.00				
	Faculty Development Program(CPDA)	254780.00	4303360.00				
	Imprest	506147.00	324497.00				
	Computer Advance	-	97520.00				
	NPS Advance	12855.00	418655.00				
	Advance recovered from Students	-	525162.00				
	Toll Advance recovered	-	1400.00				
	Priyanka Singh Advance	3000.00	-				
	Yashika Gupta(SD)	2000.00	-				
	Yashika Gupta	6164.00	-				
	Aishe Remuneration	34250.00	-				
	Avinash Kumar pandey	17199.00	-				
VIII	**Any Other Receipts**						
	Leave Encashment recd from the other institue	27914.00	27914.00				
	Total	**545764066.92**	**867317955.72**		Total	**545764066.92**	**867317955.72**

	Payment for The year FY 2015-16	Paid in 16-17	Paid in 15-16
1	Air concept	280662.00	-
2	NBCC ltd	5070369.00	-
3	Quick Heal Technologies	46106.00	372554.00
		5397137.00	**372554.00**

उप कुलसचिव
Deputy Registrar
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal
DEPUTY REGISTRAR

Registrar
कुलसचिव
School of Planning & Architecture, Bhauri, Bhopal
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भौंरी, भोपाल
REGISTRAR

School of Planning and Architecture, located in central India, in the city of lakes, Bhopal, derives its logo from a semantic element of Malwa Architecture as the background. This interwoven spiral water channel is in shape of a sea-shell and symbolic of 'Mahadev' located in front of Nilkantha Mahadev Temple of Mandu, the capital of Malwa Sultanate. Devotees put flower at the inlet and pray for their wish fulfilment. The water channel depicts the path of struggle in the spirals and relief at the end of wish fulfilment. With the spiral channel as background, the logo uses the stylised shape of letter S representing flame, P representing parachute and A representing wave thus representing *Agni*, *Vayu* and *Jal*, the elements of Architecture. The Sanskrit shloka at the bottom is the code of conduct specified in the 'Samrangana Sutradhar', written by Raja Bhoj which means, "An architect must be well versed not only in Architecture but also in allied subjects". The complete composition is a welcoming sign for students to come and gain knowledge of 'shastras' of the field at School of Planning and Architecture, Bhopal, and pass out with flying colours.

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
(राष्ट्रीय महत्व का संस्थान, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार)

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL
(An Institution of National Importance, M.H.R.D., Govt. of India)

प्रांगण नीलबड़ मार्ग, भौंरी, भोपाल ४६२ ०३० **Campus** Neelbad Road, Bhauri, Bhopal 462 030
वेबसाइट Website www.spabhopal.ac.in **दूरभाष Phone** +91 755 252 6800